रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

30वीं वार्षिक रिपोर्ट

2024-25

30वीं वार्षिक रिपोर्ट

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

2024-25

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

नाइलिट केंद्र

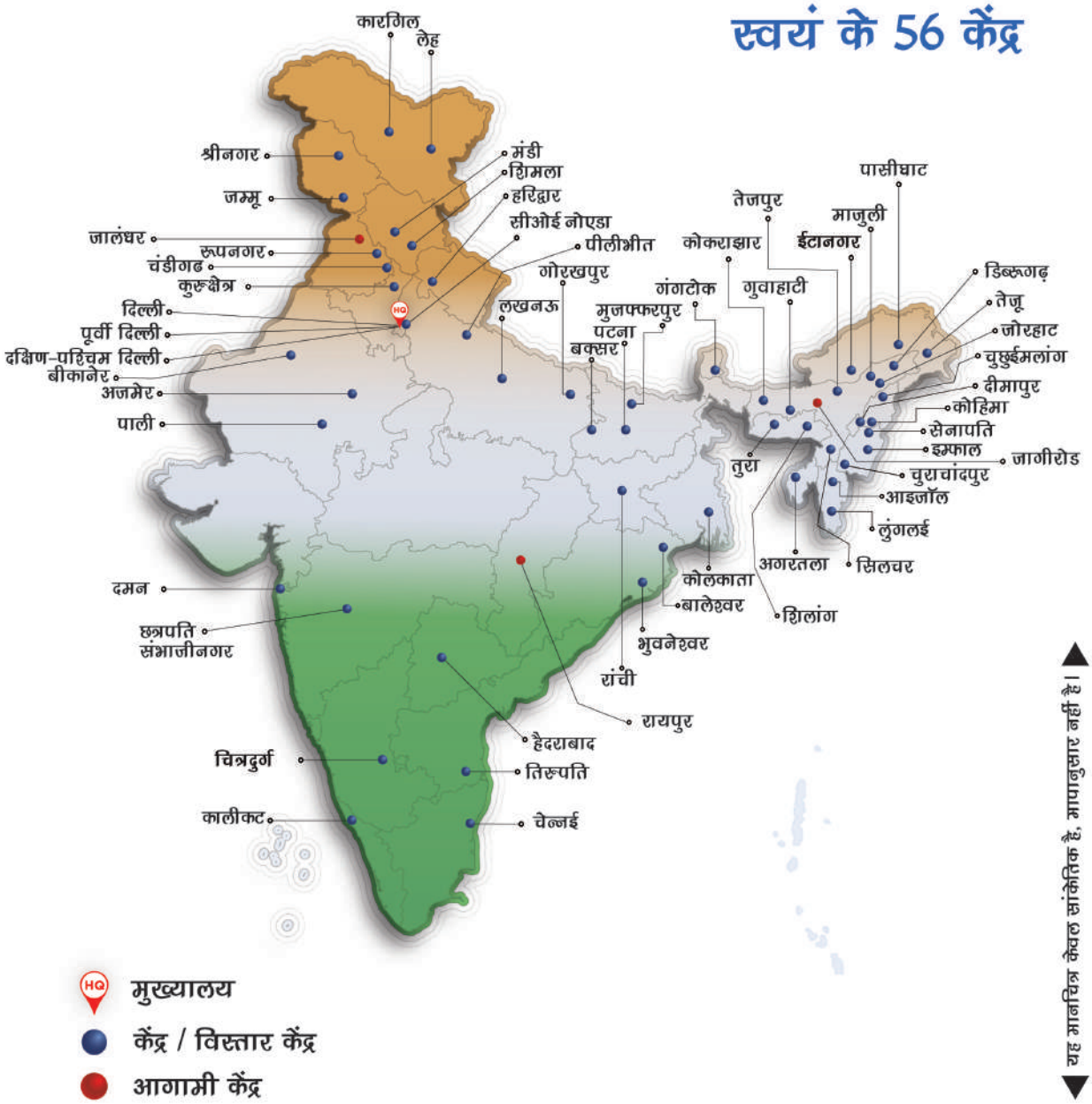
स्वयं के 56 केंद्र
कारगिल
लेह
श्रीनगर
जम्मू
जालंधर
रूपनगर
चंडीगढ
कुरूक्षेत्र
दिल्ली
पूर्वी दिल्ली
दक्षिण-पश्चिम दिल्ली
बीकानेर
अजमेर
पाली
मंडी
शिमला
हरिद्वार
सीओई नोएडा
पीलीभीत
गोरखपुर
लखनऊ
पटना
बक्सर
मुजफ्फरपुर
गंगटोक
तेजपुर
कोकराझार
गुवाहाटी
पासीघाट
माजुली
ईटानगर
डिब्रूगढ़
तेजू
जोरहाट
चुलुईमलांग
दीमापुर
कोहिमा
सेनापति
इम्फाल
जागीरोड
चुराचांदपुर
आइजॉल
लुंगलई
सिलचर
तुरा
अगरतला
शिलांग
कोलकाता
बालेश्वर
भुवनेश्वर
रांची
रायपुर
हैदराबाद
तिरूपति
चेन्नई
दमन
छत्रपति संभाजीनगर
चित्रदुर्ग
कालीकट
यह मानचित्र केवल सांकेतिक है, मापानुसार नहीं है।
मुख्यालय
केंद्र / विस्तार केंद्र
आगामी केंद्र

उपलब्धियाँ

अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ

विषय–वस्तु

01	संदेश	04
02	परिषद	10
03	संगठन अधिदेश	15
04	संगठन की विशेषताएं	18
05	नाइलिट डीम्ड–टू–बी–यूनिवर्सिटी	24
06	प्रकाशित शोध–पत्र	29
07	महत्वपूर्ण कार्यक्रम	35
08	कॉर्पोरेट प्रशिक्षण	43
09	विदेशी सहयोग के अंतर्गत कौशल	50
10	समझौता–ज्ञापन एवं सहयोग	52
11	पुरस्कार एवं प्रमाणन	59
12	परीक्षा	61
13	कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ	62
14	नाइलिट केंद्र	73
15	लेखा–परीक्षक	124
16	लेखा	132
17	संक्षेपाक्षर	192

अश्विनी वैष्णव
Ashwini Vaishnaw

सत्यमेव जयते

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
भारत सरकार
Minister of Railways, Information & Broadcasting
and Electronics & Information Technology
Government of India

संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष, एवं डिजिटल सशक्तिकरण से प्रेरित ***विकसित भारत@2047*** की कल्पना की है। इसको साकार करने के लिए एक ऐसे कुशल और भविष्य–उन्मुख कार्यबल की आवश्यकता है, जो उभरते हुए क्षेत्रों में भारत के परिवर्तन का नेतृत्व कर सके तथा यह सुनिश्चित कर सके कि डिजिटल अवसर समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचें।

इस परिकल्पना को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय अपने प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) ने इन आकांक्षाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

वर्ष 2024–25, नाइलिट के लिए ***डीम्ड–टू–बी यूनिवर्सिटी*** का दर्जा प्राप्त होने के साथ ऐतिहासिक रहा है। यह इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसका मुख्य परिसर रोपड़ में स्थित है तथा देशभर में इसके ग्यारह घटक परिसर हैं, जिनमें से पाँच पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित हैं। नाइलिट के कुल 56 केंद्र हैं जो देशभर में उपस्थित प्रत्यायित प्रशिक्षण संस्थानों एवं सुविधा केंद्रों के विस्तृत नेटवर्क द्वारा समर्थित हैं। ये सभी भारत के कौशल विकास और उच्च शिक्षा पारितंत्र में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सिद्धांतों के अनुरूप, यह विश्वविद्यालय वर्चुअल लैब, इमर्सिव कंटेंट एवं एआई–चालित वैयक्तिक शिक्षा जैसे नए फीचर्स के साथ यूजी, पीजी एवं पीएचडी कार्यक्रमों को एकीकृत कर रहा है।

नाइलिट ने आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, सेमीकंडक्टर डिज़ाइन एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन जैसे क्षेत्रों में उन्नत कौशल तक पहुँच को विस्तृत किया है। पूर्वोत्तर, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख जैसे राज्यों एवं अन्य आकांक्षी ज़िलों में नाइलिट की पहुँच इसके समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाती है। महिलाओं, विशेष–जनों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए नाइलिट द्वारा संचालित विशेष कार्यक्रम इसकी समावेशी दृष्टि के सशक्त पूरक भी हैं।

मुझे ***वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की 30वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ लेखा–परीक्षित विवरण एवं लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट*** को प्रस्तुत करते हुए, प्रसन्नता हो रही है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, शिक्षा, कौशल विकास एवं अनुसंधान के प्रमुख संस्थान के रूप में नाइलिट के सतत विकास की आशा करता है। माननीय मंत्री भारत के युवाओं के सशक्तिकरण, नवाचार को बढ़ावा देने एवं विकसित भारत के विजन में योगदान प्रदान करने की दिशा में इसकी अत्यधिक सफलता की कामना करते हैं।

अश्विनी

(अश्विनी वैष्णव)

Electronics Niketan, 6, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003
Phone : 011-24369191, 24362626

जितिन प्रसाद
JITIN PRASADA

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री
वाणिज्य एवं उद्योग,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
भारत सरकार
Minister of State
Commerce & Industry,
Electronics and Information Technology
Government of India

संदेश

आज प्रत्येक नागरिक के लिए तकनीक सशक्तिकरण का साधन बन जाने से ही सबसे अधिक सार्थक है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस बात पर बल दिया है कि तकनीक का उद्देश्य किसानों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराना, छोटे नगरों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना, और ग्रामीण युवाओं एवं रोजगार की तलाश में लगे लोगों के लिए नए अवसरों का सृजन करना होना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इसको साकार करने के लिए निरंतर कार्यरत है, तथा इस दिशा में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) ने **डिजिटल सशक्तिकरण और आजीविका से जुड़े अवसरों** को देश के प्रत्येक कोने तक पहुँचाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्ष 2024–25, कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ नाइलिट के लिए महत्वपूर्ण रहा है। इनमें प्रमुख है नाइलिट को **"डीम्ड–टू–बी यूनिवर्सिटी"** का दर्जा प्राप्त होना, जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन पहला विश्वविद्यालय है, जो उच्च शिक्षा को व्यावहारिक कौशल के साथ जोड़ने के नए अवसरों का सृजन करता है। इसी अवधि में **युवा रोजगार मंच तथा महा–रोजगार मंच** जैसी व्यापक पहल के माध्यम से 10,000 से अधिक अभ्यर्थियों को 350 से अधिक नियोक्ताओं के साथ संयोजित किया, जिसके परिणामस्वरूप, हज़ारों नियुक्तियाँ तथा कौशल एवं रोज़गार के बीच की कड़ी और सशक्त हुई। इन प्रयासों के साथ, प्रारंभ किये गए **एलुमनाई एंड प्लेसमेंट पोर्टल** पर एक लाख से अधिक अभ्यर्थियों का पंजीकरण हो चुका है और यह पोर्टल विद्यार्थियों को रोजगार एवं इंटर्नशिप के अवसरों से जोड़ने का कार्य कर रहा है।

ग्रामीण युवाओं, किसानों, महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं वंचित समुदायों को उन्नत **डिजिटल कौशल के अवसर** उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। गाँवों और छोटे नगरों में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण पहुँचाकर नाइलिट यह सुनिश्चित कर रहा है कि नई तकनीकों के अवसर केवल महानगरों तक सीमित न रहें। केवल पूर्वोत्तर क्षेत्र में ही, 1.7 लाख से अधिक नागरिकों को डिजिटल कौशल में प्रशिक्षित किया गया है तथा आजीविका संवर्धन हेतु प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भी समर्थ बनाया गया है। नाइलिट इन समावेशी प्रयासों से छात्रों को रोजगार एवं उद्यमिता हेतु तैयार कर रहा है तथा समाज के वंचित वर्गों को उत्पादकता, आत्मनिर्भरता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु डिजिटल साधनों से लाभान्वित कर रहा है।

मैं नाइलिट को युवाओं के सशक्तिकरण, रोजगार के अवसरों में वृद्धि, ग्रामीण क्षेत्रों को रूपांतरित करने तथा भारत की डिजिटल यात्रा को आगे बढ़ाने हेतु एवं इसके निरंतर सफल प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

(जितिन प्रसाद)

Digital India
Power To Empower

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय : इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003, दूरभाष : 011-24368757-58
Office : Electronics Niketan , 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003, Tel. : 011-24368757-58
E-Mail : mos-eit@gov.in, Website : www.meity.gov.in

एस. कृष्णन, आई.ए.एस.
सचिव
S. Krishnan, I.A.S.
Secretary

सत्यमेव जयते

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
Ministry of Electronics &
Information Technology (MeitY)
Government of India

संदेश

भारत आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना में तीव्र प्रगति से प्रौद्योगिकी आधारित विकास के निर्धारक–चरण में प्रवेश कर रहा है। ये प्रौद्योगिकियाँ न केवल आर्थिक विस्तार को स्वरूप प्रदान कर रही हैं अपितु, राष्ट्र के लिए रणनीतिक क्षमताओं का निर्माण भी कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इंडिया–एआई मिशन, सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम एवं टियर–2 तथा टियर–3 नगरों में नवाचार क्षमता को बढ़ाने संबंधी प्रयासों जैसी पहलों के माध्यम से इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही, ये सभी साधन भारत को आत्मनिर्भर एवं विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी डिजिटल अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में समर्थकारी बना रहे हैं।

इस परिदृश्य में नाइलिट ने प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास हेतु आधारशिला के रूप में स्वयं को स्थापित किया है।

वर्ष 2024–25 के दौरान नाइलिट ने **10 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित** किया, जिसमें डिजिटल साक्षरता से लेकर आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सेमीकंडक्टर डिज़ाइन तथा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन जैसे उन्नत क्षेत्रों में कौशल विकास शामिल है। इस अवधि का एक प्रमुख मील का पत्थर नाइलिट को डीम्ड–टू–बी यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त होना रहा, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के विजन के साथ संरेखित है। रोपड़ स्थित मुख्य परिसर तथा देशभर में इसके ग्यारह घटक परिसरों के माध्यम से नाइलिट एक विशिष्ट शैक्षणिक मॉडल विकसित कर रहा है, जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. शिक्षा को व्यावहारिक कौशल, अनुसंधान एवं उद्योग–सहयोग के साथ एकीकृत किया गया है। इसके साथ ही, वर्चुअल लैब, इमर्सिव लर्निंग और एआई– आधारित व्यक्तिगत शिक्षण प्रणालियों जैसी नवाचारों को भी शामिल किया गया है।

अनुसंधान और नवाचार को सुदृढ़ करने की दिशा में, नाइलिट ने संबंधित प्रयोगशालाएँ एवं उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं, जैसे; नोएडा स्थित चिप डिज़ाइन सेंटर, जो सेमीकंडक्टरों में स्वदेशी डिज़ाइन क्षमताओं को बढ़ावा दे रहा है। इसकी अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, हैल्थकेयर प्रौद्योगिकी, एम्बेडेड सिस्टम और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप संरेखित हो रही हैं। इसके अतिरिक्त, नाइलिट रक्षा एवं सुरक्षा एजेंसियों हेतु कॉर्पोरेट प्रशिक्षण एवं विशेषीकृत कार्यक्रम संचालित कर रहा है, जिससे देश के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को नवीनतम तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ मिल सके।

नाइलिट के कार्य में औद्योगिक सहयोग एक विशेषता रही है। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में उद्योगों के साथ साझेदारी के माध्यम से नाइलिट उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप विशिष्ट कौशलयुक्त मानव संसाधन तैयार कर रहा है। इसके साथ ही, तंजानिया, मिस्र, म्यांमार, लाओ पीडीआर, वियतनाम और कंबोडिया जैसे देशों के संस्थानों एवं एजेंसियों के साथ हुए समझौता–ज्ञापन एवं क्षमता–निर्माण भागीदारी के माध्यम से नाइलिट डिजिटल स्किलिंग एवं वैश्विक सहयोग में भारत की बढ़ती नेतृत्व–भूमिका को सुदृढ़ कर रहा है। ये पहलें पहले से ही क्रियान्वयन के चरण में हैं जो ज्ञान के आदान प्रदान से उत्पन्न अवसरों एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कार्यबल के निर्माण में योगदान दे रही हैं।

अपने व्यापक प्रशिक्षण क्षमता, अनुसंधान अभिविन्यास, उद्योग संबंधों और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के संयोजन से नाइलिट एक अग्रणी संस्था के रूप में उभर रहा है, जो व्यावहारिक शिक्षा, नवाचार तथा डिजिटल क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र बनता जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय आशान्वित है कि भारत के डिजिटल परिवर्तन की यात्रा में नाइलिट उन्नत तकनीकों में उत्कृष्टता के केंद्र बनकर महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में अपनी निरंतर संवृद्धि जारी रखेगा।

(एस. कृष्णन)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 21 सितंबर, 2025

Digital India
Power To Empower

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 / Electronics Niketan, 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003
Tel. : 011-24364041 • email : secretary@meity.gov.in

डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी
Dr. Madan Mohan Tripathi
महानिदेशक
Director General

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)
National Institute of Electronics
and Information Technology (NIELIT)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार की एक स्वायत वैज्ञानिक संस्था)
(An Autonomous Scientific Society of Ministry of Electronics
and Information Technology, Government of India)
नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकेट, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
सैक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077
NIELIT Bhawan, Plot No. 3, PSP Pocket, Institutional Area
Sector-8, Dwarka, New Delhi-110077
दूरभाष/Tele No. : 011-44446777
ईमेल /E-mail : dg@nielit.gov.in
ट्विटर /Twitter : @NIELITIndia

संदेश

प्रौद्योगिकी का तीव्र विकास आज व्यवसाय, शासन और समाज के स्वरूप को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। इससे उत्पादकता में वृद्धि हो रही है और नवाचार को नई दिशा मिल रही है जिससे, नागरिकों के लिए सेवाओं से जुड़ना और उनका लाभ उठाना अधिक सरल, कुशल और सुलभ हो गया है। यह डिजिटल क्रांति जहाँ एक ओर अभूतपूर्व अवसर प्रदान कर रही है, वहीं दूसरी ओर यह एक ऐसे कार्यबल की माँग भी करती है जो उन्नत कौशलों से परिपूर्ण हो तथा अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक सुदृढ़ पारिस्थितिकी का निर्माण कर सके।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की मानव संसाधन विकास शाखा के रूप में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण के माध्यम से इस परिवर्तन यात्रा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2024–25 के दौरान नाइलिट को डीम्ड–टू–बी यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त होना इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के सिद्धांतों पर आधारित यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा को व्यावहारिक कौशल विकास से जोड़ रहा है तथा डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच. डी. कार्यक्रमों के माध्यम से उभरती प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता प्रदान कर रहा है। रोपड़ स्थित मुख्य परिसर एवं देशभर में इसके ग्यारह घटक परिसरों के माध्यम से यह विश्वविद्यालय उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा दे रहा है।

नाइलिट वर्चुअल अकादमी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा एवं प्रोग्रामिंग संबंधी अग्रणी प्रौद्योगिकियों में एआई–समर्थित, बहुभाषी एवं वर्चुअल प्रयोगशाला–आधारित पाठ्यक्रमों द्वारा "कभी भी, कहीं भी" लर्निंग से गम्यता का विस्तार कर रहा है। सम्पूर्ण देश में, यह पहल जमीनी स्तर तक एवं शिक्षार्थियों के साथ–साथ दूरस्थ व वंचित क्षेत्रों के जनसाधारण को भी सशक्त बना रही है ताकि, वे भारत की डिजिटल विकास गाथा में सार्थक रूप से भाग लें जिससे डिजिटल कौशल संबंधी अंतर को कम किया जा सके।

वर्ष 2024–25 में नाइलिट ने अपने विस्तार को और मजबूत किया है। ओडिशा के बालेश्वर, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और आंध्र प्रदेश के तिरुपति में नए केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो अब प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। साथ ही, देशभर के 18 केंद्रों में रोजगार मेलों और प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन जैसी बृहद पहलों ने हजारों प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को संभावित नियोक्ताओं से जोड़ा है जिससे, कौशल को रोजगार से जोड़ने में संस्थान की भूमिका अत्यधिक दृढ़ हुई। नाइलिट एलुमनाई एवं प्लेसमेंट पोर्टल की शुरुआत ने सीखने और आजीविका सृजन के बीच के सेतु को और सुदृढ़ किया है।

अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार के संबंध में, नाइलिट ने उल्लेखनीय प्रगति की है। नोएडा स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन चिप डिज़ाइन के माध्यम से एफपीजीए आधारित विकास, वीएलएसआई अनुसंधान और सेमीकंडक्टर डिज़ाइन परियोजनाओं पर कार्य करते हुए स्वदेशी चिप डिज़ाइन क्षमताओं का विकास किया जा रहा है, जो राष्ट्र की आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। नाइलिट ने मेडिकल इमेजिंग हेतु अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर जांच, एफपीजीए–आधारित अल्ट्रासाउंड बीमफॉर्मर मॉड्यूल तथा ईईजी–आधारित एनेस्थीसिया संबंधी गहनता (डीओए) निगरानी प्रणाली को भी सफलतापूर्वक डिजाइन एवं विकसित किया है, जो अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं स्वदेशी उत्पाद विकास में इसकी बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नाइलिट ने अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ किया है। वर्ष 2024–25 के दौरान मिस्र, ताइवान, तंजानिया, म्यांमार, लाओस पीडीआर, वियतनाम और कंबोडिया सहित कई देशों की संस्थाओं एवं एजेंसियों के साथ रणनीतिक सहयोग एवं समझौता ज्ञापन किए गए हैं। ये सहयोग 5–जी, साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स और सेमीकंडक्टर जैसे उभरते क्षेत्रों में डिजिटल कौशल विकास, ज्ञान–विनिमय और मानव संसाधन क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

मुझे अवगत कराते हुए प्रसन्नता है कि, नाइलिट ने वर्ष 2024–25 के दौरान 10 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया। नाइलिट, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के नेतृत्व एवं माननीय प्रधानमंत्री जी के समावेशी व नवोन्मेष–आधारित विकास संबंधी विज़न से प्रेरित होकर डिजिटल रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)

दृष्टि

डिजिटल प्रौद्योगिकी द्वारा शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल की प्राप्ति एवं इसका प्रसार करना तथा उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु वैश्विक प्रतिभा तैयार करना।

उद्देश्य

- डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके शहरी–ग्रामीण विभाजन को दूर करते हुए, ''लागत प्रभावी, कभी भी, कहीं भी शिक्षा'', प्रदान करना।
- सहयोग से डिजिटल कौशल, शिक्षा और प्रमाणन में वैश्विक मानक स्थापित करना।
- पाठ्यक्रम में नवाचार और अनुप्रयोग–उन्मुख अनुसंधान द्वारा उद्यमशीलता की संस्कृति का सृजन करना जिससे, उत्पाद विकास को बढ़ावा मिले।
- समावेशी एवं सतत विकास हेतु प्रासंगिक कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं की संकल्पना एवं कार्यान्वयन।

संगठन संरचना

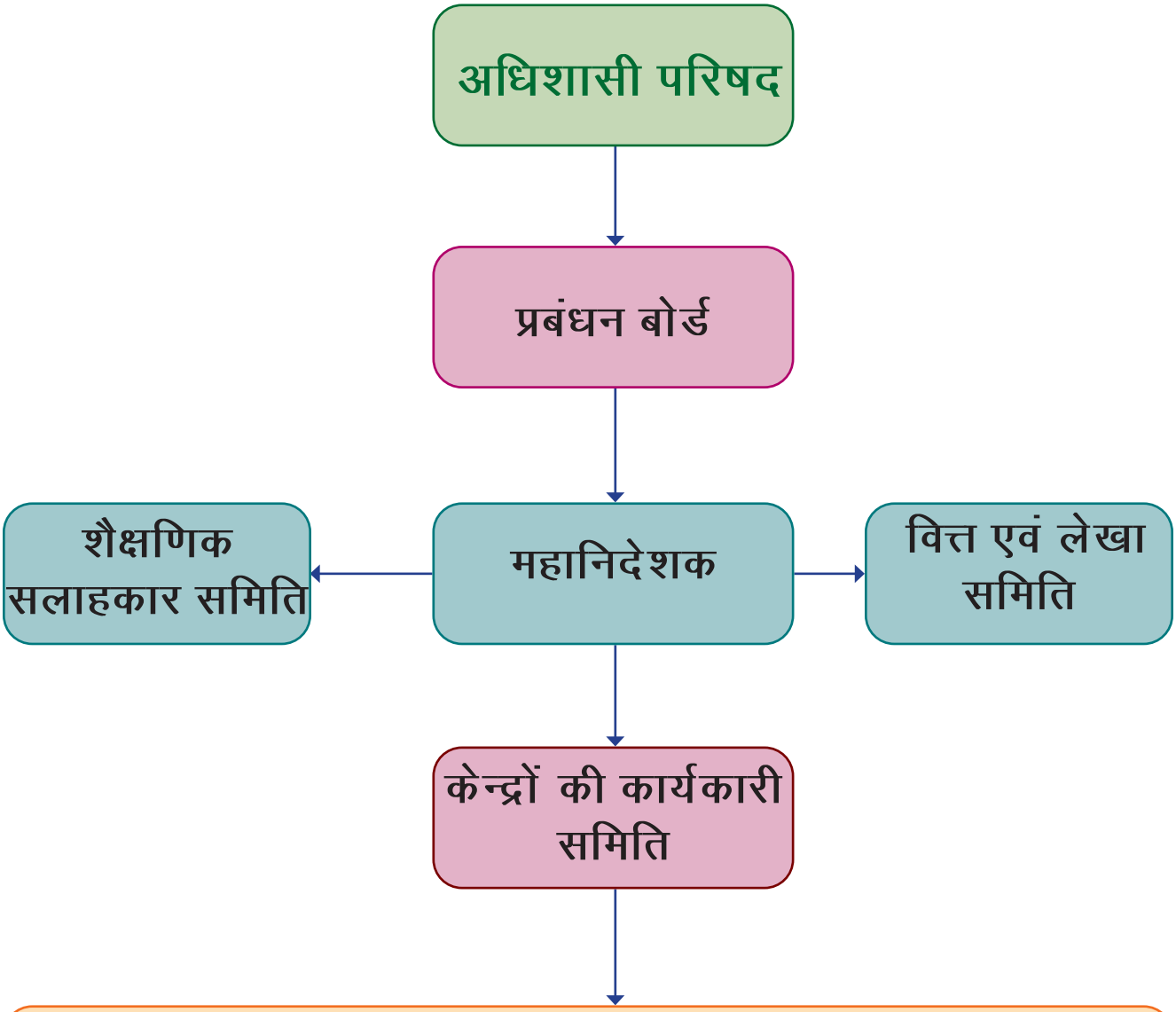

कार्यकारी निदेशक/निदेशक/प्रभारी निदेशक

अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, बालेश्वर भुवनेश्वर, बीकानेर, बक्सर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, चित्रदुर्ग चुचुयिमलांग, चुराचांदपुर, दमन दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, दक्षिण दिल्ली, पश्चिम दिल्ली, डिब्रूगढ़, दीमापुर, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, हैदराबाद, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कारगिल, कोहिमा, कोलकाता, कोकराझार, कुरूक्षेत्र, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, माजुली, मंडी, मुजफ्फरपुर, नोएडा, पासीघाट, पटना, पाली, पीलीभित, रांची, रोपड़, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर, तिरूपति, तुरा एवं तेजू।

अधिशासी परिषद

क्र.सं.	सदस्य	भूमिका
1.	**श्री अश्विनी वैष्णव** *माननीय मंत्री* रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	अध्यक्ष
2.	**श्री जितिन प्रसाद** *माननीय राज्य मंत्री* वाणिज्य और उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	उपाध्यक्ष
3.	**श्री एस. कृष्णन** *सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	कार्यकारी उपाध्यक्ष
4.	**श्री के. संजय मूर्ति** *सचिव,* उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय	सदस्य
5.	**प्रो. एम. जगदीश कुमार** *अध्यक्ष,* विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	सदस्य
6.	**प्रो. टी. जी. सीताराम** *अध्यक्ष,* अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद	सदस्य
7.	**सुश्री त्रिशालजीत सेठी** *महानिदेशक (प्रशिक्षण)/अपर सचिव* कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय	सदस्य
8.	**श्री भुवनेश कुमार** *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
9.	**श्री अभिषेक सिंह** *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
10.	**श्री राजेश सिंह** *संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
11	**श्री राजेश नांबियार** *अध्यक्ष,* नैसकॉम	सदस्य
12.	**श्री सुनील** *अध्यक्ष,* इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स	सदस्य
13.	**श्री टी.वी. मोहनदास पई** *अध्यक्ष,* मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	सदस्य
14	**श्री हरिओम राय** *अध्यक्ष,* लावा इंटरनेशनल लिमिटेड	सदस्य
15.	**श्री विनीत नायर** *संस्थापक,* संपर्क फाउंडेशन	सदस्य
16.	**डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी** *महानिदेशक,* नाइलिट	सदस्य सचिव

प्रबंधन बोर्ड

क्र.सं.	सदस्य	भूमिका
1.	**श्री एस. कृष्णन** *सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	अध्यक्ष
2.	**श्री भुवनेश कुमार** *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
3.	**प्रो. टी. जी. सीताराम** *अध्यक्ष,* अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद	सदस्य
4.	**श्री राजेश सिंह** *संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
5.	**सुश्री तूलिका पाण्डेय** *समूह प्रमुख (एचआरडी) एवं वैज्ञानिक 'जी'* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
6.	**श्री राजेश नांबियार** *अध्यक्ष,* नैसकॉम	सदस्य
7.	**डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी** *महानिदेशक,* नाइलिट	सदस्य सचिव

वित्त एवं लेखा समिति

क्र.सं.	सदस्य	भूमिका
1.	**डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी** *महानिदेशक,* नाइलिट	अध्यक्ष
2.	**श्री भुवनेश कुमार** *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
3.	**सुश्री तूलिका पाण्डेय** *समूह प्रमुख (एचआरडी) एवं वैज्ञानिक 'जी'* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
4.	**श्री राजेश सिंह** *संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
5.	**श्री आर. के. त्रिपाठी** *मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)* नाइलिट मुख्यालय	सदस्य सचिव

शैक्षणिक सलाहकार समिति

क्र.सं.	सदस्य	भूमिका
1.	**डॉ. पंकज जलोटे** *प्रोफेसर*, आईआईआईटी दिल्ली (संस्थापक निदेशक 2008–2018)	अध्यक्ष
2.	**डॉ. सुशील चंद्रा** *वैज्ञानिक–जी*, डीआरडीओ	सदस्य
3.	**डॉ. सरोज कौशिक** *सेवानिवृत्त प्रोफेसर*, आईआईटी दिल्ली एवं एसएनयू, ग्रेटर नोएडा के सेवानिवृत्त प्रोफेसर	सदस्य
4.	**श्री अमृत लाल मनवानी** *सीएमडी*, सहस्रा इलेक्ट्रॉनिक्स	सदस्य
5.	**श्री आशीष गुप्ता** *उपाध्यक्ष*, बारको इंडिया	सदस्य
6.	**डॉ. (सुश्री) संध्या चिंताला** *उपाध्यक्ष*, नैसकॉम	सदस्य
7.	**लेफ्टिनेंट कर्नल गुंजन चौधरी** *निदेशक*, एनसीवीईटी	सदस्य
8.	**श्री अनुपम जायसवाल** *सामाजिक कार्यकर्ता*	सदस्य
9.	**श्री भुवन दमाहे** *प्रमुख*, एलएंडटी एसटीए, मुंबई	सदस्य
10.	**डॉ. आलोक त्रिपाठी** *निदेशक (योजना/कौशल) एवं मुख्य परीक्षा नियंत्रक*, नाइलिट	सदस्य
11.	**सुश्री चेतना सिंह राठौर** *परीक्षा नियंत्रक–I*, नाइलिट	सदस्य
12.	**श्री रिपुंजय डी. सिंह** *वैज्ञानिक 'ई'*, नाइलिट मुख्यालय	सदस्य सचिव

अध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष	नाम
1995-1996	प्रो. पी.वी. इंदिरेसन, प्रख्यात शिक्षाविद
1996-1997	प्रो. पी.वी. इंदिरेसन, प्रख्यात शिक्षाविद
1997-1998	प्रो. पी.वी. इंदिरेसन, प्रख्यात शिक्षाविद
1998-1999	प्रो. सी.एस. झा, प्रख्यात शिक्षाविद
1999-2000	प्रो. सी.एस. झा, प्रख्यात शिक्षाविद
2000-2001	प्रो. सी.एस. झा, प्रख्यात शिक्षाविद
2001-2002	प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल, प्रख्यात शिक्षाविद्
2002-2003	डॉ. संजय पासवान, राज्य मंत्री, संचार एवं आईटी
2003-2004	थिरु दयानिधि मारन, मंत्री, संचार और आईटी
2004-2005	थिरु दयानिधि मारन, मंत्री, संचार और आईटी
2005-2006	थिरु दयानिधि मारन, मंत्री, संचार और आईटी
2006-2007	थिरु ए. राजा, मंत्री, संचार और आईटी
2007-2008	थिरु ए. राजा, मंत्री, संचार और आईटी
2008-2009	थिरु ए राजा, मंत्री, संचार और आईटी
2009-2010	थिरु ए राजा, मंत्री, संचार और आईटी
2010-2011	थिरु ए. राजा, संचार और आईटी मंत्री (14/11/2010 तक)
2010-2011	श्री कपिल सिब्बल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (15/11/2010 से)

वर्ष	नाम
2011-2012	श्री कपिल सिब्बल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
2012-2013	श्री कपिल सिब्बल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
2013-2014	श्री रविशंकर प्रसाद, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
2014-2015	श्री रविशंकर प्रसाद, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
2015-2016	श्री रविशंकर प्रसाद, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री
2016-2017	श्री रविशंकर प्रसाद, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री
2017-2018	श्री रविशंकर प्रसाद, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री
2018-2019	श्री रविशंकर प्रसाद, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री
2019-2020	श्री रविशंकर प्रसाद, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री
2020-2021	श्री रविशंकर प्रसाद, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री (06/07/2021 तक)
2020-2021	श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री (07.07.2021 से)
2021-2022	श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री
2022-2023	श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री
2023-2024	श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री
2024-2025	श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री

उपाध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष	नाम
2016-2017*	श्री पीपी चौधरी, एमओएस, एमईआईटीवाई
2017-2018	श्री केजे अल्फोंस, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई
2018-2019	श्री एसएस, अहलूवालिया, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई
2019-2020	श्री संजय धोत्रे, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई
2020-2021	श्री संजय धोत्रे, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई

वर्ष	नाम
2021-2022	श्री राजीव चन्द्रशेखर, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई (07/07/2021 से)
2022-2023	श्री राजीव चन्द्रशेखर, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई
2023-2024	श्री राजीव चन्द्रशेखर, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई
2024-2025	श्री जितिन प्रसाद, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई

*प्रथम बार वर्ष 2016 में सृजित।

अध्यक्ष, प्रबंधन बोर्ड

नाम	से	तक
श्री जे.सत्यनारायण, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	14/03/2012	30/04/2014
श्री आर.एस. शर्मा, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	01/05/2014	07/08/2015
श्री राकेश गर्ग, आईएएस, सचिव, दूरसंचार विभाग	08/08/2015	30/08/2015
श्री जे.एस. दीपक, आईएएस, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रलय	31/08/2015	08/02/2016
श्रीमती अरुणा शर्मा, आईएएस, सचिव	08/02/2016	28/07/2016

नाम	से	तक
श्रीमती अरुणा सुंदरराजन, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	29/07/2016	22/06/2017
श्री अजय साहनी, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	23/06/2017	28/02/2022
श्री के. राजारमन, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	01/03/2022	04/05/2022
श्री अलकेश कुमार शर्मा, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	05/05/2022	31/08/2023
श्री एस. कृष्णन, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	01/09/2023	

कार्यकारी निदेशक

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्ता	09/11/1994	26/06/1999
श्री वी.बी. तनेजा	28/06/1999	04/08/1999
श्री अरिंदम बोस	05/08/1999	17/07/2000
डॉ. पीएन गुप्ता	18/07/2000	30/12/2005
श्री जी.वी. रघुनाथन	31/12/2005	28/09/2006
डॉ. वीएन वालिवाडेकर	29/09/2006	28/02/2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01/03/2007	15/07/2007
श्री जी.वी. रघुनाथन	16/07/2007	16/10/2008

नाम	से	तक
डॉ. एस. बीरेंद्र सिंह	17/10/2008	01/11/2010
डॉ. वीएन वालिवाडेकर	02/11/2010	18/08/2011
श्री एन. रविशंकर, आईएएस	19/08/2011	28/08/2011
डॉ. वीएन वालिवाडेकर	29/08/2011	31/08/2011
श्री एन. रविशंकर, आईएएस	02/09/2011	03/05/2012
डॉ. अजय कुमार, आईएएस	04/05/2012	05/08/2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06/08/2012	09/09/2012

प्रबंध निदेशक

नाम	से	तक
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	10/09/2012	06/12/2015

महानिदेशक

नाम	से	तक
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	07/12/2015	05/08/2017
श्री राजीव कुमार, आईएफओएस	16/08/2017	14/08/2018

नाम	से	तक
डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, आईसीएएस	21/08/2018	30.01.2022
डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी	31.01.2022	

संगठन का अधिदेश

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है। नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्रों जैसे; आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा एवं फोरेंसिक, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी, ईएसडीएम, तथा संबंधित क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। यह डिग्री/ डिप्लोमा स्तर के साथ–साथ कौशल विकास पाठ्यक्रम भी संचालित करता है तथा राष्ट्रीय परीक्षा एवं मान्यता निकायों में से एक है, जो गैर–औपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों संचालन के लिए संस्थानों/ संगठनों को प्रत्यायित करता है। नाइलिट कई राज्य सरकारों के कर्मचारियों एवं जनसाधारण हेतु डिजिटल योग्यता कार्यक्रम की भी शुरूआत कर रहा है।

नाइलिट **अधिशासी परिषद** के समग्र नियंत्रण और मार्गदर्शन के अधीन कार्य कर रहा है। माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (इ एवं सू प्रौ) परिषद के अध्यक्ष हैं, जबकि, माननीय राज्य मंत्री (इ एवं सू प्रौ) इसके उपाध्यक्ष हैं, इसके साथ ही, सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत एवं विभिन्न व्यावसायिक निकायों के प्रतिनिधि भी परिषद के सदस्य हैं।

नाइलिट के **प्रबंधन बोर्ड** की अध्यक्षता सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा की जाती है। प्रत्येक नाइलिट केंद्र में एक कार्यकारी समिति होती है जिसमें, बोर्ड एवं परिषद के निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु संबंधित राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योग के प्रतिनिधियों को सम्मिलित करते हुए एक कार्यकारी समिति का गठन होता है।

वित्त एवं लेखा (वि एवं ले) समिति नाइलिट की अध्यक्षता महानिदेशक, नाइलिट द्वारा की जाती है तथा यह समिति बजट अनुमानों/संशोधित अनुमानों एवं अन्य वित्त–संबंधी मामलों की सिफ़ारिश करके अधिशासी परिषद को सहयोग प्रदान करती है। समिति को लेखा परीक्षकों की नियुक्ति के अतिरिक्त, अधिशासी परिषद को प्रस्तुत करने से पूर्व लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों की संपरीक्षा करना अनिवार्य है।

शैक्षणिक सलाहकार समिति (एएसी) की अध्यक्षता एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् द्वारा की जाती है तथा इसके सदस्य शिक्षा एवं उद्योग क्षेत्रों से होते हैं, तथा यह नाइलिट की शैक्षिक गतिविधियों पर परामर्श निकाय है।

नाइलिट के सतर्कता विभाग का नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) करते हैं, जो एमईआईटीवाई के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। सीवीओ को समस्त केंद्रों तथा नाइलिट मुख्यालय में सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता हैं।

पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने हेतु जुलाई, 2005 से, संस्थान में सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के अनिवार्य प्रावधानों को लागू किया गया है। आरटीआई अधिनियम के अधीन उल्लिखित आवश्यकता के अनुसार, मुख्यालय में लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ) के साथ–साथ सभी नाइलिट केंद्रों में पीआईओ नियुक्त किए गए हैं। आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों के निपटान हेतु, आंतरिक प्रक्रियाएँ तैयार की गई हैं एवं अनिवार्य जानकारी नाइलिट की वेबसाइट (www.nielit.gov.in) पर उपलब्ध करायी गयी है। सार्वजनिक सेवा वितरण में उत्कृष्टता लाने और नागरिकों की शिकायतों का सार्थक ढंग से निपटान करने के उद्देश्य से, नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा प्रख्यापित दिशानिर्देशों के अनुरूप एक लोक शिकायत अधिकारी (पीजीओ) भी नियुक्त किया है।

नाइलिट की अपनी उपस्थिति अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, बालेश्वर, भुवनेश्वर, बीकानेर, बक्सर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, चित्रदुर्ग, चुचुयिमलांग, चुराचांदपुर, दमन, दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, दक्षिण पश्चिमी दिल्ली, डिब्रूगढ़, दीमापुर, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, हैदराबाद, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कारगिल, कोहिमा, कोलकाता, कोकराझार, कुरूक्षेत्र, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, माजुली, मंडी, मुजफ्फरपुर, नोएडा, पासीघाट, पटना, पाली, पीलीभीत, रांची, रोपड़, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर, तिरुपति, तुरा एवं तेजू में **छप्पन (56) स्थानों पर है।** इन केन्द्रों के अतिरिक्त, नाइलिट का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

नाइलिट के अपने केंद्रों/विस्तार केंद्रों की वर्षवार वृद्धि

अप्रैल 2014 से पूर्व	31	अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, चुचुयिमलांग, चुराचांदपुर, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इम्फाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, कोकराझार, कोलकाता, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, पटना, रांची, सेनापति, शिमला, शिलांग, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर	**2016-17**	3	कुरूक्षेत्र, डिब्रूगढ़, भुवनेश्वर
			2017-18	2	पाली, हरिद्वार
			2018-19	3	माजुली, तेजू, मंडी
			2019-20	1	कारगिल
			2020-21	2	दीमापुर, दमन
			2022-23	4	बक्सर, मुजफ्फरपुर, पूर्वी दिल्ली, दक्षिण पश्चिम दिल्ली
			2023-24	3	नोएडा, बीकानेर, हैदराबाद
2014-15	1	रोपड़	**2024-25**	4	बालेश्वर, चित्रदुर्ग, पीलीभीत, तिरुपति
2015-16	2	पासीघाट, तुरा	**आगामी केंद्र/ विस्तार केंद्र**	जालंधर (पंजाब), रायपुर (छत्तीसगढ़), जागीरोड (असम)	

56 स्व–केन्द्रों के अतिरिक्त, नाइलिट ओ/ए/बी/सी स्तर के पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण के लिए लगभग **700+ प्रत्यायित प्रशिक्षण संस्थानों** और डिजिटल योग्यता पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण में संलग्न लगभग **8500+ सुविधा केंद्रों** के नेटवर्क के माध्यम से भी जुड़ा हुआ है, जिससे नाइलिट को देश के सभी क्षेत्रों एवं समाज के सभी वर्गों तक अपनी पहुँच की दृष्टि से, विशिष्ट स्थान प्राप्त हुआ है। नाइलिट अपने एनएसक्यूएफ–संरेखित लघु अवधि पाठ्यक्रमों एवं सीएचएमटी–ओ स्तर के पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए प्रशिक्षण संस्थानों को प्रत्यायन भी प्रदान करता है।

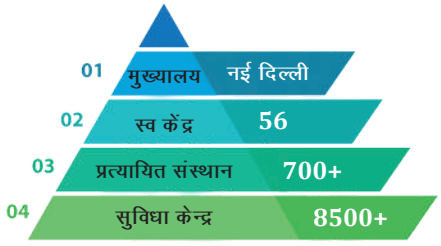

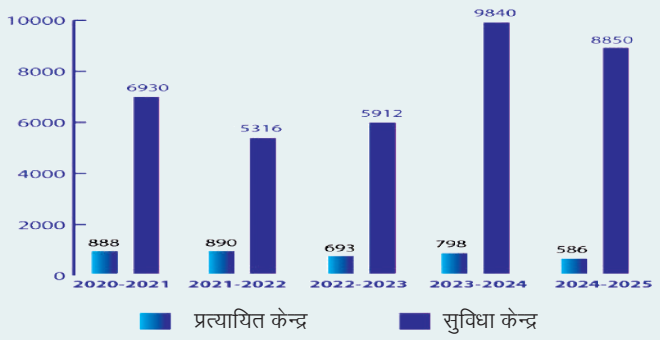

नाइलिट अखिल भारतीय स्तर पर

(31 मार्च, 2025 तक)

क्र. सं.	राज्य/ संघ शासित प्रदेश	इकाइयों की संख्या					
		मुख्य (स्व केंद्र)	विस्तार (स्व केंद्र)	सीएचएमटी– ओ स्तर हेतु प्रत्यायित संस्थान	प्रत्यायित संस्थान आईटी ओ–ए–बी–सी स्तर	डिजिटल योग्यता पाठ्यक्रमों हेतु सुविधा केंद्र	एनएसक्यूएफ–संबद्ध अल्पकालिक पाठ्यक्रमों हेतु प्रशिक्षण सहभागी
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	.	.		.	1	
2	आंध्र प्रदेश	1	.		1	38	7
3	अरुणाचल प्रदेश	1	2	1	3	31	3
4	असम	1	6	7	17	216	14
5	बिहार	1	2	1	7	359	16
6	चंडीगढ़	.	1	1	1	10	1
7	छत्तीसगढ	.	.		7	288	10
8	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	1	.		1	16	1
9	दिल्ली	1	2	3	36	109	9
10	गोवा	.	.			10	
11	गुजरात	.	.	5	11	247	8
12	हरियाणा	1	.	4	28	312	22
13	हिमाचल प्रदेश	1	1	1	61	150	27
14	जम्मू और कश्मीर	1	1	7	36	178	25
15	झारखंड	1	.	2	8	435	22
16	कर्नाटक	1	.	1	3	65	17
17	केरल	1	.	3	7	66	14
18	लक्षद्वीप	.	.		.	15	
19	मध्य प्रदेश	.	.	1	6	0	20
20	महाराष्ट्र	1	.	5	6	396	20
21	मणिपुर	1	2	1	4	654	3
22	मेघालय	1	1	1	2	51	4
23	मिजोरम	1	1	1	1	21	1
24	नागालैंड	1	2	1	5	11	4
25	ओडिशा	1	1	2	31	15	50
26	पुदुचेरी	.	.	2	1	110	
27	पंजाब	1	.	1	8	6	10
28	राजस्थान	1	2	4	19	72	25
29	सिक्किम	1	.		2	320	1
30	तमिलनाडु	1	.	2	2	3	16
31	तेलंगाना	1	.		.	69	5
32	त्रिपुरा	1	.	1	1	123	4
33	केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख	1	1		.	18	11
34	उत्तर प्रदेश	1	3	13	407	3995	166
35	उत्तराखंड	1	.		12	138	3
36	पश्चिम बंगाल	1	.	2	19	302	47
स्वयं के केंद्रों/ टीपी की कुल संख्या		**28**	**28**	**73**	**753**	**8850**	**586**

संगठन की विशेषताएँ

नाइलिट पाठ्यक्रमों का स्पेक्ट्रम

आईईसीटी के क्षेत्र में युवाओं के कौशल विकास में नाइलिट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट पाठ्यक्रमों की विस्तृत सूची में सम्मिलित हैं: (i) **डिग्री/ डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम** जैसे **एम.टेक, बी.टेक, एमसीए, बीसीए एवं पीएचडी** कार्यक्रम, जो नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी द्वारा आईटी और इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में प्रदान किए जाते हैं। (ii) **कौशल पाठ्यक्रम (दीर्घकालिक)** जैसे ओ लेवल (आईटी), ए लेवल (आईटी), बी लेवल (आईटी), सी लेवल (आईटी), सीएचएमटी–ओ लेवल, आदि; (iii) **कौशल पाठ्यक्रम (अल्पकालिक)** जैसे आईओटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, एआई आदि जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में आदि तथा (iv) देश में डिजिटल दक्षता के प्रसार हेतु **डिजिटल योग्यता कार्यक्रम**; इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारों और केंद्रीय मंत्रालयों के विभागों के कर्मचारियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने युवाओं और उद्योगों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित कौशल, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग कार्यक्रमों की शुरूआत करने हेतु विशेषज्ञता भी सृजित की है।

प्रशिक्षण का सारांश

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के दौरान, विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुशल/प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या निम्नवत है:–

क्र. सं.	पाठ्यक्रम श्रेणी	कुशल अभ्यर्थियों की संख्या
1.	डिग्री/ डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम	3,274
2.	कौशल आधारित दीर्घकालिक पाठ्यक्रम	1,20,533
3.	कौशल आधारित अल्पकालिक पाठ्यक्रम	4,94,564
4.	डिजिटल योग्यता कार्यक्रम	4,14,599
	वर्ष 2024–25 में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की कुल संख्या	**10,32,970**

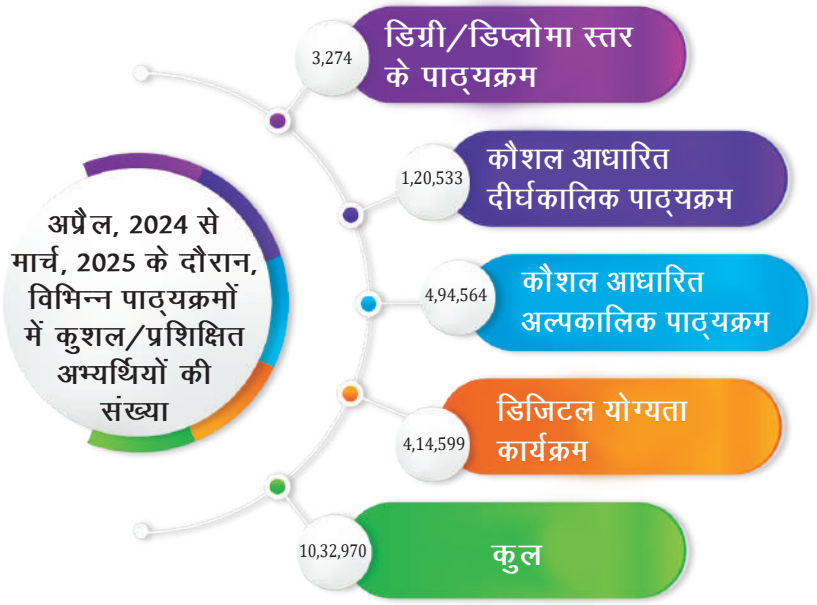

भौतिक उपलब्धि–5 वर्ष

डिग्री/डिप्लोमा स्तरीय पाठ्यक्रम

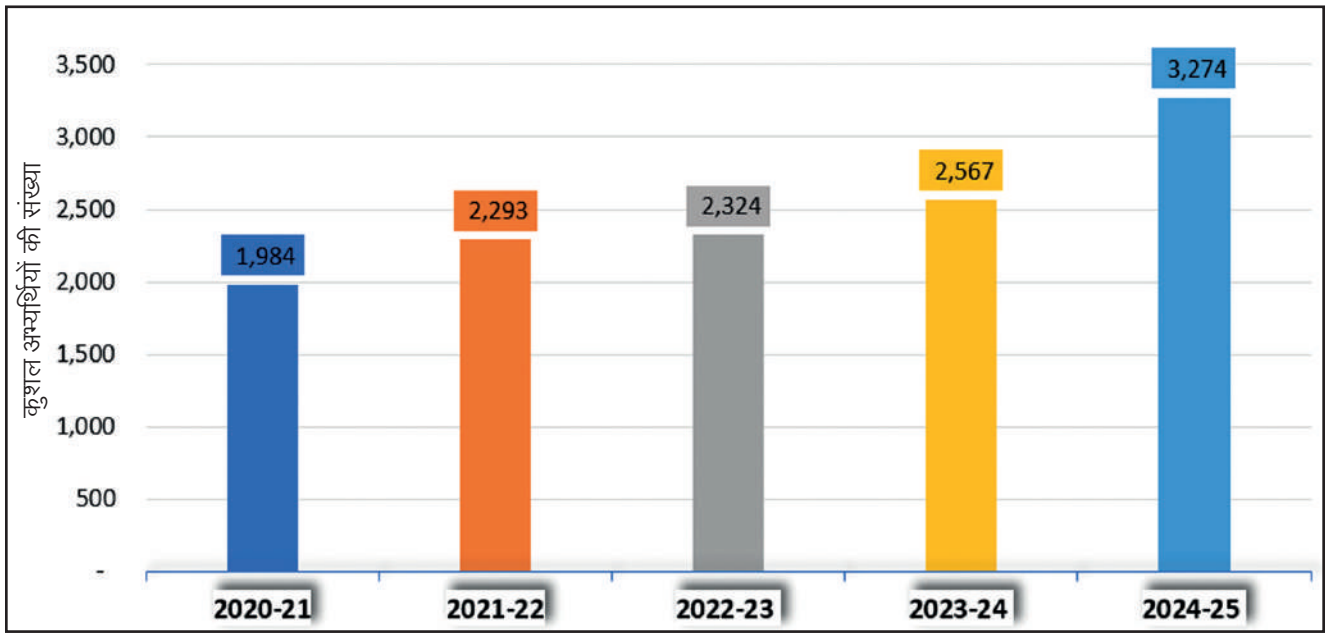

कौशल पाठ्यक्रम (दीर्घ अवधि)

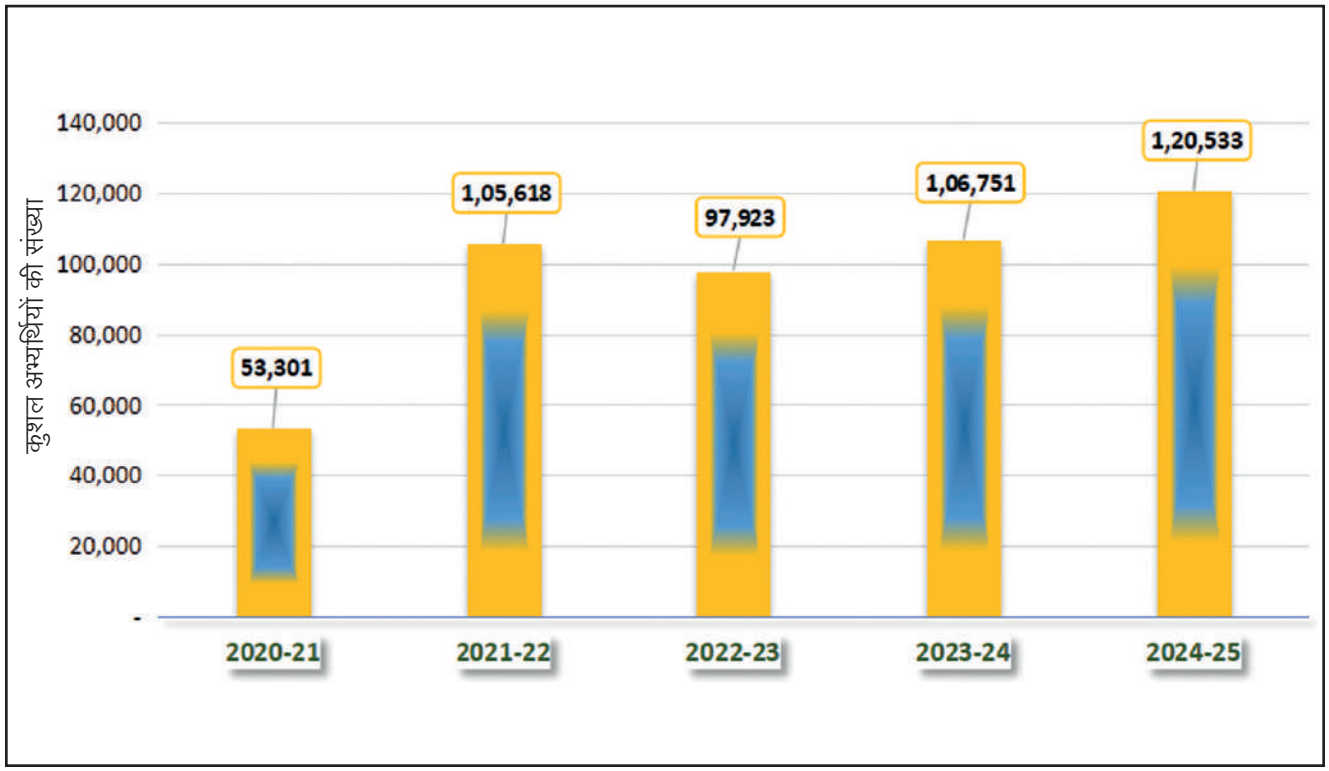

कौशल पाठ्यक्रम (लघु अवधि)

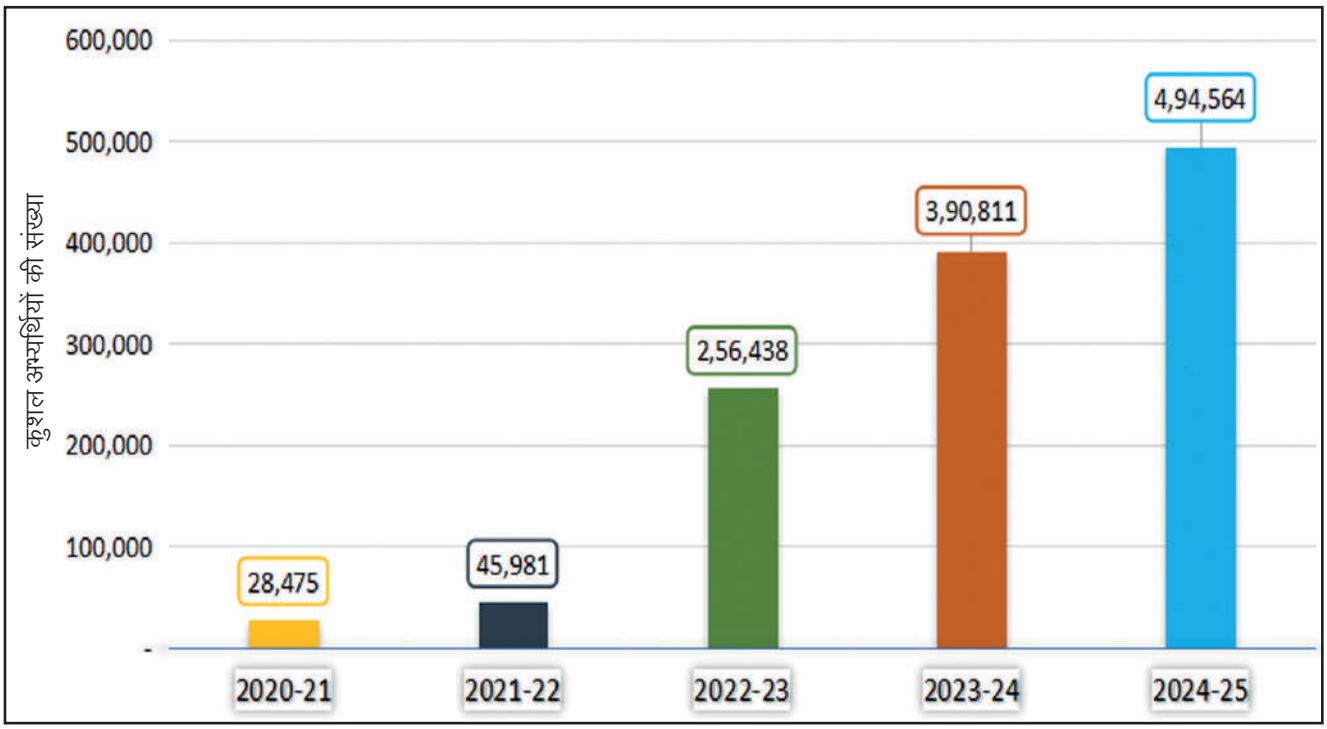

डिजिटल क्षमता कार्यक्रम

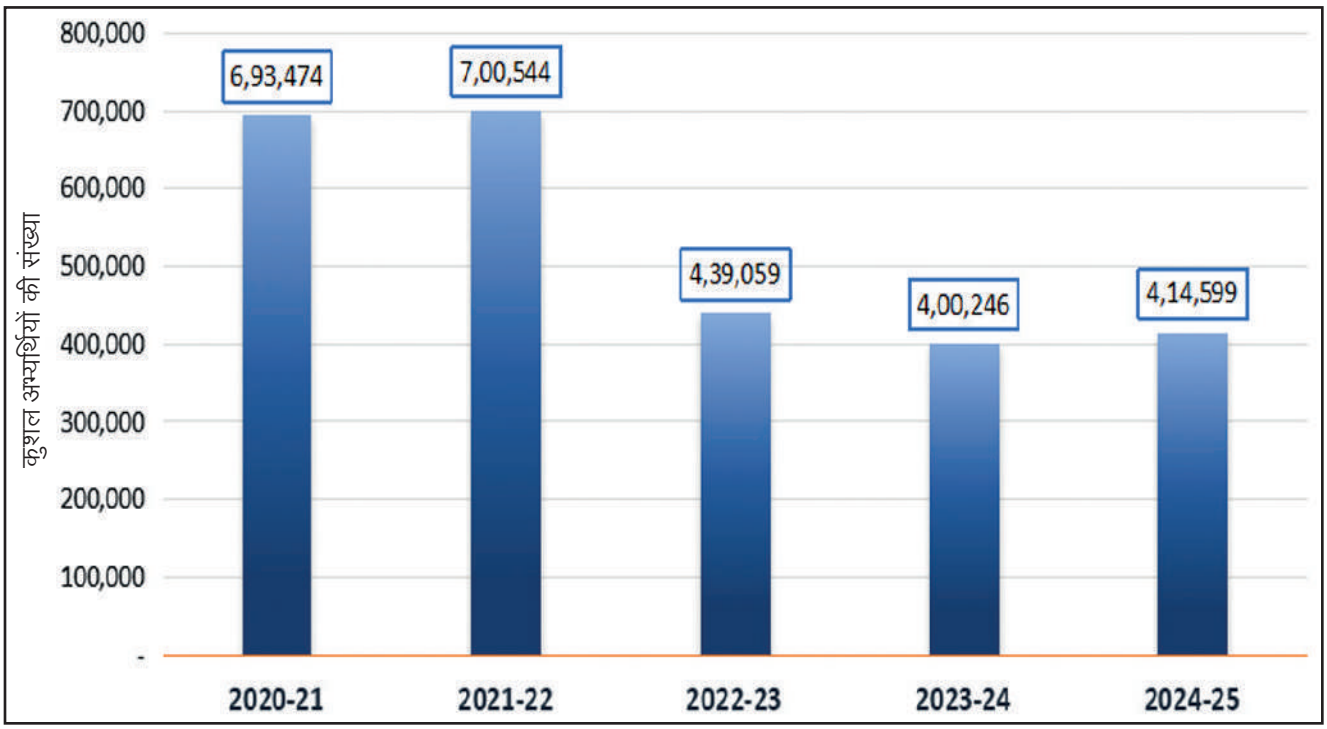

समग्र प्रशिक्षित

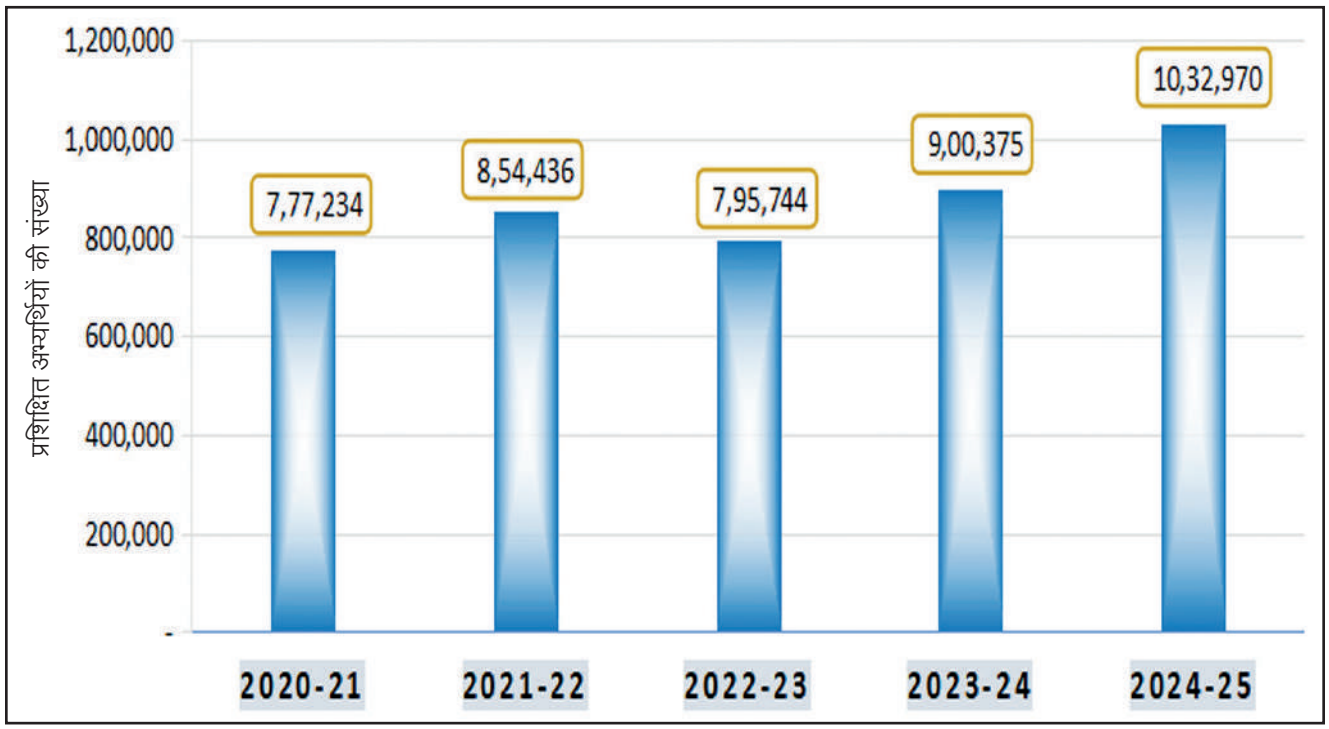

समग्र प्रमाणन

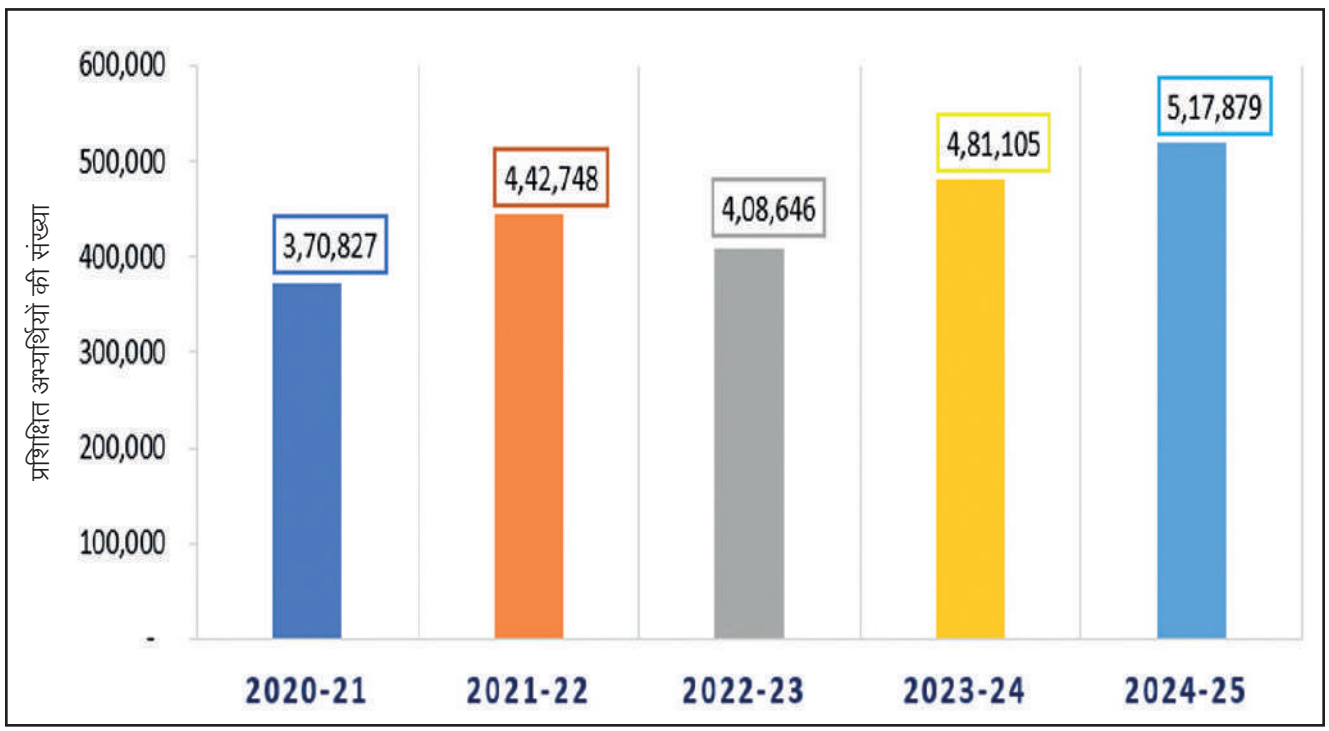

आय बनाम व्यय

(एनपीआर परियोजना को छोड़कर) (रु करोड़ में)

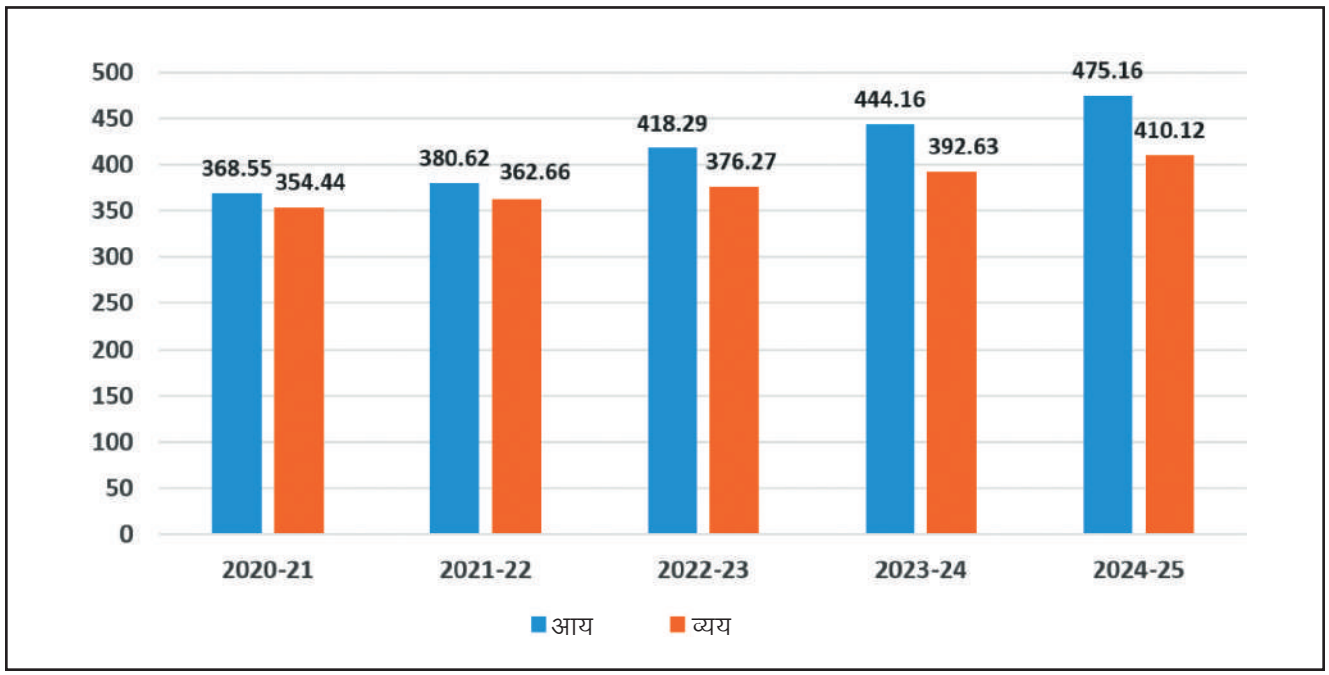

अधिशेष

(एनपीआर परियोजना को छोड़कर) (रु करोड़ में)

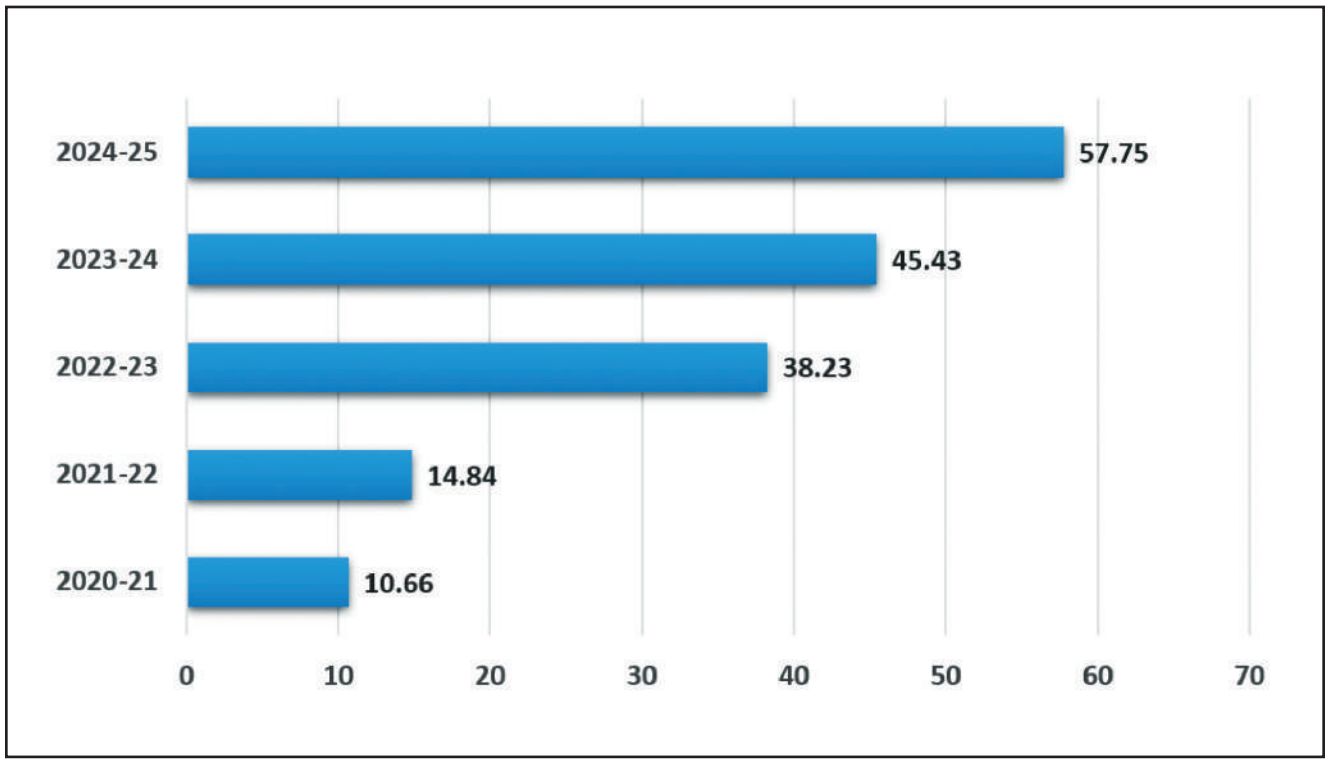

वर्ष 2024–25 हेतु गतिविधिवार राजस्व सृजन

(रु करोड़ में)

प्रकाशन की बिक्री से आय	0.05
टाउनशिप से प्राप्तियां	0.46
अनुदान/ सब्सिडी	3.51
अर्जित ब्याज	40.37
विविध आय	47.91
शुल्क/ सदस्यता	127.55
परियोजनाओं से आय	116.69
बिक्री/सेवा से आय	138.62
कुल	**475.16**

वर्ष 2024–25 हेतु व्यय का अंश विवरण

(रु करोड़ में)

मूल्यह्रास	21.59
अन्य प्रशासनिक व्यय	61.99
परियोजनाओं पर व्यय	115.15
स्थापना व्यय	84.15
सेवाओं पर व्यय	127.24
कुल	**410.12**

नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी

नाइलिट 'डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी': नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के उद्घाटन के साथ डिजिटल शिक्षा में एक नए युग की शुरुआत।

नाइलिट ने राजपत्र अधिसूचना संख्या 9–3/2023–यू.3(ए) दिनांक 15 जुलाई, 2024 के तहत डीम्ड विश्वविद्यालय (विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत) का दर्जा प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसे भारत के राजपत्र के भाग–I, खंड–1 में प्रकाशित किया गया है। नाइलिट रोपड़ (पंजाब) को अपना मुख्य परिसर बनाने के साथ–साथ आइज़ोल, अगरतला, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, कोहिमा, पटना, श्रीनगर, अजमेर (केकरी) और ईटानगर स्थित 11 घटक ईकाइयाँ हैं। यह मान्यता डिजिटल सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा की ओर राष्ट्र की यात्रा में एक बड़ा कदम है।

यूजीसी की "विशिष्ट" श्रेणी के अंतर्गत मान्यता प्राप्त, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत एकमात्र विश्वविद्यालय है जो, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में उद्योग सम्बद्ध स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट एवं डिप्लोमा कार्यक्रम का संचालन करता है। यह विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता, संकाय व कर्मचारी विकास कार्यक्रमों तथा आधारभूत संरचना के विकास पर केंद्रित है।

पृष्ठभूमि: नाइलिट का प्रबंधन आंतरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार के विशेषज्ञों को सम्मिलित करने संबंधी प्रयासों के लिए वचनबद्ध है जो, परिवर्तनकारी नीति (अर्थात नाइलिट 2.0) को रेखांकित, विशिष्ट अवसर, केन्द्रित क्षेत्रों में इसके विकास/सुधार फ्रेमवर्क, तथा नई पहलों की पहचान करे।

इस दिशा में, दिनांक: 13 जून, 2022 को आयोजित नाइलिट की आधिशासी परिषद की बैठक में दिये गए निर्देश पर, मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के अध्यक्ष श्री टीवी मोहनदास पई की अध्यक्षता में नाइलिट के भविष्य के रोडमैप पर

विचार–विमर्श करने एवं सुझाव देने हेतु एक उच्च–स्तरीय समिति (एचएलसी) का गठन किया गया था। एचएलसी की सिफारिशों में से एक पर्याप्त पहुंच, पर्याप्त पारिस्थितिकी तंत्र विकास और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी में पर्याप्त विशेषज्ञता हेतु अखिल भारतीय स्तर का 'डिजिटल विश्वविद्यालय' बनाना था। विश्वविद्यालय (क) कार्यबल पिरामिड के शीर्ष पर क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगा (ख) कार्यबल पिरामिड के मध्य और निचले स्तर के लिए कार्यबल तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए टियर–2 और 3 नगरों में प्रशिक्षण भागीदारों के साथ सामंजस्य स्थापित करेगा तथा (ग) टियर– 2 व 3 शहरों/संस्थानों के छात्रों को उच्च स्तरीय कौशल विकास भी सुविधा प्रदान करते हुए, उद्योग एवं प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों के लिए प्रवक्ता के रूप में कार्य करेगा।

उच्च स्तरीय समिति की सिफारिश पर कार्य करते हुए, नाइलिट ने विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा प्रदान करने के लिए यूजीसी को आवेदन दिया।

विश्वविद्यालय बेहतर डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से नम्य, छात्र–केंद्रित शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। इसमें वर्चुअल लैब, इमर्सिव कंटेंट एवं एआई–संचालित व्यक्तिगत शिक्षण समाधान जैसी सुविधाएँ शामिल हैं जो देश भर के छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करता है। संस्थान का मिशन डिजिटल असमानताओं को दूर करना, टियर–2 और टियर–3 शहरों, ग्रामीण क्षेत्रों और पूर्वोत्तर राज्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह सुनिश्चित करना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सबसे दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पहुँचे।

नव प्रदत्त नाइलिट डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा नाइलिट की सतत शैक्षिक उत्कृष्टता, राष्ट्रव्यापी पहुंच एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को मान्यता प्रदान करता है। दिनांक 03.01.2025 को 12 स्थानों पर नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का उद्घाटन किया गया। गुवाहाटी में आयोजित एक समारोह में असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उद्घाटन समारोह में नाइलिट के महानिदेशक डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी भी उपस्थित थे, जिनके नेतृत्व में नाइलिट उत्कृष्टता के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है।

डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी की संरचना

1. माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति हैं।
2. माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री नाइलिट के प्रो–चांसलर हैं।
3. माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने अधिसूचना फाइल संख्या एल–14015/1/2024–एचआरडी, दिनांक 21.08.2024 के जरिए नाइलिट के अधिशासी परिषद के अध्यक्ष एवं नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति के रूप में नाइलिट के महानिदेशक डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी की नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के कुलपति के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का कोर्ट

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम	पद	कार्यकाल
1.	माननीय एमईआईटी	कुलाधिपति	पद के अनुसार
2.	माननीय राज्य मंत्री (ई व आईटी)	प्रो–चांसलर	पद के अनुसार
3.	सचिव, एमईआईटीवाई	सदस्य	पद के अनुसार
4.	कुलपति, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी	सदस्य	पद के अनुसार
5.	वैज्ञानिक 'जी' एवं समूह समन्वयक मानव संसाधन विकास प्रभाग, एमईआईटीवाई	सदस्य	पद के अनुसार
6.	प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, एनईटीएफ	सदस्य	तीन वर्ष
7.	डॉ. जया जगदीश, भारत प्रमुख एएमडी	सदस्य	तीन वर्ष
8.	श्री राजेश नांबियार, अध्यक्ष, नैसकॉम	सदस्य	तीन वर्ष
9.	श्री अमृत जीवन, अध्यक्ष एमएआईटी	सदस्य	तीन वर्ष
10.	प्रो. नवीन चौधरी, डीन एनएफएसयू	सदस्य	तीन वर्ष
11.	कुलसचिव, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी	सचिव	पद के अनुसार

डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी की कार्यकारी परिषद

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम	पद	कार्यकाल
1.	कुलपति नाइलिट, डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी	अध्यक्ष	पद के अनुसार
2.	डॉ. संजीव कुमार गुप्ता कार्यकारी निदेशक, नाइलिट रोपड़	सदस्य	तीन वर्ष अथवा जब तक वह डीन का पद धारण करते हैं, जो भी पहले हो।
3.	डॉ. युमनाम जयंत सिंह कार्यकारी निदेशक, नाइलिट गुवाहाटी	सदस्य	तीन वर्ष अथवा जब तक वह डीन का पद धारण करते हैं, जो भी पहले हो।
4.	डॉ. जयराज यू. किदव कार्यकारी निदेशक, नाइलिट औरंगाबाद	सदस्य	एक वर्ष
5.	डॉ. धर्मेंद्र कुमार मिश्रा वैज्ञानिक 'एफ', नाइलिट गोरखपुर	सदस्य	एक वर्ष
6.	डॉ. अंगोम बुबू सिंह वैज्ञानिक 'ई', नाइलिट इम्फाल	सदस्य	एक वर्ष
7.	प्रो. (डॉ.) उन्नत पंडित भारतीय पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक	सदस्य	तीन वर्ष
8.	प्रो. नीरज पांडे आईआईएम मुंबई	सदस्य	तीन वर्ष
9.	सुश्री कीर्ति सेठ सीईओ, नैसकॉम	सदस्य	तीन वर्ष
10.	डॉ. अभय जेरे उपाध्यक्ष, एआईसीटीई	सदस्य	तीन वर्ष
11.	कुलसचिव नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी	सचिव	पद के अनुसार

डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक परिषद

क्र. सं.	संरचना	पद	कार्यकाल
1.	कुलपति	अध्यक्ष	पद के अनुसार
2.	**डीन/ एचओडी** (i) डॉ. एस.के. धुरंधर, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट मुख्यालय (ii) डॉ. युमनाम जयंत सिंह, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट गुवाहाटी (iii) डॉ. नितिन पुरी, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट पटना (v) श्री दीपक वासन, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट रोपड़ (vi) डॉ. जयराज यू किदव, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट औरंगाबाद	सदस्य	तीन वर्ष
3.	**प्रोफेसर** (i) डॉ. एस के धुरंधर, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट मुख्यालय (ii) डॉ. नितिन पुरी, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट पटना (iii) डॉ. जयराज यू.किदव, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट औरंगाबाद	सदस्य	तीन वर्ष
4.	**एसोसिएट प्रोफेसर** (i) डॉ. विमला मैथ्यू, वैज्ञानिक 'ई', नाइलिट कालीकट (ii) डॉ. अंगोम बूबू सिंह, वैज्ञानिक 'ई', नाइलिट इम्फाल (iii) डॉ. लक्ष्मण के., वैज्ञानिक 'ई' नाइलिट औरंगाबाद (iv) डॉ. श्याम सुंदर सिंह, वैज्ञानिक 'ई', नाइलिट अजमेर	सदस्य	तीन वर्ष
5.	**सहायक प्रोफेसर** (i) डॉ. सरवन सिंह, वैज्ञानिक 'डी', नाइलिट रोपड़ (ii) डॉ. सिनी एस.नायर, वैज्ञानिक 'डी', नाइलिट कालीकट (iii) डॉ. कल्याण बैताल, वैज्ञानिक 'डी', नाइलिट कोलकाता (iv) डॉ. मुनीर अहमद डार, वैज्ञानिक 'डी', नाइलिट रोपड़ (v) डॉ. अनिर्बान ज्योतिहती, वैज्ञानिक 'सी', नाइलिट औरंगाबाद	सदस्य	तीन वर्ष
6.	शिक्षाविदों अथवा अपने विशिष्ट विषय विशेषज्ञों में से छह प्रतिष्ठित व्यक्ति, जो डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी वाले संस्थान की सेवा में नहीं हैं, कुलपति द्वारा नामित; (i) मयंक दवे, एनआईटी कुरुक्षेत्र (ii) प्रो. डीपी विद्यार्थी, जेएनयू दिल्ली (iii) प्रोफेसर संजीव पराशर, आईआईएम रायपुर (iv) श्री आशीष गुप्ता, वी पी, बार्को इलेक्ट्रॉनिक्स, गुरुग्राम (v) सुश्री श्वेता खुराना, एमडी, निदेशक एशिया प्रशांत एवं जापान, इंटेल (vi) डॉ. नितिन औलक, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी रोपड़	सदस्य	तीन वर्ष
7.	डॉ. मनीष अरोड़ा, वैज्ञानिक 'एफ' एवं कुलसचिव , एनडीयू	सचिव	पद के अनुसार

डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी की वित्तीय समिति

क्र.सं.	नाम एवं पदनाम	पद	कार्यकाल
1.	कुलपति, एनडीयू	अध्यक्ष	पद के अनुसार
2.	सीएफओ नाइलिट	सदस्य	3 वर्ष
3.	**ईसी, एनडीयू द्वारा नामित** 1. डॉ. नीरज पांडे, प्रोफेसर, आईआईएम मुंबई 2. डॉ. गुज्जू मनुश्री, निदेशक (वित्त), एआईसीटीई, नई दिल्ली 3. सुश्री कीर्ति सेठ, पूर्व सीईओ, एसएससी–नैसकॉम	सदस्य	3 वर्ष
4.	श्री राजेश सिंह, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, एमईआईटीवाई	सदस्य	3 वर्ष
5.	**एनडीयू के चांसलर द्वारा नामांकन** 1. डॉ. ए. सरथ बाबू, एसोसिएट प्रोफेसर (लेखा एवं वित्त), इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, हैदराबाद 2. प्रो. जेएस सैनी, एसोसिएट डीन, थापर विश्वविद्यालय, पटियाला 3. प्रो. मुख्तियार सिंह, डीटीयू, दिल्ली	सदस्य	3 वर्ष
6.	वित्त अधिकारी, एनडीयू रोपड़	सचिव	पद के अनुसार

डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का पाठ्यक्रम बोर्ड:

विश्वविद्यालय में पांच पाठ्यक्रम बोर्ड हैं, जिनका नेतृत्व प्रत्येक पांच विभाग के डीन करते हैं:

i. इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग
ii. कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग
iii. कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग
iv. कृत्रिम बुद्धिमत्ता विभाग
v. अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग

शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में आरंभ किए गए कार्यक्रम:

नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने शैक्षणिक सत्र 2024–25 में डिप्लोमा, स्नातक (इंजीनियरिंग), स्नातकोत्तर (इंजीनियरिंग), स्नातक (कंप्यूटर अनुप्रयोग), स्नातकोत्तर (कंप्यूटर विज्ञान), स्नातकोत्तर (कंप्यूटर अनुप्रयोग), और पीएचडी (सीएसई/सीएसए/इलेक्ट्रॉनिक्स में) स्तर के कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

परिसर	अवधि	नामांकित छात्रों की संख्या
नाइलिट रोपड़	एम.टेक (डेटा इंजीनियरिंग)	6
नाइलिट रोपड़	एआई और एमआई के साथ सीएस में बी.टेक	27
नाइलिट श्रीनगर	साइबर फोरेंसिक में एम.टेक	8
नाइलिट, पटना	बी.टेक (सीएसई)	5
नाइलिट, पटना	एमसीए	14
नाइलिट कोहिमा	साइबर फोरेंसिक एवं सूचना सुरक्षा में एम.टेक	16
नाइलिट इम्फाल	एमटेक (एआई)	28
नाइलिट कालीकट	एम.एससी कंप्यूटर साइंस (डेटा साइंस)	8
नाइलिट औरंगाबाद	बीटेक कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	21
नाइलिट अगरतला	एम.टेक (डेटा इंजीनियरिंग)	26
कुल		**159**

इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में 19 छात्रों को पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित किया गया है।

प्रकाशित शोध–पत्र

जर्नल का प्रकाशन

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, नाइलिट के संकाय और शोधकर्ताओं ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 18 समकक्ष–समीक्षित शोधपत्र प्रकाशित किए, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, आईओटी, वीएलएसआई डिज़ाइन एवं जैव–चिकित्सा अनुप्रयोग जैसे अग्रणी क्षेत्रों को शामिल किया गया। जिसकी सूची निम्नवत रूप से है:

	सी. ज़ोरेमसांगा, नाइलिट आइजोल– *वर्षा पूर्वानुमान के लिए कण झुंड अनुकूलित डीप लर्निंग मॉडलः आइजोल, मिजोरम में एक केस स्टडी,* **आईईईई एक्सेस, 2024**।
	सी. ज़ोरेमसांगा, नाइलिट आइजोल– *भारत में मासिक वर्षा का अनुमान लगाने के लिए द्विदिश दीर्घ अल्पकालिक स्मृति मॉडल का मूल्यांकन,* **भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 2024।**
	सी. ज़ोरेमसांगा, नाइलिट आइजोल– *वर्षा पूर्वानुमान के लिए हाइब्रिड कण झुंड अनुकूलित मॉडलः भारत* में एक केस स्टडी, **शुद्ध और अनुप्रयुक्त भूभौतिकी, 2024।**
	जेयू किदव, एसजी श्रीजीश, आर शक्तिवेल, नाइलिट कालीकट– *आरटीएल सत्यापन के लिए समानांतर बीमफॉर्मर मॉडल का डिजाइन एवं विकास,* **एनआईसीईडीटी 2024 की कार्यवाही में, नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स, खंड 1023, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2024।** https://doi.org/10.1007/978-981-97-3604-1_3
	एसजी श्रीजीश, आर शक्तिवेल, जेयू किदव, नाइलिट कालीकट– *विभिन्न अल्ट्रासाउंड बीमफॉर्मर डिज़ाइन और आर्किटेक्चरः एक अद्यतन,* इंजीनियरिंग अनुसंधान के सिद्धांत और अनुप्रयोग, खंड 7, पृष्ठ 64–83, 2024. https://doi.org/10.9734/bpi/taer/v7/2916G
	जेयू किदव, एम. राजेश, एसजी श्रीजीश, पवन कुमार, नवीन कुमार, पी. विनिशा, नाइलिट कालीकट – *एक डिजिटल रिसीव बीमफॉर्मर एएसआईसी–आधारित अल्ट्रासाउंड* **इमेजिंग सिस्टम प्रोटोटाइप का डिज़ाइन, जर्नल ऑफ सर्किट, सिस्टम और कंप्यूटर, वॉल्यूम 34, नंबर 02, 2550064, 2025।**
	उमेश एस., विमला मैथ्यू, प्रवीण कुमार, पूर्णिमा थंगम आई., अमल कृष्णा यू., नंदकुमार आर., *नाइलिट कालीकट – उन्नत सुपर रिज़ॉल्यूशन जेनरेटिव एडवर्सरियल नेटवर्क का उपयोग करके चावल के पत्ते की बीमारी की भविष्यवाणी मॉडल का प्रदर्शन सुधार,* **इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग,** 2024।
	रोशन आरपी, स्वेता के., वी. मैथ्यू, नाइलिट कालीकट– *जनरेटिव एआई का उपयोग करके हस्तलिखित टेक्स्ट के पहचान का अवलोकनः अत्याधुनिक दृष्टिकोण, प्रमुख चुनौतियां और भावी दिशाएं, अनुप्रयुक्त विज्ञान और* **इंजीनियरिंग में अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2024।**
	उंगकर सैकिया, सुभ्रोजीत सैकिया, मोनिता वाहेंगबाम, प्रोनोब, ज्योति सैकिया, नाइलिट कोहिमा – *द्वि–दिशात्मक दीर्घ–अल्पकालिक मेमोरी नेटवर्क का उपयोग करते हुए अल्प संसाधन वाली* भारतीय मौखिक भाषा की पहचान, 2025. doi: 10.5281/zenodo.15349854.
	एन. इंद्रसन, डब्ल्यू. खोंगबुह, के. बैताल, जी. साहा, नाइलिट कोलकाता– *एमबीसीएसडी–आईओटीः सुरक्षित ई–वोटिंग सिस्टम हेतु बहु–स्तरीय ब्लॉकचेन–समर्थित एसडीएन–आधारित* **आईओटी आर्किटेक्चर, एनएसई पर आईईईई ट्रांज़ैक्शन, 2025।**
	के. बैताल, ए. चक्रवर्ती, नाइलिट कोलकाता– *विलंब तकनीकों का उपयोग करके मल्टी–कोर रियल–टाइम सिस्टम हेतु आश्रित लक्ष्यों का ऊर्जा कुशल गतिशील शेड्यूलिंग,* **समवर्ती एवं संगणनाः अभ्यास एवं अनुभव (विली),** खंड 36, संख्या 27, 2024। https://doi.org/10.1002.cpe.8267

	के. बैताल, ए. चक्रवर्ती, नाइलिट कोलकाता – *क्लाउड में ट्रांसकोडिंग एवं वीडियो शेड्यूलिंग हेतु एक विषम मल्टी–कोर आर्किटेक्चरल मॉडल,* **अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी जर्नल (स्प्रिगर),** खंड 16, पृष्ठ 2831–2845, 2024।
	करुणा शील, नाइलिट कुरुक्षेत्र – *इंटेलिजेंट ऑर्चर्ड मॉनिटरिंगः आईओटी एकीकृत फजी लॉजिक–आधारित रियल टाइम सेब रोग भविष्यवाणी पर्यावरणीय कारकों को सम्मिलित करते हुए,* **जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड साइंस एंड टेक्नोलॉजी,** 2024।
	जनयिता बिस्वा सरमा, सौरोव महंत, हेमेन डेका, भाबेन तांती– *रिफाइनरी ऑयली स्लज एवं दूषित मिट्टी से पृथक किए गए बैक्टीरिया की इथेनॉल सहनशीलता क्षमता की खोज, अफ्रीकन* **जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस (एएफजेबीएस),** आईएसएसएनः 2663–2187, पृष्ठ 1031–1052, 2024।
	नबज्योति गोस्वामी, रूपम दत्ता, रेने बार्बी ब्राउन, प्रोबोध बोरा, सौरोव महंत, सुभाष मेधी– *आणविक गतिशीलता सिमुलेशन से पता चलता है कि R399Q उत्परिवर्तन XRCC1–polb इंटरैक्शन को बाधित करता है, संभावित रूप से डीएनए बेस एक्सिशन रिपेयर पाथवे को ख़राब करता है,* **जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, पीपी.**1–22, 2025।
	गीतार्थ कौशिक, सौरोव महंत, साबित्री बोरदोलोई– *ग्रे के स्टोन लोच बालिटोरा ब्रुसी ग्रे में सीओआई जीन का होमोलॉजी मॉडलिंग एवं आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन, 1830, नाइलिट के संचार,* **इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनआईसीडीटी 2024), स्प्रिगर नेचर सिंगापुर,** पीपी. 357–379, 2024।
	मयूरी शर्मा, बिदिशा गोस्वामी, नबज्योति गोस्वामी, सौरोव महंत, युमनाम जयंत सिंह– *बायोमेडिकल इमेजिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग का सटीक उपयोग करने में चुनौतियाँ,* **बायोमेडिकल इमेजिंग में: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग में प्रगति, स्प्रिगर नेचर सिंगापुर,** पृ. 103–129, 2024।
	जिबंज्योति पैनपांडा, अवधेश कुमार मिश्रा, पिंकू चंद्र नाथ, सौरोव महंत, मिनाक्सी शर्मा, प्रकाश कुमार नायक, युगल किशोर मोहंता, कंडी श्रीधर– *सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु वन्य खाद्य मशरूमः खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु उपन्यास स्रोत,* **खाद्य जैव विज्ञान, लेख आईडी** 104277, 2024।

कांफ्रेंस प्रकाशनः

इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2024–25 में, नाइलिट ने 41 सम्मेलन पत्रों का योगदान दिया, जिन्हें प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत किया गया, जो अनुप्रयुक्त अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास में इसकी दृढ़ उपस्थिति को दर्शाता है। सम्मेलन प्रकाशनों की सूची इस प्रकार है:

	वनलालहमंगईहा खियांग्ते, वनलालह्लुइया, टी. गुनेंद्र सिंह, *नाइलिट आइजोल– प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के माध्यम से परीक्षा में बैठक–व्यवस्था को सुव्यवस्थित करनाः एक अभिनव दृष्टिकोण,* **एनआईसीईडीटी 2024, स्प्रिगर।**
	वनलालह्लुइया, वनलालहमंगईहा खियांगते, *नाइलिट आइजोल– बुनाई पैटर्न के स्वचालित निर्माण के लिए त्वरित इंजीनियरिंग,* **एनआईसीईडीटी 2024, स्प्रिगर।**
	टी. गुणेंद्र सिंह, *नाइलिट आइजोल– गर्भाशय कैंसर इमेज सेगमेंटेशन हेतु डीप लर्निंग मॉडल के हॉटस्पॉट डिटेक्शन तकनीक का उपयोग,* **एडीआईसीएस 2024, आईईईई।**
	शर्मिष्ठा भट्टाचार्जी, देबाशीष मजूमदार, *नाइलिट रोपड़ एवं आरबीआई मुंबई– महामारी विरोधाभासः सिद्धांत एवं तकनीक का अनुचित समन्वय– पूर्वाभास या योग्य?* **एनआईसीईडीटी 2025, स्प्रिगर (आगामी)।**

	रोहित सैनी, अनिता बुद्धिराजा, सरवन सिंह, नाइलिट रोपड़– *दृष्टिबाधितों के लिए सुगम्यता बढ़ानाः एक बहुविध दृष्टिकोण,* **एनआईसीईडीटी 2024, स्प्रिंगर।**
	लवनीश वर्मा, अनिता बुद्धिराजा, सरवन सिंह, *नाइलिट रोपड़– ब्लॉकचेन–आधारित प्रमाणपत्र सत्यापन प्रणालीः एक विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण,* **एनआईसीडीटी 2024, स्प्रिंगर।**
	चंदन सरोज, सरवन सिंह, अनिता बुद्धिराजा, शीतल चोपड़ा, *नाइलिट रोपड़ और नाइलिट दिल्ली – रिज्यूम सारांशः जेनरेटिव एआई का एक अनुप्रयोग,* **एनआईसीडीटी 2024, स्प्रिंगर।**
	निशित कश्यप, अनिता बुद्धिराजा, सरवन सिंह, *नाइलिट रोपड़– मशीन लर्निंग, मैलवेयर डिटेक्शनः सिक्योरएआई,* **एनआईसीईडीटी 2024, स्प्रिंगर।**
	पी. श्रीनिवास, यूएमडी, संजीव कुमार झा, इशांत कुमार बाजपेयी, केएस लालमोहन, *नाइलिट चेन्नई– ट्रांसफर लर्निंग के साथ स्मार्ट अर्ली फायर एंड स्मोक डिटेक्शन,* **आईईईई टीईएनएसवाईएमपी 2024, नई दिल्ली, पृ. 1–10.** doi:10.1109/TENSYMP61132.2024.10752273
	चंद्रलखा आर. पिल्लई, संजना एस., इशांत कुमार बाजपेयी, शौकत चेरुकत, केएस लालमोहन, *नाइलिट चेन्नई– आरआईएससी–वी प्रोसेसर डिजाइनः एचडीएल बनाम एचएलएस तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण,* **एनआईसीईडीटी 2025, स्प्रिंगर।**
	शौकत चेरुकाट, गंद्रेड्डी निहारिका, राघवेंद्रन एस., इशांत कुमार बाजपेयी, केएस लालमोहन, *नाइलिट चेन्नई –वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान के लिए एलएसटीएम, जीआरयू और रैंडम फॉरेस्ट रिग्रेशन का तुलनात्मक विश्लेषण,* **एनआईसीडीटी 2025, स्प्रिंगर।**
	राजेश एम., दिनेश कुमार एस., मनोज एन., *नाइलिट कालीकट– औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट पोजिशनर प्रोटोटाइप का अध्ययन एवं कार्यान्वयन,* **एनआईसीडीटी 2024, गुवाहाटी।**
	जयराज यू. किदव, श्री राम पवन, राजेश एम., *नाइलिट कालीकट– इंटेलऍ आईपीपी का उपयोग करके एक पीसी–आधारित अल्ट्रासाउंड कलर डॉपलर प्रदर्शन सुधार,* **एनआईसीईडीटी 2024, गुवाहाटी।**
	कोराबॉयिना अनुषा, आर. नंदा कुमार, *नाइलिट कालीकट– संख्या सैद्धांतिक परिवर्तन आईपी कोर का डिजाइन,* **सत्यापन और लक्षण वर्णन, वीडीएटी 2024, आईईईई।**
	एम. वाहेंगबाम, टीजी सिंह, पी. अबिरामी, रजनी, *नाइलिट कोहिमा – संशोधित जेड–स्कोर एवं लैस्सो रिग्रेशन के साथ मशीन लर्निंग का उपयोग करके उन्नत लोकोमोटिव विलंब पूर्वानुमान,* **एएससीआईएस 2024, स्प्रिंगर सीसीआईएस वॉल्यूम 2425,** doi:10.1007/978-3-031-86293-9_1A
	आर कुमार, एम कुमार, एस कुमारी, ए कुमार, एमके राय, वी मौर्य, *नाइलिट पटना – वायआईक्यू और एचएसआई कलर मॉडल में सीएलएएचई फ्यूजन का उपयोग करके अंडरवाटर इमेज एन्हांसमेंट,* **आईसीईएफईईटी 2024, आईईईई, पटना, पृष्ठ 1–6.** doi:10.1109/ICEFEET64463.2024.10865814.
	करुणा शील, *नाइलिट कुरुक्षेत्र– एम्बेडेड सिस्टम एवं क्लाउड सेवाओं का उपयोग करके सेब के बागों में रोग का पता लगाने हेतु रियल टाइम अनुप्रयोग,* **आईकॉनिक 2023, टेलर एंड फ्रांसिस (प्रकाशित 2024)।**
	सौरभ बनसोद, शशांक कुमार सिंह, पवन जी अलहट, राजेश कुमार सेठी, *नाइलिट औरंगाबाद– सोलर बेस हाइब्रिड इन्वर्टर के साथ होम ऑटोमेशन,* **आईसीएसपीसीआरई 2024, आईईईई।**
	अनिर्बान जे हाती, शशांक कुमार सिंह, रितेश प्रसाद, सैयद अम्मार अहमद, शेख उमैर, *नाइलिट औरंगाबाद – केयरजेनिकः एआई/एमएल–आधारित इंटरैक्टिव मेडिसिन प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम,* **ओडीआईकॉन 2024।**
	सौरभ बनसोद , योगेश कुमार, प्रशांत पाल, शशांक कुमार सिंह, सिरपा साई स्नेहिथ, कोमाटी श्रीकांत, नल्लापोथुला अनिल, *नाइलिट औरंगाबाद– स्थानिक डेटा संग्रह में क्रांतिकारी परिवर्तनः* **ड्रोन फोटोग्रामेट्री सहित 3डी मैपिंग, सीसीईएम 2023, आईईईई।**

➕	**सौरभ बनसोद, योगेश कुमार, प्रशांत पाल, शशांक कुमार सिंह, हर्ष वर्धन रेड्डी, भूमिरेड्डी कश्यप, भुख्य चरण नाइक,** *नाइलिट औरंगाबाद – डीप न्यूरल नेटवर्क एवं इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करके दृष्टिबाधितों हेतु वर्चुअल असिस्टेंट एवं नेविगेशन,* **एनआईसीईडीटी 2024, स्प्रिंगर।**
➕	**सौरभ बनसोद, योगेश कुमार, शशांक कुमार सिंह, शुभम रणपिसे, रितिक मांडवे,** *नाइलिट औरंगाबाद– इमेज प्रसंस्करण का उपयोग करके फसलों एवं जल रिसाव का पता लगाने के लिए आईओटी–आधारित स्मार्ट सिंचाई प्रणाली,* **जीसीआईटीसी 2024, आईईईई।**
➕	**सौरभ बनसोद, शशांक कुमार सिंह, शिवांश तिवारी, दुष्यन्त राज चौधरी,** *नाइलिट औरंगाबाद– आरजीबी–डी विधि और वीजीजी16 मॉडल का उपयोग करके पादप स्वास्थ्य पूर्वानुमान,* **आईसीडीईसीएस 2024, आईईईई।**
➕	**सौरभ बनसोद, योगेश कुमार, शशांक कुमार सिंह, मोहित गौर, मानस सालुंके, ललित कुमार,** *नाइलिट औरंगाबाद– मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके मुद्रा और नकली मुद्रा का पता लगाना,* **जीसीआईटीसी 2024, आईईईई।**
➕	**जयराज यू. किदव, सौरभ बंसोड, अनिर्बान जे. हाती, शशांक सिंह, अमोल बंसोड,** *नाइलिट औरंगाबाद– एसएसआईएम एवं उन्नत आर्टिफैक्ट रिमूवल विधियों का उपयोग करके अल्ट्रासाउंड इमेजिंग गुणवत्ता को परिष्कृत करना,* **जीसीसीआईटी 2024, बैंगलोर।**
➕	**जयराज यू किदव, सौरभ केसरी, शशांक सिंह,** *नाइलिट औरंगाबाद – आईओटी अनुप्रयोगों के लिए सुरक्षित और दोष–सहिष्णु ब्लॉक मेमोरी डिज़ाइन,* **आईसीसीईएस 2024।**
➕	**आयुष डी. भुस्कट, मैत्रेय एस. गणेशपुरे, चैतन्य एन. कदादास, लक्ष्मण कोर्रा, जयराज यू. किदव, मंजिरी लावडकर**– *कम–शक्ति वीएलएसआई डिजाइन तकनीकों की व्यापक समीक्षाः चुनौतियां, क्रिप्टोग्राफिक कार्यान्वयन और भविष्य की संभावनाएं,* **आईसीसीईएस 2024।**
➕	**दिनेश मारोती हामंद, रितेश प्रसाद, रवि रंजन, चैतन्य एन. कदादास, लक्ष्मण कोर्रा, जयराज यू. किदव**– *एईएस, आईसीसीईएस 2024 का उपयोग करके सुरक्षित आईओटी एज कंप्यूटिंग के लिए एफपीजीए–***आधारित हार्डवेयर त्वरक।**
➕	**आर्यन शिंदे, चैतन्य एन. कडादास, श्रीनिवास मार्गमवार, जयराज यू. किदव, योगेश शेजवाल, लक्ष्मण कोर्रा**– *एफपीजीए और एएसआईसी पर सुरक्षित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के लिए बीएफवी होमोमॉर्फिक एन्क्रिप्शन का अनुकूलित कार्यान्वयन,* **आईसीसीईएस 2024।**
➕	**मंजिरी ए लावडकर, चैतन्य एन कदादास, लक्ष्मण कोर्रा, जयराज यू किदव, अपूर्व देशमुख, साहिल सोमाजी कांबले**– *होमोमोर्फिक एन्क्रिप्शन के साथ सीएनएन और ट्रांसफॉर्मर का उपयोग करके जोखिम का पता लगाने हेतु गोपनीयता–* **संरक्षण फ़ेडरेटेड लर्निंग, आईसीसीईएस 2024।**
➕	**साहिल सोमाजी कांबले, चैतन्य एन. कदादास, लक्ष्मण कोर्रा, योगेश कुमार, मंजिरी लावडकर, रेणुका मनोज महाजन**– *एफपीजीए पावर ट्रेस का उपयोग करके एईएस क्रिप्टोग्राफी पर हमलों का मशीन लर्निंग–आधारित पता लगाना,* **आईसीसीईएस 2024।**
➕	**अपूर्व पी. देशमुख, चैतन्य एन. कदादास, लक्ष्मण कोर्रा, जयराज यू. किदव, मंजिरी ए. लावडकर, साहिल सोमाजी कांबले**– *पेलियर होमोमोर्फिक एन्क्रिप्शन का उपयोग करके ब्लॉकचेन ट्रांज़ेक्शन में गोपनीयता–जागरूक विसंगति का पता लगाना,* **आईसीसीईएस 2024।**
➕	**चेतन जी. वाघमारे, पवन जी. अल्हत, श्रीनिवास जी. मार्गमवार, चैतन्य एन. कदादास, लक्ष्मण कोर्रा, जयराज यू. किदव**– *आईओटी अनुप्रयोगों हेतु ईएसपी 32–सी3 आधारित पीसीबी एंटीना का सुरक्षित एवं अनुकूलित डिज़ाइन,* **आईसीसीईएस 2024।**

	शुभाश्री जी. जोशी, चैतन्य एन. कदादास, लक्ष्मण कोर्रा, जयराज यू. किदव, मंजिरी ए. लावडकर, श्रीनिवास जी. मार्गमवार– *उन्नत सीएमओएस प्रौद्योगिकी नोड्स में 2048–बिट आरएसए एल्गोरिदम की मापनीयता एवं प्रदर्शन विश्लेषण,* **आईसीसीईएस 2024।**
	आदित्य एस. मांडलिक, मैत्रेय एस. गणेशपुरे, चैतन्य एन. कदादास, लक्ष्मण कोर्रा, जयराज यू. किदव, मंजिरी ए. लावडकर *यूपीआई ट्रांज़ैक्शन हेतु एआई–संचालित रियल टाइम जोखिम की पहचान,* **आईसीसीईएस 2024।**
	प्रिया एस. आपसिंगे, आयशा जी. शेख, लक्ष्मण कोर्रा, चैतन्य एन. कदादास, जयराज यू. किदव, श्रीनिवास जी. मार्गवर– *मानक एईएस–256 और कम–शक्ति एईएस–256 कार्यान्वयन का तुलनात्मक अध्ययन,* **आईसीसीईएस 2024।**
	श्रीनिवास जी. मार्गमवार, चैतन्य एन. कदादास, शुभाश्री जी. जोशी, शशांक कुमार सिंह, योगेश सेजवाल, जयराज यू. किदव– *180nm, 90nm एवं 45nm प्रौद्योगिकी नोड्स में 256–बिट एईएस एल्गोरिदम का तुलनात्मक विश्लेषण,* **आईसीसीईएस 2024।**
	मनीष ए. भावसार, विनोद डी. घुगे, बलिराम एन. केंद्रे, रवि रंजन कुमार, चैतन्य एन. कदादास, जयराज यू. किदव– *एफपीजीए पर आरएलएस एल्गोरिथ्म में सक्रिय ध्वनि निरसन सहित ऑडियो एम्पलीफायर,* **आईसीसीईएस 2024।**
	गौरव दास, रितिका शर्मा, स्मृति रेखा दत्ता– *7मकई पत्ती रोग का पता लगाने की सटीकता बढ़ानाः मशीन लर्निंग अप्रोच,* **एनआईसीईडीटी 2025।**
	रितिका शर्मा, गौरव दास, स्मृति रेखा दता– *रेलवे में आईओटी–संचालित नवाचार,* **एनआईसीईडीटी 2025।**
	मनोज एन., राजेश एम., अंबिली सी., मुहम्मद अलशान, *नाइलिट कालीकट– आईओटी का उपयोग करके रियल टाइम भूस्खलन जोखिम मूल्यांकन,* **एनआईसीईडीटी 2025।**

प्लेसमेंट– औपचारिक कार्यक्रमः

नाइलिट विभिन्न डिग्री एवं डिप्लोमा कार्यक्रम जैसे बीएससी, बीसीए, एमएससी, एमसीए, बीटेक, एमटेक, डिप्लोमा आदि प्रदान करता है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024–25 में प्लेसमेंट के आंकड़े निम्नानुसार हैं:

योग्य अभ्यर्थियों की संख्या	620
नियुक्त अभ्यर्थियों की संख्या	100
उच्च शिक्षा हेतु विकल्प चुने हुए अभ्यर्थियों की संख्या	283

प्लेसमेंट – कौशल कार्यक्रमः

अपने छात्रों के लिए बेहतर करियर के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, नाइलिट द्वारा देश भर में अपने केंद्रों पर रोज़गार मेलों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। सुव्यवस्थित और प्रभावी प्लेसमेंट अभियान सुनिश्चित करने के लिए, नाइलिट मुख्यालय ने अपने 18 केंद्रों को दो समूह में वर्गीकृत किया: **श्रेणी–I (युवा रोजगार मंच)** और **श्रेणी–II (युवा महा–रोजगार मंच)** इस वर्गीकरण का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए उन्नत प्लेटफार्म उपलब्ध कराना तथा भविष्य के लिए नाइलिट में एक दृढ़ प्लेसमेंट पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

इन रोज़गार मेलों में **350 से ज़्यादा नियोक्ताओं** ने भाग लिया, जिन्होंने 10,635 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया तथा कुल **3,673** छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया उन्हें रोजगार प्रदान किया गया। प्रमुख कंपनियों के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रों की उभरती स्टार्टअप कंपनियों ने भी इन आयोजनों में भाग लिया, जिससे छात्रों को विभिन्न करियर विकल्पों के संबंध में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। कुल मिलाकर, रोज़गार मेलों ने नाइलिट के छात्रों के आत्मविश्वास को काफ़ी बढ़ाया और उन्हें अपनी पेशेवर यात्रा शुरू करने हेतु दृढ़ आधार प्रदान किया।

विस्तृत प्लेसमेंट स्थिति निम्नवत रूप से सारणीबद्ध है:

क्र. सं.	नाइलिट केंद्र का आयोजन	रोज़गार मेले की तिथि	नियोक्ताओं की संख्या	भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की संख्या	शॉर्टलिस्ट/नियुक्त अभ्यर्थियों की संख्या
1.	नाइलिट इम्फाल	18–19 जुलाई, 2024	29	1,142	158
2.	नाइलिट जम्मू/श्रीनगर	8 अगस्त, 2024	17	419	83
3.	नाइलिट गुवाहाटी	21–22 अगस्त, 2024	12	226	101
4.	नाइलिट कुरुक्षेत्र	22 अगस्त, 2024	21	1,127	539
5.	नाइलिट शिलांग	13 अगस्त, 2024	12	515	51
6.	नाइलिट हरिद्वार	29 अगस्त, 2024	18	336	127
7.	नाइलिट पटना	31 अगस्त, 2024	11	400	107
8.	नाइलिट ईटानगर	31 अगस्त, 2024	16	232	48
9.	नाइलिट भुवनेश्वर	3 सितंबर, 2024	7	105	67
10.	नाइलिट कोहिमा	20 सितंबर, 2024	15	294	128
11.	नाइलिट कोलकाता	11 सितंबर, 2024	11	348	102
12.	नाइलिट पीलीभीत	6 अक्टूबर, 2024	33	1,341	608
13.	नाइलिट दिल्ली	30 सितंबर, 2024	15	409	283
14.	नाइलिट रांची	25 सितंबर, 2024	12	147	90
15.	नाइलिट गंगटोक	24 अक्टूबर, 2024	13	240	87
16.	नाइलिट कालीकट	20 अक्टूबर, 2024	55	1,023	264
17.	नाइलिट आइजोल	20 मार्च, 2025	13	231	93
18.	नाइलिट औरंगाबाद	7 अगस्त, 2024	40	2,100	737
	कुल		**350**	**10,635**	**3,673**

नाइलिट पूर्व–छात्र सह प्लेसमेंट पोर्टल का शुभारंभ

नाइलिट के विद्यार्थियों के लिए रोज़गार के अवसरों को बढ़ाने हेतु एक समर्पित मंच के रूप में कार्य करते हुए एक सुदृढ़ पूर्व–छात्र नेटवर्क को बढ़ावा देने हेतु, नाइलिट के पूर्व–छात्र–सह–प्लेसमेंट पोर्टल का शुभारंभ दिनांकः 20 अगस्त, 2024 को माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग, श्री जितिन प्रसाद द्वारा किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से, पूर्व–छात्र **पंजीकरण, अपनी प्रोफ़ाइल अपडेट, करियर की प्रगति साझा, साथियों के साथ नेटवर्किंग** कर सकते हैं तथा नाइलिट समुदाय के साथ जुड़े रह सकते हैं। यह पोर्टल वैश्विक मानचित्र सुविधा के साथ पूर्व–छात्रों के बीच व्यक्तिगत संपर्क और नाइलिट के पूर्व–छात्रों और विद्यार्थियों के लिए विविध रोज़गार के अवसर प्रदान करता है, जिससे उन्हें शीर्ष नियोक्ताओं से जोड़ा जा सके। इसका उद्देश्य पूर्व–छात्रों और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच ज्ञान साझाकरण, मार्गदर्शन के अवसर एवं सहयोग को सुगम बनाना भी है।

अपनी शुरुआत के बाद से पिछले एक साल में, एलुमनी–कम–प्लेसमेंट पोर्टल एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है, जिसने छात्रों की रोज़गार क्षमता को बढ़ाया है, पूर्व छात्रों के बीच संबंध मज़बूत किए हैं और उद्योग–संस्थान के बीच संबंध को सुदृढ़ किया है।

प्रारम्भ से प्रभाव और आँकड़े:

- **कुल पंजीकरणः सं.1,03,886**
  - छात्रः 53,094
  - पूर्व छात्रः 50,612
  - नियोक्ताः 168
- **रोजगार के अवसर उपलब्धः 300+**

संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर नाइलिट का तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनआईसीईडीटी 2025)

नाइलिट ने संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर अपना तृतीय नाइलिट अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनआईसीईडीटी–2025) सफलतापूर्वक आयोजित किया है, जो 14 और 15 फरवरी, 2025 को नाइलिट रोपड़ में आयोजित किया गया था। दो दिनों तक चले इस सम्मेलन में दुनिया भर से **शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग पेशेवरों एवं छात्रों** के एक विविध समूह को एक साथ लाया गया, ताकि अत्याधुनिक **सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी)** क्षेत्रों में ज्ञान के आदान–प्रदान एवं सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। सम्मेलन में आईईसीटी के भविष्य को स्वरूप प्रदान करने में **डिजिटल नवाचार, स्थिर प्रौद्योगिकी एवं अंतःविषयक सहयोग** के महत्व पर बल दिया गया।

शोध पत्र निम्नलिखित 8 तकनीकी ट्रैकों में प्रस्तुत किए गए:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स
- साइबर सुरक्षा, फोरेंसिक्स, नेटवर्क और मोबाइल सुरक्षा
- उन्नत कंम्प्यूटिंग–क्लाउड कंप्यूटिंग, एज कंप्यूटिंग और क्वांटम कंप्यूटिंग
- ब्लॉकचेन और वेब प्रौद्योगिकियां
- वीएलएसआई, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ, आईओटी, माइक्रोवेव, एंटीना और संचार
- भविष्य के अनुप्रयोगों के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियां
- दिव्यांगजनों के लिए सहायक तकनीक
- वैश्विक भविष्य–तैयार कार्यबल के निर्माण हेतु डिजिटल कौशल विकास की रणनीति।

कुल 211 शोध पत्रों में से, गहन जांच के पश्चात 105 का चयन किया गया जो, विभिन्न शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए थे। पोस्टरों के लिए पंद्रह शोधपत्रों का चयन किया गया, जिनकी सम्मेलन के दौरान लेखकों द्वारा व्याख्या

एवं विमर्श किया गया। **स्प्रिंगर जर्नल के दो खंडों में प्रकाशन हेतु 80 शोधपत्रों का चयन किया गया है, तथा 25 शोधपत्रों का अंतिम रूप से चयन किया गया है एवं उन्हें नाइलिट जर्नल में प्रकाशित किया।**

साइबर अपराध, डिजिटल फोरेंसिक एवं खुफिया पर राष्ट्रीय सम्मेलन

नाइलिट ने 25 से 26 जुलाई 2024 तक कैपिटल कन्वेंशन हॉल, कोहिमा, नागालैंड में *"साइबर सुरक्षित भारतः भारत के डिजिटल भविष्य को सुदृढ़ बनाना"* विषय पर साइबर अपराध, डिजिटल फोरेंसिक और आसूचना पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सम्मेलन में आईटी एवं संचार, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन सलाहकार श्री सेथरोंगक्यू संगतम विशेष अतिथि और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) भारत सरकार के सचिव श्री एस. कृष्णन, आईएएस, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस सम्मेलन में पूर्वोत्तर क्षेत्र और शेष भारत के विशेषज्ञ, व्यवसायी और विद्वान एकत्रित हुए, जिससे यह साइबर अपराध, डिजिटल फोरेंसिक और आसूचना के क्षेत्र में उभरती चुनौतियों और प्रगति पर संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच तैयार हुआ। प्रतिभागियों ने उद्योग जगत के लीडर्स, कानून प्रवर्तन अधिकारियों और शैक्षणिक पेशेवरों के साथ गहन विचार–विमर्श किया, कार्यशालाओं और नेटवर्किंग सत्रों में भाग लिया। सम्मेलन में भारत के डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा के लिए एक एकीकृत और सक्रिय दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, जिसमें क्षमता निर्माण एवं जागरूकता के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र को सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया गया।

पूर्वोत्तर स्टार्ट–अप उत्प्रेरक कार्यक्रम का शुभारंभ

नाइलिट कोहिमा ने "नॉर्थ ईस्ट स्टार्ट–अप कैटेलिस्ट प्रोग्राम" शुरू किया, जो इस क्षेत्र में उद्यमशीलों को पोषित करने एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई एक अभूतपूर्व पहल है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 22 मई, 2024 को हुआ तथा इसने पूरे नागालैंड से महत्वाकांक्षी उद्यमियों, छात्र नवप्रवर्तकों और स्टार्ट–अप मेंटर्स को आकर्षित किया। कैटेलिस्ट कार्यक्रम का उद्देश्य मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन सहायता, तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तपोषण मार्गदर्शन प्रदान करके विचारों को व्यावहारिक व्यवसायों में परिवर्तित करना था। व्यवसाय नियोजन, पिच विकास और डिजिटल मार्केटिंग पर कार्यशालाओं के माध्यम से, इस पहल ने उद्यमशीलता के उत्साह को जगाया और कई लोगों को अपने स्टार्ट–अप के सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। यह शुभारंभ न केवल आत्मनिर्भरता और नवाचार की ओर एक परिवर्तन का प्रतीक है, अपितु, प्रौद्योगिकी–संचालित उद्यमिता के माध्यम से क्षेत्रीय विकास के लिए नाइलिट की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता है।

रिमोट हार्डवेयर लैब की स्थापना

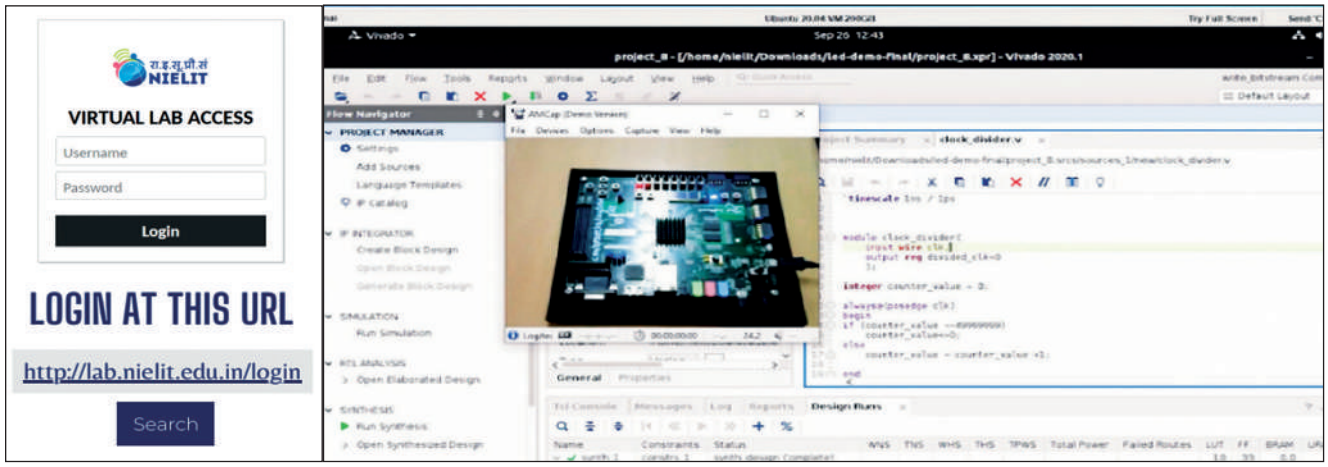

नाइलिट चेन्नई ने अपनी वर्चुअल लैब पहल के अंतर्गत एक अत्याधुनिक रिमोट हार्डवेयर लैब (आरएचएल) की स्थापना की है। यह नवोन्मेषी सुविधा छात्रों को उन्नत एफपीजीए प्लेटफॉर्म (जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित अल्ट्रास्केल+ बोर्ड सहित) और सिनोप्सिस और कैडेंस के आईसी डिज़ाइन टूल्स (एमईआईटीवाई, भारत सरकार के चिप्स टू स्टार्टअप (सी2एस) कार्यक्रम के अंतर्गत समर्थित) तक दूरस्थ पहुँच के साथ प्रदान करती है। आरएचएल, नाइलिट चेन्नई में विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थियों को कहीं से भी अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उपकरणों के साथ काम करने में सक्षम बनाकर व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देता है।

नाइलिट गुवाहाटी ने संयुक्त रूप से "सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्रः पूर्वोत्तर भारत के लिए जागरूकता और अवसर" पर कार्यशाला आयोजित की।

दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 को, नाइलिट गुवाहाटी ने जगीरोड कॉलेज, पूर्वोत्तर भारत वैज्ञानिक एवं उद्यमशीलता प्रवासी (एनईआईएसईडी) और वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से असम के गुवाहाटी के पास जगीरोड कॉलेज में **"सेमीकंडक्टर इकोसिस्टमः पूर्वोत्तर भारत के लिए जागरूकता और अवसर"** विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया, आईआईएससी बैंगलोर और अन्य प्रमुख सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के विशेषज्ञों के साथ–साथ भारत एवं विदेश के शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा मुख्य रूप से व्याख्यान तथा पैनल चर्चाएँ सम्मिलित थी। इस कार्यक्रम में सेमीकंडक्टर–आधारित मॉडल प्रतियोगिताएँ और पोस्टर/विचार चुनौतियाँ शामिल थीं जिनमें पूर्वोत्तर भारत के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। नाइलिट ने इस आयोजन स्थल पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की, जिसमें 1,000 से अधिक छात्रों और 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नाइलिट केंद्रों का विस्तार/ अवसंरचना का उन्नयन

दूर–दराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लाभ के लिए आवासीय सुविधाओं सहित उत्कृष्ट अवसंरचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय देश के विभिन्न भागों में नाइलिट केन्द्रों के स्थायी परिसरों की स्थापना हेतु धन उपलब्ध कराता है। संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर किराया–मुक्त निर्मित स्थान/भूमि के रूप में सहायता प्राप्त करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। स्थायी परिसरों की स्थापना के अलावा, राज्य के संबंधित नाइलिट केंद्रों की निगरानी में दूरदराज के क्षेत्रों में विस्तार केंद्र स्थापित करने और मौजूदा केंद्रों की अवसंरचना को उन्नत करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

अटल बिहारी वाजपेई नाइलिट विस्तार केंद्र, पीलीभीत का उद्घाटन

डिजिटल कौशल अवसंरचना को सुदृढ़ करने एवं क्षेत्र में पहुँच बढ़ाने के उद्देश्य से, नाइलिट ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में एक नया केंद्र स्थापित किया है जिससे, राज्य में इसके केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर चार हो गई है। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, श्री जितिन प्रसाद ने 23 दिसंबर, 2024 को पीलीभीत में अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केंद्र नामक केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, माननीय मंत्री ने नाइलिट पीलीभीत के छात्रों के साथ बातचीत भी की। इससे पहले, माननीय राज्य मंत्री द्वारा 6 अक्टूबर, 2024 को पीलीभीत में विस्तार केंद्र की आधारशिला रखी गई थी।

केंद्र का शिलान्यास और उद्घाटन मात्र तीन महीनों के भीतर पूरा होने के साथ, रिकॉर्ड समय में संचालन शुरू हो गया। यह महत्वपूर्ण विकास, उभरती प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक प्रयोगशाला और प्रशिक्षण सुविधाओं के साथ पीलीभीत और आसपास

के क्षेत्रों के युवाओं और समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदम है। अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केंद्र, पीलीभीत, आईओटी, ब्लॉकचेन, एआई, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिन्हें कौशल विकास मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है और जो रोजगार सृजन में सहायक हैं।

नोएडा में चिप डिजाइन में उत्कृष्ट नाइलिट केंद्र का उद्घाटन

सेमीकंडक्टर डिजाइन एवं विकास में क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, चिप डिजाइन में नाइलिट के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का उद्घाटन श्री एस कृष्णन, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा नोएडा में डीपीआईआईटी–मान्यता प्राप्त स्टार्टअप एसओसीटीमअप सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया। नया उत्कृष्टता केंद्र वीएलएसआई (बहुत बड़े पैमाने पर एकीकरण) और चिप डिजाइन में अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं की पेशकश करके सेमीकंडक्टर और चिप डिजाइन उद्योगों में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार है। केंद्र में छात्रों, पेशेवरों और शोधकर्ताओं के बीच अभिनव चिप डिजाइन परियोजनाओं पर सहयोग के लिए एक प्रोजेक्ट लैब और छात्रों के लिए एक गहन शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए उन्नत शिक्षण सहायक सामग्री से सुसज्जित एक स्मार्ट कक्षा है। उद्घाटन के दौरान, वीएलएसआई–आधारित बौद्धिक संपदा (आईपी) का एक विशेष प्रदर्शन भी आयोजित किया गया था, जो सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बौद्धिक संपदाओं के डिजाइन और विकास को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

चिप डिजाइन में नाइलिट उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ भारत सरकार के सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी क्षमताओं के दृष्टिकोण और इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी में ग्लोबल लीडर के रूप में भारत के उद्भव को आगे बढ़ाने के अनुरूप है।

असम के माजुली में नाइलिट केंद्र का उद्घाटन

दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा के लिए एक मील का पत्थर साबित होते हुए, नाइलिट गुवाहाटी ने दिनांकः 4 जनवरी, 2025 को गरमूर में अपने माजुली अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य माजुली में उन्नत आईटी शिक्षा और कौशल विकास तक पहुँच का विस्तार करना है। केंद्र का उद्घाटन नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एमएम त्रिपाठी ने किया और इस कार्यक्रम में माजुली के जिला आयुक्त, एसीएस श्री रतुल

चंद्र पाठक और उत्तर कमलाबाड़ी सत्र के सत्राधिकारी श्री श्री जनार्दन देव गोस्वामी के अलावा नाइलिट के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। अत्याधुनिक नाइलिट माजुली अध्ययन केंद्र डिजिटल साक्षरता, सॉफ्टवेयर विकास और ई–गवर्नेंस सहित विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। 'डिजिटल इंडिया' मिशन के अनुरूप, इस पहल का उद्देश्य एक डिजिटल रूप से सशक्त समाज का निर्माण करना और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार क्षमता में सुधार करना है।

नाइलिट कॉर्पोरेट कार्यालय का उद्घाटन

परिचालन दक्षता, दृश्यता और सुगम्यता बढ़ाने के लिए, नाइलिट ने शहर में अपना कॉर्पोरेट कार्यालय स्थापित किया है। इस कॉर्पोरेट कार्यालय का उद्घाटन दिनांक: 6 जून, 2024 को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री एस. कृष्णन ने श्री भुवनेश कुमार, सहायक सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और डॉ. एम.एम. त्रिपाठी, महानिदेशक, नाइलिट की उपस्थिति में किया। यह कार्यालय दिल्ली–एनसीआर में स्थित अन्य मौजूदा नाइलिट कार्यालयों में एक नया कार्यालय है तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निकट स्थित है।

नाइलिट श्रीनगर में बालिका छात्रावास का उद्घाटन

दिनांक: 3 अगस्त, 2024 को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री एस. कृष्णन ने नाइलिट श्रीनगर में एक नवनिर्मित बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया। श्रीमती प्रेरणा पुरी, आयुक्त सचिव आईटी जम्मू–कश्मीर, डॉ. संजय कुमार धुरंधर, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट मुख्यालय, श्री सलीम खान, एसआईओ, एनआईसी जम्मू–कश्मीर, श्री वीनू कुमार एआर, वैज्ञानिक–जी, सीडीएसी त्रिवेन्द्रम, श्री अशक हुसैन डार, प्रभारी निदेशक, नाइलिट जम्मू–कश्मीर, अन्य गणमान्य व्यक्ति थे जो इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री कृष्णन ने छात्राओं से बातचीत की और नवनिर्मित छात्रावास का गहन निरीक्षण किया। इस अवसर पर, **नाइलिट श्रीनगर द्वारा विकसित कश्मीरी कालीन तालीम जेनरेशन एप्लीकेशन का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी के साथ पारंपरिक शिल्प कौशल का एकीकरण प्रदर्शित किया गया।** उन्होंने नव स्थापित एमईआईटीवाई प्रायोजित ड्रोन लैब का भी अवलोकन किया।

चिप टू स्टार्टअप कार्यक्रम के अंतर्गत उच्च स्तरीय प्रयोगशालाओं का उद्घाटन

दिनांक: 4 जनवरी, 2025 को, श्री एस कृष्णन, आईएएस, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नाइलिट औरंगाबाद में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के चिप टू स्टार्टअप कार्यक्रम के अंतर्गत डिजिटल इंडिया आरआईएससी–वी एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन लैब और डिजिटल इंडिया आरआईएससी–वी सोक डिजाइन लैब का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, नाइलिट औरंगाबाद में नाइलिट के वैज्ञानिक जी और समूह समन्वयक, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की श्रीमती सुनीता वर्मा और नाइलिट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आईटी सह सुरक्षा प्रयोगशाला का उद्घाटन

दिनांक: 20 नवंबर, 2024 को, सुश्री तूलिका पांडे, वरिष्ठ निदेशक एवं समूह समन्वयक, मानव संसाधन विकास प्रभाग, एमईआईटीवाई, भारत सरकार ने, नाइलिट शिलांग में ''आईटी और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिस और सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाना'' परियोजना के अंतर्गत आईटी और सुरक्षा लैब का उद्घाटन किया, इस अवसर पर नाइलिट शिलांग के निदेशक श्री एल लानुवाबांग और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

देहारादून में अध्ययन केंद्र का शुभारंभ

नाइलिट देहरादून अध्ययन केंद्र का उद्घाटन नाइलिट के महानिदेशक द्वारा किया गया, जो उत्तराखंड में नाइलिट की उपस्थिति के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उद्घाटन समारोह में अधिकारियों, संकाय सदस्यों और स्थानीय हितधारकों ने भाग लिया, जो क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण आईटी और कौशल विकास शिक्षा की बढ़ती मांग को दर्शाता है। नए अध्ययन केंद्र का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और वंचित समुदायों के लिए प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण एवं डिजिटल सशक्तिकरण का केंद्र बनना है। अत्याधुनिक अवसंरचना और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, यह केंद्र डिजिटल रूप से कुशल व समावेशी समाज के निर्माण के नाइलिट के मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

त्रिपुरा में नाइलिट अध्ययन केंद्र

नाइलिट बिश्रामगंज अध्ययन केंद्र (नाइलिट अगरतला) का उद्घाटन दिनांक 13 सितंबर, 2025 को किया गया, जो **त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी)** के भीतर शैक्षिक अवसंरचना को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में चारिलम निर्वाचन क्षेत्र के माननीय विधायक श्री सुबोध देबबर्मा और नाइलिट अगरतला के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस नव–उद्घाटित केंद्र से क्षेत्र के छात्रों के लिए नए शिक्षण और रोज़गार के अवसर उत्पन्न होने की आशा है।

पूर्वोत्तर केंद्रों में मोबाइल आईटी लैब की स्थापना

नाइलिट ने सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों में एनईसीबी 2.0 परियोजना के अंतर्गत मोबाइल आईसीटी लैब स्थापित की हैं, जिसमें पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल सेट और वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता निर्माण ख्एनईसीबी 2.0, शामिल है। मोबाइल आईसीटी लैब डिजिटल सशक्तिकरण, आईसीटी–आधारित शिक्षा एवं आउटरीच हेतु महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य कर रही हैं। इस संबंध में, नाइलिट आइज़ोल की मोबाइल आईसीटी लैब का शुभारंभ दिनांकः 1 अगस्त, 2024 को मिज़ोरम सरकार के माननीय आईसीटी, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. वनलालथलाना द्वारा किया गया।

कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

नाइलिट विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्रीय मंत्रालयों के सरकारी अधिकारियों के क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन हेतु अधिमानित एजेंसियों में से एक है। **वर्ष 2024–25 में नाइलिट द्वारा किए गए कुछ कॉर्पोरेट प्रशिक्षणों की एक झलक इस प्रकार है:**

शहरी सहकारी बैंकों के लिए साइबर सुरक्षा पर क्षमता निर्माण

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा प्रायोजित 'शहरी सहकारी बैंकों (एवीटीयू) मिशन के लिए जागरूकता वृद्धि एवं प्रशिक्षण' के अंतर्गत, नाइलिट केंद्र तीन अलग–अलग लक्षित समूहों, अर्थात बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन, तकनीकी अधिकारी और कर्मचारी (गैर–तकनीकी) हेतु शहरी सहकारी बैंक (यूसीबी) अधिकारियों को साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण [7 से 16 घंटे] प्रदान कर रहे हैं। सीएबी–आरबीआई ने विभिन्न क्षेत्रों के कुल 338 शहरी सहकारी बैंकों के साथ दस (10) नाइलिट केंद्रों को चिह्नित किया है। **दिनांकः 31 मार्च, 2025 तक, कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 1730 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है तथा 1715 अधिकारियों को प्रमाणित किया गया है।**

टाटा मोटर्स लिमिटेड के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण

नाइलिट हरिद्वार ने टाटा मोटर्स में "सार्वजनिक सेवाओं में एआई और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी" पर एक कॉर्पोरेट प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसमें पेशेवरों को सार्वजनिक सेवाओं में दक्षता, पारदर्शिता और नवाचार के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान किया गया।

सिक्किम पुलिस के लिए प्रशिक्षण

नाइलिट गंगटोक ने सिक्किम पुलिस के अधिकारियों के लिए साइबर फोरेंसिक पर 5 दिवसीय उन्नत स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसमें सिक्किम पुलिस के 15 जाँच अधिकारियों (आईओ) को प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त, केंद्र ने साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया, जिसमें, सिक्किम पुलिस के 20 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण लिमिटेड को प्रशिक्षण

नाइलिट कोलकाता ने 27 जनवरी से 2 फरवरी, 2025 तक पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण लिमिटेड, पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण आयोजित किया।

भारतीय सेना के अधिकारियों के लिए एईसी, पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में प्रशिक्षण

नाइलिट कोलकाता ने 23 सितंबर 2024 से 23 नवंबर 2024 तक एईसी, पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में भारतीय सेना के अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया विश्लेषक (480 घंटे) पर 40 सैन्य अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया।

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

नाइलिट जम्मू ने 5 अगस्त, 2024 से 7 अगस्त, 2024 तक पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के 18 कर्मचारियों के लिए उन्नत एमएस एक्सेल पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम को एमएस एक्सेल में प्रतिभागियों की दक्षता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जिसमें पावर ग्रिड संचालन में उनकी भूमिकाओं के लिए प्रासंगिक उन्नत सुविधाओं और तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, मट्टनूर में संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)

नाइलिट कालीकट 17 से 21 फ़रवरी, 2025 तक, मट्टनूर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में "लैबव्यू और पीएलसी प्रोग्रामिंग में डेटा अधिग्रहण" विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने एफडीपी को एक शानदार सफलता दिलायी। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, पाला में आईओटी और अनुप्रयोगों पर एक और एफडीपी आयोजित किया गया।

तमिलनाडु पुलिस के लिए वेब विकास और साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण

नाइलिट चेन्नई ने तमिलनाडु पुलिस विभाग के 45 तकनीकी उप–निरीक्षकों के लिए तीन सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक आयोजित किए गए। कार्यक्रम में वेब विकास और साइबर सुरक्षा जैसे अत्याधुनिक विषयों को शामिल किया गया।

पीवीओ अधिकारी, उत्तराखंड हेतु प्रशिक्षण

नाइलिट हरिद्वार ने डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी (एटीआई) में पीसीएस अधिकारियों के लिए "डेटा संरक्षण, ई–भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता" पर केंद्रित एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य डिजिटल शासन क्षमताओं को बढ़ाना, सुरक्षित डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना और प्रशासनिक दक्षता एवं निर्णय लेने में एआई की भूमिका के विषय में जागरूकता उत्पन्न करना था।

साइबर सुरक्षा, एआई/एमएल और भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण

नाइलिट ईटानगर ने कर एवं उत्पाद शुल्क विभाग, पासीघाट के कर्मचारियों के लिए ''साइबर सुरक्षा, एआई/एमएल और भविष्य की प्रौद्योगिकियों'' पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल), और अन्य उभरती तकनीकों जैसे क्षेत्रों में डिजिटल जागरूकता बढ़ाना और तकनीकी क्षमता का निर्माण करना था। विभाग के कुल 18 अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया और तेज़ी से विकसित हो रहे डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के साथ बेहतर सांजस्य के लिए बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

बिहार पुलिस अकादमी के लिए प्रशिक्षण

नाइलिट पटना ने 19 मार्च, 2025 से 29 मार्च, 2025 तक बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर में 67वें और 68वें डीएसपी (प्रोबेशनर्स) के लिए कंप्यूटर डेटाबेस प्रबंधन प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम में 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

गोरखपुर में संकाय विकास प्रशिक्षण

नाइलिट गोरखपुर द्वारा लिटिल फ्लावर पॉलिटेक्निक, गोरखपुर में 2 जनवरी से 10 जनवरी 2025 तक "स्प्रेडशीट का उपयोग करके डेटा विश्लेषण" विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। एफडीपी का उद्देश्य स्प्रेडशीट उपकरणों का उपयोग करके संकाय सदस्यों के डेटा प्रबंधन और विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों और पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिससे सार्थक ज्ञान आदान–प्रदान और व्यावहारिक शिक्षण सत्रों में पारस्पकरिक योगदान को बढ़ावा मिला।

झारखंड सरकार के परिवहन विभाग के मोटर वाहन निरीक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया

नाइलिट रांची ने श्री कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एसकेआईपीए), रांची में 11–11–2024 से 15–11–2024 तक झारखंड सरकार के मोटर वाहन निरीक्षक, परिवहन विभाग के 40 प्रतिभागियों के लिए 5 दिवसीय बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। नाइलिट रांची ने 12 नवंबर, 2024 को श्री कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एसकेआईपीए), रांची में झारखंड सरकार के परिवहन विभाग के उक्त प्रतिभागियों हेतु साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

एमईआईटीवाई के अतिरिक्त अन्य संगठनों द्वारा वित्तपोषित क्षमता निर्माण परियोजनाएँ

डीजीई, एमओएलएंडई द्वारा वित्त पोषित एससी/एसटी जॉबसीकर्स हेतु कौशल कार्यक्रम

नाइलिट, रोजगार महानिदेशालय (डीजी व ई), एमओएलएंडई द्वारा वित्त पोषित एससी/एसटी जॉबसीकर्स को कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू कर रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत, 5 पाठ्यक्रमों में एक वर्ष का प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है, अर्थात् (i) ओ स्तर (आईटी) (ii) सीएचएमटी–ओ स्तर (iii) ऑफिस ऑटोमेशन, अकाउंटिंग पब्लिशिंग असिस्टेंट (iv) बिजनेस अकाउंटिंग एसोसिएट और (v) साइबर सिक्योर वेब डेवलपमेंट, एससी/एसटी जॉबसीकर्स के लिए जो, एससी/ एसटी, डीजीई हेतु राष्ट्रीय करियर सेवा केंद्रों में पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, 25 नाइलिट केंद्रों की निगरानी में देश भर में 25 स्थानों पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, सभी 5 पाठ्यक्रमों में लक्षित 2925 में से कुल 2925 एससी/एसटी अभ्यर्थियों को नामांकित किया गया था।

पीएम श्री योजना के अंतर्गत क्षमता–निर्माण

दिल्ली

जम्मू और कश्मीर

मेघालय

हिमाचल प्रदेश

पीएम श्री स्कूल योजना के अंतर्गत, जो भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है, नाइलिट केंद्रों ने देश भर के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों (केवीएस) और जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) के विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास

प्रशिक्षण आयोजित किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिनमें वित्तीय वर्ष 2024–25 में नाइलिट द्वारा लगभग 78,000 विद्यार्थियों को पंजीकृत और प्रशिक्षित किया गया है।

- साइबर सुरक्षा और नैतिक हैकिंगः 30 घंटे।
- पायथन प्रोग्रामिंगः 30 घंटे।
- पायथन का उपयोग करके वित्तीय लेखांकनः 30 घंटे।
- पायथन का उपयोग करते हुए एआई/एमएलः 30 घंटे।
- पायथन और ड्रोन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एआई/एमएलः 30 घंटे।
- ड्रोन प्रौद्योगिकीः 30 घंटे.
- रोबोटिक्सः 30 घंटे.
- उभरती प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण सह इंटर्नशिपः 30 घंटे।
- उभरती हुई प्रौद्योगिकियां और कैरियर पथः 30 घंटे।
- सौर प्रौद्योगिकी और आईओटीः 30 घंटे।
- बेसिक कंप्यूटर, वेब डिज़ाइन, आईओटी और एआई पायथन का उपयोग करते हुएः 80 घंटे।

साइबरशिक्षा कार्यक्रम

नाइलिट ने वंचित वर्ग के युवाओं के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ाने हेतु माइक्रोसॉफ्ट और डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) के सहयोग से दो साइबर सुरक्षा कौशल कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, निम्नलिखित दो कार्यक्रम संचालित किए गएः

- रेडी4साइबरशिक्षा (साइबर शिक्षा फंडामेंटल) कार्यक्रम 50 घंटे का ऑनलाइन स्व–शिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें 1000 अभ्यर्थियों के प्रमाणन का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया है।
- साइबरशिक्षा कार्यक्रम 450–480 घंटे का एक हाइब्रिड गहन कौशल कार्यक्रम है, जिसमें 150 महिला अभ्यर्थियों के प्रमाणन का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया है।

दिव्यांगजनों के लिए कौशल एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम

नाइलिट, भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत, भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) द्वारा वित्तपोषित, 150 दिव्यांगजनों के लिए "कौशल एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम" नामक एक परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है। इसका उद्देश्य श्रीनगर, पटना और चंडीगढ़ स्थित नाइलिट केंद्रों के माध्यम से 150 दिव्यांगजनों को घरेलू डेटा एंट्री ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित करना है। इस परियोजना का कुल बजट 37.62 लाख रुपये है। इस परियोजना के अंतर्गत 64 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

पूर्व सैनिकों का क्षमता निर्माण

दिल्ली

कोलकाता

नाइलिट, रक्षा मंत्रालय के अधीन पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) को इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), एआई और साइबर सुरक्षा जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करके सहायता प्रदान करता है। नाइलिट इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में कौशल की कमी को पूरा करने के लिए विशिष्ट, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये कार्यक्रम डीजीआर के अल्पकालिक कमीशन प्राप्त कर्मचारियों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनमें एक आभासी अकादमी के माध्यम से लचीली शिक्षा प्रदान की जाती है। नाइलिट जागरूकता अभियान भी चलाता है, एनएसक्यूएफ–संरेखित पाठ्यक्रम प्रदान करता है, और पूर्व सैनिकों को नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए रोजगार मेलों का आयोजन करता है। यह पहल पूर्व सैनिकों को अपने कौशल को निखारने और नागरिक कार्यबल में सफलतापूर्वक शामिल होने के लिए सशक्त बनाती है।

<u>प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रमों की सूची:</u>

- आईटी 'ओ–लेवल'
- सीएचएमटी (कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव–तकनीशियन) ओ–लेवल
- आईओटी डेवलपर
- एआई एसोसिएट
- एआई सहायक
- डेटा विश्लेषण सहयोगी
- आईओटी एसोसिएट
- आईओटी सहायक
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- प्रमाणित वेब डेवलपर
- प्रमाणित कार्यालय स्वचालन और आईटी सहायक
- जूनियर साइबर सुरक्षा सहयोगी
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित मरम्मत एवं रखरखाव सहायक (बिजली आपूर्ति, इन्वर्टर एवं यूपीएस)
- उत्पाद असेंबली सहायक (सौर–एलईडी)
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग सहायक
- बायोमेडिकल उपकरण रखरखाव सहायक

वर्ष 2024–25 में, कुल 1903 भूतपूर्व सैनिक अभ्यर्थियों को नाइलिट द्वारा पंजीकृत एवं प्रशिक्षित किया गया है।

विदेशी सहयोग के अंतर्गत कौशल विकास

नाइलिट ने वैश्विक कौशल विकास को बढ़ावा देने, द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत करने और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु 2024–25 में अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों पर सक्रिय रूप से कार्य किया है। ये सहयोग विभिन्न देशों के साथ है तथा 5जी, साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स और सेमीकंडक्टर जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित हैं। नीचे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों पर जानकारी दी गई है:

मिस्र–सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईटीआई), मिस्त्र

कार्यबल कौशल बढ़ाने, रोज़गार को बढ़ावा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने हेतु आईटीआई मिस्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। इस पहल के अंतर्गत, नाइलिट ने 8 जुलाई 2024 को मिस्र के छात्रों, नागरिकों और सरकारी अधिकारियों को लक्षित करते हुए एक साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें मिस्र के 20 छात्रों और 10 अधिकारियों को डिजिटल फोरेंसिक में उन्नत कौशल प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को डिजिटल फोरेंसिक में आवश्यक कौशल प्रदान करना था, जो साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक विशेषज्ञता पर वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

ताइवान–सूचना उद्योग संस्थान (आईआईआई)

नाइलिट ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी में एक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करने के लिए ताइवान के सूचना उद्योग संस्थान (आईआईआई) के साथ समझौता–ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पाँच वर्षीय सहयोग मुख्य रूप से 5जी –ओआरएएन (ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क) तकनीक पर केंद्रित है जिसका उद्देश्य, भारतीय पेशेवरों के उन्नत तकनीकी कौशल को बढ़ाना है। इस पहल के अंतर्गत, 11 प्रतिभागियों ने 2024 में 5जी–ओआरएएन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किए।

तंजानिया–सूचना, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय:

नाइलिट ने तंजानिया के नागरिकों और सरकारी अधिकारियों को डेटा विश्लेषण एवं प्रबंधन में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सूचना, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से तंजानिया सरकार के साथ सहयोग शुरू किया है। इस सतत सहयोग के अंतर्गत, ज़ांज़ीबार में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। वर्ष 2024 में, कुल 73 तंजानियाई अधिकारियों ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया, जिससे तंजानिया की डिजिटल क्षमताएँ सुदृढ़ हुईं और आईटी क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिला।

मेकांग गंगा सहयोग:

मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी) अवसंरचना के अंतर्गत, नाइलिट ने म्यांमार, लाओ पीडीआर, वियतनाम और कंबोडिया के प्रतिभागियों के लिए एक आईसीटी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। नवंबर–दिसंबर 2024 के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में 28 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया, जिसका उद्देश्य डिजिटल कौशल को बढ़ाना और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग एवं क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना था।

महत्वपूर्ण बैठकें

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति ने 9–10 जनवरी, 2025 को तिरुवनंतपुरम, केरल स्थित नाइलिट कालीकट के लिए एक निरीक्षण बैठक आयोजित की। इस बैठक के दौरान, समिति ने नाइलिट द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे सरकारी कार्यों का निरीक्षण किया।

25वीं और 26वीं प्रबंधन बोर्ड बैठक

नाइलिट के प्रबंधन बोर्ड की 25वीं बैठक दिनांकः 22 अक्टूबर, 2024 को श्री एस. कृष्णन, आईएएस, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न वित्तीय और प्रबंधन मामलों पर चर्चा की गई। बैठक में नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम.एम. त्रिपाठी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित बोर्ड के सदस्यों ने भाग लिया। इसके अलावा, 26वीं प्रबंधन बोर्ड की बैठक 21 फरवरी, 2025 को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

माननीय केंद्रीय ई एवं आईटी राज्य मंत्री ने नाइलिट केंद्र, कोलकाता की गतिविधियों की समीक्षा की

माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, श्री जितिन प्रसाद ने 19.02.2025 को नाइलिट केंद्र, कोलकाता का दौरा किया। माननीय राज्य मंत्री को केंद्र द्वारा संचालित औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा/ प्रशिक्षण तथा परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

नाइलिट केंद्र निदेशकों की बैठक

नाइलिट औरंगाबाद में 27वीं निदेशक बैठक

नाइलिट ने दिनांकः 17 और 18 मई, 2024 को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय परिसर स्थित अपने औरंगाबाद केंद्र में अपनी **27वीं अखिल भारतीय निदेशक बैठक** का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम.एम. त्रिपाठी ने की। केंद्र निदेशकों ने अपने–अपने केंद्रों की 100–दिवसीय, एक–वर्षीय

और पंचवर्षीय योजनाओं पर प्रस्तुतियाँ दीं। प्रस्तावों और योजनाओं के नवीनीकरण, परीक्षा गतिविधियों के विस्तार और सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर सुरक्षा जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में उच्च–स्तरीय कौशल विकास पर उपयोगी चर्चाएँ हुईं।

28वीं निदेशक बैठक नाइलिट श्रीनगर

नाइलिट की 28वीं निदेशक बैठक 20 फरवरी, 2025 को नाइलिट श्रीनगर में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में नाइलिट के महानिदेशक की अध्यक्षता में सभी नाइलिट केंद्रों के केंद्र प्रमुखों ने भाग लिया। बैठक में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की समूह समन्वयक एवं वैज्ञानिक–जी सुश्री तूलिका पांडे भी उपस्थित थीं।

नाइलिट के निदेशकों की बैठक ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जो उद्योग की उभरती मांगों को पूरा करने वाले तकनीकी रूप से कुशल कार्यबल को विकसित करने के नाइलिट के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए सहयोगात्मक चर्चाओं और रणनीतिक योजना के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है।

सहयोग एवं समझौता–ज्ञापन के माध्यम से समन्वय

किंड्रिल सॉल्यूशंस के साथ समझौते पर हस्ताक्षर

9 अगस्त, 2024 को, नाइलिट दिल्ली केंद्र और किंड्रिल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने नाइलिट मुख्यालय में, नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम.एम. त्रिपाठी की उपस्थिति में, किंड्रिल–नाइलिट संयुक्त रूप से डेवसेकऑप्स में उन्नत कौशल विकास कार्यक्रम का संचालन हेतु समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे हाशिए पर समुदायों के छात्रों के लाभ हेतु डिज़ाइन किया गया है। इस सहयोग के अंतर्गत, नाइलिट में उपयुक्त कौशल स्तर पर राष्ट्रीय कौशल योग्यता तंत्र (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप संयुक्त रूप से विकसित कार्यक्रम संचालित किए जाएँगे।

इन्फिनिऑन टेक्नोलॉजीज के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट ने सेमीकंडक्टर और एम्बेडेड सिस्टम में नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए माननीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना

प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद की उपस्थिति में इन्फिनियॉन टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सहयोग सेमीकंडक्टर मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना और भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना है। इस साझेदारी के माध्यम से, नाइलिट और इन्फिनियॉन उद्योग–संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में छात्रों और पेशेवरों के लिए अधिक अवसर उत्पन्न करने हेतु मिलकर काम करेंगे।

क्यूईटीसीआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

क्वांटम कंप्यूटिंग एवं उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास पहलों को सुदृढ़ करने के लिए, नाइलिट ने दिनांक: 23 अक्टूबर, 2024 को भारतीय क्वांटम पारिस्थितिकी तंत्र प्रौद्योगिकी परिषद (क्यूईटीसीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य क्वांटम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संयुक्त कौशल विकास कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के लिए बुनियादी ढाँचे को साझा करने, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और विशेषज्ञ परामर्श सेवाओं, क्वांटम प्रौद्योगिकियों पर जन जागरूकता अभियानों, अगली पीढ़ी के क्वांटम वैज्ञानिकों और पेशेवरों को प्रेरित करने, क्वांटम अनुप्रयोगों में सरकारी और रक्षा क्षेत्रों को शामिल करने आदि के माध्यम से नवाचार और उद्योग–अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

भारत के यूएसआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

14 अगस्त, 2024 को, माननीय रक्षा राज्य मंत्री, श्री संजय सेठ की उपस्थिति में, नाइलिट और यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य अग्निवीरों, तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों और अन्य हितधारकों के लिए साइबर सुरक्षा, डिजिटल फोरेंसिक और उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित और कार्यान्वित करना है। दोनों संस्थान सैन्य कर्मियों और रक्षा हितधारकों की आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षिक सामग्री और पाठ्यक्रम के सह–विकास में भी मदद करेंगे।

एमसीटीई के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर

नाइलिट एवं सैन्य दूरसंचार इंजीनियरिंग कॉलेज (एमसीटी. ई) ने सैटेलाइट कैंपस, प्रमाणन, सैन्य–संरेखित पाठ्यक्रम, आभासी और स्मार्ट प्रयोगशालाओं तक पहुंच आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस आशय पत्र का उद्देश्य आईसीटी में कौशल

विकास को बढ़ावा देना है; एमसीटीई में नाइलिट मान्यता केंद्र की स्थापना, कार्यक्रमों का संयुक्त प्रमाणन, संकाय विकास कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम, और सैन्य अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमों और अनुकूलित पाठ्यक्रमों की मान्यता सहित शैक्षणिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग और समन्वय करना है।

डीजीआर के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांकः 11 सितंबर, 2024 को, नाइलिट ने सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों को उभरती प्रौद्योगिकियों और एनएसक्यूएफ–संरेखित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करने हेतु पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, और वर्चुअल अकादमी के साथ–साथ वर्चुअल लैब और स्मार्ट लैब सुविधा भी प्रदान करेगा। नाइलिट अखिल भारतीय वार्षिक रोजगार मेलों के माध्यम से पूर्व सैनिकों को प्लेसमेंट सुविधाएँ प्रदान करने में भी मदद करेगा। इस समझौता ज्ञापन पर मेजर जनरल एसबीके सिंह, महानिदेशक (पुनर्वास), और डॉ. एमएम त्रिपाठी, महानिदेशक, नाइलिट ने हस्ताक्षर किए।

आईआईडीटी के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट ने ड्रोन तकनीक में कौशल विकास, प्रशिक्षण और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय ड्रोन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईडीटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य तेजी से बढ़ते यूएवी क्षेत्र में अत्याधुनिक विशेषज्ञता के साथ छात्रों और पेशेवरों को सशक्त बनाना है। उद्योग–संबंधित पाठ्यक्रम, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुसंधान के अवसर प्रदान करके, यह सहयोग विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन अनुप्रयोगों की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए तैयार एक कुशल कार्यबल तैयार करने में मदद करेगा। नाइलिट और आईआईडीटी मिलकर ड्रोन तकनीक में भारत की क्षमताओं को सुदृढ़ करने और भारत को यूएवी नवाचार और विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने के लक्ष्य में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एनटीआईपीआरआईटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांकः 03 जून, 2024 को, नाइलिट और एनटीआईपीआरआईटी के बीच राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एफडीपी, व्याख्यान, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों के साथ–साथ छात्रों/कर्मचारियों के लिए वायरलेस संचार/सिग्नल प्रोसेसिंग/उन्नत नेटवर्किंग आदि पर विस्तारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संयुक्त आयोजन हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह सहयोग संबंधित क्षेत्रों

में संयुक्त अनुसंधान और परामर्श के लिए भी तत्पर रहेगा। इस समझौता ज्ञापन पर डॉ. एम.एम. त्रिपाठी (महानिदेशक, नाइलिट) और श्री देब कुमार चक्रवर्ती (महानिदेशक, एनटीआईपीआरआईटी) ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

डीवाई पाटिल अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांकः 7 जून, 2024 को, नाइलिट और डीवाई पाटिल अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अकुर्दी, पुणे के बीच प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, वित्त, डिजिटल कौशल, उभरती प्रौद्योगिकियों आदि जैसे सामान्य हित के क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह समझौता चिप डिजाइन में नाइलिट के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के माध्यम से संयुक्त प्रमाणन पाठ्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, फील्ड विजिट, कार्यशालाएं, सम्मेलन आदि जैसे भागीदारी मोड के माध्यम से किया जाएगा।

एनआईटी कुरूक्षेत्र, कालीकट व श्रीनगर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट ने 13 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकियों में शैक्षणिक और अनुसंधान साझेदारी को बढ़ावा देना, कौशल विकास कार्यक्रमों में संयुक्त पहल, अनुसंधान परियोजनाओं, ज्ञान साझाकरण और दोनों संस्थानों के छात्रों और पेशेवरों को लाभान्वित करने के लिए नवाचार को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, एक प्रभावशाली शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग, शिक्षण अनुभवों को बढ़ाने और तकनीकी परिदृश्य में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए **एनआईटी कालीकट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर** किए गए हैं। **नाइलिट ने संयुक्त डीजीसीए–प्रमाणित ड्रोन पायलट प्रशिक्षण स्थापित करने और यूएवी/ड्रोन और रोबोटिक्स में कौशल उन्नयन के माध्यम से गुणात्मक सुधार लाने के लिए एनआईटी श्रीनगर के साथ समझौता–ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।**

गुवाहाटी विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन

असम में शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एनआईईएलआईटी गुवाहाटी ने दिनांक 24 जनवरी, 2025 को असम सरकार के कैबिनेट मंत्री माननीय श्री पीयूष हजारिका और गुवाहाटी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर नानी गोपाल महंत तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन में सहयोग के कई प्रमुख क्षेत्रों की रूपरेखा दी गई है, जैसे– उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास को बढ़ावा देना, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला की स्थापना करना।

कर्नाटक सरकार के ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग (आरडीपीआर) के साथ समझौता–ज्ञापन

नाइलिट कालीकट और कर्नाटक सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज (आरडीपीआर) विभाग ने ग्रामीण पुस्तकालयों को उन्नत सेमीकंडक्टर डिज़ाइन शिक्षण केंद्रों में बदलने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए स्मार्ट प्रयोगशालाओं का लाभ उठाकर अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर शिक्षा से लैस करना है। यह सहयोग ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वाकांक्षी इंजीनियरों और छात्रों को उद्योग–संबंधित विशेषज्ञता प्रदान करेगा, जिससे नवाचार और प्रौद्योगिकी–संचालित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

कर्नाटक सरकार के सरकारी टूल रूम एवं प्रशिक्षण केंद्र (जीटीटीसी) के साथ समझौता ज्ञापन

नाइलिट और जीटीटीसी कर्नाटक ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो कर्नाटक राज्य में कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते के अंतर्गत कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एक नाइलिट विस्तार केंद्र की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य राज्य के स्थानीय युवाओं के लिए कौशल की कमी को पूरा करते हुए उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना है। हस्ताक्षर समारोह में कर्नाटक सरकार के माननीय कौशल विकास मंत्री डॉ. शरणप्रकाश रुद्रप्पा पाटिल और नाइलिट तथा जीटीटीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फिजिक्स वाला के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

देश भर में व्यापक रूप से जनसाधारण हेतु गुणवतापूर्ण शिक्षा को अधिक सुलभ, लागत प्रभावी एवं समावेशी बनाने तथा डिजिटल शिक्षण संसाधनों एवं ई–लर्निंग मॉड्यूल के विकास के उद्देश्य से दिनांकः 9 अक्टूबर, 2024 को नाइलिट एवं फिजिक्स वाला के मध्य समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए, जिससे समाज के व्यापक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच का विस्तार हो सकेगा।

महाराष्ट्र के संस्थानों के साथ समझौता–ज्ञापन

नाइलिट औरंगाबाद ने उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान, कौशल विकास और क्षमता निर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) पुणे, महाराष्ट्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) औरंगाबाद और एमजीएम विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अन्य समझौता–ज्ञापन, हस्ताक्षरित:

	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार इंजीनियर्स संस्थान (आईईटीई) के साथ समझौता ज्ञापन: नाइलिट गोरखपुर और आईईटीई ने 5 अगस्त 2024 को एआई, 5जी, आईओटी और चिप डिज़ाइन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास पर सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईईटीई केंद्रों का प्रत्यायन, संसाधन साझाकरण और प्लेसमेंट अभियान शामिल हैं। इसका उद्देश्य रोज़गार क्षमता को बढ़ावा देना और डिजिटल इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करना है।
	बीएसएनएल के साथ समझौता ज्ञापन: दिनांक: 4 दिसंबर, 2024 को, नाइलिट ने बीएसएनएल के साथ बीएसएनएल तिलक नगर, पाली, राजस्थान में एक नया नाइलिट केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह नया केंद्र क्षेत्र के युवाओं, सरकारी विभागों और पेशेवरों को सशक्त बनाएगा।
	साइबरपीस काउंसिल के साथ समझौता ज्ञापन: नाइलिट गोरखपुर ने साइबर सुरक्षा योग्यताओं को मान्यता प्रदान करने एवं साइबर सुरक्षा/ सूचना सुरक्षा में नए अल्पकालिक और दीर्घकालिक पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए दिनांक: 07 अगस्त, 2024 को साइबरपीस काउंसिल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन पर नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम.एम. त्रिपाठी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।
	जम्मू और कश्मीर सरकार के साथ समझौता ज्ञापन: नाइलिट जम्मू–कश्मीर और जम्मू–कश्मीर सरकार, जिला रोजगार एवं परामर्श केंद्र, श्रीनगर ने 13.08.2024 को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने/स्वरोजगार हेतु उद्यमिता क्षमता निर्माण हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य डीईसीसी श्रीनगर द्वारा नामांकित अभ्यर्थियों को जीएसटी प्रशिक्षण के साथ टैली अकाउंटिंग प्रदान करने हेतु सहयोग करने पर सहमति बनाना है। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य इन अभ्यर्थियों को कॉर्पोरेट क्षेत्र में रोजगार के लिए आवश्यक कौशल एवं ज्ञान प्रदान करना है।
	नाइलिट, गंगटोक ने 10 सितंबर 2024 को आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, सिक्किम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग छात्रों को उभरते क्षेत्रों में अत्याधुनिक प्रशिक्षण और क्षेत्र में उद्योग–तैयार कौशल विकास कार्यक्रमों तक पहुँच प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य सिक्किम के छात्रों को आज की तकनीक–चालित दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करके उनके लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करना था।
	नाइलिट गंगटोक ने सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग के साथ सिक्किम के 6 जिलों में सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत 30 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक सरकारी स्कूलों के लिए डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत चिन्हित किए गए सरकारी स्कूलों के 1500 छात्रों को नाइलिट गंगटोक द्वारा प्रशिक्षित किया गया।
	नागालैंड पुलिस विभाग के साथ समझौता ज्ञापन: दिनांक 10 जून 2024 को, नाइलिट कोहिमा ने नागालैंड पुलिस विभाग के साथ आईटी, साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक में पुलिस बल की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को साइबर अपराध जाँच, फोरेंसिक विश्लेषण और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग में आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

	भारतआइडिया एक्सेलरेटर के साथ समझौता ज्ञापनः नाइलिट कोहिमा ने पूर्वोत्तर स्टार्टअप कौशल कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु दिनांक 22 अप्रैल, 2024 को भारतआइडिया एक्सेलरेटर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह कार्यक्रम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों सत्रों सहित व्यावसायिक संबंधी मौलिकताएँ, विधिक अनुपालन और डिजिटल रणनीतियों पर एक संरचित पाठ्यक्रम के माध्यम से उद्यमशीलता क्षमता निर्माण पर केंद्रित होगा।
	सेमीकॉन अकादमी, पीआरएस ग्रुप के साथ समझौता ज्ञापनः नाइलिट चेन्नई ने वीएलएसआई और सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु दिनांक 21 अगस्त, 2024 को सेमीकॉन अकादमी, चेन्नई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
	मैजिकबॉक्स साइबरसेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापनः नाइलिट चेन्नई ने साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक में शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए मैजिकबॉक्स साइबरसेक प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर के साथ दिनांक 11 सितंबर 2024 को एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
	एमएसआईटी (गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय) के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट दिल्ली केंद्र ने गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), नई दिल्ली से संबद्ध महाराजा सूरजमल प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएसआईटी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य नाइलिट दिल्ली द्वारा एमएसआईटी के छात्रों के लिए आईईसीटी के क्षेत्रों में आगामी प्रौद्योगिकियों पर अल्पकालिक कार्यक्रम संचालित करना और भविष्य की प्रौद्योगिकियों तथा नाइलिट के एनएसक्यूएफ (राष्ट्रीय कौशल योग्यता तंत्र) से संबद्ध पाठ्यक्रमों पर एमएसआईटी के संकाय की क्षमता निर्माण करना है।
	डीबीएस (पीजी) डिग्री कॉलेज, देहरादून के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट हरिद्वार ने उभरती प्रौद्योगिकियों पर इंटर्नशिप/प्रशिक्षण प्रदान करने और संगठनों के बीच शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए डीबीएस डिग्री कॉलेज, देहरादून के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
	नाइलिट पटना द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता–ज्ञापनः बिहार राज्य में उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एनआईईएलआईटी पटना ने राज्य भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, जैसे ए.एन. कॉलेज, पटना; राम सकल सिंह विज्ञान महाविद्यालय, सीतामढ़ी; राजकीय महाविद्यालय, समस्तीपुर; जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, सारण; राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, मधुबनी; मुजफ्फरपुर प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी); दरभंगा इंजीनियरिंग कॉलेज आदि के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
	बिहार पुलिस अकादमी के साथ समझौता ज्ञापनः नाइलिट पटना ने राज्य के पुलिस कर्मियों को उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए दिनांक 18.03.2025 को बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पुरस्कार और प्रमाणन

नाइलिट डीएससीआई उत्कृष्टता पुरस्कार के फाइनलिस्ट में शामिल

साइबर क्षमता निर्माण के क्षेत्र में नाइलिट के योगदान को निरंतर 3 (तीन) वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा मिल रही है !!

नाइलिट को 2022 में **"साइबर अपराध, साइबर कानून और डिजिटल फोरेंसिक में क्षमता निर्माण में अकादमिक जगत द्वारा उत्कृष्टता"** के लिए डीएससीआई उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। **नाइलिट 2023 और 2024 दोनों में इसी प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए फाइनलिस्ट है,** जो इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में इसकी निरंतर प्रतिबद्धता और नेतृत्व की पुष्टि करता है।

(ii) नाइलिट ने सीएमएमआई स्तर 3 प्रमाणन प्राप्त किया

उत्कृष्टता की निरंतर खोज में, नाइलिट अपने गुणवत्ता मानकों को सुदृढ़ बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ता। इसी प्रतिबद्धता के अंतर्गत, **नाइलिट ने मार्च 2025 में अपने परीक्षा विभाग के लिए सेवाओं के क्षेत्र में क्षमता परिपक्वता मॉडल एकीकरण (सीएमएमआई) स्तर 3 प्रमाणन (मूल्यांकन आईडीः 75310)** प्राप्त कर लिया है। यह प्रमाणन तीन वर्षों के लिए वैध है, जिसमें वार्षिक निगरानी लेखा परीक्षा शामिल है, और यह नाइलिट को विभिन्न परीक्षा–संबंधी निविदाओं में भाग लेने के लिए सक्षम बनाता है।

सीएमएमआई, या क्षमता परिपक्वता मॉडल एकीकरण, एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रक्रिया–स्तरीय सुधार प्रशिक्षण और मूल्यांकन तंत्र है। "परिपक्वता स्तर" या "क्षमता स्तर" की अवधारणा संगठनों को सुपरिभाषित अभ्यास क्षेत्रों के आधार पर अपनी प्रक्रिया दक्षता, क्षमता और समग्र प्रदर्शन का आकलन और उन्नयन करने के लिए एक संरचित मार्ग प्रदान करती है।

यह प्रमाणन नाइलिट के पारिस्थितिकी तंत्र की सुदृढ़ता और परिचालन उत्कृष्टता को दर्शाता है, जिससे इसे शिक्षा एवं कौशल विकास क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है। नाइलिट अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का पालन करके, अपनी विशिष्ट यूएसपी विश्वसनीयता को गुणवत्ता आश्वासन और प्रक्रिया परिपक्वता से और सुदृढ़ करता हैं।

नाइलिट ने सूचना सुरक्षा प्रबंधन में आईएसओ/आईईसी 27001:2022 प्रमाणन प्राप्त किया

Certificate of Registration
(Information Security Management System)
KVQA CERTIFICATION SERVICES PVT. LTD.
This is to certify that the Information Security Management System of
National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)
NIELIT Bhawan, PSP Pocket, Plot No 3, Sector -8, Dwarka, New Delhi - 110077, India
has been found to comply with the requirements of
ISO/IEC 27001:2022
This Certificate is valid for the following Product or service range
The Information Security Management System applies to IT Services, HR, Governance and Administration for the Services of NIELIT engaged both in Formal & Non-Formal Education in the area of IECT besides development of industry-oriented quality education and training programme in the state-of-the-art areas. Establish standards for Examination and Certification. Services of National Examination Body accrediting institutes/ organizations for conducting courses in IECT in the formal and non-formal sector.
This is as per Statement of Applicability Version 1.0
Issued by
Authorised Signatory KVQA
Certificate No.: KDAC1202403022
Date of Issue: 22. March, 2024
Valid Until: 21. March, 2027*
CB-ISMS-045

नाइलिट ने मार्च 2027 तक मान्य **आईएसओ/आईईसी 27001:2022 प्रमाणन** प्राप्त कर लिया है, जो **सूचना सुरक्षा प्रबंधन के उच्चतम मानकों** के प्रति इसकी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह प्रमाणन नाइलिट मुख्यालय द्वारा संचालित **ऑनलाइन परीक्षा गतिविधियों, आईटी सेवाओं, मानव संसाधन, शासन, प्रशासन और प्रमाणन सेवाओं** को कवर करता है, जो आईईसीटी क्षेत्र में **राष्ट्रीय परीक्षा निकाय** के रूप में इसकी भूमिका की पुष्टि करता है।

यह विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन, नाइलिट **की विश्वसनीयता, जोखिम प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता** को दर्शाता है, जिससे हितधारकों को निरंतर और सुरक्षित सेवा प्रदान करना सुनिश्चित होता है। नियमित लेखापरीक्षा, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और निरंतर सुधार पर विशेष ध्यान देने के साथ, नाइलिट **अपने हितधारकों का विश्वास और भरोसा** बनाए रखते हुए शिक्षा, कौशल विकास और परीक्षा सेवाओं में अपने प्रभाव का विस्तार करने की अच्छी स्थिति में है।

नाइलिट श्रीनगर को प्रशंसा पुरस्कार मिला

नाइलिट श्रीनगर को संघ राज्य क्षेत्र जम्मू–कश्मीर में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में अग्रणी प्रगति के लिए अपनी उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और बहुमूल्य योगदान के लिए, उद्योग और वाणिज्य, संघ राज्य क्षेत्र के आयुक्त सचिव द्वारा **प्रशंसा पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।

IndiaSkills
Bihar Skill Development Mission
Labour Resources Department, Government of Bihar
Certificate of Merit
This certificate is being awarded to your organization **National Institute of Electronics and Information Technology, Patna** for your invaluable contribution in Training, District & State Level India Skills Competition-2024 for **Cyber Security/Industry 4.0/Robot Systems Integration/Web Technologies** trades orgnized under the aegis of Bihar Skill Development Mission.
With Best Wishes.
Dr. B. Rajender

नाइलिट पटना को बिहार सरकार द्वारा पुरस्कृत किया गया

नाइलिट पटना को साइबर सुरक्षा, उद्योग 4.0, रोबोट सिस्टम एकीकरण और वेब टेक्नोलॉजीज के ट्रेडों में जिला और राज्य स्तरीय भारत कौशल प्रतियोगिता 2024 के प्रशिक्षण और सफलतापूर्वक आयोजन में अपने अनुकरणीय प्रयासों के लिए बिहार कौशल विकास मिशन और श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा श्रेष्ठता प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है।

नाइलिट रांची को झारखंड उत्कृष्टता पुरस्कार मिला

नाइलिट रांची को भारत सरकार के माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ द्वारा **झारखंड उत्कृष्टता पुरस्कार** से सम्मानित किया गया, जो झारखंड राज्य में उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने में इसके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया।

नाइलिट, परीक्षा निकाय के रूप में

नाइलिट राष्ट्रीय परीक्षा निकायों में से एक है और **वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए,** नाइलिट ने 12.5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए सफलतापूर्वक परीक्षाएं आयोजित की हैं, जिनमें ऑफ़लाइन, भर्ती और तृतीय–पक्ष ऑनलाइन परीक्षाएं शामिल हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है: –.

नाइलिट की परीक्षाएँ

ओ/ए/बी/सी स्तर की परीक्षा: नाइलिट गैर–औपचारिक क्षेत्र में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए संस्थानों/संगठनों को प्रत्यायन प्रदान करता है और अपने ओ/ए/बी/सी स्तर (आईटी) पाठ्यक्रमों के माध्यम से आईटी प्रशिक्षण में उत्कृष्ट विशेषज्ञता रखता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में, कुल 1,39,464 अलग–अलग अभ्यर्थी और कुल 5,54,831 मॉड्यूल–वार अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में आयोजित ओ/ए/बी/सी परीक्षा के लिए आवेदन किया है। इसके अलावा, एनआईईएलआईटी ने वित्तीय वर्ष के दौरान 14,119 अभ्यर्थियों के लिए ओ लेवल (सीएचएमटी) परीक्षा भी आयोजित की।

डीएलसी/एनएसक्यूएफ/ईएसडीएम परीक्षा: नाइलिट नियमित रूप से ऑनलाइन डीएलसी परीक्षा आयोजित करता है। 2024–25 के दौरान, नाइलिट ने **4,12,666** अभ्यर्थियों के लिए डीएलसी (सीसीसी, सीसीसी+, ईसीसी) परीक्षा आयोजित की है। नाइलिट साइबर सुरक्षा, आईआरडीए, एसीसी, बीसीसी और एनएसक्यूएफ–संरेखित पाठ्यक्रमों जैसे डीएलसी पाठ्यक्रमों के लिए रिमोट–प्रोक्टर्ड परीक्षा भी आयोजित करता है। 2024–25 में, नाइलिट ने **91,381** अभ्यर्थियों के लिए इन पाठ्यक्रमों की रिमोट–प्रोक्टर्ड परीक्षाएँ आयोजित कीं।

तृतीय पक्षीय परीक्षाएँ

भर्ती परीक्षाएं: नाइलिट अपने और विभिन्न सरकारी निकायों के लिए भर्ती परीक्षाएँ भी आयोजित करता है। वर्ष 2024–25 में, नाइलिट ने भर्ती परीक्षाएँ आयोजित की हैं। वर्ष 2024–25 में, नाइलिट ने स्वयं के लिए तथा विभिन्न सरकारी निकायों जैसे माइटी, एनटीआरओ, बेलट्रॉन, सीसीआरवाईएन, आर्मी (एसीसी) कॉमन एंट्रेंस (ऑनलाइन), आरएमएस (ऑनलाइन) परीक्षा आदि के लिए कुल 70409 अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की है।

अन्य तृतीय–पक्ष ऑनलाइन परीक्षाएँ: अन्य सरकारी निकायों के लिए भर्ती परीक्षाओं के अलावा, नाइलिट ऑनलाइन – ऑन–साइट प्रॉक्टरिंग और केंद्रीकृत निगरानी मोड में विभिन्न तृतीय–पक्ष परीक्षाएँ भी आयोजित करता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में, नाइलिट ने **1,34,933** अभ्यर्थियों के लिए विभिन्न विभागों/योजनाओं जैसे नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) आदि के लिए ऑनलाइन परिक्षाएं आयोजित की।

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित चल रहे अनुसंधान एवं विकास तथा क्षमता निर्माण परियोजनाओं की स्थिति:

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
1	**शीर्षक: सी2एस के अंतर्गत कुशल जनशक्ति उन्नत अनुसंधान और प्रशिक्षण सुविधा (स्मार्ट लैब)** परियोजना का उद्देश्य नाइलिट कालीकट में 300 सीटों वाली रिमोट प्रोटोटाइपिंग लैब स्थापित करना है, जिसमें 5 वर्षों में 1 लाख अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। **उपलब्धि:** प्रयोगशाला 300 एम्बेडेड/एफपीजीए रिमोट हार्डवेयर इकाइयों के साथ स्थापित है। मार्च 2025 तक 58357 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं और 21106 अभ्यर्थी प्रमाणित हैं।	अखिल भारतीय	400 लाख
2	**शीर्षक: चिकित्सा इमेजिंग के लिए अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर जांच का डिजाइन और विकास** परियोजना का उद्देश्य चिकित्सा इमेजिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स और परीक्षण जिग विकास) के लिए 128–चैनल अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर जांच को डिजाइन और विकसित करना है। **उपलब्धि:** • चिकित्सा इमेजिंग के लिए 128–चैनल अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर जांच का डिजाइन और विकास (इलेक्ट्रॉनिक्स और परीक्षणजिग विकास) पूरा हो गया। • लचीले पीसीबी का डिजाइन पूरा हो गया है, विकास और परीक्षण प्रगति पर है।	केरल	463.48 लाख
3	**शीर्षक: किफायती अल्ट्रासाउंड स्कैनर के लिए स्वदेशी अत्याधुनिक एफपीजीए–आधारित अल्ट्रासाउंड बीम फॉर्मर मॉड्यूल: एक प्रूफ–ऑफ–कॉन्सेप्ट स्कैनर विकास** इसका उद्देश्य एक एफपीजीए पर अल्ट्रासाउंड बीमफॉर्मिंग एल्गोरिदम के एक कुशल कार्यान्वयन आर्किटेक्चर की जांच और डिजाइन करना है, ताकि समानांतर बीमफॉर्मर कोर का उपयोग करके कम मेमोरी आवश्यकताओं के साथ उच्च फ्रेम दर प्राप्त की जा सके। **उपलब्धि:** • चिन्हित किए गए अत्याधुनिक एल्गोरिदम के लिए वीएलएसआई आर्किटेक्चर डिज़ाइन – पूर्ण हुआ • पहचाने गए अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड बीमफॉर्मिंग एल्गोरिदम के लिए सिस्टम आर्किटेक्चर का विकास – पूर्ण हुआ	तमिलनाडु	50.61 लाख

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
4	**शीर्षकः ईईजी आधारित वास्तविक समय एनेस्थीसिया की गहराई (डीओए) निगरानी प्रणाली का डिजाइन और विकास** इसका उद्देश्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध ईईजी डेटा को पूर्व–संसाधित करना और विभिन्न वर्णक्रमीय और लौकिक विशेषताओं के व्यवहार का अध्ययन करना, ईईजी डेटा का एक नैदानिक डेटाबेस संकलित करना, स्थानीय ईईजी डेटाबेस का उपयोग करके एक मशीन लर्निंग मॉडल और इसकी हार्डवेयर संरचना विकसित करना है। **उपलब्धिः** अब तक निम्नलिखित लक्ष्य पूरे हो चुके हैं: • ईईजी डेटा के पूर्व–प्रसंस्करण और फीचर निष्कर्षण के लिए विधियों का विकास • डीओए अनुमान के लिए एक प्रारंभिक मशीन लर्निंग मॉडल का विकास • विशेषज्ञ टिप्पणियों के साथ नैदानिक ईईजी डेटाबेस का संकलन	मणिपुर	455.23 लाख
5	**शीर्षकः इंडियाएआई मिशन के इंडिया एआई फ्यूचर स्किल्स स्तंभ के अंतर्गत उभरती एआई प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने के लिए इंडियाएआई लैब्स की स्थापना** परियोजना का उद्देश्य 27 नाइलिट केंद्रों पर इंडियाएआई प्रयोगशालाएं स्थापित करना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान में एनएसक्यूएफ–संरेखित पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 10,800 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करना है। **उपलब्धिः** • 380 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है • 27 प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं	असम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल, लद्दाख, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, श्रीनगर, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	1462.42 लाख
6	**शीर्षकः इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी योजना, चरण–II** परियोजना का उद्देश्य आईटीआई/पॉलिटेक्निक में "मेक इन इंडिया" और "डिजिटल इंडिया" कार्यक्रमों के आधार स्तंभ, प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों (कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित) और अन्य उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को बढ़ावा देकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के दृष्टिकोण के साथ विशेष संकाय विकास कार्यक्रमों (एफडीपी) के माध्यम से संकाय/संरक्षक प्रशिक्षण का आयोजन करना है। **उपलब्धिः** 306 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है	महाराष्ट्र, केरल और उत्तर प्रदेश	कुल बजटः 9468.82 लाख नाइलिटः रु.1188 लाख

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
7	**शीर्षकः सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए) परियोजना – चरण–III** परियोजना का उद्देश्य सरकार और अन्य क्षेत्रों (एमएसएमई, स्टार्ट–अप, गैर–आईटी क्षेत्र आदि) के लिए अत्यधिक कुशल और सक्षम साइबर सुरक्षा पेशेवरों को विकसित करने के लिए सीआईएसओ के प्रशिक्षण और प्रमाणन के लिए एक सुदृढ़ तंत्र बनाना है। **उपलब्धिः** • एसआरएफ/जेआरएफ/आरए/पीए/यंग फेलो – 10 • संकाय विकास कार्यक्रम – 267 • अल्पकालिक पाठ्यक्रम – 377 • बूटकैंप – 134 • इंटर्नशिप – 27	महाराष्ट्र, केरल, नागालैंड, जम्मू–कश्मीर और उत्तर प्रदेश	332.74 करोड
8	**शीर्षकःआईईसीटी में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के माध्यम से एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं के लिए रोजगार क्षमता संवर्धन और आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम [ईईएलटीपी]** परियोजनाओं का उद्देश्य आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं की क्षमता निर्माण/कौशल विकास करना है, ताकि चयनित भविष्योन्मुखी और कौशल उन्नयन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकांश एससी/एसटी आबादी वाले जिलों में उनकी रोजगार क्षमता और आजीविका में वृद्धि की जा सके। इस परियोजना का कुल लक्ष्य 52300 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लाभार्थियों को प्रशिक्षित करना है। यह परियोजना 3 वर्षों की अवधि में 26 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 100 जिलों में वितरित की जाएगी। कुल लाभार्थियों में से 40: अनुसूचित जाति, 40% अनुसूचित जनजाति और 20% आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के होंगे। **उपलब्धिः** 8249 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा 7051 प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।	आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, नागालैंड, मेघालय, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल	9090.42 लाख रुपये

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
9	**शीर्षकः पूर्वोत्तर राज्यों के कारीगरों की आजीविका बढ़ाने के लिए हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र का डिजिटल हस्तक्षेप** परियोजना 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की गई है (जिसे एक वर्ष अर्थात 28 मार्च, 2025 तक आगे बढ़ाया गया है)। इस परियोजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों के हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों के लिए नागालैंड में डिजिटल सक्षम सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित करना, पारंपरिक कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को प्रतिस्पर्धी बनाना, क्लस्टर उत्पादों की विपणन क्षमता बढ़ाना, ई–कॉमर्स को एक प्रमुख विपणन माध्यम के रूप में अपनाना, हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की तैयारी और प्रक्रियात्मक कार्यप्रणाली पर ई–सामग्री और वृत्तचित्र फिल्म का विकास करना, और संबंधित क्लस्टरों के पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण के माध्यम से बेहतर कौशल और क्षमताओं से सुसज्जित करना है। **उपलब्धिः** 7043 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है	नागालैंड	619.12 लाख
10	**शीर्षकः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के इंजीनियरिंग उत्तीर्ण छात्रों का स्व–रोजगार क्षमता निर्माण** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है (जिसे एक वर्ष के लिए आगे बढ़ाया गया है, अर्थात 29 मार्च, 2025) और इसका कार्यान्वयन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के इंजीनियरिंग उत्तीर्ण छात्रों की क्षमता निर्माण के उद्देश्य से किया गया है। **उपलब्धिः** 477 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	बिहार, उत्तराखंड, तेलंगाना आंध्र प्रदेश और झारखंड	443.73 लाख
11	**शीर्षकः रोजगार के अवसर और कौशल बढ़ाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण** यह परियोजना 3 वर्षों की अवधि (जिसे 25 सितंबर, 2024 तक आगे बढ़ाया गया है) के लिए कार्यान्वित की जा रही है, जिसका उद्देश्य मुद्रित सर्किट बोर्ड डिजाइनिंग, विश्लेषण और विनिर्माण तकनीक, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन, मल्टीमीडिया विकास, एंड्रॉइड ऐप विकास में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करके त्रिपुरा के युवाओं के बीच उद्यमशीलता और सतत विकास को सक्षम बनाना है। **उपलब्धिः** 1437 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।	त्रिपुरा	248.05 लाख

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
12	शीर्षक: आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं का कौशल विकास जिससे रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी परियोजना की अवधि 3 वर्ष है (इसे एक वर्ष के लिए और बढ़ा दिया गया है, अर्थात 25 फरवरी, 2025 तक) और इसे 81 आकांक्षी जिलों से संबंधित 18,209 एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं को आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में 4 पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से कार्यान्वित किया जा रहा है। (i) प्रमाणित डाटा एंट्री और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग) (210 घंटे); (ii) प्रमाणित कंप्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग और प्रकाशन सहायक (360 घंटे); (iii) इंस्टॉलेशन और मरम्मत सहायक (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स) (330 घंटे); (iv) उत्पाद असेंबली सहायक (सोलर एलईडी) (330 घंटे)। **उपलब्धि:** 18,676 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है	असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	2981.23 लाख
13	**शीर्षक: पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशालाओं का विकास और क्लाउड आधारित केंद्रीकृत साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला अवसंरचना** परियोजना की अवधि 5 वर्ष है और इसका उद्देश्य 8 पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशालाएं स्थापित करना, पुलिस अधिकारियों, अभियोजकों, न्यायाधीशों आदि जैसे आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न हितधारकों की क्षमता निर्माण, ई–लर्निंग पद्धतियों के साथ संसाधन पोर्टल का निर्माण, डिजिटल अपराध रिकॉर्ड के लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस सुविधा का निर्माण करना है। **उपलब्धि:** 1. साइबर फोरेंसिक सह प्रशिक्षण प्रयोगशाला की स्थापना, ई–लर्निंग पद्धतियों के साथ संसाधन पोर्टल का निर्माण, डेटाबेस सुविधा का निर्माण, और पाठ्यक्रम का डिजाइन और विकास और विभिन्न हितधारकों तक इसकी डिलीवरी 2. आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न हितधारकों जैसे पुलिस अधिकारी, अभियोजक, न्यायाधीश, सभी एलईए के जांच अधिकारियों का क्षमता निर्माण (i) जागरूकता स्तर प्रशिक्षण – 1703 प्रशिक्षित (ii) शुरुआती स्तर का प्रशिक्षण – 756 प्रशिक्षित (iii) उन्नत स्तर का प्रशिक्षण – 447 प्रशिक्षित (iv) न्यायपालिका स्तर का प्रशिक्षण– 166 प्रशिक्षित	मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा	1692.20 लाख

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
14	**शीर्षकः पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल सेट और वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता–निर्माण [एनईसीबी 2.0]** परियोजना की अवधि 2 वर्ष (जिसे 31 मई, 2025 तक आगे बढ़ाया गया है) है और इसका कार्यान्वयन समाज के विभिन्न वर्गों के 1.71 लाख नागरिकों के लिए आवश्यक आईटी शिक्षा और कौशल के साथ एक स्मार्ट पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर पूर्वोत्तर नागरिकों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का समग्र उत्थान लाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। **उपलब्धिः** 1,71,565 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है और 25 स्टार्ट–अप स्थापित/समर्थित किए गए हैं	अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा	9232.76 लाख
15	**शीर्षकः नए युग की डिजिटल प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण के माध्यम से यात्रा एवं पर्यटन (टीएंडटी) उद्योग में आईसीटी हस्तक्षेप** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसका उद्देश्य लक्षित समूह को ई–कॉमर्स और संबंधित अवधारणाओं सहित डिजिटल कौशल से सशक्त बनाना है ताकि उन्हें यात्रा, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के लाभों का लाभ उठाने में मदद मिल सके। **उपलब्धिः** • अवसंरचना का निर्माण, पर्यटकों के लिए वीआर सामग्री का विकास, मोबाइल एप्लिकेशन का विकास, ई–सामग्री का विकास, एलएमएस • हितधारकों/युवाओं का प्रशिक्षण–360	सिक्किम	144.25 लाख
16	**शीर्षकः पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर सुरक्षा जागरूक समाज के लिए पहल** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसका क्रियान्वयन साइबर सुरक्षा संसाधनों और उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा समाज के विभिन्न वर्गों को लक्षित करते हुए साइबर स्पेस में जोखिम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। **उपलब्धिः** • ऑडियो–विजुअल/मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम, वेब आधारित जागरूकता सामग्री का निर्माण, एमआईएस और हेल्पलाइन के साथ संसाधन पोर्टल का निर्माण और होस्टिंग, चयनित स्कूलों/कॉलेजों में साइबर सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन • कुल 234 जागरूकता कार्यशाला कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।	आइजोल, मिजोरम और नागालैंड	725.19 लाख

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
17	**शीर्षकः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संस्थानों के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/ईडब्ल्यूएस स्नातक इंजीनियरों को सुदृढ़ और सशक्त बनाने के लिए कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम** परियोजना की अवधि 5 वर्ष है और इसका मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ईडब्ल्यूएस/महिला अभ्यर्थियों को पेशेवर कार्य वातावरण में तकनीकी ज्ञान विस्तार, वास्तविक समय कार्य कौशल प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है। **उपलब्धिः** 1553 प्रशिक्षुओं को नियुक्त किया गया है।	अखिल भारतीय	5140.18 लाख
18	**शीर्षकःत्रिपुरा के रोजगार योग्य युवाओं के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसका उद्देश्य त्रिपुरा के युवाओं के बीच उद्यमशीलता और सतत विकास को सक्षम बनाना है, जिसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सौर ऊर्जा स्थापना संचालन और रखरखाव, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की स्थापना और मरम्मत, साइबर फोरेंसिक, सीसीटीवी स्थापना सेवा और रखरखाव, पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग, मैटलैब का उपयोग करके डीएसपी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। **उपलब्धिः** 2232 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।	त्रिपुरा	441.44 लाख
19	**शीर्षकः सौर एलईडी आधारित उत्पादों की डिजाइन और असेंबली लैब की स्थापना** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसका उद्देश्य सौर एलईडी आधारित उत्पादों जैसे सौर लालटेन, सौर स्ट्रीट लाइट (स्वचालित/मैनुअल), सौर सेल फोन चार्जर, सौर लैपटॉप चार्जर, सौर पावर बैंक और सौर बैटरी चार्जर की पूर्ण डिजाइन और संयोजन प्रयोगशाला स्थापित करना है ताकि लद्दाख क्षेत्र के एसटी युवाओं को सौर–आधारित उत्पादों के डिजाइन और निर्माण में प्रशिक्षित किया जा सके और 350 उम्मीदवारों को सौर–एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण), एनएल/एम/एल4/सी022 एनआईईएलआईटी/आरई/2/89 लेवल4 एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों के साथ–साथ सॉफ्ट स्किल्स, उद्यमिता और सूक्ष्म वित्त पर व्याख्यान में प्रशिक्षित किया जाएगा। **उपलब्धिः** 241 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है	लद्दाख	211.20 लाख

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
20	**शीर्षकः मानवरहित विमान प्रणालियों (ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी) में मानव संसाधन विकास के लिए क्षमता निर्माण** परियोजना की अवधि 5 वर्ष है और इसका कार्यान्वयन मानवरहित विमान प्रणाली (यूएएस) के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण में क्षमता निर्माण के माध्यम से मानव संसाधन विकास में सहयोगात्मक गतिविधियों का लाभ लेने के उद्देश्य से किया जा रहा है। **उपलब्धिः** 80 बूटकैंपों में 3131 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है तथा सभी 5 पीआईएस में ड्रोन इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।	महाराष्ट्र, ओडिशा, केरल, मणिपुर और जम्मू–कश्मीर	कुल बजट परिव्यय 89.97 करोड़ रुपये है, जिसमें से 11.24 करोड़ रुपये नाइलिट केंद्रों के लिए बजट परिव्यय है।
21	**शीर्षकः आईटी और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाना** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों के लिए आईटी और साइबर सुरक्षा पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना, आईटी और साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं में प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना, प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न पुलिस मुख्यालयों और चयनित जिलों में नवीनतम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित आईटी सह सुरक्षा प्रयोगशालाएं स्थापित करना, साइबर सुरक्षा के लिए एक आभासी प्रशिक्षण मंच और सिमुलेशन डिजाइन और विकसित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिभागियों को नवीनतम प्रौद्योगिकियों और तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो और एक प्रशिक्षण निगरानी प्रणाली डिजाइन और कार्यान्वित की जा सके जो लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) के साथ सहजता से एकीकृत हो ताकि कार्यक्रम की अवधि के दौरान प्रगति की कुशल ट्रैकिंग और मूल्यांकन की गारंटी हो सके। **उपलब्धिः** 2787 पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है	अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा	2245.47 लाख
22	**शीर्षकः राज्यों के सतत विकास के लिए रोजगार क्षमता बढ़ाने और उद्यमशीलता को सक्षम बनाने के लिए ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार के बेरोजगार युवाओं का कौशल विकास।** परियोजना का उद्देश्य 3 वर्ष की अवधि में 50040 युवाओं (एससी/एएसटी, सामान्य–ईडब्ल्यूएस श्रेणियों) के लिए निःशुल्क कौशल विकास कार्यक्रम संचालित करना है, ताकि आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स डोमेन के अंतर्गत विभिन्न एनएसक्यूएफ–संरेखित पाठ्यक्रमों में कौशल विकास प्रदान करके ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार के युवाओं के बीच रोजगार क्षमता को बढ़ाया जा सके और सतत विकास की दिशा में उद्यमशीलता को सक्षम बनाया जा सके। **उपलब्धिः** 1612 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा 2906 अभ्यर्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।	ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार	5076.39 लाख

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
23	**शीर्षकः डिजिटल जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के लिए कौशल** परियोजना का उद्देश्य जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में 9450 युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करना है, जिसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के 4779 अभ्यर्थी और सामान्य वर्ग के 4671 अभ्यर्थी शामिल हैं, जिससे समावेशी भागीदारी सुनिश्चित हो सके और श्रीनगर, लेह और कारगिल में अत्याधुनिक ऑनलाइन परीक्षा सुविधाएं स्थापित की जा सकें। **उपलब्धिः** परियोजना की गतिविधियां अभी शुरू होनी बाकी हैं।	श्रीनगर और लद्दाख	1159.75 लाख
24	**शीर्षकः डिजिटल फोरेंसिक में सरकारी कर्मचारियों का प्रशिक्षण** इस परियोजना का उद्देश्य एक व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी कर्मचारियों की डिजिटल फोरेंसिक क्षमताओं को बढ़ाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को ऑनलाइन और आभासी प्रशिक्षण मंच का उपयोग करते हुए साइबर जोखिमों की प्रभावी जांच और शमन के लिए आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है, और 34 प्रशिक्षक–नेतृत्व वाले ऑनलाइन सत्रें के माध्यम से 2000 सरकारी अधिकारियों को डिजिटल फोरेंसिक में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण दक्षता और जाँच क्षमताओं को बढ़ाएगा, जिससे साइबर घटनाओं पर प्रतिक्रिया समय में सुधार होगा। **उपलब्धिः**124 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है	नागालैंड	200 लाख
25	**शीर्षकः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति कार्यक्रम** अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रलय द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रम, नाइलिट केंद्रों पर 2007 से क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को नाइलिट के विभिन्न डिग्री/डिप्लोमा और एनएसक्यूएफ–संरेखित अनौपचारिक पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है, जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक प्रकार की प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना है। **उपलब्धिः** वित्तीय वर्ष 2024–25 में, कुल 3,667 अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों और 19,495 अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को नाइलिट केंद्रों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।	अखिल भारतीय	प्रतिपूर्ति के आधार पर, बजट आवंटित नहीं किया गया है

नाइलिट केंद्रों की स्थापना के लिए चल रही परियोजनाओं की स्थितिः

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
1	**शीर्षकः नाइलिट शिलांग के स्थायी परिसर की स्थापना** *(वित्त पोषण एजेंसीः एमईआईटीवाई)* **उद्देश्यः** शिलांग में एक पूर्ण स्थायी परिसर विकसित करनाय शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक, कंप्यूटर लैब और अन्य प्रशिक्षण सुविधाओं, पुस्तकालय सुविधा आदि के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे का उन्नयन करना, ताकि राज्य में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स और संबंधित विषयों के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति का निर्माण किया जा सके। **स्थितिः** *केंद्र का संचालन किया जा रहा है।*	शिलांग, मेघालय	8.00 करोड़
2	**शीर्षकः बीकानेर में नाइलिट केंद्र की स्थापना** *(वित्त पोषण एजेंसीः एमईआईटीवाई)* **उद्देश्यः** आईईसीटी क्षेत्रों में कौशल और क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, गैर–औपचारिक पाठ्यक्रमों के संचालन और परियोजनाओं, कॉर्पोरेट प्रशिक्षण आदि जैसी अन्य सभी गतिविधियों के लिए, डूंगर कॉलेज और एमजीएस विश्वविद्यालय, बीकानेर के परिसर में नाइलिट केंद्र स्थापित करना। **स्थितिः** *प्रशिक्षण गतिविधियाँ शुरू कर दी गई हैं। बीकानेर शहर में दो स्थानों पर नाइलिट केंद्र बीकानेर परिचालित कर दिया गया है।*	बीकानेर, राजस्थान	7.05 करोड़
3	**शीर्षकः ओडिशा के बालेश्वर में नाइलिट के विस्तार केंद्र की स्थापनाः** *(नाइलिट द्वारा वित्त पोषित)* **उद्देश्यः** बालेश्वर (ओडिशा) में नाइलिट भुवनेश्वर का एक विस्तार केंद्र स्थापित करना और 3 वर्षों की अवधि में 2450 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करना। **स्थितिः** *केंद्र चालू हो गया है और प्रशिक्षण शुरू हो गया है।*	बालेश्वर, ओडिशा	195.20 लाख
4	**शीर्षकः हैदराबाद, तेलंगाना में नाइलिट केंद्र की स्थापना.** *(वित्त पोषण एजेंसीः एमईआईटीवाई)* **उद्देश्यः** विश्व स्तरीय शिक्षा, प्रशिक्षण और मान्यता प्रदान करके आईईसीटी और संबद्ध क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति उत्पन्न करना कौशल उन्नयन के लिए नवीन पाठ्यक्रम और सतत शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों को सहायता प्रदान करना और हैदराबाद में नाइलिट केंद्र की स्थापना के माध्यम से उद्यमशीलता, उद्योग–उन्मुख डिजाइन और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना। **स्थितिः** *प्रशिक्षण गतिविधियाँ शुरू कर दी गई हैं। केंद्र का संचालन शुरू हो गया है।*	हैदराबाद, तेलंगाना	474.26 लाख

क्र. सं.	परियोजना	भौगोलिक वितरण	कुल परिव्यय (रु.)
5	**शीर्षकः तिरुपति, आंध्र प्रदेश में नाइलिट केंद्र की स्थापना** *(वित्त पोषण एजेंसीः एमईआईटीवाई)* **उद्देश्यः** विश्वस्तरीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा मान्यता सेवाएं प्रदान करके आईईसीटी और संबद्ध क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति का सृजन करना तथा कुशल पेशेवरों का विकास करना, तथा तिरुपति में एक नाइलिट केंद्र की स्थापना के माध्यम से अधिक संरचित, केंद्रित और व्यापक तरीके से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और डिजाइन के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के उद्भव को सक्षम करने के लिए एक जीवंत अर्धचालक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना। **स्थितिः** *प्रशिक्षण गतिविधियाँ शुरू कर दी गई हैं। केंद्र का संचालन शुरू हो गया है।*	तिरुपति, आंध्र प्रदेश	850.98 लाख
6	**शीर्षकः चित्रदुर्ग, कर्नाटक में नाइलिट केंद्र की स्थापना** *(वित्त पोषण एजेंसीः एमईआईटीवाई)* **उद्देश्यः** विश्व स्तरीय शिक्षा, प्रशिक्षण और मान्यता प्रदान करके आईईसीटी और संबद्ध क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति उत्पन्न करनाय कौशल उन्नयन के लिए नवीन पाठ्यक्रम और सतत शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों को सहायता प्रदान करना और चित्रदुर्ग में नाइलिट केंद्र की स्थापना के माध्यम से उद्यमशीलता, उद्योग–उन्मुख डिजाइन और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना। **स्थितिः** *केंद्र का परिचालन प्रक्रियाधीन है।*	चित्रदुर्ग, कर्नाटक	609.82 लाख
7	**शीर्षकः पीलीभीत में नाइलिट केंद्र की स्थापना** *(वित्त पोषण एजेंसीः एमईआईटीवाई)* **उद्देश्यः** विश्वस्तरीय शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रत्यायन प्रदान करके आईईसीटी और संबद्ध क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति उत्पन्न करना उद्यमशीलता, उद्योग–उन्मुख डिजाइन को बढ़ावा देना, पीलीभीत के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना और पीलीभीत में नाइलिट केंद्र की स्थापना के माध्यम से प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करने की सहायता से उनका डिजिटलीकरण और विपणन करना। **स्थितिः** *प्रशिक्षण गतिविधियाँ शुरू कर दी गई हैं। केंद्र चालू हो गया है।*	पीलीभीत, उत्तर प्रदेश	1479.83 लाख

नाइलिट
केंद्र

केंद्र के संबंध में

नाइलिट अगरतला केंद्र का उद्घाटन 10 फ़रवरी 2009 को राज्य सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान परिसर, इंद्रानगर में किया गया था। आधारभूत संरचना एवं अभिगम्यता हेतु त्रिपुरा सरकार ने आर.के. नगर स्थित औद्योगिक विकास केंद्र के समीप 15 एकड़ भूमि आवंटित की, जहाँ जनवरी, 2016 में स्थायी परिसर का परिचालन शुरू हुआ। यह केंद्र अब इस अत्याधुनिक सुविधा से संचालित होता है तथा सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। हाल ही में, नाइलिट को डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है, जिसका मुख्यालय रोपड़, पंजाब में है, तथा देश भर में इसके 11 घटक संस्थान हैं, जिनमें नाइलिट अगरतला भी एक है, जिससे देश भर में इसकी शैक्षणिक और अनुसंधान क्षमताएँ और भी सुदृढ़ हुई हैं।

कार्यबलः

नियमित	वै. एवं तकः 09
	गैर वै. एवं तकः 05
संविदात्मक	: 43
परियोजना आधारित	: शून्य
कारोबार	: **रु. 956.58** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री अनुराग माथुर
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट अगरतला, आर.के. नगर,
खयेरपुर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा
पीएस – बोधजंगनगर, त्रिपुरा, पिन– 799008

सम्पर्क विवरण

फ़ोनः 03812391010
मोबाइलः 8794822459
ईमेलः dir.agartala@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/agartala@index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

त्रिपुरा

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- वेब/ऐप विकास
- सूचना/साइबर सुरक्षा
- साइबर फोरेंसिक
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- कृत्रिम होशियारी
- डेटा विज्ञान
- नेटवर्क प्रशासन और सुरक्षा
- पीसीबी डिजाइन, विश्लेषण और विनिर्माण
- सौर ऊर्जा स्थापना और रखरखाव

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- डेटा इंजीनियरिंग में एम.टेक.
- एम.एससी. (आईटी)
- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- सीएचएमटी 'ओ' स्तर

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स और कम्युनिकेटिव इंग्लिश में सर्टिफिकेट कोर्स
- प्रमाणित एंड्रॉइड ऐप डेवलपर (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन विशेषज्ञ
- साइबर फोरेंसिक
- क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए साइबर सुरक्षा
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- मुद्रित सर्किट बोर्ड, डिज़ाइन, विश्लेषण और विनिर्माण तकनीशियन पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सीसीटीवी कैमरा उपकरण स्थापना, सेवा और रखरखाव
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों में आधारभूत पाठ्यक्रम
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग
- पर्सनल कंप्यूटर की असेंबली और रखरखाव
- उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की स्थापना और मरम्मत
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- सौर ऊर्जा स्थापना, संचालन और रखरखाव
- मैट लैब का उपयोग करके डीएसपी

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- **समाज में डिजिटल कौशल:** किसानों, महिलाओं, स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों, स्नातकों और शिक्षकों सहित लगभग 11,000 व्यक्तियों को **डिजिटल साक्षरता एवं उभरती उद्योग–सम्बद्ध तकनीकों** में प्रशिक्षित किया गया, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में समावेशी डिजिटल सशक्तिकरण में योगदान दिया जा सके।
- **युवाओं के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण:** साइबर फोरेंसिक, पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग, मैटलैब का उपयोग करके डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (डीएसपी), सीसीटीवी उपकरण स्थापना और रखरखाव, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), और सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापना जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कुल 1,577 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं के मध्य रोजगार क्षमता एवं व्यावहारिक कौशल को बढ़ाना था।
- **उभरती और उद्योग–चालित प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण:** एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट, मल्टीमीडिया डेवलपमेंट, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन, और पीसीबी डिज़ाइन और निर्माण तकनीकों में विशेष पाठ्यक्रम लगभग 720 अभ्यर्थियों ने सफलतापूर्वक पूर्ण किए, जिससे उद्योग 4.0 अनुप्रयोगों हेतु तैयार कार्यबल को बढ़ावा मिला।
- **भावी प्रौद्योगिकियों में कौशल संवर्धन:** अगली पीढ़ी के डिजिटल कौशल पर केंद्रित पहलों के अंतर्गत 758 छात्रों एवं 525 सरकारी पदाधिकारियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल एवं मोबाइल प्रौद्योगिकियों में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य डिजिटल कौशल के अंतर कों कम करना तथा शासन व सार्वजनिक सेवा वितरण में प्रौद्योगिकी को अपनाने को बढ़ावा देना था।
- **साइबर सुरक्षा एवं साइबर फोरेंसिक जागरूकता एवं प्रशिक्षण:** एमईआईटीवाई द्वारा समर्थित पहलों के अंतर्गत कानून प्रवर्तन एजेंसी के पदाधिकारियों हेतु साइबर सुरक्षा एवं साइबर फोरेंसिक जांच संबंधी समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए गए। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह (एनसीएसएएम) 2024 के उपलक्ष्य में, नाइलिट केंद्र, अगरतला ने नवंबर, 2024 में कानून प्रवर्तन एवं सरकारी पदाधिकारियों हेतु विशेष प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए, जिसमें सुरक्षित डिजिटल प्रणालियों एवं साइबर नम्यता पर बल दिया गया।
- राज्य–स्तरीय योजनाओं के अंतर्गत कौशल विकास: लगभग 200 उम्मीदवारों को राज्य–प्रायोजित कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया, जिससे क्षेत्रीय कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में संस्थान का योगदान बढ़ा।
- **औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम:** विभिन्न तकनीकी और गैर–तकनीकी संस्थानों के 600 से अधिक छात्रों ने नाइलिट अगरतला द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया और व्यावहारिक अनुभव एवं मार्गदर्शन के माध्यम से उभरती और अत्याधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।
- **स्कूली छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसर:** पूरे त्रिपुरा के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालयों के लगभग 250 छात्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर केंद्रित इंटर्नशिप में भाग लिया। इस पहल ने उभरती प्रौद्योगिकियों के विषय में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की तथा नवाचार एवं अनुसंधान में शीघ्र संलग्नता को प्रोत्साहित किया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **नाइलिट बिश्रामगंज अध्ययन केंद्र का उद्घाटन:** नाइलिट बिश्रामगंज अध्ययन केंद्र का शुभारंभ दिनांक 13 सितंबर, 2025 को हुआ, जो त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) में शैक्षिक आधारभूत संरचना के विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस नए केंद्र से क्षेत्र के छात्रों के लिए नए शिक्षण एवं रोज़गार के अवसर के सृजन अपेक्षित है।
- **नाइलिट अगरतला में स्टार्ट–अप एवं इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना:** त्रिपुरा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की न्यू जेनरेशन इनोवेशन नेटवर्क (एनजीआईएन) योजना के अंतर्गत नाइलिट अगरतला में एक समर्पित स्टार्ट–अप एवं इनक्यूबेशन केंद्र की स्थापना की गई। यह केंद्र युवा नवप्रवर्तकों को प्रोत्साहित करने और राज्य में प्रौद्योगिकी–आधारित स्टार्ट–अप के विकास में सहायता प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है, जिससे त्रिपुरा की एक जीवंत नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को गति प्राप्त होगी।
- **माननीय राज्यपाल द्वारा नाइलिट अगरतला की गतिविधियों की समीक्षा की गई:** त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल, श्री इंद्रसेन रेड्डी नल्लू द्वारा दिनांक 7 मार्च, 2025 को राजभवन में नाइलिट अगरतला की गतिमान पहलों एवं उपलब्धियों की समीक्षा की गई।

त्रिपुरा पुलिस कर्मियों के लिए साइबर अपराध एवं साइबर फोरेंसिक जांच प्रशिक्षण।

त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री ने माननीय आईटी मंत्री, त्रिपुरा सरकार के साथ दिनांक 24 जनवरी, 2025 को त्रिपुरा स्टार्ट–अप नीति–2024 के आधिकारिक उद्घाटन के अवसर पर नाइलिट अगरतला स्टॉल का अवलोकन किया।

कौशल विकास निदेशालय, त्रिपुरा सरकार की एमएमडीयूपी (मुख्यमंत्री उद्यम उन्नयन प्रकल्प) योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण।

केंद्र के संबंध में

नाइलिट केंद्र, आइजोल की स्थापना तत्कालीन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी), संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (अब एमईआईटीवाई) द्वारा दिनांक; 1 मार्च, 2001 को सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी (सीईडीटी) आइजोल के रूप में की गई थी। दिसंबर, 2002 में, केंद्र का नाम परिवर्तित कर डीओई एसीसी आइजोल केंद्र कर दिया गया। दिनांक: 10 अक्टूबर, 2011 से, डीओईएसीसी संस्था का नाम परिवर्तित कर नाइलिट कर दिया गया है चूंकि, यह एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान में रूपांतरित हो गया है। नाइलिट केंद्र, आइजोल का उद्देश्य मिजोरम के युवाओं को आईईसीटी के क्षेत्र में शिक्षा एवं प्रशिक्षण को सुगमता से उपलब्ध कराना है। केंद्र पर्याप्त आधारभूत संरचना से सुसज्जित है जिसमें, छात्रों की व्यावहारिक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ शामिल हैं। वर्ष 2013 में, पुकपुई, लुंगलेई में नाइलिट लुंगलेई के रूप में एक विस्तार केंद्र भी स्थापित किया गया था।

कार्यबल:

नियमित	*वै. एवं तक:* 13
	गैर वै. एवं तक: 05
संविदात्मक	: 23
परियोजना आधारित	: 2

कारोबार : **रु. 882.16** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. टी गुनेन्द्र सिंह
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट आइज़ोल, औद्योगिक एस्टेट जुआंगतुई,
आइज़ोल, मिज़ोरम, पिन – 796017

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 0389–2350581
फैक्स: 0389–2350582
ईमेल: dir-aizawl@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/aizawl/

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट विस्तार केंद्र, पुकपुई, लुंगलेई

विस्तार केंद्र का पता

नाइलिट लुंगलेई, आईआईडीसी कॉम्प्लेक्स, पुकपुई
लुंगलेई, मिज़ोरम, पिन–796691

विस्तार केंद्रों का संपर्क विवरण

फ़ोन: +91–8014532938
ई–मेल: machhungi@nielit.gov.i
वेबसाइट: https://www.nielit.gov.in/lunglei@index.php

राज्य क्षेत्राधिकार

मिजोरम

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक
- यंत्र लर्निंग
- कृत्रिम बुद्धिमता
- यंत्र लर्निंग
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- एमटेक – सीएसई (एआई और एमएल)
- बीटेक – सीएसई (एआई और एमएल)
- बीटेक – इलेक्ट्रॉनिक्स (आईओटी)
- कंप्यूटर एप्लीकेशन में मास्टर (एमसीए)
- इलेक्ट्रॉनिक्स में मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक्स)
- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई)
- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई)

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- नाइलिट ओ स्तर (आईटी)
- नाइलिट ए स्तर (आईटी)
- कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव–तकनीशियन (सीएचएमटी ओ–स्तर)
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- प्रमाणित डेटा एंट्री और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित कार्यालय स्वचालन एवं आईटी सहायक।

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- केंद्र ने औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल मिलाकर 7002 छात्रों को प्रशिक्षित किया। वर्ष 2024–25 में, केंद्र ने विभिन्न परियोजनाओं के तहत कुल 6257 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया और वर्ष 2024–25 में कुल 183 प्रशिक्षुओं को इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्रदान किया।
- नाइलिट केंद्र, आइजोल ने एनईसीबी 2.0 परियोजना के अंतर्गत 5 स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा एवं वित्तीय सहायता प्रदान की है।
- नाइलिट केंद्र, आइजोल ने निम्नलिखित राज्य विभागों के लिए भर्ती परीक्षा/कंप्यूटर कौशल परीक्षा आयोजित की है:
  - मिजोरम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एमजेडएसआरएलएम) विभाग के तहत कई पदों के लिए भर्ती परीक्षा।
  - सामान्य प्रशासन विभाग (सचिवालय प्रशासन विंग), मिजोरम सरकार के तहत लोअर डिवीजन क्लर्क (अनंतिम कर्मचारी) के पद के लिए टाइपिंग टेस्ट और कंप्यूटर कौशल परीक्षा।
  - मिजोरम लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) ने नाइलिट केंद्र, आइजोल के सहयोग से लोअर डिवीजन क्लर्क पदों के लिए टाइपिंग परीक्षा आयोजित की।
- दिनांक 26 अप्रैल, 2024 को नाइलिट आइजोल में "पुलिस कर्मियों के लिए साइबर फोरेंसिक और सुरक्षा" पर 100 पुलिस कर्मियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- नाइलिट आइजोल ने दिनांक 27 जून, 2024 को मिजोरम सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एडुटेक फेस्टिवल 2024 में भाग लिया।
- नाइलिट केंद्र, आइज़ोल में दिनांक 4 जुलाई, 2024 को कार्यरत पेशेवरों के लिए एआई अनुप्रयोगों पर इन–हाउस प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- डॉ. वनलालथलाना, माननीय मंत्री आईसीटी, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, मिजोरम सरकार ने दिनांक 1 अगस्त, 2024 को नाइलिट आइजोल में मोबाइल आईटी लैब का शुभारंभ किया।
- मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने दिनांक 13 अगस्त, 2024 को नाइलिट आइजोल का दौरा किया।
- पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए नाइलिट कंप्यूटर केंद्र का उद्घाटन दिनांक; 6 नवंबर, 2024 को किया गया। कंप्यूटर केंद्र डीआईजी कार्यालय भवन, आइजोल, मिजोरम में स्थापित किया गया है।
- नाइलिट आइजोल में भारतीय वायुसेना अग्निवीर वायु भर्ती जागरूकता आउटरीच कार्यक्रम दिनांक 14 सितंबर, 2024 एवं 24 जनवरी 2025 को आयोजित किया गया।
- नाइलिट आइजोल ने दिनांक 5 दिसंबर, 2024 को सरकारी सर्चिप कॉलेज द्वारा आयोजित एडुफेस्ट 2024 में भाग लिया।
- दिनांक 28 फरवरी, 2025 को नाइलिट आइजोल के सेमिनार हॉल में नाइलिट आइजोल एवं लैलेन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वेब डेवलपमेंट एप्लीकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- "आवश्यक आईटी एवं साइबर सुरक्षा फंडामेंटल्स" पर पुलिस प्रशिक्षण शुभारंभ कार्यक्रम को दिनांक 4 मार्च, 2025 को डीआईजी (एनआर) बिल्डिंग, पीएचक्यू आइजोल में आयोजित किया गया था।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **पूर्वोत्तर केंद्रों में मोबाइल आईटी लैब:** मिजोरम के दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षार्थियों को डिजिटल शिक्षा एवं कौशल विकास प्रदान करने के उद्देश्य से कंप्यूटर अनुप्रयोगों, उभरती प्रौद्योगिकियों और डिजिटल सेवाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के माध्यम से, नाइलिट आइजोल ने एक मोबाइल आईटी लैब की स्थापना की है। मिजोरम सरकार के आईसीटी, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री माननीय डॉ. वनलालथलाना ने दिनांक 1 अगस्त, 2024 को नाइलिट आइजोल में मोबाइल आईटी लैब का शुभारंभ किया।

- सरकारी कर्मचारियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर सुरक्षा पर राज्य स्तरीय कार्यशाला सह प्रदर्शनी नाइलिट आइजोल द्वारा दिनांक 18 और 19 मार्च, 2025 को दावरपुई बहुउद्देशीय केंद्र, आइजोल में आयोजित की गई थी।
- नाइलिट आइजोल द्वारा जियो, टाटा मोटर्स, सीके हुंडई, लश एआई टेक, चिलीब्रीज, रनमावी, लैलेन, बुआने स्टूडियो आदि के सहयोग से दिनांक 20 मार्च, 2025 को दावरपुई मल्टीपर्पज हॉल, आइजोल, मिजोरम में रोजगार मेले का आयोजन किया। रोजगार मेले के दौरान नियोक्ताओं द्वारा 93 अभ्यर्थियों का चयन किया।
- नाइलिट विस्तार केंद्र ने दिनांक 26 व 27 मार्च, 2025 को सैकुटी हॉल, लुंगलेई में साइबर सुरक्षा, अपराध एवं एआई पर 2 दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- पुलिस कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, लुंगलेई का उद्घाटन दिनांक 17 फरवरी, 2025 को एसपी कार्यालय, लुंगलेई में किया गया।

अप्रैल, 2024 को पुलिस कर्मियों हेतु "साइबर फोरेंसिक एवं सुरक्षा" पर पुलिस कर्मियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण

27 जून, 2024 को एडुटेक फेस्टिवल, 2024 में मोबाइल आईसीटी लैब के साथ आईसीटी मंत्री।

4 जुलाई, 2024 को कार्यरत पेशेवरों हेतु एआई अनुप्रयोगों पर इन–हाउस प्रशिक्षण

मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने 13 अगस्त, 2024 को नाइलिट केंद्र, आइजोल का दौरा किया।

केंद्र के संबंध में

वर्ष 2012 में स्थापित, नाइलिट केंद्र, केकड़ी (अजमेर) सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में शिक्षा, अनुसंधान एवं कौशल विकास के लिए समर्पित है। यह केंद्र बी.टेक एवं डिप्लोमा से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, आईओटी, ब्लॉकचेन, एम्बेडेड सिस्टम तथा नेटवर्किंग में उन्नत अल्पकालिक प्रमाणन तक के शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित करता है। यह डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता पर भी ध्यान केंद्रित करता है, तथा पीएम श्री इंटर्नशिप, सरकारी अधिकारियों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण, एवं स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, फ्यूचरस्किल्स प्राइम और एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स जैसी योजनाओं के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देता है।

बीकानेर में विस्तार केंद्रों एवं पाली में आगामी केंद्रों के साथ, नाइलिट अजमेर राजस्थान में नवाचार और उद्योग–अकादमिक सहयोग के केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। यह भारत की डिजिटल परिवर्तन यात्रा को सुदृढ़ करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के दृष्टिकोण के अनुरूप परामर्श, अनुसंधान एवं विकास और ई–गवर्नेंस परियोजनाएँ भी संचालित करता है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 06
	गैर वै. एवं तक: 02
संविदात्मक	: 07
परियोजना आधारित	: शून्य

कारोबार : **रु. 726.35** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट अजमेर, केकड़ी, अजमेर, कोटा रोड,
305408 (राजस्थान)

सम्पर्क विवरण

ईमेल: dir-ajmer@nielit.gov.in
वेबसाइट:
https://www.nielit.gov.in/ajmer@index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट केंद्र, बीकानेर
नाइलिट केंद्र, पाली

विस्तार केंद्र का पता एवं सम्पर्क:

क) नाइलिट बीकानेर
- नाइलिट बीकानेर, शासकीय डूंगर कॉलेज, सागर रोड, बीकानेर, राजस्थान–334001,
  bikaner@nielit.gov.in
- नाइलिट बीकानेर, एमजीएस विश्वविद्यालय परिसर, जैसलमेर रोड, बीकानेर, राजस्थान,
  bikaner-west@nielit.gov.in

ख) नाइलिट पाली, बीएसएनएल कार्यालय, तिलक नगर, पाली, राजस्थान
samota@nielit.gov.in

राज्य क्षेत्राधिकार

राजस्थान

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- सौर ऊर्जा
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- साइबर सुरक्षा
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक (इंटरनेट ऑफ थिंग्स और साइबर सुरक्षा) ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सहित)
- नाइलिट – "ओ" स्तर (आईटी)
- नाइलिट – "ए" स्तर (आईटी)
- नाइलिट सीएचएमटी – "ओ" स्तर

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी)
- प्रमाणित डेटा एंट्री और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा एवं प्रकाशन सहायक

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- वर्ष 2023 के सत्र से, नाइलिट केंद्र, अजमेर ने बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान से संबद्धता सहित कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सहित इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं साइबर सुरक्षा) में बी.टेक. की शुरुआत की है।
- नाइलिट अजमेर अपने स्वयं के परिसर के साथ–साथ अपने प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से राज्य के विद्यार्थियों को सीसीसी/ओ लेवल/ए लेवल/सीएचएमटी ओ लेवल जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम/योजनाएँ:**
  - **ईईएलटीपी (रोजगार क्षमता संवर्धन एवं आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम):**
    - वर्ष 2026 तक लक्षित परियोजना अवधि के रूप में निर्धारित 4707 अभ्यर्थियों में से कुल 1750 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए।
  - **आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ईडब्ल्यूएस युवाओं का कौशल विकास, जिससे रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी:**
    - कुल 1250 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए जो 1250 लक्ष्य के रूप में निर्धारित किए गए।
  - **रोजगार महानिदेशालय (डीजीई) परियोजना:**
    - लक्ष्य के रूप में निर्धारित 75 अभ्यर्थियों में से कुल 75 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए।
- वर्ष 2024–2025 में नाइलिट केंद्र, अजमेर ने 12320 से अधिक अभ्यर्थियों की परीक्षा आयोजित की।
- वर्ष 2024–25 के दौरान नाइलिट अजमेर ने बीकानेर एवं पाली में दो विस्तार केंद्र स्थापित किए हैं।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और ब्लॉक बैठकों में नाइलिट पाठ्यक्रमों के संबंध में जागरूकता का प्रसार।**

  डिजिटल साक्षरता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और ब्लॉक–स्तरीय बैठकों में नाइलिट पाठ्यक्रमों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिकतम पहुँच एवं सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और स्थानीय सरकारी पदाधिकारियों सहित शैक्षिक हितधारकों के साथ मिलकर कार्य किया गया।

- **बीएसएनएल परिसर, पाली में नाइलिट केंद्र की स्थापना हेतु समझौता– ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।**

पाली, राजस्थान: पाली में एक नए नाइलिट केंद्र की स्थापना के लिए बीएसएनएल, पाली एवं नाइलिट के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य क्षेत्र में डिजिटल सशक्तिकरण एवं कौशल विकास को गति प्रदान करना है तथा स्थानीय तकनीकी शिक्षा के लिए एक मील के पत्थर के रूप में होने की आशा है। नाइलिट के कार्यकारी निदेशक डॉ. संजीव कुमार गुप्ता और बीएसएनएल के उप महाप्रबंधक श्री दिनेश चौहान ने औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में नाइलिट के महानिदेशक डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी एवं बीएसएनएल जोधपुर के पीजीएम श्री एनआर बिश्नोई भी उपस्थित थे।

- **एमजीएसयू बीकानेर एवं नाइलिट बीकानेर द्वारा संयुक्त रूप से सतत ई–अशिष्ट प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन**

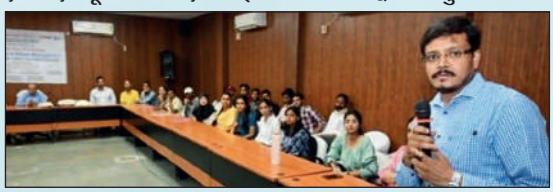

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय (एमजीएसयू), बीकानेर एवं राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), बीकानेर के संयुक्त प्रयासों से "सतत ई–अशिष्ट प्रबंधन" पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जागरूकता का प्रसार, सर्वोत्तम प्रणाली को साझा करना तथा इलेक्ट्रॉनिक अशिष्ट के प्रबंधन हेतु स्थायी समाधान की खोज करना था, जो एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती के रूप में उभर रहा है।

- **श्री केन्द्रीय विद्यालयों (स्कूलों) में कक्षा 8वीं के छात्रों के लिए एआई/एमएल एवं पायथन पर व्यावसायिक प्रशिक्षण।**

नाइलिट अजमेर ने कक्षा 8 के विद्यार्थियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और पायथन प्रोग्रामिंग पर पाँच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इसमे 57 पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के कुल 5139 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा विद्यार्थियों ने नाइलिट अजमेर और नाइलिट बीकानेर (केंद्र) का एक दिवसीय दौरा भी किया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को उभरती हुई तकनीकों से परिचित कराना तथा कम उम्र से ही कम्प्यूटेशनल सोच को बढ़ावा देना था। एक व्यावहारिक और संवादात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से।

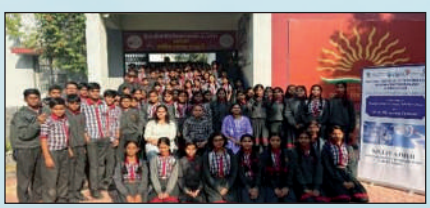
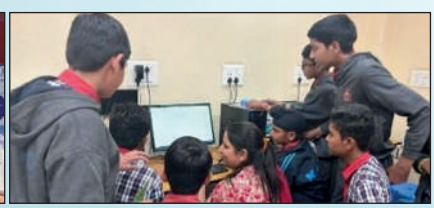

केंद्र के संबंध में

केंद्र की स्थापना दिनांक 19 सितंबर, 1986 को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के परिसर में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, भारत सरकार (अब एमईआईटीवाई) द्वारा मराठवाड़ा औद्योगिक निगम, महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से की गई थी। इसे इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी में उन्नत प्रशिक्षण तथा नवाचार हेतु एक केंद्र की स्थापना की दृष्टि से इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी केंद्र (सीईडीटी) के रूप में नामित किया गया था। वर्ष दिसंबर, 2002 में, केंद्र का नाम परिवर्तित कर डीओईएसीसी केंद्र, औरंगाबाद रखा गया। दिनांक: 10 अक्टूबर, 2011 से, डीओईएसीसी सोसाइटी का नाम परिवर्तित कर नाइलिट कर दिया गया है चूंकि, यह एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान में रूपांतरित हो गया है। नाइलिट केंद्र, औरंगाबाद का प्राथमिक उद्देश्य उत्पाद डिजाइन, विकास, विनिर्माण, क्षमता निर्माण आदि हेतु जनशक्ति को प्रशिक्षित करना है। साथ ही, उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों एवं शैक्षणिक संस्थाओं के साथ घनिष्ट संबंध विकसित करना तथा उत्पाद विकास, अनुबंध अनुसंधान और परामर्श कार्य करना हैं।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 21
	गैर वै. एवं तक: 04
संविदात्मक	: 22
परियोजना आधारित	: 13

कारोबार : **रु.1384.26** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. जयराज यू किदव
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर,
औरंगाबाद– 431004 (महाराष्ट्र)

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 0230–2982021, 2982022
फैक्स: 0230–2982050
ईमेल: dir-aurangabad@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://www.nielit.gov.in/aurangabad@index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश एवं गोवा

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिज़ाइन, वीएलएसआई एवं एम्बेडेड सिस्टम

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- इलेक्ट्रॉनिक्स डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (ईडीटी)
- इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बी.टेक. (ईई)
- कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में बी.टेक. (सीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन रखरखाव में डिप्लोमा (डीईपीएम)
- डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय का अनुसंधान केंद्र।

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- सीएचएमओ स्तर
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों में आधारभूत पाठ्यक्रम
- साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया विश्लेषक
- साइबर सुरक्षा सहायक
- चिप डिज़ाइन एसोसिएट (ओ–लेवल 'चिप डिज़ाइन')
- हार्डवेयर और नेटवर्किंग
- फुलस्टैक वेब डेवलपमेंट
- वीएलएसआई और एसओसी डिज़ाइन
- पीसीबी डिजाइन सिमुलेशन और मरम्मत (वायु सेना)
- पीसीबी डिजाइन, निर्माण और परीक्षण में प्रशिक्षण कार्यक्रम (डीआरडीओ)

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

➢ **प्रशिक्षण, इंटर्नशिप आदि:**

- एमईआईटीवाई की चिप–टू–स्टार्टअप (C2S) पहल के तहत कई इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें शामिल हैं:
  - वीएलएसआई एवं एसओसी डिज़ाइन (5 सप्ताह, मई–जून 2024; एलबीआरसीई, आंध्र प्रदेश से 15 छात्र)।
  - एम्बेडेड सिस्टम एवं आईओटी (5 सप्ताह; विभिन्न कॉलेजों के 10 छात्र)
- पीसीबी डिजाइन, निर्माण एवं परीक्षण पर **20 डीआरडीओ अधिकारियों हेतु दो सप्ताह का प्रशिक्षण** आयोजित किया गया (जुलाई–अगस्त 2024)।
- नासिक में 10 आईएएफ कर्मियों को एफपीजीए प्रोग्रामिंग, पीसीबी डिजाइन, एम्बेडेड सी एवं एआरएम कॉर्टेक्स माइक्रोकंट्रोलर्स (अगस्त–सितंबर 2024) पर **4 सप्ताह का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।**
- **अल्पकालिक प्रमाणित डेटा विश्लेषक पाठ्यक्रम** आयोजित (मई–जुलाई 2024)।
- **पायथन का उपयोग करके एआई/एमएल इंटर्नशिप** महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गोवा में केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए आयोजित की गई।
- मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के 40 अधिकारियों के लिए जनरेटिव एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया (अक्टूबर 2024)।

➢ **बूटकैम्प एवं विशेष कार्यक्रम:**

- हैदराबाद, औरंगाबाद, तिरुपति, अंबद (महाराष्ट्र) आदि शहरों में **ड्रोन प्रौद्योगिकी पर कई बूटकैंप** आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे **आईओटी, कैड डिजाइन से 3डी प्रिंटिंग, वर्डप्रेस (सीएमएस डेवलपमेंट), रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन** आदि पर भी बूटकैंप आयोजित किए गए।
- आईएसईए परियोजना चरण III (दिसंबर 2024) के तहत **क्रिप्टोग्राफी के साथ सूचना सुरक्षा पर 5 दिवसीय कार्यशाला** का आयोजन किया गया।

➢ **संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी):**

- ई एवं आईसीटी अकादमी योजना चरण II (अगस्त 2024) के तहत **ईडीए टूल्स का उपयोग करके वीएलएसआई डिजाइन** पर एफडीपी।
- सीएसएमएसएस और एमआईटी, औरंगाबाद में **एएसआईसी भौतिक डिजाइन** पर विशेषज्ञ व्याख्यान एवं प्रशिक्षण (सितंबर 2024)।
- महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के संस्थानों में **आरपीए, एआई/एमएल, पायथन प्रोग्रामिंग, क्रिप्टोग्राफी एवं जेनरेटिव एआई** पर एफडीपी आयोजित किए गए (सितंबर–दिसंबर 2024, मार्च 2025)।
- सीबीआईटी हैदराबाद में **एआई और जीपीटी में विशेषज्ञता** हासिल करने पर एफडीपी (दिसंबर 2024)।
- संदीप विश्वविद्यालय, नासिक में **क्रिप्टोग्राफी के साथ सूचना सुरक्षा** पर एफडीपी (मार्च 2025)।

➢ **जागरूकता एवं छात्र संलग्नता**

- **फ्यूचरस्किल्स प्राइम** के तहत आरपीए, एसएमएसी, आईओटी पर जागरूकता सत्र।
- **आईईईई छात्र प्रभाग के तहत कार्यशालाएं:** "नेटवर्क विश्लेषण" (नवंबर 2024), "ऑपरेशनल एम्पलीफायर" (फरवरी 2025)।
- **सुरक्षित इंटरनेट दिवस कार्यशाला** (फरवरी 2025) का आयोजन किया गया।
- बी.टेक छात्रों हेतु ब्रिज सत्र आयोजित किया गया (फरवरी 2025)।
- **"सुरक्षित डिजिटल स्पेस: प्रत्येक महिला एवं बालिका के लिए अधिकार"** (मार्च 2025) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

➢ **एमआईटी औरंगाबाद के साथ समझौता ज्ञापन:** शैक्षणिक सहयोग, कौशल विकास, फ्यूचरस्किल्स परियोजना कार्यान्वयन व संयुक्त अनुसंधान एवं विकास पहल को सुदृढ़ करने हेतु हस्ताक्षर किए गए।

➢ **एमजीएम विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के साथ समझौता ज्ञापन:** उन्नत शैक्षिक सहयोग, क्षमता निर्माण, फ्यूचरस्किल्स परियोजना की शुरूआत और अनुसंधान साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

➢ **डिजिटल इंडिया आरआईएससी–वी लैब्स का उद्घाटन:** *एमईआईटीवाई के चिप–टू–स्टार्टअप कार्यक्रम के अंतर्गत* **एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन लैब** और **एसओसी डिज़ाइन लैब** का उद्घाटन *दिनांक 4 जनवरी, 2025 को नाइलिट औरंगाबाद में श्री एस कृष्णन, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई द्वारा श्रीमती सुनीता वर्मा, वैज्ञानिक जी एवं समूह समन्वयक, एमईआईटीवाई और डॉ. संजय कुमार धुरंधर, कार्यकारी निदेशक एवं कुलसचिव, नाइलिट मुख्यालय* की उपस्थिति में किया गया।

➢ **27वीं अखिल भारतीय निदेशक बैठक:** नाइलिट ने **17–18 मई, 2024** को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय परिसर में अपने औरंगाबाद केंद्र में **27वीं अखिल भारतीय निदेशक बैठक** आयोजन किया।

केंद्र के संबंध में

नाइलिट भुवनेश्वर का प्रभावपूर्ण परिसर ओसीएसी टावर, आचार्य विहार, भुवनेश्वर की तृतीय तल पर स्थित है। यह नगर के मध्य में सुविधाओं से सुसज्जित छह मंजिला इमारत में स्थित है। नाइलिट भुवनेश्वर का कुल क्षेत्रफल 5207 वर्ग फुट है। नाइलिट भुवनेश्वर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं जैसेः इंडियाएआई प्रयोगशालाएँ, ड्रोन प्रयोगशालाएँ आदि से सुसज्जित है। बालेश्वर में एक विस्तार केंद्र भी स्थापित किया गया है तथा वर्तमान में परिचालन में है।

कार्यबलः

नियमित वै. एवं तकः 4

गैर वै. एवं तकः 3

संविदात्मक : 10

परियोजना आधारित : 2

कारोबार : **रु. 504.29** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री अनिल कुमार शॉ
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

तृतीय मंजिल, उत्तर दिशा, ओसीएसी टॉवर, दूरदर्शन कॉलोनी, आचार्य विहार, भुवनेश्वर, ओडिशा 751013

सम्पर्क विवरण

फोनः +919863429681, 0674–2960354
फैक्सः 0230-2982050
ई–मेलः dir-bbsr@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/bhubaneswar/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट बालेश्वर विस्तार केंद्र

विस्तार केंद्र का पता

नाइलिट बालेश्वर विस्तार केंद्र। ग्राउंड फ्लोर, एफएम गोलाई, बीएसएनएल भवन, पिन–756001

विस्तार केंद्र का सम्पर्क विवरण

मोबाईः +91 94334 08319

राज्य क्षेत्राधिकार

ओडिशा एवं छत्तीसगढ़

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- ड्रोन प्रौद्योगिकी

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग में फाउंडेशन कोर्स
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स में फाउंडेशन कोर्स
- एआई अनुप्रयोगों में फाउंडेशन कोर्स
- पायथन का उपयोग करके डेटा क्यूरेशन के मूल सिद्धांत
- पायथन का उपयोग करके डेटा एनोटेशन के मूल सिद्धांत
- डेटा विज्ञान और विश्लेषण का आधार
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का आधार
- शिक्षा में डेटा एनोटेशन के अनुप्रयोग
- स्वास्थ्य सेवा में डेटा एनोटेशन के अनुप्रयोग
- कृषि में डेटा एनोटेशन के अनुप्रयोग
- विनिर्माण में डेटा एनोटेशन के अनुप्रयोग
- शिक्षा में डेटा क्यूरेशन के अनुप्रयोग
- स्वास्थ्य सेवा में डेटा क्यूरेशन के अनुप्रयोग
- विनिर्माण में डेटा क्यूरेशन के अनुप्रयोग
- कृषि में डेटा क्यूरेशन के अनुप्रयोग

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- ओ–स्तर आईटी
- सीएचएमटी–ओ स्तर
- साइबर सुरक्षा सहायक
- प्रमाणित डाटा एंट्री और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- कार्यालय स्वचालन, लेखा एवं प्रकाशन सहायक
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा एवं प्रकाशन सहायक

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट भुवनेश्वर ने वित्त वर्ष 2024–2025 के लिए 7164 का प्रशिक्षण आंकड़ा हासिल किया।
- नाइलिट भुवनेश्वर ने छत्तीसगढ़ राज्य में केवी/जेएनवी प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- नाइलिट भुवनेश्वर ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित इंडियाएआई कार्यक्रम के अंतर्गत एक अत्याधुनिक एआई प्रयोगशाला की सफलतापूर्वक स्थापना की है, जिसका शीर्षक है "उभरती एआई प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने हेतु इंडिया एआई प्रयोगशालाओं की स्थापना"। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, ओडिशा राज्य में 3 वर्षों की अवधि में कुल 400 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जाना है, जिनमें से 39 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- नाइलिट भुवनेश्वर ने कार्य कौशल केंद्र (डब्ल्यूएससी), भुवनेश्वर में ड्रोन प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोगों पर कार्यशाला प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- नाइलिट भुवनेश्वर, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित "आईईसीटी के क्षेत्रा में ओडिशा राज्य में, 7 आकांक्षी जिलों नामतः ढेंकनाल, गजपति, बलांगीर, कोरापुट, मलकानगिरी, नबरंगपुर, कालाहांडी में युवाओं का कौशल विकास जिससे रोजगार क्षमता में वृद्धि हो" नामक परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है। अब तक लगभग 1000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- नाइलिट भुवनेश्वर आईईसीटी में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के माध्यम से एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं के लिए रोजगार क्षमता संवर्धन और आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम [ईईएलटीपी] नामक परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है। ओडिशा राज्य में, यह परियोजना कंधमाल, केंदुझार (क्योंझर), मयूरभंज, रायगढ़ और सुंदरगढ़ जिलों में संचालित की जा रही है। ओडिशा के लिए कुल लक्षित 2,615 अभ्यर्थी हैं। जिसमें से अब तक 300 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

नाइलिट भुवनेश्वर केंद्र

नाइलिट बालेश्वर विस्तार केंद्र

केंद्र के संबंध में

वर्ष 1989 में, इस केंद्र की स्थापना (पूर्व में 'इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन एवं प्रौद्योगिकी केंद्र'–सीईडीटी के रूप में) यूएनडीपी, एमईआईटीवाई (पूर्वतन डीओई) एवं केरल सरकार के सहयोग से की गई थी। वर्तमान अवसंरचना 25 एकड़ के परिसर में विकसित की गई है तथा इसमें अत्याधुनिक सुविधाएँ, स्मार्ट कक्षाएँ, आईईई ऑनलाइन अभिगम्यता, 1 जीबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी, मिनी डेटा सेंटर एवं हरित सुंदर वातावरण में छात्रों हेतु 24×7 वाई–फ़ाई सुविधा उपलब्ध है। नाइलिट कालीकट, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के घटक परिसरों में से एक है।

प्रयोगशालाएँ एम्बेडेड सिस्टम, आईओटी, वीएलएसआई, सूचना प्रौद्योगिकी, उत्पाद डिज़ाइन, 3डी प्रिंटिंग, प्रक्रिया नियंत्रण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में नवीनतम प्रणालियों एवं विकास उपकरणों से पूर्णतः सुसज्जित हैं। परिसर में साज–सामान से युक्त नाइलिट कालीकट छात्रावास (महिला एवं पुरुष) में लगभग 250 छात्रों के रहने की व्यवस्था है। वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के अतिरिक्त, केंद्र ने टीआईएससीओ, बीपीएल, बीपीएल टेलीकॉम, केईएल , केरल फीड्स, केसीएमएमएफ़, एमटीएबी, कदम्पुझा मंदिर, केरल पर्यटन विभाग, केरल विधानसभा, एनपीओएल आदि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों हेतु कई सॉफ्टवेयर विकास तथा इलेक्ट्रॉनिक्स डिज़ाइन परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है।

नाइलिट कालीकट ने एक ऐरे सिग्नल प्रोसेसर एएसआईसी को सफलतापूर्वक तैयार किया है तथा एससीएल में 180एनएम फैब सुविधा के साथ चिप का निर्माण किया है। केंद्र ने सी2एस के अंतर्गत 200 सीटों वाली वर्चुअल प्रोटोटाइपिंग लैब (स्मार्ट लैब) भी स्थापित की है। केंद्र ने सी2एस के अंतर्गत 200 सीटों वाली वर्चुअल प्रोटोटाइपिंग लैब (स्मार्ट लैब) भी स्थापित की है ताकि छात्रों, शोधकर्ताओं, स्टार्ट–अप्स और नवप्रवर्तकों की हार्डवेयर प्रोटोटाइपिंग संबंधी आवश्यकताओं को कहीं से भी, कभी भी पूरा किया जा सके। यह केंद्र आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित है।

कार्यबलः

नियमित	वै. एवं तकः 22
	गैर वै. एवं तकः 07
संविदात्मक	: 06
परियोजना आधारित	: 12

कारोबार : **रु. 1182.88** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. प्रताप कुमार एस
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट कालीकट, पीबी रु5, एनआईटी कैम्पस पोस्ट,
कोझिकोड, केरल– 673601

सम्पर्क विवरण

फ़ोनः 0495– 2287123, 91 9446026809
ईमेलः dir-calicut@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/calicut/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट एक्सटेंशन सेंटर चित्रादुर्ग, कर्नाटक।

विस्तार केंद्र का पता

नाइलिट चित्रदुर्ग, बेसमेंट फ्लोर, जीटीटीसी बिल्डिंग,
कुंचिगनहल, चित्रदुर्ग–577524

सम्पर्क विवरण

फ़ोनः 9446013866, 9446012566

राज्य क्षेत्राधिकार

केरल, कर्नाटक और लक्षद्वीप

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- वीएलएसआई / एएसआईसी डिजाइन और सत्यापन
- एम्बेडेड सिस्टम और IoT अनुप्रयोग
- 3डी प्रिंटिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग
- बिग डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- सूचना सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंग
- इंस्ट्रूमेंटेशन और प्रक्रिया नियंत्रण

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

प्रौद्योगिकी में मास्टर (एम.टेक)

- एंबेडेड सिस्टम
- इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी
- वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम (डीआईएटी–डीआरडीओ, पुणे के साथ संयुक्त रूप से)

विज्ञान के मास्टर(एमएससी) में

डेटा विज्ञान विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर विज्ञान

- कॉर्पोरेट प्रशिक्षण
- संकाय विकास कार्यक्रम
- आईईईई/आईईटीई/आरएएस आदि के साथ संयुक्त रूप से कार्यशालाएं एवं सेमिनार।

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
  - औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन
  - एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स
  - वीएलएसआई एसओसी डिजाइन और सत्यापन
  - औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन में कार्यकारी पीजी कार्यक्रम
  - एआई, आईए, साइबर सुरक्षा, ईवी और सौर ऊर्जा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एम्बेडेड, वीएलएसआई, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा में इंटर्नशिप।
- एम्बेडेड, वीएलएसआई, ईएसडीएम आदि में ऑनलाइन लैब कार्यशालाएं
- एम्बेडेड, वीएलएसआई और ईएसडीएम में एमओओसी
- स्मार्ट लैब एम्बेडेड और वीएलएसआई डोमेन में निःशुल्क पाठ्यक्रम।

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट कालीकट, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) एवं अन्य केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा वित्त पोषित 5 अनुसंधान एवं विकास (आर व डी) तथा 11 क्षमता निर्माण परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है। केंद्र एम्बेडेड मल्टी–कोर प्रोसेसर के लिए एक कुशल प्लेटफ़ॉर्म–स्वतंत्र मेमोरी–केंद्रित शेड्यूलर विकसित कर रहा है, जिसमें, आईओटी समर्थित ड्रोन निगरानी सहित दूरस्थ समुदायों का सशक्तिकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की सी2एस योजना के अंतर्गत कुशल जनशक्ति उन्नत अनुसंधान और प्रशिक्षण (स्मार्ट) सुविधा का विकास, तथा चिकित्सा इमेजिंग के लिए अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर प्रोब का डिज़ाइन एवं विकास शामिल है।
- 56,424 अभ्यर्थियों को विभिन्न औपचारिक एवं अनौपचारिक पाठ्यक्रमों, प्रमाणन योजनाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।
- सी2एस परियोजना के अंतर्गत एम्बेडेड और वीएलएसआई डोमेन में स्मार्ट लैब पाठ्यक्रमों के माध्यम से 33631 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- केन्द्रीय विद्यालय के 5973 विद्यार्थियों को पायथन का उपयोग करते हुए एआई/एमएल में इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- नाइलिट कालीकट ने 9–10 जनवरी, 2025 के दौरान तिरुवनंतपुरम में संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया ।
- नाइलिट कालीकट ने चिप्स–टू–स्टार्टअप (सी2एस) पहल के तहत 9 से 13 दिसंबर, 2024 को होटल गेटवे, कोझिकोड में 'एफपीजीए–आधारित एसओसी डिजाइन कवरिंग डीआईआर–वी आर्किटेक्चर एवं एप्लिकेशन' पर पांच दिवसीय निर्देश संवर्धन कार्यक्रम (आईईपी) का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम. एम. त्रिपाठी ने किया।
- नाइलिट कालीकट ने 9–10 जनवरी, 2025 के दौरान तिरुवनंतपुरम में संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया।
- नाइलिट कालीकट ने केरल एवं कर्नाटक में शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों तथा राज्य सरकार के विभागों के साथ 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जैसे; तकनीकी शिक्षा निदेशालय, केरल सरकार, ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग (आरडीपीआर), कर्नाटक सरकार, टेक्नोपार्क टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टी–टीबीआई) केरल सरकार, जीटीटीसी, कर्नाटक सरकार, कन्नूर विश्वविद्यालय आदि।
- नाइलिट कालीकट ने स्मार्ट लैब के माध्यम से ग्रामीण पुस्तकालयों को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उन्नत शिक्षण केंद्रों में परिवर्तित करने हेतु कर्नाटक सरकार के आरडीपीआर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- फरवरी, 2025 के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, अरब गणराज्य मिस्र से अंतर्राष्ट्रीय अभ्यर्थियों के लिए 3डी प्रिंटिंग/एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- अक्टूबर, 2024 के दौरान नाइलिट कालीकट में लैब व्यू डेटा अधिग्रहण पर डीआरडीओ अधिकारियों के लिए 5 दिवसीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- कुन्हिमंगलम हेरिटेज विलेज में बेल मेटल कारीगरों हेतु 3डी प्रिंटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण हुआ, जिसका उद्देश्य कन्नूर जिला पंचायत के सहयोग से पारंपरिक मोल्ड बनाने वाले कारीगरों के कौशल का आधुनिकीकरण करना है।
- दिनांक 20 अक्टूबर, 2024 को केंद्र एवं राज्य सरकार के विभागों के सहयोग से बेंगलुरु में नाइलिट कालीकट द्वारा एक निःशुल्क मेगा जॉब मेला आयोजित किया गया, जिसमें 1,023 अभ्यर्थियों एवं 55 नियोक्ता शामिल हुए।
- नाइलिट कालीकट ने 4–8 अक्टूबर, 2024 के दौरान त्रिशूर में दिशा उच्च शिक्षा मेले में अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया, तथा जिला कलेक्टर से स्मृति चिन्ह प्राप्त किया।
- पूर्वोत्तर भारत में, नाइलिट कालीकट ने दिनांक 26 अक्टूबर, 2024 को असम में सेमीकंडक्टर चुनौतियों पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- नाइलिट कालीकट ने दिनांक 4 फरवरी, 2025 को सीबीएसई स्कूल प्रधानाचार्यों हेतु एक एक्सपोजर विजिट होस्ट की, जिसमें एनईपी 2020 के अनुरूप शैक्षणिक संस्थानों और प्रौद्योगिकी केंद्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया गया, साथ ही डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु प्रौद्योगिकी एकीकरण के महत्व पर बल दिया गया।
- फ्यूचर स्किल प्राइम परियोजना के माध्यम से एआई, आईओटी और 3डीपीएएम डोमेन में 1597 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।
- डीजीईटी फंडिंग के माध्यम से पूर्ववर्ती डीओईएसीसी योजना (ओ लेवल, सीएचएम ओ लेवल और तीन एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रम) के अंतर्गत क्षेत्र में 643 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- एनपीटीईएल लैब कार्यशालाओं के माध्यम से 334 अभ्यर्थियों को वीएलएसआई फंडामेंटल्स, एफपीजीए आर्किटेक्चर और प्रोग्रामिंग, एआरएम एसओसी डिजाइन, एसओसी सत्यापन, एम्बेडेड सी और एआरएम कॉर्टेक्स माइक्रोकंट्रोलर्स, एम्बेडेड लिनक्स, एम्बेडेड आरटीओएस, आईओटी, स्क्रिप्टिंग टूल और औद्योगिक अनुप्रयोग और औद्योगिक उत्पाद डिजाइन हेतु जीयूआई विकास पर प्रशिक्षित किया गया।
- तीन विशेष एमटेक कार्यक्रमों एवं सीएस में एमएससी के माध्यम से 100 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- सहयोग, अनुसंधान एवं तकनीकी विकास को बढ़ावा देने हेतु केरल और कर्नाटक में शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और राज्य सरकार के विभागों के साथ विविध क्षेत्रों में 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
- 33 बूट कैम्प आयोजित किये गये, जिनके माध्यम से 1494 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- आईटीआई, मिश्र और डीआरडीओ पेशेवरों के लिए 2 कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दिनांक 9 से 13 दिसंबर, 2024 तक होटल गेटवे, कोझिकोड में 'एफपीजीए–आधारित एसओसी डिजाइन कवरिंग डीआईआर–वी आर्किटेक्चर एवं एप्लिकेशन' पर पांच दिवसीय निर्देश संवर्धन कार्यक्रम (आईईपी)।

तकनीकी शिक्षा निदेशालय, केरल सरकार के साथ समझौता–ज्ञापन का आदान–प्रदान।

अक्टूबर, 2024 के दौरान नाइलिट कालीकट में लैबव्यू डेटा अधिग्रहण पर डीआरडीओ पदाधिकारियों हेतु 5 दिवसीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षण।

केंद्र के संबंध में

वर्ष 2010 में, नाइलिट केंद्र, चेन्नई की स्थापना नाइलिट केंद्र के रूप में की गई थी। विगत वर्षों में, नाइलिट चेन्नई ने सूचना सुरक्षा, क्लाउड कम्प्यूटिंग, डेटा विज्ञान, एआई, वीएलएसआई, एम्बेडेड सिस्टम, औद्योगिक आईओटी, 3डी प्रिंटिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में पूरे भारत के अभ्यर्थियों हेतु रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप लागत प्रभावी गुणवत्तापरक की शिक्षा प्रदान करने वाले प्रमुख संस्थानों में से एक के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। नाइलिट चेन्नई वर्चुअल लैब सहित आधुनिक आईसीटी उपकरणों की सहायता से ऑनलाइन, मिश्रित और कक्षा मोड में प्रशिक्षण प्रदान करता है। नाइलिट चेन्नई का परिचालन क्षेत्राधिकार तमिलनाडु, पुडुचेरी और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह को कवर करता है। नाइलिट चेन्नई को समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने एवं आईईसीटी क्षेत्र में उद्योग के कौशल अंतर को कम करने हेतु केंद्र एवं राज्य सरकारों की विभिन्न क्षमता निर्माण परियोजनाओं के कार्यान्वयन का गहन अनुभव है। संस्थान छात्रों एवं पेशेवरों को इन क्षेत्रों में अपने कौशल एवं ज्ञान को बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करता है।

कार्यबलः

नियमित	वै. एवं तकः 07
	गैर वै. एवं तकः 01
संविदात्मक	: 25
परियोजना आधारित	: 3
कारोबार	: **रु. 722.07** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री लालमोहन के.एस
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट चेन्नई, आईएसटीई कॉम्प्लेक्स,
गांधी मंडपम रोड, अन्ना सेंटेनरी लाइब्रेरी के सामने,
कोट्टूरपुरम, चेन्नई – 600 025

सम्पर्क विवरण

फ़ोनः 044 24421445/46, 9489540125
ईमेलः dir-chennai@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/chennai@index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

विस्तार केंद्र का पता

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

तमिलनाडु, तेलंगानाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी,
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- डेटा विज्ञान
- सूचना सुरक्षा
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- अंतः स्थापित प्रणालियाँ
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
- वीएलएसआई
- 3डी प्रिंटिंग और एएम
- रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन (आरपीए)

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- प्रमाणित एम्बेडेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर
- एम्बेडेड एसओसी डिज़ाइन में पीजी प्रोग्राम
- डेटा इंजीनियरिंग में पीजी कार्यक्रम
- साइबर सुरक्षा सहयोगी
- एम्बेडेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर
- आईटी ओ स्तर, सीएचएमटी–ओ स्तर
- कार्यालय स्वचालन, लेखा, प्रकाशन सहायक
- कंप्यूटर अनुप्रयोग और व्यवसाय लेखा सहयोगी
- साइबर–सुरक्षित वेब विकास सहयोगी

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- आई ओ टी डेटा विश्लेषण में इंटर्नशिप
- वेरिलॉग एचडीएल का उपयोग करके एफपीजीए प्रोटोटाइपिंग में इंटर्नशिप
- पायथन का उपयोग करते हुए डेटा संरचना और एल्गोरिदम (डीएमए) में सर्टिफिकेट कोर्स
- जनरेटिव एआई में सर्टिफिकेट कोर्स
- ए डब्ल्यू एस में सर्टिफिकेट कोर्स
- DevOps में सर्टिफिकेट कोर्स
- वर्चुअलाइजेशन और क्लाउड कंप्यूटिंग में सर्टिफिकेट कोर्स
- साइबर सुरक्षा में उन्नत कार्यक्रम
- प्रमणित डेटा प्रविष्टि और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित ऑटफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एसोसिएट–अपस्किलिंग
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- प्रमाणित वेब डेवलपर
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी) सहायक
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी) एसोसिएट
- क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन विशेषज्ञ
- असेंबली रखरखाव और पर्सनल कंप्यूटर
- उत्पादन असेंबली सहायक (सौर एएलईडी)
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स और कम्युनिकेटिव इंग्लिश में सर्टिफिकेट कोर्स
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- एनएसक्यूएफ–संरेखित पीजी कार्यक्रमों में 325 से अधिक अभ्यर्थियों एवं वर्चुअल लैब समर्थन के साथ ऑनलाइन–मिश्रित मोड के माध्यम से 16000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- आईआईटी मद्रास के सहयोग से, डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, *''लागत प्रभावी अल्ट्रासाउंड स्कैनर हेतु स्वदेशी अत्याधुनिक एफपीजीए–आधारित अल्ट्रासाउंड बीम फॉर्मर मॉड्यूलः एक प्रूफ–ऑफ–कॉन्सेप्ट स्कैनर विकास''* शीर्षक से **अनुसंधान एवं विकास** परियोजना को कार्यान्वित करना।
- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा *"आकांक्षी जिलों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (महिलाओं) के सशक्तिकरण हेतु कौशल प्रशिक्षण"* कार्यक्रम के अंतर्गत **866** अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया। यह कार्यक्रम आकांक्षी जिलों रामनाथपुरम एवं विरुधुनगर में क्रियान्वित किया जा रहा है।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना *''रोजगार संवर्धन एवं आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम [ईईएलटीपी]''* के अंतर्गत **1174** अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया/ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।
- *एमईआईटीवाई द्वारा वित्त पोषित फ्यूचर स्किल प्राइम प्रोजेक्ट–चरण 2 के आर पी ए, आई ओ टी, एवं 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी* धाराओं हेतु बूटकैंप के माध्यम से **1099** अभ्यर्थियों तथा सरकारी पदाधिकारियों के प्रशिक्षण [बेसिक और एडवांस] के माध्यम से 184 अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।
- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में *''अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के इंजीनियरिंग पासआउट छात्रों के रोजगार /स्वरोजगार क्षमता निर्माण''* परियोजना के तहत **307** अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण पूर्ण हो गया है।
- एमईआईटीवाई भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित *''अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/ईडब्ल्यूएस स्नातक इंजीनियरों को दृढ़ एवं सशक्त बनाने हेतु कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम''* नामक परियोजना के अंतर्गत **39** अभ्यर्थियों ने नाइलिट चेन्नई में इंटर्नशिप पूर्ण कर ली है/ कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण बिंदु

नाइलिट चेन्नई को भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा आईआईटी मद्रास के सहयोग से एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना प्रदान की गई है।

- नाइलिट चेन्नई, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के रोजगार महानिदेशालय द्वारा वित्तपोषित *अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जॉब सिकर्स के प्रशिक्षण हेतु परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसके अंतर्गत 480 अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है।*

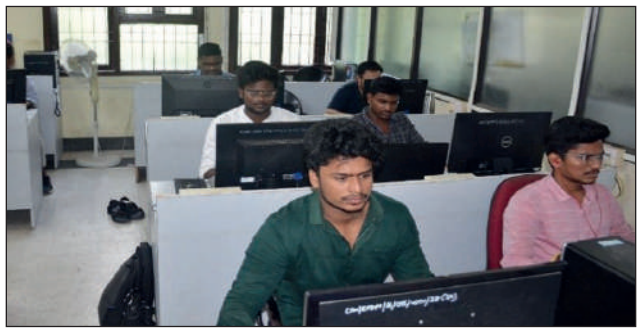

केंद्र के संबंध में

नाइलिट केंद्र, दमन की स्थापना इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने तथा उद्योगों व शैक्षणिक संस्थानों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के उद्देश्य से फरवरी 2021 में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सरकारी पॉलिटेक्निक दमन परिसर में की गई थी। केंद्र आईईसीटी के क्षेत्र में विभिन्न लघु एवं दीर्घकालिक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है तथा प्रशिक्षण के अतिरिक्त, डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम जैसे; विभिन्न कार्यक्रमों के लिए गुजरात राज्य एवं डीडीएनएच व डीडी के केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं का संचालन, तृतीय पक्षीय परीक्षा आदि जो केंद्र की गतिविधियों का एक प्रमुख भाग रहा है।

कार्यबलः

नियमित	वै. एवं तकः 02
	गैर वै. एवं तकः 0
संविदात्मक	: 05
परियोजना आधारित	: 0

कारोबार : **रु. 212.40** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री किशोर एस. चौधरी
प्रभारी अधिकारी

पूर्ण पता

नाइलिट दमन,
द्वितीय तल, केमिकल एवं सिविल इंजीनियरिंग ब्लॉक,
पॉलिटेक्निक परिसर, वरकुंड, नानी दमन,
दमन, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव,
पिन–396210 (डीएनएच व डीडी)

सम्पर्क विवरण

फ़ोनः 0260–2992326
ईमेलः dir-daman@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/daman@index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

विस्तार केंद्र संपर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली (डीडीएनएच) और दमन और दीव (डीडी), गुजरात।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- कृत्रिम बुद्धिमता/मशीन लर्निंन (एआई/एमएल)
- डेटा एनालिटिक्स
- नेटवर्किंग
- इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- एम्बेडेड सिस्टम

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- ओ स्तर (आईटी)

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों में आधारभूत पाठ्यक्रम
- नेटवर्किंग, रूटिंग और स्विचिंग
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग (एआई/एमएल)
- पायथन प्रोग्रामिंग
- डेटा एनालिटिक्स
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- साइबर सुरक्षा
- एआई टूल्स के साथ एमएस ऑफिस
- संकाय विकास कार्यक्रम
- स्कूलों एवं कॉलेजों के साथ संयुक्त रूप से कार्यशालाएँ व सेमिनार।

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- कुल 260 यूटी प्रशासन कर्मचारियों को ''एआई टूल्स के साथ माइक्रोफ्ट ऑफिस'' में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- राजकीय पॉलिटेक्निक दमन के संकाय सदस्यों के लिए "मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स" पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। यह एफडीपी 13 मार्च से 3 अप्रैल 2024 तक ऑफ़लाइन मोड में आयोजित किया गया।
- सरकारी पॉलिटेक्निक दमन एवं कराड परिसर के छात्रों के लिए हाइब्रिड मोड में एआई/एमएल, आईओटी और नेटवर्किंग में 6 सप्ताह की अवधि के इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27 जून से 08 अगस्त, 2024 तक 150 छात्रों हेतु किया गया तथा द्वितीय कार्यक्रम दिनांक 5 जून से 17 जुलाई, 2025 तक आयोजित किया गया, इस इंटर्नशिप कार्यक्रम में 97 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।
- दिनांक 17 जुलाई, 2025 से 15 अगस्त, 2025 तक झारखंड राज्य के 5 छात्रों हेतु ऑनलाइन मोड में इंजीनियरिंग छात्रों हेतु पायथन में प्रोग्रामिंग आयोजित की गई थी।
- अप्रैल, 2025 में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शासकीय कॉलेज, सिलवासा स्थित नाइलिट दमन के अध्ययन केंद्र में 36 छात्रों को डीएलसी पाठ्यक्रम (सीसीसी) में प्रशिक्षित किया गया है।
- केन्द्र ने 70+ स्थानों में पीएम श्री स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया तथा 2087 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया।

पीएमश्री स्कूलों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

शैक्षिक सहयोग, कौशल विकास एवं संसाधन साझाकरण को बढ़ाने हेतु नाइलिट दमन एवं शासकीय पॉलिटेक्निक, दमन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

दादरा नगर हवेली एवं दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेशों में सरकारी कार्मिकों हेतु "एआई टूल्स के साथ एमएस ऑफिस" पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण।

एआई टूल्स के साथ एमएस ऑफिस में प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात सिलवासा में यूटी प्रशासन के कार्मिकों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया।

केंद्र के संबंध में

नाइलिट, नई दिल्ली की स्थापना मार्च 2000 में हुई थी। यह एक पेशेवर रूप से प्रबंधित केंद्र है जिसका ट्रैक रिकॉर्ड उत्तम है। इसने गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करने और विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी संगठनों के लिए बड़ी परियोजनाओं के कार्यान्वयन से अपनी क्षमता साबित की है। यह स्पष्ट रणनीतियों वाला एक आईटी निगम भी है, तथा इसके विभिन्न कार्यों का उद्देश्य अपने ग्राहकों को आईटी समाधानों और उत्पादों का एक संपूर्ण पैकेज प्रदान करना है। केंद्र ने शुरुआत में नाइलिट, चंडीगढ़ केंद्र के शाखा कार्यालय के रूप में कार्य किया। केंद्रों के अधिकार क्षेत्र में संशोधन के पश्चात दिनांक: 1 नवंबर, 2012 से यह नाइलिट का एक स्वतंत्र केंद्र बन गया। केंद्र ने विभिन्न टर्नकी आईटी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें कई अस्पतालों और दिल्ली सरकार के विभिन्न सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और भारत सरकार के स्वायत्त निकायों का कंप्यूटरीकरण शामिल है। यह दिल्ली सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए आईटी योजना को तैयार करने हेतु प्रतिबद्ध है। जनकपुरी स्थित नाइलिट दिल्ली केंद्र का दक्षिण–पश्चिम दिल्ली कार्यालय मुख्य केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है, जिसके दो विस्तार केंद्र उत्तर–पश्चिम दिल्ली में इंद्रलोक तथा पूर्वी दिल्ली में कड़कड़डूमा में स्थित हैं।

कार्यबल:

नियमित वै. एवं तक: 20
गैर वै. एवं तक: 09
संविदात्मक : 46
परियोजना आधारित : 03

कारोबार : **रु. 3,231.17** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री सुभांशु तिवारी
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट दिल्ली
दक्षिण पश्चिम दिल्ली, जनकपुरी, आईईटीई, इंस्टीट्यूशनल एरिया, 16/1–2, पंखा रोड, सागरपुर पुलिस स्टेशन के पास, डी ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली 110058

सम्पर्क विवरण

ईमेल: dir-delhi@nielit.gov.in, swdelhi-trg@nielit.gov.in

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

दिल्ली में दो स्थान (कड़कड़डूमा और इंद्रलोक)

सम्पर्क विवरण

क) नाइलिट दिल्ली सेंटर, इंद्रलोक, दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल, इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन के पास, इंद्रलोक, दिल्ली–110052।
ख) नाइलिट दिल्ली केंद्र, कड़कड़डूमा, 30 एक्स, एफसी–18, इंस्टीट्यूशनल एरिया, केंद्रीय विद्यालय के पास, कड़कड़डूमा, दिल्ली–110092

विस्तार केंद्र संपर्क विवरण

नाइलिट दिल्ली केंद्र, इंद्रलोक:
ई–मेल: delhi-training@nielit.gov.in
नाइलिट दिल्ली केंद्र, कड़कड़डूमा:
ई–मेल: Eastdelhi@nielit.gov.in

राज्य क्षेत्राधिकार

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- साइबर सुरक्षा
- सोशल मीडिया मार्केटिंग
- मल्टीमीडिया
- सुविधा प्रबंधन सेवाएँ
- भर्ती परीक्षाओं का आयोजन (ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड)

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- नाइलिट ओ स्तर (आईटी)
- नाइलिट ए स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी–ओ स्तर (हार्डवेयर)
- साइबर सिक्योर वेब डेवलपमेंट एसोसिएट
- कार्यालय स्वचालन, लेखा और प्रकाशन सहायक
- एआई विकास सहयोगी
- कंप्यूटर एप्लीकेशन बिजनेस अकाउंटिंग एसोसिएट

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम जैसे एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी+, ईसीसी
- ऑफिस ऑटोमेशन, डेटा एंट्री, टैली प्राइम, डीटीपी में पाठ्यक्रम
- एफएसके प्राइम के अंतर्गत एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, सोशल और मोबाइल आईटी में विभिन्न लघु अवधि/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रोग्रामिंग में पाठ्यक्रम [कोर जावा, पायथन, पीएचपी]
- पायथन का उपयोग करके पूर्ण स्टैक विकास, वेब विकास
- साइबर सुरक्षा, डिजिटल मार्केटिंग, बिग डेटा, ब्लॉकचेन
- मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन, वीएलएसआई
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर, एडोब फोटोशॉप, फ्लैश, कोरलड्रॉ आदि।
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स/रास्पबेरी पाई/आर्डुइनो आदि पर ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण।
- अंतिम वर्ष के डिप्लोमा और इंजीनियरिंग छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम
- कॉर्पोरेट प्रशिक्षण
- संकाय विकास कार्यक्रम
- अनुकूलित इंटर्नशिप और छात्र परियोजनाएं।
- कॉलेजों के साथ संयुक्त रूप से कार्यशालाएँ और सेमिनार।

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- दीर्घकालिक, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, बूट कैंप और जीओटी, कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशाला एवं सेमिनार आदि के माध्यम से कुल 22557 अभ्यर्थियों को नाइलिट दिल्ली और इसके दो विस्तार केंद्रों में नामांकित किया गया।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और सोशल एवं मोबाइल के लिए फ्यूचर स्किल्स प्राइम (फेज 02) के अंतर्गत सह–प्रमुख संसाधन केंद्र के रूप में, दिल्ली केंद्र ने विभिन्न विभागों के सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के पेशेवरों, छात्रों आदि को इन तीनों तकनीकों पर प्रशिक्षण प्रदान किया है। कुल 1625 (जीओटी – 643 और बूटकैंप – 643) अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- **अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के जॉब सीकर्य – डीजीई:** नाइलिट दिल्ली ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के डीजीई द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना लागू की है जिसके अंतर्गत नाइलिट दिल्ली ने पाँच दीर्घकालिक एनएसक्यूएफ प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण आयोजित किया है। 2024–25 में, इन पाठ्यक्रमों में कुल 165 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- **बीएसएफ और अन्य अर्धसैनिक बलों के 48 दिव्यांग योद्धाओं** के लिए कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (सीओपीए) के 1200 घंटे के पाठ्यक्रम का तीसरा बैच, बीएसएफ कैंप, छावला, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक पूरा हो गया। 48 दिव्यांग योद्धाओं का लगातार चौथा बैच शुरू हो गया है।
- नाइलिट दिल्ली ने पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों के लिए विभिन्न एनएसक्यूएफ प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 13 बैचों का प्रशिक्षण आयोजित किया है। विभिन्न एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रमों में कुल 520 जेसीओ/ ओआर को प्रशिक्षित किया गया ।
- नाइलिट दिल्ली ने आईईसीटी क्षेत्रों की उभरती प्रौद्योगिकियों में 32 दिनों की अवधि में यूपीएससी अधिकारियों के लिए कौशल संवर्धन तकनीकी कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, ब्लॉक चेन, जावा 8.0, मोंगो डी, क्लाउड कंप्यूटिंग शामिल हैं।
- **लोक सभा सचिवालय** के मुद्रण एवं प्रकाशन सेवा के 47 अधिकारियों के लिए इनडिजाइन और कोरलड्रॉ का उपयोग करते हुए डेस्कटॉप प्रकाशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है ।
- पूरे भारत में एनएबीएम के 67 अधिकारियों के लिए फ्यूचर स्किल्स प्राइम परियोजना के अंतर्गत क्लाउड कंप्यूटिंग में जीओटी बेसिक और उन्नत स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **समझौता ज्ञापन (एमओयू)**

  किंड्रिल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड : नाइलिट और किंड्रिल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने नाइलिट मुख्यालय में नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम.एम. त्रिपाठी और नाइलिट तथा किंड्रिल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य वंचित समुदायों के छात्रों को लाभान्वित करने के लिए डिज़ाइन किया गया डेवऑप्स सुरक्षा में कौशल विकास कार्यक्रम चलाना है। संयुक्त कार्यक्रम का पहला बैच जनवरी 2025 में 113 प्रतिभागियों के लिए 120 घंटे के डेवऑप्स सुरक्षा (बेसिक) में किंड्रिल–नाइलिट उन्नत कौशल कार्यक्रम शुरू किया गया था।

- **विदेशी प्रतिनिधिमंडल का दौरा और प्रशिक्षण:**
  - जमैका के प्रधानमंत्री कार्यालय में माननीय मंत्री डॉ. डाना मॉरिस डिक्सन के नेतृत्व में छह सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत एआई मिशन के अंतर्गत विकसित इंडियाएआई डेटा लैब सेटअप को समझने और अन्वेषण करने के लिए नाइलिट पूर्वी दिल्ली कार्यालय का दौरा किया।
  - डॉ. आईटीआई, मिश्र की अध्यक्ष हेबाह सालेह ने नाइलिट और आईटीआई, मिश्र के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के एक भाग के रूप में नाइलिट पूर्वी दिल्ली कार्यालय का दौरा किया।
  - भारत एआई मिशन के अंतर्गत इंटेल के सहयोग से स्थापित एआई और डेटा लैब को देखने और समझने के लिए एमएसडीई अधिकारियों का दौरा।
  - नाइलिट दिल्ली केंद्र ने 28 विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के लिए मेकांग गंगा परियोजना (कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम) के अन्तर्गत प्रशिक्षण आयोजित किया।

- नाइलिट दिल्ली केंद्र, पूर्वी दिल्ली कार्यालय ने मेसर्स **रेल एडुटेक** द्वारा प्रायोजित एक व्यापक 5–दिवसीय बेसिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम की मेजबानी की। कार्यक्रम में 40 उत्साही प्रतिभागियों का स्वागत किया गया, तथा उन्हें गहन शिक्षण अनुभव प्रदान किया गया ।
- नाइलिट दिल्ली केंद्र, पूर्वी दिल्ली कार्यालय ने नाइलिट जम्मू एवं कश्मीर केंद्र के सहयोग से **भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण** के 14 अधिकारियों के लिए उन्नत स्तर लिनक्स में एक विशेष 10 दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- नाइलिट दिल्ली केंद्र ने जून–जुलाई 2024 में ग्रीष्मकालीन/औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रौद्योगिकी के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में अत्याधुनिक कौशल से लैस करना था।
- **कार्य–आधारित शिक्षा (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम** के अंतर्गत, 44 अभ्यर्थियों (एससी/एसटी/महिला/ईडब्ल्यूएस श्रेणियों) को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए गए, जिससे वास्तविक समय के वातावरण में उनके तकनीकी कौशल में वृद्धि हुई।
- **पीएम श्री केवी स्कूल पहल के अंतर्गत :** इस पहल के अंतर्गत, दिल्ली क्षेत्र के 38+ केंद्रीय विद्यालयों के कक्षा आठ के 9,726 छात्रों, 200+ सेक्शनों को कवर करते हुए, पायथन का उपयोग करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।
- **शैक्षणिक लेखा परीक्षा:** नाइलिट दिल्ली ने इंद्रलोक परिसर में आयोजित वित्तीय वर्ष 2022–24 और 2023–24 के लिए शैक्षणिक लेखा परीक्षा के दौरान भारत के सभी नाइलिट केंद्रों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **आयोजित कार्यशालाएं:**
  - **सुरक्षित इंटरनेट दिवस :** नाइलिट दिल्ली केंद्र ने एनआईसी के सहयोग से एमईआईटीवाई की आईएसईए परियोजना के तत्वावधान में कुल 209 प्रतिभागियों के लिए "सुरक्षित इंटरनेट दिवस" पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान के अंतर्गत दो कार्यशालाएं आयोजित कीं।
  - **कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर कार्यशाला:** नाइलिट दिल्ली ने अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के परिसर में व्यावसायिक अध्ययन स्कूल के 80 छात्रों और अंबेडकर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
  - नाइलिट दिल्ली ने टैली प्राइम और मल्टीमीडिया टूल्स पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें इसके प्रभाव और कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया गया।
- अपने कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए **भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई)** के लिए कंप्यूटर प्रवीणता परीक्षा आयोजित की ।
- नाइलिट दिल्ली को उच्च न्यायालय, नई दिल्ली, राज्य चुनाव विभाग और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय और दौलत राम कॉलेज के लिए सुविधा प्रबंधन का कार्य सौंपा गया है।

पीएमएसएचआरआई केवी का सम्मान समारोह

बीएसएफ के लिए प्रशिक्षण–सीओपीए का दीक्षांत समारोह

केंद्र के संबंध में

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की प्रशासनिक स्वीकृति एवं जीआईए के सहयोग से, नाइलिट केंद्र, गंगटोक की स्थापना 2010 में इंदिरा बाईपास रोड, सिचे ,गंगटोक में लगभग 10,000 वर्ग फुट किराए के परिसर में की गयी थी। नाइलिट केंद्र, गंगटोक का स्थायी परिसर केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित परियोजना ''आईईसीटी क्षेत्रों में प्रशिक्षण/ शिक्षा क्षमता में वृद्धि कर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास'' के अंतर्गत एमईआईटीवाई के जीआईए सहायता से निर्मित किया गया है। यह परिसर पकयोंग में बेंगथांग, पचेयखानी ब्लॉक में 8.54 एकड़ भूमि पर निर्मित है, जो सिक्किम सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी), सिक्किम सरकार के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। इस परिसर का उद्घाटन दिनांक: 8 अप्रैल 2023 को सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा महानिदेशक, नाइलिट की उपस्थिति में किया गया।

इसकी स्थापना के पश्चात, नाइलिट केंद्र, गंगटोक भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहलों को क्रियान्वित कर रहा है तथा गुणवत्तापूर्ण आईटी/ आईटीईएस शिक्षा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं, समाज के कमजोर वर्गों तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों को सशक्त बना रहा है। केंद्र ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण परियोजनाओं को भी सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है तथा उभरती तकनीकी विकास पर कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 2
	गैर वै. एवं तक: 1
संविदात्मक	: 5
परियोजना आधारित	: शून्य
कारोबार	: **रु. 690.03** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री खगेन्द्र शर्मा
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

बेंगथांग पचेयखानी, पकयोंग रोराथांग रोड, एनएच– 7171ए, पाकयोंग–737106

सम्पर्क विवरण

फोन: 8906615176
ईमेल: dir-gangtok@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://www.nielit.gov.in/gangtok/index-php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

विस्तार केंद्र संपर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

सिक्किम

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता (एआर/वीआर)
- ई–अपशिष्ट निराकरण, पृथक्करण और प्रबंधन
- साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- हार्डवेयर में ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम – सीएचएम 'ओ' स्तर
- आईटी अनुप्रयोग में ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम जैसे एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी+, ईसीसी
- ऑफिस ऑटोमेशन में पाठ्यक्रम, टैली
- वेब/मोबाइल एप्लिकेशन विकास, आदि।
- ई–अपशिष्ट निराकरण और पृथक्करण
- एआर/वीआर में पाठ्यक्रम
- साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक
- एआई और मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स/रास्पबेरी पाई/आर्डुइनो/पायथन आदि पर ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण।

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- **आईओटी, एआर/वीआर और साइबर सुरक्षा** पर स्थायी परिसर, पाकयोंग में एक माह **का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण (जून–जुलाई 2024) आयोजित किया गया** (17 जुलाई 2024 को पूरा हुआ)।
- साइबर फोरेंसिक लैब्स पर एमईआईटीवाई परियोजना के अंतर्गत **सिक्किम पुलिस के 15 जांच अधिकारियों** के लिए **साइबर फोरेंसिक पर 5 दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण (29 जुलाई – 2 अगस्त 2024)** आयोजित किया गया ।
- **कार्य–आधारित शिक्षा (डब्ल्यूबीएल) के कोहोर्ट–5 का** शुभारंभ किया गया – एमईआईटीवाई प्रायोजन के अंतर्गत एआर/वीआर और गेमिंग में **6 महीने का सशुल्क इंटर्नशिप कार्यक्रम।**
- उभरती प्रौद्योगिकियों, कौशल विकास और उद्योग–तैयार कार्यक्रमों में सहयोग के लिए **आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, सिक्किम के साथ** एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए (10 सितंबर 2024)।
- **सिक्किम पुलिस के 20 वरिष्ठ अधिकारियों** के लिए **उभरती प्रौद्योगिकियों और साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का** आयोजन किया गया (22 अक्टूबर 2024), जिसका उद्घाटन सिक्किम पुलिस के डीआईजी द्वारा किया गया।
- **सिक्किम न्यायिक अकादमी** द्वारा आयोजित सिक्किम उच्च न्यायालय के आईटी कैडर अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण के दौरान **"न्यायपालिका में आईसीटी और एआई" पर विशेषज्ञ** सत्र दिए (21 अक्टूबर 2024)।
- **13 नियोक्ताओं** और **240 जॉबसीकर्स की भागीदारी के साथ,** पाकयोंग परिसर में (24 अक्टूबर 2024) एक **रोजगार मेले का आयोजन किया गया,** जिसके परिणामस्वरूप **87 अभ्यर्थियों को चुना गया।**
- *इंडियाएआई लैब्स परियोजना के अंतर्गत* **एनएसक्यूएफ–संरेखित "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों में फाउंडेशन कोर्स"** (7 जनवरी 2025) पर प्रशिक्षण शुरू किया गया ।
- **पचेखानी जी.पी.यू. की ग्राम सभा** (17 जनवरी 2025) के दौरान स्थायी परिसर में **कौशल अवसरों और अवसंरचना का** प्रदर्शन किया गया।
- **सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग के साथ** एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए (27 जनवरी 2025) ताकि 6 जिलों के **30 माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम प्रदान किया जा सके, जिससे 1,500 छात्र लाभान्वित होंगे।**
- **यात्रा एवं पर्यटन में आईसीटी पर एनआईएसजी** के साथ एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया (31 जनवरी 2025), जिसमें सिक्किम के **20 उद्योग प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।**
- **न्यायपालिका के अधिकारियों के लिए साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण** का आयोजन (5 फरवरी 2025), जिसमें सिक्किम उच्च न्यायालय और सिक्किम विधिक सेवा प्राधिकरण के **24 अधिवक्ताओं और अभियोजकों ने भाग लिया।**
- सुरक्षित इंटरनेट प्रथाओं पर आकाशवाणी/आकाशवाणी गंगटोक द्वारा प्रसारित, नाइलिट गंगटोक के प्रभारी निदेशक के साथ एक साक्षात्कार के माध्यम से सुरक्षित इंटरनेट दिवस *2025 (11 फरवरी 2025)* मनाया गया।
- पाकयोंग परिसर में **ई–अवशिष्ट निराकरण एवं पृथक्करण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण** (19–21 मार्च 2025) आयोजित किया गया, **जिसमें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और महाराष्ट्र के 14 उद्यमियों सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।** प्रशिक्षण में अत्याधुनिक ई–कचरा प्रयोगशाला सुविधाओं का उपयोग किया गया, जो ई–अवशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुरूप थीं और चक्रीय अर्थव्यवस्था अभ्यासों को बढ़ावा देती थीं।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **शिक्षा विभाग, सिक्किम सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (27 जनवरी 2025):** छह जिलों के 30 माध्यमिक और उच्च माध्यमिक सरकारी स्कूलों में डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए हस्ताक्षर किए गए। शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित इस परियोजना के अंतर्गत **1,500 छात्रें को प्रशिक्षित किया गया।** इस समझौते पर स्कूल शिक्षा निदेशक और नाइलिट गंगटोक के प्रभारी निदेशक ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।
- **रोज़गार मेला (24 अक्टूबर 2024):** पाकयोंग ज़िले के स्थायी परिसर में आयोजित , जिसमें **13 नियोक्ताओ** और **240 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।** इस आयोजन ने युवाओं को उद्योग जगत से सफलतापूर्वक जोड़ा, जिसके परिणामस्वरूप 87 अभ्यर्थियों को रोज़गार के अवसरों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।
- **आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, सिक्किम के साथ समझौता ज्ञापन (10 सितंबर 2024): उभरती प्रौद्योगिकियों, उन्नत प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रमों** में सहयोग हेतु हस्ताक्षरित। इस साझेदारी का उद्देश्य उद्योग के लिए तैयार पेशेवर तैयार करना और राज्य में युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार करना है।

केंद्र के संबंध में

नाइलिट केंद्र, गोरखपुर की स्थापना जून, 1989 में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीईडीटीआई) के रूप में की गई थी जिसका उद्देश्य, विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं समीप के क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित जनशक्ति की बढ़ती मांग को पूरा करना था। पिछले कुछ वर्षों में, यह केंद्र इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और संबद्ध क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान का केंद्र बन गया है। यह डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को सेवाएं प्रदान करता है, साथ ही उत्तर प्रदेश में लघु उद्योगों, स्टार्टअप्स और अन्य क्षेत्रों के लिए विशेष कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रदान करता है। केंद्र ने आईएसईए, डिजिटल इंडिया, साइबर शिक्षा और रेडी4 साइबरसिक्योरिटी जैसी राष्ट्रीय क्षमता निर्माण पहलों के कार्यान्वयन के लिए एक ख्याति प्राप्त की है तथा साइबर सुरक्षा, एआई/एमएल, एम्बेडेड सिस्टम, आईओटी और क्लाउड कंप्यूटिंग सहित अत्याधुनिक क्षेत्रों में परामर्श, प्रायोजित परियोजनाएं और प्रशिक्षण प्रदान किया है।

केंद्र की पहुंच को विस्तार देने हेतु नाइलिट केंद्र, गोरखपुर ने कई विस्तार केंद्र विकसित किए हैं। नाइलिट लखनऊ, जिसका उद्घाटन दिनांक: 23 अक्टूबर, 1996 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल ने आधुनिक अवसंरचना से सुसज्जित 12,000 वर्ग फुट के केंद्रीय रूप से वातानुकूलित सुविधा से किया था। एक अत्यधिक अनुभवी आईटी टीम के साथ, केंद्र ने स्थापना के बाद से 48,000 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है तथा प्रशिक्षण, डेटा प्रसंस्करण एवं सुविधा प्रबंधन हेतु जाना जाता है। पीलीभीत में अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केंद्र का उद्घाटन दिनांक: 23 दिसंबर, 2024 को माननीय राज्य मंत्री, माइटी और वाणिज्य और उद्योग, भारत सरकार द्वारा किया गया था। धनराशि रु. 1479.83 लाख (जीआईए के रूप में रु. 1000 लाख सहित) के कुल बजट के साथ एमईआईटीवाई द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत स्थापित, केंद्र ने जनवरी, 2025 में प्रशिक्षण शुरू किया तथा इसका लक्ष्य दीर्घकालिक और अल्पकालिक कार्यक्रमों के माध्यम से पांच वर्षों में 4,425 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करना है। नाइलिट नोएडा चिप डिज़ाइन में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरा है जो, भारत के सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित है। दिनांक: 4 फरवरी, 2025 को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री एस. कृष्णन द्वारा उद्घाटन किया गया। यह केंद्र सेमीकंडक्टर और वीएलएसआई डिज़ाइन में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करता है, नवाचार को बढ़ावा देता है तथा शिक्षार्थियों का औद्योगिक रूप से तैयार विशेषज्ञता के साथ सिखाया जाता है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 32
	गैर वै. एवं तक: 17
संविदात्मक	: 88
परियोजना आधारित	: 08
कारोबार	: **रु. 4,313.91** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. डीके मिश्रा
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट, गोरखपुर, देवरिया रोड, गोरखपुर–273010

सम्पर्क विवरण

मोबाइल: 7706009301
ईमेल: dir-gorakhpur@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/gorakhpur/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट लखनऊ, नाइलिट पीलीभीत

विस्तार केंद्र का पता

(क) नाइलिट लखनऊ (शाखा कार्यालय)
सुमित कॉम्प्लेक्स, ए–1/9। विभूति खंड,
गोमती नगर, लखनऊ–226 010
(ख) अटल बिहारी वाजपेई नाइलिट एक्सटेंशन सेंटर, पीलीभीत,
ड्रमंड गवर्नमेंट इंटर कॉलेज कैंपस, गौहनिया चौराहा के पास,
पीलीभीत – 262001, यूपी
(ग) नाइलिट नोएडा, चिप डिजाइन में सीओई
1डी, सेक्टर 29, नोएडा, 201301, उत्तर प्रदेश

सम्पर्क विवरण

मोबाइल: 7706009301
ई–मेल: dkmishra@nielit.gov.in

राज्य क्षेत्राधिकार

उत्तर प्रदेश

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- वीएलएसआई / एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन
- पीसीबी और विनिर्माण
- सूचना सुरक्षा
- हार्डवेयर और नेटवर्किंग

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) **दीर्घकालिक पाठ्यक्रम**

- **एम.टेक. कार्यक्रम**
  - इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी
  - वीएलएसआई डिज़ाइन
- **स्नातक कार्यक्रम**
  - बीसीए (मशीन लर्निंग और डेटा साइंस)
  - बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स)
- **स्नातकोत्तर कार्यक्रम**
  - एमएस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)
  - नाइलिट मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम
- **नाइलिट 'ओ' और 'ए' स्तर (आईटी)**

ख) **अल्पकालिक पाठ्यक्रम:**

- **प्रोग्रामिंग और सॉफ्टवेयर विकास:** पायथन, जावा, सी और सी++, आर प्रोग्रामिंग, मैटलैब, डीजेंगो फ्रेमवर्क, अपाचे–पीएचपी–माईएसक्यूएल, फुल स्टैक (एमईआरएन), मोबाइल ऐप डेवलपमेंट, नोएसक्यूएल (मोंगोडीबी)।
- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और विश्लेषण:** एआई फंडामेंटल्स, पायथन का उपयोग करके एआई और एमएल, पायथन के साथ डेटा विज्ञान, टैबलो/पावर बीआई का उपयोग करके बिजनेस इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, एआई पर औद्योगिक प्रशिक्षण, एआई पर शिक्षक प्रशिक्षण (सीबीएसई पाठ्यक्रम), अंत:विषय औद्योगिक प्रशिक्षण, और विशेष एआई/एमएल इंटर्नशिप।
- **साइबर सुरक्षा और नेटवर्किंग:** साइबर सुरक्षा जागरूकता, साइबर सुरक्षा में फाउंडेशन कोर्स, एथिकल हैकिंग और सूचना सुरक्षा, पायथन का उपयोग करके साइबर सुरक्षा, एंटरप्राइज़ नेटवर्क प्रशासन और साइबर सुरक्षा, नेटवर्क प्रशासन, एडब्ल्यूएस के साथ क्लाउड कंप्यूटिंग, सर्ट–इन और नाइलिट संयुक्त प्रमाणन (सरकारी अधिकारियों सहित)।
- **वीएलएसआई और चिप डिजाइन:** वेरिलॉग, एएसआईसी डिजाइन, आरटीएल से जीडीएस–II, संश्लेषण और स्थैतिक समय विश्लेषण, कैडेंस का उपयोग करके वीएलएसआई डिजाइन फ्लो, एक दिन से एक सप्ताह तक के विशेष कार्यक्रम, इंटर्नशिप और उन्नत चिप डिजाइन में प्रशिक्षण।
- **आईओटी, एम्बेडेड सिस्टम और रोबोटिक्स:** प्रमाणित आईओटी डेवलपर, आईओटी औद्योगिक प्रशिक्षण, एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन, रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन (व्यावसायिक और ब्रिज पाठ्यक्रम सहित)।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स और कोर इंजीनियरिंग:** ऑटोकैड (पेशेवर, इंटर्नशिप और कौशल–केंद्रित), इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, सौर ऊर्जा स्थापना और रखरखाव, ड्रोन प्रौद्योगिकी (बेसिक, वेबिनार, परियोजनाएं), डीसी पावर सप्लाई डिजाइन।
- **डिजिटल कौशल:** डीएलसी (सीसीसी/बीसीसी), डिजिटल मार्केटिंग (इंटर्नशिप सहित), टैली प्राइम के साथ वित्तीय लेखांकन, स्प्रेडशीट के साथ डेटा एनालिटिक्स, शिक्षण के लिए आईसीटी उपकरण, एआई उपकरणों के साथ शिक्षकों का सशक्तिकरण, और चैटजीपीटी, एसईओ, गूगल एनालिटिक्स, साइबर लॉ, पोस्टर डिजाइनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में हालिया रुझानों पर वेबिनार।

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

कौशल और प्रशिक्षण

- कुल **2,200 अभ्यर्थियों** को दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया और **19,357 अभ्यर्थियों** को अल्पकालिक ऑफ़लाइन/ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।
- **3,672 अभ्यर्थियों** को ऑनलाइन अल्पकालिक कौशल–आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।
- **96 अभ्यर्थियों** ने औपचारिक दीर्घकालिक शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में नामांकन कराया।
- **डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय** के साथ संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम : बीसीए (एमएल और डीएस), बीसीए (आईओटी), और एआई में एमएस।

विशेष प्रशिक्षण पहल

- **डीजीआर पुनर्वास पाठ्यक्रम** : सेवानिवृत्त/सेवानिवृत्त होने वाले रक्षा कर्मियों के लिए दो बैच आयोजित किए गए, जिनमें **87 जेसीओ/ओआर** को प्रशिक्षण दिया गया।
- **प्रधानमंत्री श्री केवी स्कूल परियोजना** : 85 केन्द्रीय विद्यालयों में **कक्षा 8 के 10,014 छात्रों को** "पायथन का उपयोग करके एआई और एमएल" पर प्रशिक्षित किया गया। उत्तर प्रदेश के विद्यालय
  - गोरखपुरः 2,604 छात्र
  - लखनऊः 4,863 छात्र
  - नोएडाः 2,547 छात्र

भविष्य कौशल प्रशिक्षण

- **लखनऊः** एआई, एमएल, आईओटी, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट, साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक में पाठ्यक्रम।
- **नोएडाः** वीएलएसआई डिजाइन फ्लो (आरटीएल से जीडीएस–II), एएसआईसी डिजाइन, संश्लेषण और स्थैतिक समय विश्लेषण, एआई/एमएल में उन्नत प्रशिक्षण।
- *इंडियाएआई परियोजना* के अंतर्गत एआई–केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम।

परियोजनाएं और क्षमता निर्माण

- लखनऊ ने सरकारी विभागों में ई–गवर्नेंस सेवाओं को समर्थन देने के लिए सुविधा प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत **250 आईटी पेशेवर उपलब्ध कराए।**
- गोरखपुर, लखनऊ और नोएडा ने शैक्षणिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक शिक्षा को एकीकृत करने के लिए संयुक्त रूप से **एआईसीटीई कार्य–आधारित शिक्षा (डब्ल्यूबीएल) परियोजना को क्रियान्वित किया।**

नाइलिट नोएडा – चिप डिजाइन में उत्कृष्टता केंद्र

- दिनांक 4 फरवरी, 2025 को *इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री एस. कृष्णन* द्वारा उद्घाटन किया जाएगा।
- सेमीकंडक्टर अनुसंधान एवं नवाचार में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए **यूके सेमीकंडक्टर प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी (12 मार्च 2025)** की।
- वीएलएसआई, एएसआईसी डिजाइन, आरटीएल–टू–जीडीएस–II, संश्लेषण, भौतिक डिजाइन और एआई/एमएल (ऑनलाइन और ऑफलाइन) में **241 अभ्यर्थियों को इंटर्नशिप** प्रदान की गई।
- **प्रमुख पाठ्यक्रमों में शामिल हैं:**
  - **वीएलएसआई डिजाइन फ्लो (आरटीएल से जीडीएस–II)** – 30 दिन (90 घंटे), ऑनलाइन।
  - **एएसआईसी डिजाइन (इन–कैंपस)** – कैडेंस ईडीए टूल्स (जीनस, इनोवस, टेम्पस) का उपयोग करके व्यावहारिक प्रशिक्षण ।
  - **भौतिक डिजाइन (इन–कैंपस)** – कैडेंस टूल्स का उपयोग करके बैकएंड आरटीएल से जीडीएस–II फ़्लो।
  - **वीएलएसआई डिजाइन पर एक सप्ताह का लघु अवधि पाठ्यक्रम** – डिजिटल डिजाइन, वेरिलॉग, सिमुलेशन।
  - **वीएलएसआई डिजाइन फ्लो पर एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण** – कैडेंस टूल्स का उपयोग करके आरटीएल डिजाइन और संश्लेषण।
  - **डेटा साइंस, एमएल और एआई इंटर्नशिप**– 90 घंटे (9 सप्ताह), नंपी, पंडास, स्काईकिट –लर्न, टेन्सर फ़्लो का उपयोग करके प्रोजेक्ट।

महत्वपूर्ण बिंदु

- दिनांक **04 फरवरी, 2025** को नाइलिट नोएडा में **चिप डिजाइन उत्कृष्टता केंद्र** का उद्घाटन श्री एस कृष्णन, सचिव, एमईआईटीवाई द्वारा किया गया।
- दिनांक **12 मार्च, 2025** को नाइलिट नोएडा ने अपने उत्कृष्टता केंद्र में **यूके सेमीकंडक्टर प्रतिनिधिमंडल** की मेजबानी की, जिससे चिप डिजाइन और नवाचार में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिला।
- केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा प्रायोजित **पीएम श्री केवी स्कूल प्रोजेक्ट** के अंतर्गत केंद्रीय के **10,014 छात्र** नाइलिट गोरखपुर, लखनऊ और नोएडा द्वारा विद्यालयों को थोड़े समय के भीतर पायथन का उपयोग करके एआई और एमएल में प्रशिक्षित किया गया।
- कुल **2,200 अभ्यर्थियों** को दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया, जबकि **19,357 अभ्यर्थियों** को एनआईईएलआईटी गोरखपुर और इसके लखनऊ, पीलीभीत और नोएडा केंद्रों में आयोजित विभिन्न अल्पकालिक ऑफ़लाइन/ऑनलाइन कौशल–आधारित कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।
- इसके अतिरिक्त, गोरखपुर क्लस्टर में **3,672 अभ्यर्थियों** को ऑनलाइन अल्पकालिक कौशल–आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

डीजीआर परियोजना के तहत प्रशिक्षण के लिए उद्घाटन

नाइलिट गोरखपुर एवं डीडीयूजीयू गोरखपुर के बीच समझौता ज्ञापन

उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री माननीय श्री स्वतंत्र देव सिंह ने गोरखपुर में आयोजित प्रदर्शनी में नाइलिट के स्टॉल का अवलोकन किया, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार की 8 वर्षों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

पीएमएसएचआरआई केंद्रीय विद्यालय के कक्षा 8 के छात्रों ने नाइलिट नोएडा के चिप डिजाइन केंद्र का अवलोकन किया।

केंद्र के संबंध में

वर्ष 1998 में, नाइलिट केंद्र, गुवाहाटी की स्थापना सीईडीटीआई, तेजपुर के रूप में हुई थी। वर्ष 2002 में, केंद्र का डीओईएसीसी संस्था में विलय कर दिया गया तथा गुवाहाटी केंद्र के उद्घाटन के साथ ही इसका नाम परिवर्तित कर डीओईएसीसी केंद्र गुवाहाटी/ तेजपुर रखा गया। अक्टूबर, 2011 में, डीओईएसीसी संस्था का नाम परिवर्तित कर "राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान" (संक्षेप में "नाइलिट") कर दिया गया तथा इस प्रकार, योग्य एवं प्रशिक्षित कार्यबल तथा नवीनतम बुनियादी ढाँचे सहित केंद्र का नाम परिवर्तित कर "नाइलिट गुवाहाटी" कर दिया गया। नाइलिट केंद्र, गुवाहाटी असम राज्य में अपने अधिदेश को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित "आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/ शिक्षा क्षमता बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास" नामक परियोजना के अंतर्गत पाँच (5) विस्तार केंद्र परिचालित किए गए हैं। वर्ष 2018 में, दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप, असम के माजुली में एक नया प्रशिक्षण केंद्र, माजुली अध्ययन केंद्र, स्थापित किया गया।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 21
	गैर वै. एवं तक: 8
संविदात्मक	: 69
परियोजना आधारित	: 48

कारोबार : **रु. 1,584.19** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री एल. लानुवाबांग
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट गुवाहाटी, एआईआरटी व एससी परिसर, एनएच– 37,
जवाहरनगर, खानापारा, गुवाहाटी– 781022,असम

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 0 361–2914133
मोबाइल: 9401568518
ईमेल: dir&guwahati@nielit-gov-in
वेबसाइट: https://www-nielit.gov.in/guwahati/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

5 विस्तार केंद्र और 1 अध्ययन केंद्र

विस्तार केंद्र का पता

क) नाइलिट गुवाहाटी का तेजपुर विस्तार केंद्र,
भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) के समीप ,
गांव : पुनियोनी , सोलमारा , तेजपुर , असम– 784028
फ़ोन: 03712–230310

ख) नाइलिट डिब्रूगढ़
मोडेरखट, मेलेंगियल गांव,
सेसा पार्क के पास, लाहोवाल,
डिब्रूगढ़ – 786010, असम
फ़ोन – (0373) 2381546

ग) नाइलिट गुवाहाटी का सिलचर विस्तार केंद्र
तारापुर शिब्बारी रोड, पार्ट–7, पी.ओ.:– तारापुर ,
लैंडमार्क:– एनएमआई (नेताजी मेमोरियल इंस्टीट्यूट) स्कूल के सामने,
सिलचर – 788003, कछार , असम
फ़ोन : 03842– 268087

घ) नाइलिट गुवाहाटी का कोकराझार विस्तार केंद्र
पुराना टिटागुरी , थुरिबारी , ब्रह्मा मंदिर के पास
कोकराझार–783370, बीटीसी (असम)। फ़ोन: 03661–291120

ङ) नाइलिट जोरहाट
एमईएस गेट, चालिहा गांव,
रोवरिया, जोरहाट
पीओ: बरभेटा, असम– 785004, भारत
फ़ोन:– (0376)–2954444

च) नाइलिट गुवाहाटी का माजुली अध्ययन केंद्र
गरमूर पेट्रोल पंप के पास, एनएलके रोड, माजुली –785104
फ़ोन: 03775–274484

सम्पर्क विवरण

उक्त वर्णित

राज्य क्षेत्राधिकार

असम

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- जैव सूचना विज्ञान एवं क्लाउड कंप्यूटिंग

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- ए– स्तर (आईटी)
- ओ– स्तर (आईटी)
- सीएचएम–टी– 'ओ' स्तर

ख) दीर्घकालिक औपचारिक पाठ्यक्रम

- बीसीए – बीसीए एक 4 वर्षीय डिग्री कोर्स है जो एएसटीयू (असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) से संबद्ध है तथा एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित है
- एम.एससी. (कंप्यूटर साइंस)– एम.एससी. (सीएस) एएसटीयू से संबद्ध 2 वर्षीय डिग्री कोर्स है।

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग में आधारभूत पाठ्यक्रम
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा एवं प्रकाशन सहायक
- कार्यालय स्वचालन, लेखा एवं प्रकाशन सहायक
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स और कम्युनिकेटिव इंग्लिश में सर्टिफिकेट कोर्स
- साइबर सुरक्षित वेब विकास सहयोगी
- इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में फाउंडेशन कोर्स
- प्रमाणित पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग सहायक
- जीवन विज्ञान के लिए डेटा विज्ञान में वैज्ञानिक सहायक
- मल्टीओमिक्स डेटा विश्लेषक
- 3डी प्रिंटिंग: डिज़ाइन और विकास के मूलभूत सिद्धांत
- वीएलएसआई डिजाइन के मूल सिद्धांत.
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों में आधारभूत पाठ्यक्रम
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी की नींव
- पायथन का उपयोग करके डेटा क्यूरेशन के मूल सिद्धांत
- पायथन का उपयोग करके डेटा एनोटेशन के मूल सिद्धांत।

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- आईटी एवं साइबर सुरक्षा में "पूर्वोत्तर राज्य के पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाना" शीर्षक परियोजना के अंतर्गत 952 पुलिस अधिकारियों को साइबर सुरक्षा में प्रशिक्षित किया गया।
- असम पुलिस के 232 कर्मियों तथा एसएसवी कार्मिकों को विभिन्न स्तरों पर साइबर फोरेंसिक में प्रशिक्षण ''पूर्वोत्तर राज्यों में डिजिटल फोरेंसिक प्रशिक्षण एवं जांच प्रयोगशालाओं का विकास तथा क्लाउड आधारित केंद्रीकृत लैब अवसंरचना'' परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया।
- पीएम श्री केंद्रीय विद्यालयों के कक्षा आठ के 35 विद्यार्थियों के लिए पायथन का उपयोग करते हुए एआई/एमएल में 30 घंटे का पाठ्यक्रम आयोजित किया। कुल 3046 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त, 9 जवाहर नवोदय विद्यालयों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। असम के 11 बैचों में कुल 381 छात्रों को सम्मिलित करते हुए, जेएनवी उदलगुरी, दरंग, कोकराझार, बारपेटा आदि विद्यालयों को नाइलिट गुवाहाटी एवं इसके विस्तार केंद्रों, जिनमें तेजपुर, कोकराझार, जोरहाट, डिब्रूगढ़ और सिलचर सम्मिलित हैं , के संकायों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- दिनांक 25 फरवरी, 2025 को एडवांटेज असम 2.0 – निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025 में, असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी परिसर हेतु टाटा सेमीकंडक्टर्स प्लांट के समीप जगीरोड में 10 एकड़ ज़मीन माननीय केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, डॉ. रनोज पेगु, माननीय शिक्षा, मैदानी जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री, असम सरकार एवं 1000 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सौंपी।

- नाइलिट ने दिनांक 25–26 फरवरी, 2025 को गुवाहाटी में पशु चिकित्सा क्षेत्र, खानापारा, गुवाहाटी में आयोजित एडवांटेज असम 2.0 – निवेश एवं बुनियादी संरचना शिखर सम्मेलन, 2025 में सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों पर अपनी संचालित गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

- स्नातक छात्रों के लिए आईओटी, 3डी प्रिंटिंग पर बूटकैंपः नाइलिट गुवाहाटी एवं इसके विस्तार केंद्रों ने दिसंबर 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान गुवाहाटी विश्वविद्यालय सहित विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 2736 छात्रों के लिए एआई /आईओटी / 3डी प्रिंटिंग पर 30 घंटे / 5 दिवसीय बूटकैंप आयोजित किया।
- स्कूली बच्चों (कक्षा IX से XII) के लिए आईओटी पर बूटकैंपः नाइलिट गुवाहाटी एवं इसके विस्तार केंद्रों ने दिसंबर 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान विभिन्न स्कूलों में 1000 छात्रों के लिए आईओटी पर 30 घंटे / 5 दिवसीय साथ बूटकैंप आयोजित किया।
- एएक्सरिवर्स ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड IS–700, अर्बटेक ट्रेड सेंटर, बी35, सेक्टर 132, नोएडा, भारत के सहयोग से उत्तर पूर्व के विभिन्न नाइलिट केंद्रों के 10 प्रतिभागियों के लिए एआर–वीआर प्रौद्योगिकियों पर 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 16 दिसंबर, 2024 से शुरू हुआ।

असम पुलिस और एसएसबी कर्मियों को साइबर फोरेंसिक में प्रशिक्षण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कक्षा आठ के छात्रों के लिए पायथन का उपयोग करते हुए एआई/एमएल प्रशिक्षण

स्नातक छात्रों के लिए आई ओ टी, 3डी प्रिंटिंग पर बूटकैंप

केंद्र के संबंध में

नाइलिट हरिद्वार केंद्र की स्थापना उत्तराखंड सरकार द्वारा वर्ष 2017 में हरिद्वार के राजकीय पॉलिटेक्निक भवन में उपलब्ध कराए गए अस्थायी निर्मित स्थान पर की गई थी। यह केंद्र हरिद्वार के सिडकुल क्षेत्र में उद्योगों के केंद्र के बीच स्थित है। यह केंद्र 'ओ' और 'ए' स्तर जैसे दीर्घकालिक अनौपचारिक पाठ्यक्रम और ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/मिश्रित रूप में डिजिटल साक्षरता प्रमाणन पाठ्यक्रमों सहित विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। केंद्र उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सुरक्षा और ब्लॉकचेन आदि पर प्रशिक्षण/इंटर्नशिप कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। इसके अलावा, यह केंद्र वरिष्ठ नागरिकों, गृहिणियों, छात्रों या सरकारी कर्मचारियों आदि के लाभ के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन कर रहा है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 04
	गैर वै. एवं तक: 02
संविदात्मक	: 14
परियोजना आधारित	: 35

कारोबार : **रु. 396.12** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री अनुराग कुमार
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

एनआईईएलआईटी हरिद्वार, राजकीय पॉलिटेक्निक भवन,
प्लॉट नंबर 6सी, सेक्टर–11, सिडकुल,
हरिद्वार, उत्तराखंड – 249403

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 01334–235617, 235054
मोबाइल: 9368349990
ईमेल: dir-haridwar@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://www.nielit.gov.in/haridwar/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

विस्तार केंद्रों का संपर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

उत्तराखंड

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- डिजिटल विपणन
- साइबर सुरक्षा
- वेब अनुप्रयोग विकास

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर– आईटी
- डेटा इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम
- एम्बेडेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- कृत्रिम बुद्धिमता
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- साइबर सुरक्षा और इथिकल हैकिंग
- डिजिटल विपणन
- वेब अनुप्रयोग विकास
- क्लाउड कंप्यूटिंग
- डेटा विज्ञान
- कंप्यूटर एडेड डिज़ाइन
- पीएलसी/ स्काडा
- ड्रोन तकनीकें
- पूर्ण स्टैक विकास

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- **कार्यकारी समिति की बैठकें:** कार्यकारी समिति की 5वीं बैठक 29–04–2025 को आयोजित की गई।
- **"विकसित भारत विकसित उत्तराखंड 2025" प्रदर्शनी में भागीदारी:** नाइलिट हरिद्वार ने मार्च 2025 में रुड़की, उत्तराखंड में आयोजित "विकसित भारत विकसित उत्तराखंड 2025" कार्यक्रम में भाग लिया और "सर्वश्रेष्ठ स्टाल" श्रेणी के तहत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **ऑनलाइन/ऑफलाइन/मिश्रित प्रशिक्षण:** नाइलिट हरिद्वार ने 2024–25 में लगभग 1172 अभ्यर्थियों को विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, डिजिटल मार्केटिंग और आईओटी आदि पर प्रशिक्षण प्रदान किया।
- **पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर प्रशिक्षण:** नाइलिट हरिद्वार ने उत्तराखंड राज्य के विभिन्न जिलों के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय के 2239 से अधिक विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमता पर प्रशिक्षण प्रदान किया।
- **प्रधानमंत्री श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में उभरती प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण:** नाइलिट हरिद्वार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और साइबर सुरक्षाउत्तराखंड राज्य के विभिन्न जिलों के पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के 489 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षन दिया।
- **इंडिया एआई डेटा लैब के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारभूत पाठ्यक्रम प्रशिक्षण:** नाइलिट हरिद्वार ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमइआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इंडियाएआई डेटा लैब के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को उद्योग–अनुकूल कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल से सशक्त बनाना है, और यह सुनिश्चित करना है कि वे भविष्य के लिए आवश्यक ज्ञान और विशेषज्ञता से युक्त हों।
- **उत्तराखंड सरकार के उप–पंजीयकों के लिए डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और विंडोज उत्पादकता टूल पर प्रशिक्षण:** लगभग 12 अधिकारियों के लिए "डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और विंडोज़ प्रोडक्टिविटी टूल्स" पर 12–दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें अपनी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में आवश्यक कौशल से लैस किया गया। यह प्रशिक्षण नाइलिट देहरादून परिसर में, नाइलिट हरिद्वार के बैनर तले आयोजित किया गया, जो 2024–25 के दौरान उन्नत प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास और क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।
- **डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी (एटीआई) में पीसीएस अधिकारियों के लिए उत्तराखंड के लिए ई–गवर्नेंस, साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर प्रशिक्षण:** नाइलिट हरिद्वार ने 2024–25 में लगभग 72 पीसीएस अधिकारियों को ई–गवर्नेंस, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर प्रशिक्षण प्रदान किया।
- **टाटा मोटर्स लिमिटेड, पंतनगर के अधिकारियों के लिए "सार्वजनिक सेवाओं में एआई और ब्लॉकचेन" पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण:** नाइलिट हरिद्वार ने डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी (एटीआई) मे 2024–25 में टाटा मोटर्स, पंतनगर प्लांट में टाटा मोटर्स लिमिटेड के 22 अधिकारियों को सार्वजनिक सेवाओं में एआई और ब्लॉकचेन पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण प्रदान किया।

महत्वपूर्ण बिंदु

नाइलिट हरिद्वार ने उभरती प्रौद्योगिकियों पर इंटर्नशिप/प्रशिक्षण प्रदान करने और संगठनों के बीच शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के लिए डीबीएस (पीजी) डिग्री कॉलेज, देहरादून के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- **सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यक्रम:** नाइलिट हरिद्वार ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (जीकेवी), हरिद्वार और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, ज्वालापुर, हरिद्वार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया, जिसमें छात्रों के बीच एक सुरक्षित और सूचित डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल सुरक्षा, साइबर स्वच्छता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **रोजगार विभाग द्वारा प्रायोजित स्कूली छात्रों के लिए प्रशिक्षण:** नाइलिट हरिद्वार को हरिद्वार जिले में 300 स्कूली छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए जिला रोजगार कार्यालय द्वारा परियोजना प्रदान की गई है।

देहरादून अध्ययन केंद्र का उद्घाटन

विकसित भारत विकसित उत्तराखंड में भाग लेने के लिए "सर्वश्रेष्ठ स्टाल" के तहत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया

डीबीएस (पीजी) डिग्री कॉलेज, देहरादून के साथ समझौता ज्ञापन

डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी (एटीआई) में पीसीएस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया

केंद्र के संबंध में

नाइलिट इम्फाल (पूर्व में सीईडीटी/सीईडीटीआई/डीओईएसीसी) का जुलाई, 1989 में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ परिचालन हुआ। यह केंद्र इम्फाल नगर के केंद्र से लगभग 5 किमी दक्षिण–पूर्व दिशा अकम्पट में स्थित है। इस संस्थान का 20 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में प्रसार सहित मुख्य भवन है जिसमें प्रशासनिक विंग, व्याख्यान कक्ष, संकाय कक्ष, कंप्यूटर लैब, मैकेनिकल वर्कशॉप और सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कई प्रयोगशालाएं शामिल हैं। संस्थान के मुख्य भवन के अतिरिक्त, परिसर में स्टाफ क्वार्टर, छात्रों के छात्रावास, एक विद्युत सबस्टेशन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं हैं। नाइलिट इम्फाल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक कौशल विकास पाठ्यक्रम संचालित करके राष्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान कर रहा है। नाइलिट इम्फाल, राष्ट्रीय कौशल विकास नीति के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिदेशित, राज्य और पूरे देश के युवाओं की रोज़गार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से कौशल विकास क्षेत्र में विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। मणिपुर के सेनापति एवं चुराचांदपुर ज़िलों में नाइलिट इम्फाल के दो विस्तार केंद्र हैं।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 17
	गैर वै. एवं तक: 13
संविदात्मक	: 20
परियोजना आधारित	: 09

कारोबार : **रु. 1,591.65** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. युमनाम जयंत सिंह
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट इम्फाल अकम्पट सिंगजामेई इम्फाल पूर्व– 95001

सम्पर्क विवरण

मोबाइल: 9435321669
ईमेल: dir-imfal@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://www.nielit.gov.in/imphal/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट सेनापति विस्तार केंद्र
नाइलिट चुराचांदपुर विस्तार केंद्र

विस्तार केंद्र का पता

(i) नाइलिट सेनापति विस्तार केंद्र, पुराने जिला अस्पताल के पास सेनापति बाज़ार–795106
(ii) नाइलिट चुराचांदपुर ईसी, तुइबोंग, चुराचांदपुर–795128

सम्पर्क विवरण

क) नाइलिट सेनापति: 8729824887
ख) नाइलिट चूराचंद्रपूर: 7005568229

राज्य क्षेत्राधिकार

मणिपुर

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- कृत्रिम बुद्धिमता,
- बिग डेटा एनालिटिक्स,
- साइबर सुरक्षा एवं साइबर फोरेंसिक
- ड्रोन प्रौद्योगिकी।

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एम.टेक.
- एमसीए
- सूचना प्रौद्योगिकी में एम.एससी.
- जैव सूचना विज्ञान में एम.एससी.
- कंप्यूटर अनुप्रयोग स्नातक (बीसीए)
- कंप्यूटर विज्ञान में बी.एससी.
- कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।
- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईसीई)
- ओ लेवल (आईटी)
- कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव–तकनीशियन (सीएचएम–टी ओ–स्तर)

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- डिजिटल साक्षारता पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एसोसिएट
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- कार्यालय स्वचालन, लेखा और प्रकाशन सहायक
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन (अपस्किलिंग)
- आईटीईएस बीपीओ कार्यकारी
- सौर पीवी तकनीशियन
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इसके अनुप्रयोगों में आधारभूत पाठ्यक्रम
- पायथन का उपयोग करके एआई/एमएल

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- एमईआईटीवाई द्वारा प्रायोजित, वित्तीय स्वीकृति से विश्वविद्यालय, इम्फाल में 13–17 मई 2024 तक **''बाधा निवारण आधारित मल्टीरोटर यूएवी की असेंबली'' पर पांच दिवसीय बूटकैंप 5.0 का आयोजन किया गया।**
- **''बाधा निवारण के लिए स्वायत्त मल्टीरोटर यूएवी का निर्माण'' पर एक और बूटकैंप** 19 जून 2024 से पांच दिनों के लिए एमटीआई–हब, आईटी पार्क, मंत्रिपुखरी में आयोजित किया गया था।
- एस. कुला महिला कॉलेज में 19 से 23 अगस्त 2024 तक **"मल्टीरोटर क्वाडकॉप्टर निर्माण और व्यावहारिक अनुप्रयोग" पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किया गया, जिसमें ड्रोन प्रौद्योगिकियों में महिला अभ्यर्थियों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **फ्यूचरस्किल्स प्राइम प्रोग्राम 2.0** के अंतर्गत , वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान **बिग डेटा और डेटा साइंस पर पांच दिवसीय सरकारी अधिकारी प्रशिक्षण (बेसिक और एडवांस) आयोजित किया गया, जिसमें 137 पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।**
- **नाइलिट इम्फाल की महिला योग टीम ने 11 नवंबर 2024** को आयोजित मणिपुर विश्वविद्यालय अंतर–कॉलेज योगासन (महिला समूह) टूर्नामेंट 2024–25 में **प्रथम स्थान प्राप्त किया।**
- **रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग और ड्रोन फ्लाइंग पर पांच दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण** दिसंबर, 2024 से जनवरी, 2025 के दौरान कई बैचों में आयोजित किया गया था, जिसमें **220 से अधिक अभ्यर्थियों** ने भाग लिया था।
- फ्यूचरस्किल्स प्राइम प्रोग्राम के अंतर्गत **बिग डेटा और डेटा साइंस** पर तीन बूटकैंप अक्टूबर, 2024 में आयोजित किए गए, जिससे **320 छात्र लाभान्वित हुए।**
- मणिपुर सरकार के विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रायोजित, 20–25 जनवरी 2025 तक मणिपुर कॉलेज, सिंगजामेई के सहयोग से ''एम्बेडेड सिस्टम – माइक्रोकंट्रोलर का परिचय'' पर एक **सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया गया था।**
- **ब्रॉडकास्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड नेटवर्क डेवलपमेंट (बीआईएनडी) योजना 2024–25 के अंतर्गत "साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा" पर एक दिवसीय सेमिनार** 13 मार्च 2025 को मणिपुर विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था।
- बीसीए और डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों (शैक्षणिक सत्र जुलाई 2024) के लिए **इंडक्शन प्रोग्राम** 22 जुलाई 2024 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत **वृक्षारोपण अभियान** भारत सरकार की हरित पहल के अनुरूप, मुख्य परिसर में 16 अगस्त, 2024 को के नाम अभियान का आयोजन किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- दिनांक 18 जुलाई 2024 को नाइलिट इम्फाल, अकम्पट में *"युवाओं का सशक्तिकरण और भावी पेशेवरों को तैयार करना"* विषय पर नाइलिट जॉब फेयर 2024 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में **29 नियोक्ताओं** और **1,142 जॉबसीकर्स** ने भाग लिया, जिससे युवाओं को रोज़गार के लिए एक सुदृढ़ मंच मिला।
- 22–27 जुलाई 2024 तक एक **शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किया गया, जिसका ध्यान पूर्वोत्तर में शिक्षकों के लिए **आईईसीटी, डिजिटल कौशल और उद्योग–मांग वाली प्रौद्योगिकियों में क्षमता** निर्माण पर केंद्रित था।
- 26 अक्टूबर 2024 को, **साइबर फोरेंसिक लैब इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना** के अंतर्गत मणिपुर उच्च न्यायालय, मंत्रिपुखरी में **न्यायिक अधिकारियों के लिए** *''डिजिटल फोरेंसिक जांच, साइबर कानून और आईटी अधिनियम का परिचय''* पर एक **प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किया गया, जिसमें नाइलिट इम्फाल के विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी थी।
- दो दिवसीय **टेकफेस्ट "साइब्रेला 2024"** आयोजित किया गया, जिसमें स्नातकोत्तर स्तर तक के छात्रों को कोड डिबगिंग, सर्किट डिबगिंग, ड्रोन प्रतियोगिता, पेंटिंग और मोबाइल ईस्पोर्ट्स जैसी प्रौद्योगिकी–संचालित प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिला।
- प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम, **साइब्रेला 2025, 27** फरवरी से 1 मार्च 2025 तक मनाया गया, जिसमें **प्रतिस्पर्धी कोडिंग, हैकथॉन, सर्किट डिजाइन, लघु फिल्में, मोबाइल ईस्पोर्ट्स, एजेंटिक एआई** पर पेशेवर वार्ता के साथ–साथ **पूर्व छात्र सम्मेलन** भी शामिल था, जिससे यह वर्ष के केंद्र के सबसे जीवंत कार्यक्रमों में से एक बन गया।
- दिनांक 19 मार्च 2025 को, **मणिपुर पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज (एमपीटीसी), पंगेई में एमईआईटीवाई द्वारा प्रायोजित** परियोजना *''आईटी और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाना''* के अंतर्गत एक साइबर सुरक्षा लैब का उद्घाटन किया गया।

एस. कुला महिला कॉलेज में 'मल्टीरोटर क्वाडकॉप्टर निर्माण और व्यावहारिक अनुप्रयोग' विषय पर 5 दिवसीय बूटकैंप कार्यक्रम

"युवाओं को सशक्त बनाना एवं भविष्य के पेशेवरों को तैयार करना" विषय पर नाइलिट जॉब फेयर– 2024

मणिपुर पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, पंगेई में साइबर सुरक्षा प्रयोगशाला का उद्घाटन।

टेक–फेस्ट "साइब्रेला" 2025 का उत्सव

केंद्र के संबंध में

नाइलिट केंद्र, ईटानगर की स्थापना दिनांक: 22 फ़रवरी, 2011 को अरुणाचल प्रदेश राज्य के विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु की गई थी। यह अरुणाचल प्रदेश की जुड़वां राजधानी में स्थित है। नाइलिट ईटानगर वर्तमान में नाहरलागुन में शिव मंदिर के पास ई–सेक्टर में किराए के परिसर में स्थित है। अपने 13 (तेरह) वर्षों के दौरान, नाइलिट ईटानगर ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थान के रूप में अपनी पहचान बनाई है और अपनी स्थापना के बाद से अब तक 12,000 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है। अरुणाचल प्रदेश की जनसंख्या मुख्यतः अनुसूचित जनजाति (एसटी) है, इसलिए नाइलिट ईटानगर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) जनसंख्या के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है।

केंद्र के निम्नलिखित दो विस्तार केंद्र हैं:

क) नाइलिट पासीघाट विस्तार केंद्र 10 दिसंबर, 2015 से परिचालन में है। नाइलिट पासीघाट विस्तार केंद्र का स्थायी परिसर गुमिन नगर पासीघाट – 791102, अरुणाचल प्रदेश में स्थापित किया गया था और इसका उद्घाटन 5 मई 2022 को किया गया था।

ख) नाइलिट तेजू विस्तार केंद्र, का उद्घाटन 3 फरवरी, 2018 को किया गया था, अभी भी डीआईसी कार्यालय परिसर, तेजू, लोहित – 792001, अरुणाचल प्रदेश में किराए के परिसर से संचालित हो रहा है।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की राजपत्र अधिसूचना संख्या CG-DL-W-03082024–256017 के माध्यम से नाइलिट को डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त हुआ है। नाइलिट ईटानगर, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी की घटक इकाइयों में से एक है और इसका मुख्य परिसर नाइलिट रोपड़ है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 3
	गैर वै. एवं तक: 2
संविदात्मक	: 34
परियोजना आधारित	: 3

कारोबार : **रु. 436.27** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री आर. के. बिर्गेसाना सिंह
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

शिव मंदिर रोड, ई–सेक्टर, नाहरलागुन,
अरुणाचल प्रदेश 791110

सम्पर्क विवरण

मोबाइल: 923495582
ईमेल: dir-itanagar@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://www.nielit.gov.in/itanagar/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

(i) पासीघाट विस्तार केंद्र
(ii) तेजू विस्तार केंद्र

विस्तार केंद्र का पता

(i) नाइलिट पासीघाट विस्तार केंद्र
पीडब्ल्यूडी राजमार्ग कार्यालय के पास
गुमिन नगर, पूर्वी सियांग, पासीघाट,
अरुणाचल प्रदेश–791102
(ii) नाइलिट तेजू विस्तार केंद्र
डीआईसी कार्यालय के पीछे
तेजू, लोहित, अरुणाचल प्रदेश–792001

सम्पर्क विवरण

पासीघाट विस्तार केंद्र: 917005151159
तेजू विस्तार केंद्र: 9366200732

राज्य क्षेत्राधिकार

अरुणाचल प्रदेश

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- एआई/एमएल/टेटा साइंस व आईओटी
- साइवर सुरक्षा
- साइबर फोरेंशिक एवं ड्रोन तकनीक

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- ओ लेवल (आईटी)
- कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव–तकनीशियन (सीएचएम–टी ओ-स्तर)

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एसोसिएट
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- कार्यालय स्वचालन, लेखा और प्रकाशन सहायक
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन (अपस्किलिंग)
- आईटीईएस बीपीओ कार्यकारी – वॉयस
- सौर पीवी तकनीशियन
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इसके अनुप्रयोगों में आधारभूत पाठ्यक्रम
- पायथन का उपयोग करके एआई/एमएल

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- अरुणाचल प्रदेश सरकार के तहत **46 आईटीआई प्रशिक्षकों** के लिए 27 मई से 14 जून 2024 तक **''पायथन प्रोग्रामिंग का उपयोग करके डेटा विज्ञान''** पर प्रशिक्षकों के लिए **5 दिवसीय प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम** आयोजित किया गया था।
- **''सूचना सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियां''** पर जागरूकता कार्यक्रम पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, बांदरदेवा (2 दिसंबर 2024) और एनईआरआईएसटी, निरजुली (21 मार्च 2025) में आयोजित किया गया, जिससे **63 वरिष्ठ पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों** को लाभ हुआ।
- 28 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक एनआईईएलआईटी पासीघाट में **''सोलर पीवी तकनीशियन'' पर दो दिवसीय मास्टर प्रशिक्षण** आयोजित किया गया।
- पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, बांदरदेवा में साइबर **फोरेंसिक प्रशिक्षण** कार्यक्रमों (जागरूकता, शुरुआती और उन्नत स्तर) की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें **111 साइबर अपराध जांच अधिकारियों** को साइबर खतरों और निवारक उपायों पर प्रशिक्षण दिया गया।
- "आईटी और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाना" परियोजना के तहत, पीटीसी बांदेरदेवा में दो स्तरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 186 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- **पीएम श्री योजना** के एक भाग के रूप में, **11 केन्द्रीय विद्यालयों** में **"पायथन का उपयोग करते हुए एआई/एमएल" पर 5 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम** आयोजित किया गया, जिसमें 561 छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया।
- **एनईआरआईएसटी, निरजुली** के सहयोग से, नाइलिट इटानगर ने कृषि में आईओटी, वानिकी और कृषि अनुसंधान के लिए जैव सूचना विज्ञान, तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान में पायथन और मैटलैब पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **नाइलिट डीएलसी और एनएसक्यूएफ–संरेखित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए पांच (05) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के साथ सहयोग।**

  नाइलिट ईटानगर केंद्र ने 5 (पाँच) आईटीआई के सहयोग से आईटीआई के छात्रों के लिए डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण आयोजित किया। पहले बैच का उद्घाटन 3 अक्टूबर 2024 को आईटीआई, युपिया में अरुणाचल प्रदेश सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता आयुक्त श्री सौगत बिसवास द्वारा किया गया।

- **इंडियाएआई मिशन के अंतर्गत "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों में फाउंडेशन कोर्स" पर प्रशिक्षण का शुभारंभ।**

  इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रलय द्वारा वित्त पोषित कार्यक्रम – "इंडियाएआई मिशन के भारत एआई फ्यूचरस्किल्स स्तंभ के तहत उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने के लिए इंडियाएआई प्रयोगशालाओं की स्थापना" के तहत, "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों में फाउंडेशन कोर्स" का पहला बैच 24 छात्रों के साथ आयोजित किया गया था।

- 31 अगस्त 2024 को एक जॉब फेयर का आयोजन किया गया जिसमें **232 अभ्यर्थियों** ने भाग लिया, जिसमें 16 नियोक्ता शामिल थे और **48 उम्मीदवारों** को **नियुक्त/शॉर्टलिस्ट** किया गया।
- पूर्वी सियांग जिले के तायेंग वेलफेयर सोसाइटी के विद्यार्थियों के लिए **कैरियर परामर्श और मार्गदर्शन कार्यक्रम** आयोजित किया गया, जिससे **218 प्रतिभागियों** को शैक्षणिक और कैरियर के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

नाइलिट डीएलसी और एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए पांच (05) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

साइबर अपराध जांच अधिकारियों के लिए साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईटीआई) के साथ सहयोग

''पाइथन का उपयोग करके एआई/एमएल '' पर 5–दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम

आईटी और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाने हेतु प्रशिक्षण

केंद्र के संबंध में

नाइलिट कोहिमा की स्थापना वर्ष 2004 में हुई थी। तब से, यह केंद्र राज्य के युवाओं को लाभान्वित करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण और कौशल विकास हेतु विविध शैक्षिक सेवाएँ प्रदान कर रहा है। यह केंद्र, विश्व के किसी भी अन्य अग्रणी संस्थान की तरह, नवीनतम अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधाओं से सुसज्जित है। शिक्षा प्रदान करने के अतिरिक्त, यह केंद्र स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, कॉर्पोरेट प्रशिक्षण, परामर्श सेवाएँ और सॉफ्टवेयर विकास का क्रियान्वयन भी करता है। राज्य में इसकी उपलब्धियों, सेवाओं और प्रभाव को मान्यता देते हुए, नाइलिट कोहिमा को नागालैंड सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता केंद्र और संस्थानिक भागीदार घोषित किया गया है।

सुविधाओं को और बढ़ाने तथा अत्यधिक रूप से अभिगम्यता हेतु नागालैंड में चुचुयिमलांग एवं दीमापुर में दो विस्तार केंद्र स्थापित किए गए हैं तथा उनका परिचालन शुरू कर दिया गया है।

कार्यबलः

नियमित	वै. एवं तकः 11
	गैर वै. एवं तकः 07
संविदात्मक	: 49
परियोजना आधारित	: 23
कारोबार	: **रु. 1880.10** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री एल. लानुवाबांग
निदेशक

पूर्ण पता

मेरीमा, न्यू हाई कोर्ट रोड, कोहिमा, नागालैंड–797001

सम्पर्क विवरण

मोबाइलः 09436215243
ईमेलः dir-kohima@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/kohima/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

दीमापुर विस्तार केंद्र,
चुचुयिमलांग विस्तार केंद्र

विस्तार केंद्र का पता

(i) दीमापुर विस्तार केंद्रः
हाफ नागार्जन दीमापुर नागालैंड 797112,
(ii) चुचुयिमलांग विस्तार केंद्रः मोकोकचुंग – अमगुरी रोड, नागालैंड 798614

सम्पर्क विवरण

दीमापुर एक्सटेंशन सेंटरः 8837414821
चुचुईमलांग विस्तार केन्द्रः 7005069009

राज्य क्षेत्राधिकार

नागालैंड

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- साइबर फोरेंसिक
- साइबर सुरक्षा
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स
- पूर्ण स्टैक वेब विकास
- पूर्ण स्टैक क्रॉस प्लेटफ़ॉर्म मोबाइल ऐप विकास

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- साइबर फोरेंसिक और सूचना सुरक्षा में एम.टेक
- कंप्यूटर अनुप्रयोग स्नातक (बीसीए)
- ओ स्तर /ए स्तर
- कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव तकनीशियन ओ स्तर

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- कंप्यूटर अनुप्रयोग और नेटवर्किंग (कैन)
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी की नींव
- पायथन का उपयोग करके डेटा क्यूरेशन के मूल सिद्धांत
- पायथन का उपयोग करके डेटा एनोटेशन के मूल सिद्धांत
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग की अनिवार्यताएँः व्यावहारिक प्रशिक्षण
- आईओटी सरलीकृतः स्मार्ट प्रौद्योगिकी के लिए एक शुरुआती मार्गदर्शिका
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि और कार्यालय सहायता
- हथकरघा एवं हस्तशिल्प पाठ्यक्रमों का डिजिटल हस्तक्षेप
- साइबर फोरेंसिक में सर्टिफिकेट कोर्स
- साइबर सुरक्षा में सर्टिफिकेट कोर्स
- कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखांकन और प्रकाशन
- मल्टीमीडिया डेवलपर
- एथिकल हैकिंग बूट कैंप
- क्रॉस–प्लेटफ़ॉर्म पूर्ण हिस्सेदारी मोबाइल ऐप विकास
- क्रॉस–प्लेटफ़ॉर्म पूर्ण स्टेक वेब डेवलपमेंट
- कोरल ड्रॉ में सर्टिफिकेट कोर्स

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- दिनांक 8 जुलाई, 2024 को नाइलिट कोहिमा ने डिजिटल फोरेंसिक कार्यक्रम पर एक वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को डिजिटल फोरेंसिक में आवश्यक कौशल प्रदान करना था। यह कार्यक्रम वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया, जिसमें मिस्र के 20 छात्रों एवं 10 पदाधिकारियों को डिजिटल फोरेंसिक में उन्नत कौशल प्रदान किया गया।
- नाइलिट कोहिमा विस्तार केंद्र, दीमापुर ने प्रधानमंत्री श्री केंद्रीय विद्यालय, प्रोजेक्ट सेवक, दीमापुर के कक्षा 8 के छात्रों हेतु उभरते भारत (पीएम श्री) हेतु पी एम स्कूल योजना के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया।
- दिनांक 14 नवंबर, 2024 को नागालैंड पुलिस प्रशिक्षण स्कूल (पीटीएस), चुमौकेदिमा में नाइलिट कोहिमा प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन के साथ क्षमता निर्माण एवं डिजिटल सुरक्षा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस केंद्र का उद्घाटन श्री रूपिंदर शर्मा, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, नागालैंड ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया।
- *"पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जाँच प्रयोगशालाओं का विकास एवं क्लाउड–आधारित केंद्रीकृत साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला अवसंरचना"* परियोजना के अंतर्गत, कुल 3,713 अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में डिजिटल जाँच क्षमताओं को बढ़ावा मिला।
- *"सूचना प्रौद्योगिकी एवं साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिस कर्मियों तथा सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाना"* परियोजना के अंतर्गत अब तक कुल 3,303 कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- नाइलिट कोहिमा एवं इसके विस्तार केंद्रों ने सितंबर, 2024 में एक **मेगा जॉब फेयर, 2024** का आयोजन किया, जो कुशल जॉब सिकर्स को स्थानीय, राष्ट्रीय और विदेशी प्लेसमेंट सहित शीर्ष उद्योगों के अग्रणी नियोक्ताओं से जोड़ने हेतु एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करेगा।
- आईएसईए चरण III के भाग के रूप में, पूर्वोत्तर क्षेत्र में सूचना सुरक्षा जागरूकता के क्षेत्र में क्षमता निर्माण हेतु कुल 45 कार्यशालाएँ, 7 वेबिनार व 1 मास्टर–स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।
- नाइलिट कोहिमा केंद्र ने आईटी, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल फोरेंसिक में पुलिस बल की क्षमताओं को बढ़ाने हेतु **नागालैंड पुलिस विभाग** के साथ समझौता–ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।
- दिनांक 22 अप्रैल, 2024 को नाइलिट कोहिमा ने पूर्वोत्तर स्टार्टअप स्किलिंग प्रोग्राम को लागू करने के लिए **भारतआइडिया एक्सेलेरेटर** के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- नाइलिट कोहिमा ने अत्यधिक कुशल एवं प्रमाणित साइबर सुरक्षा पेशेवरों के विकास की दिशा में संयुक्त रूप से कार्य करने हेतु सूचना **सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता (आईएसईए)** परियोजना के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नागालैंड पुलिस विभाग के साथ समझौता ज्ञापन

कोहिमा

ैपहदपपिबंदज भ्पहीसपहीजे

- **साइबर अपराध, डिजिटल फोरेंसिक एवं खुफिया सूचना पर राष्ट्रीय सम्मेलन**

नाइलिट केंद्र, *कोहिमा ने कैपिटल कन्वेंशन हॉल, कोहिमा में दिनांकः 25 से 26 जुलाई, 2024 तक साइबर सुरक्षित भारतः भारत के डिजिटल भविष्य को सुदृढ़ बनाना" विषय अंतर्गत साइबर अपराध, डिजिटल फोरेंसिक एवं खुफिया सूचना विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन* सफलतापूर्वक आयोजित किया।

इस सम्मेलन में आईटी एवं सी, अर्थशास्त्र सांख्यिकी एवं मूल्यांकन सलाहकार, श्री सेथरोंगक्यू संगतम, विशेष अतिथि के रूप में तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के सचिव, श्री एस. कृष्णन, आईएएस, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। सम्मेलन में भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने हेतु एकीकृत एवं सक्रिय दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, जिसमें क्षमता निर्माण एवं जागरूकता के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र को सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया गया।

- **पूर्वोत्तर स्टार्ट–अप उत्प्रेरक कार्यक्रम का शुभारंभ**

नाइलिट कोहिमा ने *"नॉर्थ ईस्ट स्टार्ट–अप कैटेलिस्ट प्रोग्राम"* की शुरुआत की है। यह एक अभूतपूर्व पहल है जिसे, इस क्षेत्र में उद्यमी प्रतिभाओं को विकसित करने तथा नवाचार को बढ़ावा देने हेतु डिज़ाइन किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 22 मई, 2024 को हुआ तथा इसने पूरे नागालैंड से महत्वाकांक्षी उद्यमियों, छात्र नवप्रवर्तकों और स्टार्ट–अप सलाहकारों को आकर्षित किया। कैटेलिस्ट कार्यक्रम का उद्देश्य मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन सहायता, तकनीकी प्रशिक्षण एवं वित्तपोषण मार्गदर्शन प्रदान करके विचारों को व्यावहारिक व्यवसायों में बदलना था। व्यवसाय नियोजन, पिच विकास एवं डिजिटल मार्केटिंग पर कार्यशालाओं के माध्यम से, इस पहल ने उद्यमशीलता के प्रति उत्साहवर्धन किया तथा कई जनसाधारण को अपने स्टार्टअप स्वप्न को साकार करने हेतु प्रेरित किया। यह पहल न केवल आत्मनिर्भरता एवं नवाचार की ओर परिवर्तन का प्रतीक है, अपितु, प्रौद्योगिकी–संचालित उद्यमिता के माध्यम से क्षेत्रीय विकास के प्रति नाइलिट की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करती है।

केंद्र के संबंध में

वर्ष 1976 में, क्षेत्रीय कंप्यूटर केंद्र (आरसीसी), कोलकाता के रूप में स्थापित, नाइलिट कोलकाता पूर्वी क्षेत्र के सबसे पुराने आईटी अधिष्ठानों में से एक है, जो आईटी शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है तथा पूर्वी भारत में आईटी/आईटीईएस में आईटी प्रशिक्षण एवं परामर्श सेवाएँ प्रदान करने में अग्रणी है। यह जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर के भीतर हरे–भरे वातावरण में स्थित है तथा नगर के प्रत्येक क्षेत्र से बस एवं ट्रेन सेवाओं से जुड़ा हुआ है। केंद्र में 11 व्याख्यान कक्ष, 8 प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें, एक स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मॉडल करियर सेंटर, सेंट्रलाइज्ड यूपीएस और 24×7 100 एमबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी से जुड़ा कॉन्फ्रेंस रूम शामिल है। केंद्र की नई B+G+3 मंजिला इमारत साल्ट लेक में निर्मित है, जिसमें लगभग 20,000 वर्ग फुट का परिचालन क्षेत्र है तथा यह आधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 14
	गैर वै. एवं तक: 06
संविदात्मक	: 13
परियोजना आधारित	: 01

कारोबार : **रु. 743.00** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री गौतम साहा

प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

यूनिट 1: जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर,
कोलकाता – 700032

यूनिट 2: ब्लॉक– बीएफ 267, सेक्टर–1, साल्ट लेक,
कोलकाता – 700064

सम्पर्क विवरण

यूनिट 1: फ़ोन : 033–24146054

यूनिट 2: फ़ोन नंबर: 033–46022246/0938

ईमेल: dir-kolkata@nielit.gov.in

वेबसाइट: https://nielit.gov.in/kolkata/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

विस्तार केंद्र का पता

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

पश्चिम बंगाल

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- साइबर सुरक्षा
- ब्लॉकचेन
- बिग डेटा और डेटा साइंस
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
- एआर–वीआर
- नेटवर्किंग
- मल्टीमीडिया
- डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली
- वेबसाइट और सॉफ्टवेयर विकास
- भर्ती परीक्षाओं का आयोजन (ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड)

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

औपचारिक पाठ्यक्रम

- साइबर सुरक्षा में एम.एससी.
- साइबर सुरक्षा में पीजी डिप्लोमा

अनौपचारिक पाठ्यक्रम

- आईटी–ओ स्तर/आईटी–ए स्तर/आईटी–बी स्तर
- सीएचएम–ओ स्तर
- मैट–ओ स्तर

डिप्लोमा पाठ्यक्रम:

- इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया डेवलपर में डिप्लोमा
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं एन/डब्ल्यू प्रशासन में डिप्लोमा

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- पायथन और आर का उपयोग करके डेटा विज्ञान
- पायथन के साथ लिनक्स का परिचय
- औरेकल एवं पीएल/एसक्यूएल, डीबीए
- वेब डिज़ाइनिंग और उपकरण
- लैंप (लिनक्स , अपाचे, मायएसक्यूएल, पीएचपी)
- टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन
- कार्यालय स्वचालन उपकरण
- जावा
- सी प्रोग्रामिंग
- लैपटॉप, डेस्कटॉप और प्रिंटर मरम्मत
- पीसी असेंबली और रखरखाव
- मैटलैब का उपयोग करके डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग
- मैटलैब का उपयोग करके मशीन लर्निंग, सांख्यिकी, अनुकूलन तकनीक और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के तत्व
- मैटलैब
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- ऑटोकैड
- सी++ प्रोग्रामिंग
- इमेज संपादन और 2D एनीमेशन
- नेटवर्क प्रशासन
- लिनक्स का उपयोग करके सिस्टम प्रशासन
- बिजली और सुरक्षा प्रथाएँ
- 3D डिज़ाइन का परिचय
- एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर
- विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली की स्थापना एवं रखरखाव
- सौर प्रौद्योगिकियां
- बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी)
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- **फ्यूचरस्किल्स प्राइम (चरण 02) के तहत लीड/को–लीड रिसोर्स सेंटर** के रूप में, केंद्र ने **3,152 अभ्यर्थियों** (जीओटी के माध्यम से 1,554 और बूटकैंप के माध्यम से 1,598) को प्रशिक्षित किया, जिनमें सरकारी अधिकारी, उद्योग पेशेवर एवं छात्र सम्मिलित थे।
- **पीएम श्री केवी स्कूल पहल** के अंतर्गत 20 से अधिक केन्द्रीय विद्यालयों में **कक्षा आठ के 4,000 छात्रों को** पायथन का उपयोग करके एआई एवं एमएल में प्रशिक्षित किया गया।
- श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित **एससी एवं एसटी जॉब सीकर परियोजना** के अंतर्गत पांच एनएसक्यूएफ–संरेखित दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में **165 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।**
- **डीजीआर प्रायोजित कार्यक्रम** के अंतर्गत एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रमों में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के **144 जेसीओ/ओआर को** प्रशिक्षित किया गया।
- 10+2 छात्रों के लिए साइबर सुरक्षा और एथिकल हैकिंग, एआई और एमएल, आईओटी, वेब डिजाइनिंग और मल्टीमीडिया टूल्स पर **ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण और इंटर्नशिप कार्यक्रम** शुरू किए गए।
- **14 अभ्यर्थियों** (एससी/एसटी/महिला/ईडब्ल्यूएस) को **कार्य– आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) इंटर्नशिप** प्रदान की गई।
- **आईएसईए परियोजना** के अंतर्गत **"सुरक्षित इंटरनेट दिवस" पर 8 कार्यशालाओं** का आयोजन किया गया , जिसमें सरकारी अधिकारियों एवं जनसाधारण सहित **800 से अधिक प्रतिभागियों को लाभ हुआ।**
- एसटीक्यूसी, आईआईसीबी, एनआईईएलआईटी भर्ती परीक्षा, आरएमएस स्कूलों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा, और डीएलसी, डीजीसीए ओएलओडीई एवं एनएसक्यूएफ के लिए मासिक परीक्षाओं सहित **7,714 अभ्यर्थियों** हेतु भर्ती एवं अन्य परीक्षाएं आयोजित की गई।
- **सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता** के कई विभागों के छात्रों को प्रशिक्षण देने हेतु दिनांक 25.02.2025 को सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता के साथ **समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर** किए गए।

महत्वपूर्ण बिंदु

चरण–I कृषि जनगणना 2021–22 के 100 करोड़ अभिलेखों को सफलतापूर्वक संसाधित किया गया, गांव, ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार की गईं, जिन्हें कृषि मंत्रालय, भारत सरकार को सौंप दिया गया।

माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद का नाइलिट कोलकाता का दौरा।

पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) प्रायोजित प्रशिक्षण

पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण लिमिटेड, पश्चिम बंगाल सरकार को कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

भारतीय सेना को एईसी, पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में प्रशिक्षण

फ्यूचर स्किल्स प्राइम परियोजना के अंतर्गत सरकारी अधिकारियों का प्रशिक्षण

केंद्र के संबंध में

वर्ष 2016 में, नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र की स्थापना की गई थी।

वर्ष 2024 तक यह नाइलिट केंद्र, रोपड़ के मार्गदर्शन में कार्य कर रहा था। दिनांक: 1 अप्रैल, 2024 से यह एक स्वतंत्र नाइलिट केंद्र बन गया। वर्तमान में, यह केंद्र हरियाणा सरकार द्वारा उमरी स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में उपलब्ध कराए गए निर्मित स्थान से संचालित हो रहा है। नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र, वर्तमान में ऑफ़लाइन/ ऑनलाइन/मिश्रित मोड में विभिन्न दीर्घ एवं अल्पकालिक पाठ्यक्रम, जैसे 'ओ' एवं 'ए', डिजिटल साक्षरता प्रमाणन पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। केंद्र जनसाधारण चाहे वे वरिष्ठ नागरिक, गृहिणियां, छात्र अथवा सरकारी कर्मचारी हों, को लाभ प्रदान करने हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के अतिरिक्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सुरक्षा और ब्लॉकचेन आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण/इंटर्नशिप कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 03
	गैर वै. एवं तक: 01
संविदात्मक	: 04
परियोजना आधारित	: 03

कारोबार : **रु. 282.13** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री शमीम खान

प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट कुरुक्षेत्र, उमरी पॉलिटेक्निक कैंपस, उमरी,
कुरुक्षेत्र–136131

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 01744–278035

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

विस्तार केंद्र का पता

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

हरियाणा

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- डिजिटल विपणन
- प्रोग्रामिंग भाषा
- वेब अनुप्रयोग विकास

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- आईटी 'ओ' स्तर, सीएचएमटी 'ओ', स्तर और 'ए' स्तर – आईटी

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- डेटा एंट्री और कार्यालय सहायक
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- पायथन में प्रमाणन पाठ्यक्रम
- वेब डिज़ाइनिंग में प्रमाणन पाठ्यक्रम
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- साइबर सुरक्षा
- पायथन का उपयोग करके एआई/एमअल
- डेटा विज्ञान
- डिजिटल विपणन
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नवोदय विद्यालयों के छात्रों के लिए पीएमएसएचआरआई योजना के अंतर्गत इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किए। विद्यालय और 25 केन्द्रीय हरियाणा क्षेत्र के सभी विद्यालयों में इंटर्नशिप प्रशिक्षण मुख्य रूप से पायथन का उपयोग करते हुए एआई/एमअल पर केंद्रित था।
- राज्य सरकार के विभाग (हरियाणा परिवार) के लिए 650 अभ्यर्थियों की भर्ती परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। (हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण)
- हिसार और अंबाला जिलों में राष्ट्रीय सैन्य स्कूल सीईटी–2024 परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- एसपीएमसीआईएल की कई इकाइयों के लिए 3,118 अभ्यर्थियों की टाइपिंग और स्टेनोग्राफी कौशल परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई।
- भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित "आईईसीटी में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (महिला) युवाओं के लिए रोजगार क्षमता संवर्धन एवं आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम [ईईएलटीपी]" नामक परियोजना हरियाणा राज्य के हिसार और सिरसा जिलों में कार्यान्वित की जा रही है। लगभग 298 अभ्यर्थियों के लक्ष्य में से 221 को प्रमाणित किया जा चुका है और शेष अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित "इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के स्नातक इंजीनियरों को सशक्त और सशक्त बनाने हेतु डब्ल्यूबीएल कार्यक्रम" नामक परियोजना, नाइलिट कुरुक्षेत्र परिसर में क्रियान्वित की जा रही है। परियोजना के समूह–6 में, 24 अभ्यर्थियों को इंटर्नशिप प्रदान करने का लक्ष्य आवंटित किया गया था, और 22 अभ्यर्थी इंटर्नशिप कर रहे हैं।
- भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित "आईईसीटी के क्षेत्रों में आकांक्षी जिलों के युवाओं का कौशल विकास जिससे रोज़गार क्षमता में वृद्धि हो" शीर्षक वाली परियोजना हाल ही में हरियाणा राज्य के मेवात (नूंह) जिले में क्रियान्वित की जा रही है। नाइलिट कुरुक्षेत्र को 360 युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य दिया गया था, जिसे लगभग 94% प्रमाणन दर के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया। 100% अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- केंद्र ने 22 अगस्त, 2024 को एक "मेगा जॉब फेयर" का आयोजन किया, जिसमें 1,000 से ज़्यादा छात्रों और 20 कंपनियों ने भाग लिया। इस आयोजन ने छात्रों के लिए रोज़गार के अवसर और उद्योग जगत से बातचीत को सुगम बनाया। कंपनियों ने 200 से ज़्यादा अभ्यर्थियों का चयन किया।
- 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत, केंद्र ने 'स्वभाव स्वच्छता– संस्कार स्वच्छता' विषय के तहत स्वच्छता अभियान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।
- केंद्र ने 30 अगस्त, 2024 को '#स्पोर्ट्स4यूनिटी' थीम के साथ "राष्ट्रीय खेल दिवस 2024" मनाया, इस कार्यक्रम में छात्रों और कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिससे शारीरिक फिटनेस और एकता को बढ़ावा मिला।
- केंद्र ने 'टेक थर्सडे' के अंतर्गत उभरती प्रौद्योगिकियों के विभिन्न विषयों पर साप्ताहिक प्रस्तुतियों और चर्चाओं की एक श्रृंखला आयोजित की, जिससे छात्रों, प्रशिक्षुओं और संकाय के तकनीकी ज्ञान में वृद्धि हुई।

नाइलिट कुरुक्षेत्र में रोजगार मेला 2024

नाइलिट कुरुक्षेत्र में रोजगार मेला 2024

'सुरक्षित इंटरनेट' दिवस पर कार्यशाला

महत्वपूर्ण बिंदु

- सरकार के माइटी द्वारा वित्त पोषित इंडियाएआई मिशन के अंतर्गत एक अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब की स्थापना की है ।
- माननीय संसदीय राजभाषा समिति ने 28 फरवरी, 2025 को नाइलिट कुरुक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग का निरीक्षण किया। निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और समिति ने कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग के संबंध में नाइलिट को संतोषजनक कार्य निष्पादन का प्रमाणपत्र प्रदान किया। माननीय समिति ने एक दस्तावेजी निरीक्षण और उसके बाद समिति के समक्ष मौखिक प्रस्तुति के बाद नाइलिट कुरुक्षेत्र को एक प्रमाणपत्र भी जारी किया ।

केंद्र के संबंध में

वर्ष नवंबर, 2013 में, नाइलिट केंद्र, लेह की स्थापना एलएएचडीसी लेह के सहयोग से एमईआईटीवाई द्वारा की गई थी। नाइलिट केंद्र, लेह द्वारा की जाने वाली बहुमुखी गतिविधियों में औपचारिक पाठ्यक्रम (लद्दाख विश्वविद्यालय के साथ संबद्धता में लेह में बीसीए) एवं आईईसीटी में अनौपचारिक पाठ्यक्रम कौशल विकास पाठ्यक्रम (दीर्घकालिक व अल्पकालिक) प्रदान करना शामिल है।

इसका लद्दाख विश्वविद्यालय, लद्दाख के आईटी विभाग एवं उद्योग व वाणिज्य विभाग के साथ संबंध है। यह अपने दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रतिवर्ष 100 से अधिक तथा अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 650 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करता है। इसका मुख्य परिसर लेह परिषद सचिवालय में स्थित है जिसका निर्मित क्षेत्रफल 20,000 वर्ग फुट है। इसका विस्तार केंद्र चुतुख, कार्गिल स्थित डाइट भवन में है जिसका, निर्मित क्षेत्रफल 15,000 वर्ग फुट है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 2
	गैर वै. एवं तक: 0
संविदात्मक	: 19
परियोजना आधारित	: 5

कारोबार : **रु. 475.87** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

फुंटसोग टोल्डन
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट लेह, परिषद सचिवालय परिसर, लेह,
लदाख– 194101

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 01982255054
ई–मेल: dir-leh@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://www.nielit.gov.in/leh/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट उप–केंद्र कारगिल

विस्तार केंद्र का पता

नाइलिट कारगिल
चुकुक कारगिल, कारगिल–194103

सम्पर्क विवरण

फोन नंबर 01985–295582

राज्य क्षेत्राधिकार

लद्दाख

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- आईटी–एचआरडी
- परामर्श सेवाएँ
- प्रत्यायन
- स्थानीय युवाओं का कौशल विकास।
- सौर प्रौद्योगिकी
- औपचारिक/अनौपचारिक पाठ्यक्रम संचालित करना।

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- ओ –स्तर / सीएचएम ओ स्तर
- बीसीए

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- कंप्यूटर एप्लीकेशन, अकाउंटिंग और पब्लिशिंग में एडवांस डिप्लोमा
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा एवं प्रकाशन सहायक।
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एसोसिएट
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- डेटा एंट्री और ऑफिस असिस्टेंट (अपस्किलिंग) में सर्टिफिकेट कोर्स
- प्रमाणित वेब डेवलपर
- सौर एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिज़ाइन और विनिर्माण)
- डेटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेट कोर्स
- कंप्यूटर अनुप्रयोगों में आधारभूत पाठ्यक्रम
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम।

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- लद्दाख क्षेत्र में विभिन्न लघु एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षणों में 4453 से अधिक अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।
- लेह एवं कारगिल में 45 अभ्यर्थियों के लिए सौर प्रौद्योगिकी में कार्य–आधारित शिक्षण इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें अभ्यर्थियों द्वारा 2 अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स प्रकाशित किए गए।
- नाइलिट लेह में लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के सहयोग से 30 बेरोजगार लेखा स्नातकों के लिए लेखा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
- कारगिल जिले के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का 7 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया , जिसमें 1180 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।
- कारगिल जिले के पुलिस कर्मियों के लिए आधारभूत कंप्यूटर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 20 पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया।
- नाइलिट लेह में लद्दाख के युवाओं के लिए एनआईटी श्रीनगर के सहयोग से 3–डी प्रिंटिंग, उद्यमिता एवं एआई पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 350 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।
- नवोदय विद्यालय लेह के छात्रों के लिए 3 दिवसीय आईओटी प्रशिक्षण आयोजित किया गया , जिसमें 160 छात्रों ने भाग लिया।
- नाइलिट लेह में लद्दाख के युवाओं के लिए उद्यमिता कौशल पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 350 युवाओं ने भाग लिया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- गूगल मैप–आधारित टैक्सी ऐप (खोरलो) का विकासः नाइलिट लेह ने एक गूगल–आधारित टैक्सी ऐप (इलेक्ट्रिक कारों को प्रोत्साहित करने हेतु) विकसित किया है, जो एलएएचडीसी लेह की एक पहल है। नाइलिट लेह ने एलएएचडीसी लेह के अधिकारियों के साथ मिलकर एप्लिकेशन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।
- एलएएचडीसी लेह के लिए बोधि शब्दकोश (स्थानीय भाषा) विकसित किया गयाः नाइलिट लेह ने लद्दाखी भाषा शब्दकोश और शिक्षण एप्लीकेशन विकसित किया है। यह एप्लीकेशन एलएएचडीसी लेह की एक पहल है। इस एप्लीकेशन का परीक्षण हो चुका है तथा यह लॉन्च के लिए तैयार है।

- नाइलिट लेह में एमएसएमई के सहयोग से 5 दिवसीय ईएपी (उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम) का आयोजन किया गया, जिसमें 130 बेरोजगार युवाओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया।
- नाइलिट लेह में लेह स्कूलों के छात्रों के लिए एक माह का 3डी प्रिंटिंग पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 25 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।
- **''लद्दाख क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति युवाओं के लिए सौर एलईडी आधारित उत्पादों की डिजाइन और असेंबली प्रयोगशाला की स्थापना'' परियोजना के अंतर्गत लेह एवं कारगिल में 280 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।**
- केंद्र सौर उत्पादों जैसे सौर–आधारित हाइड्रोपोनिक प्रणाली, एलएलएम का उपयोग करते हुए क्षेत्रीय भाषा बोलने वाला एआई रॉबर्ट, एआई–आधारित स्मार्ट कृषि रॉबर्ट, ओटीटीओ (इमेज डिटेक्शन के लिए ऑटो मिनी रॉबर्ट) के लिए आर7डी परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है।

लेह के प्रभारी निदेशक द्वारा उपायुक्त को इलेक्ट्रिक वाहन का प्रदर्शन

स्वच्छता शपथ की पूर्व संध्या पर नाइलिट लेह के कार्मिक

केंद्र के संबंध में

वर्ष 2008 में, नाइलिट केंद्र, पटना की स्थापना हुई थी तथा यह बिहटा (आईआईटी पटना के समीप) स्थित अपने स्थायी परिसर से परिचालित है। इसका उद्देश्य पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न नाइलिट केंद्रों की गतिविधियों का समन्वय करना तथा क्षेत्र में नाइलिट गतिविधियों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाना है। इस प्रकार, विभिन्न स्तरों पर सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में ज्ञान व कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु नाइलिट की पहुँच का विस्तार करना है, जिससे उद्योग की अवश्यकताएं पूरी होंगी तथा इस प्रकार क्षेत्र विशेषतः बिहार राज्य का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। यह केंद्र बिहार राज्य सरकार के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी संलग्न है।

कार्यबलः

नियमित	वै. एवं तकः 10
	गैर वै. एवं तकः 07
संविदात्मक	: 9
परियोजना आधारित	: शून्य

कारोबार : **रु. 802.70** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

प्रो. (डॉ.) नितिन कुमारपुरी
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट पटना केंद्र, आईआईटी पटना के पास, अमहारा, बिहटा, पटना (बिहार) –801106

सम्पर्क विवरण

मोबाइलः 9431011532
ईमेलः dir-patna@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/patna/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

बक्सर एवं मुजफ्फरपुर

विस्तार केंद्र का पता

(1) नाइलिट बक्सर : नाइलिट विस्तार केंद्र, बक्सर, आईटीआई परिसर, डीआरसीसी कार्यालय के समीप, बक्सर –802101, बिहार

(2) नाइलिट मुजफ्फरपुरः नाइलिट विस्तार केंद्र मुजफ्फरपुर, लक्ष्मी चौक, पुलिस लाइन रोड, एमआईटी मेन गेट के समीप, मुजफ्फरपुर, बिहार पिन–842003

सम्पर्क विवरण

क) श्री जीतेन्द्र कुमार सिंह (केंद्र प्रभारी एवं संयुक्त निदेशक) (मो.) 8986020610

ख) श्री विशाल मौर्य (केंद्र प्रभारी एवं संयुक्त निदेशक) (मो.) – 7706009305

राज्य क्षेत्राधिकार

बिहार

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी) एवं साइबर सुरक्षा

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- स्तर आईटी
- ए लेवल आईटी
- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग इंजीनियर

ख) औपचारिक पाठ्यक्रमः

- बी.टेक (सीएसई) और एमसीए

ग) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- बिग डेटा एनालिटिक्स में औद्योगिक प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप
- फुल स्टैक वेब डेवलपमेंट में औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स में औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप
- रास्पबेरी पाई का उपयोग करके आई ओ टी में औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप
- एलटी स्पाइस एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स सिमुलेशन में औद्योगिक प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप
- पायथन प्रोग्रामिंग का उपयोग करके मशीन लर्निंग में औद्योगिक प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप
- एम्बेडेड सिस्टम पर औद्योगिक प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप
- पीएचपी एवं मायएसक्यूएल का उपयोग करके वेब विकास पर औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप।
- पीसीबी और सर्किट डिजाइनिंग पर औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप
- पायथन प्रोग्रामिंग का उपयोग करके डेटा साइंस में इंटर्नशिप
- जावा प्रोग्रामिंग में इंटर्नशिप
- वीएलएसआई डिज़ाइन में औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप
- डेटा एनालिटिक्स में औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप
- जनरेटिव एआई में औद्योगिक प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप
- कंप्यूटर फंडामेंटल्स पर सर्टिफिकेट कोर्स
- सौर एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिज़ाइन और विनिर्माण)
- सौर पैनल स्थापना तकनीशियन

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट केंद्र, पटना ने उभरते क्षेत्रों में पुलिस प्रशिक्षण को बढ़ावा देने हेतु दिनांक 18.03.2025 को बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में नाइलिट पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन कुमार पुरी, बीपीए के निदेशक आर. मलार विझी, आईपीएस, डीआईजी श्री अरविंद कुमार गुप्ता एवं बिहार पुलिस के आईपीएस श्री सुशील कुमार उपस्थित थे।

- नाइलिट केंद्र, पटना ने फ्यूचरस्किल्स प्राइम 2.0, जीओटी–एडवांस्ड परियोजना के अंतर्गत, ग्रुप सेंटर सीआरपीएफ, झापहा, मुजफ्फरपुर के अधिकारियों हेतु "साइबर सुरक्षा व नेटवर्क विश्लेषण" पर 10–दिवसीय गहन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने नाइलिट ईसी मुजफ्फरपुर में व्यावहारिक सत्रों एवं व्यावहारिक चर्चाओं के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता में वृद्धि की। अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा संबंधी प्रणालियों को सीखने के प्रति उनका उत्साह एवं प्रतिबद्धता सराहनीय थी।

- नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) द्वारा आयोजित भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 03.03.2025 को नाइलिट पटना ने उत्तराखंड से आए एन वाई के एस के छात्रों का स्वागत किया। इस भ्रमण कार्यक्रम द्वारा उन्हें राष्ट्र के विकास में योगदान देने हेतु युवाओं को कुशल बनाने हेतु नाइलिट केंद्र, पटना द्वारा की गई तकनीकी पहलों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। हम उनके उत्साह की सराहना करते हैं तथा उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ देते हैं।

- नाइलिट केंद्र, पटना ने बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी कर ली है। इस पहल के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय में एक बैठक आयोजित की गई है, जहाँ महानिदेशक श्री ए.के. अंबेडकर एवं नाइलिट पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन कुमार पुरी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं कार्यान्वयन योजना पर चर्चा की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बीएसएपी कर्मियों की डिजिटल एवं तकनीकी क्षमताओं में वृद्धि करना है, जिससे नाइलिट के क्षमता निर्माण एवं तकनीकी सशक्तिकरण संबंधी गतिमान मिशन को बल मिलेगा।

केंद्र के संबंध में

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन के पश्चात से, नाइलिट केंद्र, रांची ने दिनांकः 21 अगस्त, 2014 को कार्य करना शुरू कर दिया। कार्यालय हेतु स्थान झारखंड सरकार द्वारा द्वितीय तल, रियाडा भवन, मेन रोड, रांची में उपलब्ध कराया गया है। नाइलिट केंद्र, रांची इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में कौशल उन्नयन तथा क्षमता निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न एनएसक्यूएफ–संरेखित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इसकी स्थापना के पश्चात, रांची केंद्र डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में पाठ्यक्रम प्रदान करने तथा विभिन्न अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक एनएसक्यूएफ–संरेखित पाठ्यक्रमों का संचालन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह केंद्र सरकारी पदाधिकारियों हेतु आईटी में आवश्यकता–आधारित अनुकूलित प्रशिक्षण प्रदान करता है तथा युवाओं के क्षमता–निर्माण एवं कौशल विकास, कार्य–आधारित शिक्षा (डब्ल्यूबीएल), व डिजिटल इंडिया तथा स्किल इंडिया जैसे राष्ट्रीय मिशनों से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के इंटर्नशिप प्रशिक्षण के अंतर्गत विभिन्न सरकारी प्रायोजित परियोजनाओं का भी कार्यान्वयन कर रहा है।

कार्यबलः

नियमित वै. एवं तकः 03
गैर वै. एवं तकः 02

संविदात्मक : 03

परियोजना आधारित : शून्य

कारोबार : **रु. 124.85** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

प्रोफ़ेसर (डॉ) नितिन कुमार पुरी
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट रांची द्वितीय तल, रियाडा भवन, मेन रोड, रांची, झारखंड पिन – 834001

सम्पर्क विवरण

फ़ोनः 0651–2332554
मोबाइलः 7667160032
ईमेलः dir-ranchi@nileit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/ranchi/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

शून्य

सम्पर्क विवरण

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

झारखंड

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- वेब विकास
- सूचना/साइबर सुरक्षा
- कृत्रिम होशियारी
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- ब्लॉकचेन

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' लेवल
- नाइलिट 'ए' स्तर
- कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव– तकनीशियन (सीएचएमटी ओ–लेवल)

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- अल्पकालिक पाठ्यक्रमःकंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- प्रमाणित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एसोसिएट "अपस्किलिंग"
- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन विशेषज्ञ
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों में आधारभूत पाठ्यक्रम
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग का आधारभूत पाठ्यक्रम
- पर्सनल कंप्यूटर की असेंबली और रखरखाव
- सूचना सुरक्षा में आधारभूत पाठ्यक्रम
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एसोसिएट
- उत्पाद असेंबली सहायक (सौर–एलईडी)

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित आकांक्षी जिला कौशल आधारित प्रशिक्षण परियोजना का कार्यान्वयन [3543 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया]।
- झारखंड के पांच जिलों में गतिमान एमईआईटीवाई प्रायोजित ईईएलटीपी परियोजना का कार्यान्वयन।
- श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के डीजीई द्वारा प्रायोजित एससी/एसटी के लिए आईटी ओ–लेवल और सीएचएमटी ओ–लेवल पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन [75 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया]।
- केंद्र में कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) इंटर्नशिप प्रशिक्षण का कार्यान्वयन [39 अभ्यर्थी इंटर्न के रूप में नियुक्त]।
- इंडियाएआई लैब्स परियोजना के तहत प्रमाणित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एसोसिएट "अपस्किलिंग"और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों में फाउंडेशन कोर्स के लिए प्रशिक्षण आयोजित करना [43 अभ्यर्थी]।
- पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालयों के लगभग 1100 छात्रों ने विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित इंटर्नशिप पूरी की । इस पहल ने उभरती प्रौद्योगिकियों और उनके वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।
- झारखंड भर के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालयों के लगभग 1153 छात्रें ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर केंद्रित इंटर्नशिप पूरी की। इस पहल ने उभरती हुई तकनीकों और उनके वास्तविक अनुप्रयोगों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- कार्य–आधारित शिक्षा (डब्ल्यूबीएल) और आईटी ओ–लेवल और सीएचएमटी ओ–लेवल जैसे दीर्घकालिक प्रमाणन पाठ्यक्रमों के माध्यम से उद्योग–तैयार पेशेवरों को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- झारखंड के विभिन्न कॉलेजों के इंजीनियरिंग और डिप्लोमा छात्रों के लिए इंटर्नशिप प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- एमईआईटीवाई प्रायोजित परियोजनाओं, डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों और उभरती प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से हजारों अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।
- झारखंड सरकार के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने तथा डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसे राष्ट्रीय मिशनों के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से शामिल है।

- केंद्र ने एसकेआईपीए रांची [60 अभ्यर्थी] में विभिन्न विभागों के झारखंड सरकार के कर्मचारियों के लिए डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया।
- केंद्र ने विभिन्न डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रमों के छात्रों [30 अभ्यर्थी] के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर इंटर्नशिप प्रशिक्षण आयोजित किया।
- केंद्र ने डोरंडा कॉलेज रांची, वाईबीएन विश्वविद्यालय रांची और डीईजीएस पाकुड़ में नाइलिट के एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों को चलाने के लिए तीन अध्ययन केंद्र स्थापित किए हैं।
- नाइलिट जॉब फेयर 2024– " युवा रोजगार मंच'' : नाइलिट रांची ने 25 सितंबर 2024 को नाइलिट जॉब फेयर 2024 का आयोजन किया, जिसमें **12 कंपनियों** ने भाग लिया । कुल **147 अभ्यर्थियों** ने आवेदन किया। इसमें 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 90 को शॉर्टलिस्ट किया गया। यह मेला कुशल युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

झारखंड सरकार के 40 कार्मिकों हेतु साइबर स्वच्छता व सुरक्षा पर कार्यशाला

नाइलिट रांची में 'एआई/एमएल का उपयोग करके पायथन' विषय पर केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों का एक सप्ताह का इंटर्नशिप प्रशिक्षण।

जमशेदपुर के माननीय सांसद श्री विद्युत बरन महतो ने नाइलिट रांची स्टॉल का अवलोकन किया, दिनांक 20 फरवरी, 2025 को 'रेडिएंट झारखंड' प्रदर्शनी का आधिकारिक उद्घाटन

केंद्र के संबंध में

वर्ष 1978 में, नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ की स्थापना क्षेत्रीय कंप्यूटर केंद्र (आरसीसी) के रूप में की गई थी ताकि, कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु इलेक्ट्रॉनिक डेटा प्रोसेसिंग के विकास को प्रोत्साहित एवं बढ़ावा दिया जा सके। वर्ष 2002 में, इस केंद्र का डीओईएसीसी सोसाइटी में विलय कर दिया गया तथा फिर वर्ष 2011 में, इसका नाम परिवर्तित कर नाइलिट कर दिया गया। वर्ष अगस्त, 2012 में, पंजाब सरकार ने "पंजाब के रोपड़ में नाइलिट चंडीगढ़ के स्थायी परिसर के निर्माण" के लिए रोपड़ (आईआईटी परिसर से सटे) में लगभग 12 एकड़ भूमि आवंटित की थी। नाइलिट ने अक्टूबर, 2017 से रोपड़ परिसर से अपनी प्रशिक्षण गतिविधियाँ शुरू कर दी थीं तथा चंडीगढ़ विस्तार केंद्र से कौशल एवं प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है।

नाइलिट केंद्र, रोपड़ ने चंडीगढ़ विस्तार केंद्र के साथ मिलकर क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईडीसी, एसजीपीसी श्री अमृतसर, रयात बाहरा विश्वविद्यालय, मोहाली, गोबिंदगढ़ पब्लिक कॉलेज, अलौर, खन्ना, लुधियाना, पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, चंडीगढ़, जीएनए विश्वविद्यालय, फगवाड़ा और विशेष रूप से आईआईटी रोपड़ के साथ समझौता ज्ञापनों के माध्यम से बेहतर संबंध विकसित किए हैं।

केंद्र समय–समय पर निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित कार्यक्रम प्रदान करता है। केंद्र ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर), राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीयूएल) परियोजना, और श्रम ब्यूरो के लिए सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) सृजन, चंडीगढ़ शिक्षा परामर्श परियोजना जैसी कई राष्ट्रव्यापी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक शुरू और क्रियान्वित किया है, इसके अतिरिक्त, वर्तमान में गतिमान परियोजनाओं को भी सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है।

नाइलिट 2024 में एक डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी बन गया, जिसका मुख्य परिसर 2024 नाइलिट रोपड़ एवं पूरे भारत में 11 घटक परिसर होंगे। डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने रोपड़ परिसर में 2024–25 सत्र में एआईएमअल के साथ सीएसई में बी.टेक तथा डेटा इंजीनियरिंग में एम.टेक की घोषणा की है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 हेतु 5 एमटेक (कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा इंजीनियरिंग, साइबर फोरेंसिक व सूचना प्रणाली), सीएसई में 1 डिप्लोमा एवं एआईएमअल में 1 बी.टेक. की घोषणा की गई है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 49
	गैर वै. एवं तक: 17
संविदात्मक	: 29
परियोजना आधारित	: 117
कारोबार	: **रु. 6,881.18** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री दीपक वासन
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट रोपड़: बड़ा फुल, रोपड़–140001

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 01881–257001
ईमेल: dir-chandigarh@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://nielit.ac.in/ropar.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट विस्तार केंद्र चंडीगढ़

विस्तार केंद्र का पता

नाइलिट एक्सटेंशन सेंटर चंडीगढ़,
प्लॉट नं. एम–925, आईईटीई बिल्डिंग,
सेक्टर 30बी, चंडीगढ़–160030

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 0172–2650121

राज्य क्षेत्राधिकार

पंजाब, चंडीगढ़

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
- बिग डेटा एनालिटिक्स
- साइबर सुरक्षा
- आईओटी और ब्लॉकचेन
- राष्ट्रीय महत्व की बड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन
- बड़े पैमाने पर डेटा प्रसंस्करण/परामर्श परियोजनाएं आदि।

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- बीटेक (सीएस),
- एमटेक (डेटा साइंस इंजीनियरिंग)
- डेटा इंजीनियरिंग में एमटेक .
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एम.टेक.
- साइबर फोरेंसिक और सूचना सुरक्षा में एम.टेक.
- ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स में एम.टेक.
- आईओटी और सेंसर सिस्टम में एम.टेक.
- सीएसई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग) में बी.टेक.
- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- ओ लेवल (आईटी), सीएचएमटी ओ लेवल

ग) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- पायथन/डेटा साइंस के साथ पायथन
- जावा
- वेब डिजाइनिंग
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- साइबर सुरक्षा/ इथिकल हैकिंग
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी
- हडूप का उपयोग करके बिग डेटा एनालिटिक्स
- एसक्यूअल सर्वर का उपयोग करके एएसपी.नेट
- रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन
- पायथन के साथ रास्पबेरी पाई
- क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन
- मोंगोडीबी
- सिस्को प्रमाणित नेटवर्क प्रमाणपत्र
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम: सीसीसी, सीसीसी प्लस

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- लघु अवधि, ग्रीष्मकालीन और औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बिग डेटा एनालिटिक्स, पायथन, एआई और एमएल, आईओटी, क्लाउड, ब्लॉकचेन, वेब टेक्नोलॉजीज और डिजिटल साक्षरता शामिल थे।
- सीएचएमटी–ओ, आईटी–ओ स्तर, और एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रमों जैसे मल्टीमीडिया विकास और सौर स्थापना और मरम्मत पर प्रशिक्षण आयोजित करके डीजीआर (महानिदेशक पुनर्वास) योजना को लागू किया ।
- यूटी स्कूल काउंसलिंग परियोजना का क्रियान्वयन किया गया , जिससे चंडीगढ़ के 42 सरकारी स्कूलों में कक्षा 11 में 17,000 से अधिक छात्रों को प्रवेश मिल सका।
- प्रधानमंत्री श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विद्यालयों एआई अनुप्रयोगों, उभरती प्रौद्योगिकियों, साइबर सुरक्षा और करियर मार्गदर्शन पर केंद्रित। जालंधर में 150 और रोपड़ में 249 छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 27 केंद्रीय विद्यालयों (पंजाब और चंडीगढ़ क्षेत्र) के आठवीं कक्षा के 3,300 छात्रों को पायथन का उपयोग करके एआई और एमएल में प्रशिक्षित किया गया।
- फ्यूचरस्किल्स प्राइम (द्वितीय चरण) के अंतर्गत सह–प्रमुख संसाधन केंद्र के रूप में , बिग डेटा, डेटा साइंस और एआर/वीआर में 1,101 अभ्यर्थियों (सरकारी अधिकारियों, उद्योग पेशेवरों, छात्रों) को प्रशिक्षित किया।
- एआई और मेटावर्स, एआईओटी, 3डी प्रिंटिंग और एआई/एमएल पर वेबिनार/कार्यशालाएं आयोजित की गईं ।
- कॉर्पोरेट प्रशिक्षण आयोजित किया गया पंजाब पुलिस के लिए कार्यक्रम जिसके माध्यम से 298 अधिकारियों को "बेहतर पुलिसिंग के लिए आईटी" (साइबर सुरक्षा, डिजिटल फोरेंसिक, एआई, डेटा एनालिटिक्स) पर प्रशिक्षित किया गया। इसके अलावा, डीआरडीओ के 19 अधिकारियों को एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन और एप्लिकेशन पर प्रशिक्षित किया गया।
- एनसीपीयूएल की सीएबीए–एमडीटीपी योजना को देश भर में 500 से अधिक केंद्रों पर क्रियान्वित किया गया , जिसमें लगभग 30,000 छात्रों को कंप्यूटर अनुप्रयोग, व्यवसाय लेखांकन और बहुभाषी डीटीपी में प्रशिक्षित किया गया।
- **अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन/ सहयोग :**
  - नाइलिट रोपड़ ने साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, पायथन, डेटा एनालिटिक्स, डीप लर्निंग, डेटा माइनिंग, बिग डेटा और डेटा साइंस में मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों सहित संयुक्त पहलों को सुविधाजनक बनाने के लिए विकास और संचार संस्थान (आईडीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
  - नाइलिट रोपड़ और एसजीपीसी श्री अमृतसर ने प्रशिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों में संयुक्त सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो एसजीपीसी शैक्षणिक संस्थानों अर्थात इंजीनियरिंग कॉलेजों, डिग्री कॉलेजों और स्कूलों में चलाए जाएंगे।
  - रयात के साथ एक समझौता ज्ञापन बहरा विश्वविद्यालय, मोहाली के साथ मिलकर भविष्य के कौशल और उभरते क्षेत्रों जैसे साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डेटा विज्ञान, डेटा एनालिटिक्स, डीप लर्निंग, बिग डेटा, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और छात्रों के सीखने को समृद्ध करने के लिए प्रयोगशालाओं और संसाधनों को साझा करने में एफडीपी आयोजित करेगा।
  - गोबिंदगढ़ पब्लिक कॉलेज, अलौर, खन्ना, लुधियाना के साथ संकाय विकास कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम और संयुक्त शोध–पत्र और अनुसंधान पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन।
  - नाइलिट रोपड़ ने दोनों संस्थानों के सहयोगात्मक प्रयासों, जैसे कि भविष्य के कौशल और साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डेटा विज्ञान और बिग डेटा जैसे उभरते क्षेत्रों में एफडीपी, पर पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
  - पंजाब में तकनीकी शिक्षा को आगे बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए दोनों संस्थानों की साझा प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप देने हेतु जीएनए विश्वविद्यालय, फगवाड़ा (कपूरथला) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, डेटा माइनिंग, बिग डेटा और डेटा साइंस में मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शामिल हैं।
  - नाइलिट रोपड़ ने आईआईटी रोपड़ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत आईआईटी रोपड़ को 2 वर्ष की अवधि के लिए साइबर सुरक्षा में भारतीय रक्षा बलों के बैच चलाने में सहायता प्रदान की जाएगी।
  - **आईआईटी रोपड़ के साथ संयुक्त प्रमाणन कार्यक्रम:** नाइलिट रोपड़ और आईआईटी रोपड़ ने संयुक्त रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम , कार्यशालाएं और वेबिनार आयोजित किए।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **नागरिक सुविधा केंद्र को** केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के निवासियों के लिए बिजली, पानी, सड़क, स्ट्रीट लाइट, सरकारी भवनों आदि की एकल खिड़की के रूप में विकसित किया गया है।
- **शिकायत** ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग, पंजाब की शिकायत पंजीकरण और निवारण के लिए **निवारण केंद्र** विकसित किया गया है ।
- पंजाब में नगरपालिका गतिविधियों के लिए शहरी क्षेत्रों में शिकायत दर्ज करने हेतु **पंजाब शिकायत निवारण प्रणाली (पीजीआरएस)।**
- **पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की ऊर्जा एवं जल बिलिंग:** नाइलिट पिछले चार दशकों से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ (केंद्र शासित प्रदेश) के विद्युत बोर्डों/निगमों को सफलतापूर्वक सेवाएँ प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, इस परियोजना के अंतर्गत 35 लाख उपभोक्ताओं को बिल भेजा जा रहा है और लगभग 10 लाख रुपये का आवर्ती राजस्व प्राप्त हो रहा है।
- **पंजाब राज्य के जन्म और मृत्यु रजिस्टरों का डिजिटलीकरण:** केंद्र 2021 में पंजाब राज्य के मृत्यु और जन्म रजिस्टरों के डिजिटलीकरण की परियोजना शुरू की गई। इस परियोजना का उद्देश्य जन्म/मृत्यु/अनुपलब्धता प्रमाण पत्र जारी करने, जन्म प्रमाण पत्रों में बच्चे का नाम जोड़ने और जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्रों में सुधार के लिए पंजाब राज्य के मृत्यु और जन्म रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करना है। वर्तमान में इसे पटियाला और एसबीएस नगर नामक दो जिलों में पायलट आधार पर लागू किया जा रहा है।
- **सुविधा प्रबंधन:** नाइलिट रोपड़ विभिन्न सरकारी विभागों/निगमों को तकनीकी जनशक्ति प्रदान करता है। हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ के विभिन्न सरकारी विभागों में लगभग 135 तकनीकी/प्रबंधकीय जनशक्ति तैनात की गई है।
- **संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर तीसरा नाइलिट अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनआईसीईडीटी–2025) 14–15 फरवरी 2025 को नाइलिट रोपड़ में आयोजित किया गया, जिसमें उभरते आईईसीटी डोमेन में ज्ञान का आदान–प्रदान करने के लिए वैश्विक शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और छात्रों को एक साथ लाया गया।** दो दिवसीय कार्यक्रम में एआई/एमअल, साइबर सुरक्षा, उन्नत कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन, वीअलएसआई और सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजीज, सहायक प्रौद्योगिकी और डिजिटल स्किलिंग सहित आठ ट्रैक शामिल थे।

- **प्लेसमेंट ड्राइव :** नाइलिट रोपड़ ने आईआईटी रोपड़ के साथ मिलकर "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग" में छह महीने के औद्योगिक प्रशिक्षण के 9 वें और 10वें बैच के विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया, जिसमें कार्य–आधारित शिक्षण के उत्तीर्ण अभ्यर्थी शामिल थे। आमंत्रित कंपनियों ने अभ्यर्थियों का गहन साक्षात्कार लिया और एआई, डीप लर्निंग और नेटवर्किंग के क्षेत्र में 4 अभ्यर्थियों का चयन किया तथा 3 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया।

केंद्र के संबंध में

वर्ष 2010 में, नाइलिट केंद्र, शिलांग की स्थापना डीओईएसीसी केंद्रों में से एक के रूप में हुई थी तथा वर्ष 2011 में, इसका नाम परिवर्तित कर नाइलिट कर दिया गया। यह वर्तमान में मेघालय राज्य आवास वित्त पोषण सहकारी समिति लिमिटेड, बेथनी अस्पताल के पीछे, नॉनग्रिम हिल्स, शिलांग में किराए के स्थान पर स्थित है। नाइलिट केंद्र, शिलांग ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थान के रूप में अपनी पहचान बनायी है तथा इसकी स्थापना के पश्चात से अभी तक कुल 24058 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया गया है। मेघालय की आबादी मुख्य रूप से एसटी है, नाइलिट केंद्र, शिलांग एससी/एसटी आबादी हेतु भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, मावडियांग सरकार ने नाइलिट केंद्र, शिलांग को अपने स्थायी परिसर के लिए न्यू शिलांग टाउनशिप में 10 एकड़ जमीन उपलब्ध करायी है।

कार्यबलः

नियमित	वै. एवं तकः 06
	गैर वै. एवं तकः 02
संविदात्मक	: 15
परियोजना आधारित	: शून्य

कारोबार : **रु. 338.83** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री एल. लानुवाबांग
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट शिलांग द्वितीय तल, मेघालय राज्य आवास वित्तपोषण सहकारी समिति (एमएसएचएफसीएस) लिमिटेड भवन, बेथनी अस्पताल के पीछे, नोंग्रिम हिल्स, शिलांग –793003

सम्पर्क विवरण

फ़ोनः 0364– 2520177
ईमेलः dir-shillong@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/shillong/index.php

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

तुरा विस्तार केन्द्र

विस्तार केन्द्र का पता

नाइलिट तुरा विस्तार केंद्र, डाकोपग्रे (डिक्की के पास) बांदी स्टेडियम) तुरा, वेस्ट गारो हिल्स जिला, मेघालय – 794101

सम्पर्क विवरण

फोन – 03651–233068

राज्य क्षेत्राधिकार

मेघालय

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- साइबर फोरेंसिक और सुरक्षा
- वेब या मोबाइल प्रौद्योगिकी
- आईओटी

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- आईटी में नाइलिट ''ओ'' लेवल।
- आईटी में नाइलिट ''ए'' स्तर।
- नाइलिट सीएचएमटी ''ओ'' लेवल।

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)।
- उत्पाद असेंबली सहायक सौर (एलईडी)।
- कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- आईओटी, मशीन लर्निंग, वेब टेक्नोलॉजी पर इंटर्नशिप कार्यक्रम।
- पायथन का उपयोग करके डेटा एनोटेशन के मूल सिद्धांत।
- पायथन का उपयोग करके डेटा क्यूरेशन के मूल सिद्धांत
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक।
- आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस एसोसिएट
- आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) सहायक
- बहुत बड़े पैमाने पर एकीकरण (वीएलएसआई) डिजाइन के मूल सिद्धांत।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का आधार

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- **इंटर्नशिप कार्यक्रम** : नाइलिट शिलांग, एनआईटी मेघालय के सहयोग से आईओटी, एआई और वीएलएसआई पर छह सप्ताह का इंटर्नशिप कार्यक्रम का संचालन कर रहा है।

- **कॉर्पोरेट प्रशिक्षण:** 22 से 27 जुलाई 2024 तक एनआईईएलआईटी शिलांग में बीएसएफ मेघालय के लिए 5 दिवसीय उन्नत स्तर साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया, प्रशिक्षण कार्यक्रम में 22 अधिकारियों ने भाग लिया।
- **इंटर्नशिप कार्यक्रम** : मेघालय के जेएनवी नोंगस्टोइन में पायथन पर इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरुआत हुई , जिसमें 40 (चालीस) छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इसके अलावा, पीएम श्री योजना के तहत केवी ईएसी अपर शिलांग, केवी उमरोई कैंट और केवी हैप्पी वैली के कक्षा आठ के छात्रें के लिए एआई और एमएल इंटर्नशिप में 197 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्रों ने नाइलिट शिलांग प्रयोगशालाओं का दौरा किया और स्मार्ट लॉकिंग सिस्टम , आईओटी– सक्षम डस्टबिन और स्वचालित स्ट्रीट लाइट जैसी नवीन परियोजनाओं का अवलोकन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन 19 नवंबर 2024 को द शिलांग टाइम्स में प्रकाशित हुआ।

- **मॉडल स्मार्ट आईओटी सिस्टम पर बूटकैंप का सफल समापन:** हमें आईआईटी पलक्कड़ टेक्नोलॉजी आईहब फाउंडेशन और यूवाईएआरई द्वारा आयोजित मॉडल स्मार्ट आईओटी सिस्टम पर बूटकैंप के सफल समापन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह बूटकैंप शिलांग के तीन प्रमुख संस्थानों में कुल 168 छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।
- **पुलिस और सरकारी अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला:** पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला 24/10/2024 को नाइलिट शिलांग में आयोजित की गई। कुल प्रतिभागी: 14
- **5–दिवसीय कार्यकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम** : नाइलिट शिलांग ने रैंप योजना के अंतर्गत 22 प्रतिभागियों हेतु 5–दिवसीय कार्यकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रशिक्षण इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव पर केंद्रित था, और प्रतिभागियों को आवश्यक तकनीकी कौशल प्रदान किया।
- **रोजगारमेला:** नाइलिट शिलांग ने मॉडल कैरियर सेंटर (रोजगार एक्सचेंज) के सहयोग से दिनांक 13 अगस्त, 2024 को सोसो थाम ऑडिटोरियम, राज्य केंद्रीय पुस्तकालय, शिलांग में एक रोजगार मेले का आयोजन किया।
- **आईटी सह सुरक्षा लैब का उद्घाटन** : दिनांक 20 नवंबर, 2024 को सुश्री तूलिका पांडे, वरिष्ठ निदेशक और समूह समन्वयक, मानव संसाधन विकास प्रभाग, एमईआईटीवाई, भारत सरकार ने नाइलिट शिलांग में ''आईटी एवं साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिस और सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाना'' परियोजना के अंतर्गत आईटी व सुरक्षा लैब का उद्घाटन किया, जिसमें नाइलिट शिलांग के निदेशक श्री एल लानुवाबांग और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

- **पुलिस और सरकारी अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला:** पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला 24/10/2024 को नाइलिट शिलांग में आयोजित की गई। कुल प्रशिक्षित प्रतिभागी: 14

केंद्र के संबंध में

वर्ष 1995 में, नाइलिट केंद्र शिमला की स्थापना सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में व्यावसायिक सेवाएँ उपलब्ध कराये जाने हेतु हुई थी। यह इस क्षेत्र का एक अग्रणी संस्थान है जिसका मुख्य केंद्र शिमला एवं विस्तार केंद्र कसुम्पटी, मंडी में स्थित है। इस केंद्र का सतत प्रयास सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता विकसित करना रहा है। यह एक आईटी कॉर्पोरेट है जिसकी स्पष्ट रणनीतियाँ हैं तथा इसके विभिन्न संचालनों का उद्देश्य अपने ग्राहकों को आईटी समाधानों एवं उत्पादों का एक संपूर्ण पैकेज प्रदान करना है। हम दृढ़ डिज़ाइन सिद्धांतों, उच्चतम गुणवत्ता एवं नैतिक व्यावसायिक अभ्यासों से प्रेरित होकर उच्च कुशल कार्यबल के माध्यम से लागत–प्रभावी, बाज़ार में उपलब्ध समाधान यथासमय सुनिश्चित करते हैं। हम उत्कृष्ट सेवा वितरण द्वारा अपने ग्राहकों को संतुष्ट करने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। केंद्र का उद्देश्य सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के समस्त पहलुओं पर ज्ञान का प्रसार करना है ताकि, उपयोगकर्ताओं को अधिकतम संतुष्टि मिले तथा इस दिशा में, उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड भी बनाया है। यह केंद्र समय–समय पर मूल्यांकन की गई आवश्यकताओं के आधार पर विभिन्न ग्राहकों को विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करता है।

कार्यबल:

नियमित	वै. एवं तक: 06
	गैर वै. एवं तक: 02
संविदात्मक	: 0
परियोजना आधारित	: 20

कारोबार : **रु. 7880.19** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री राजीव अग्रवाल
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट शिमला, सीडरवुड बिल्डिंग, लोअर जाखू रोड,
शिमला, हिमाचल प्रदेश –171001

सम्पर्क विवरण

फ़ोन: 0177–2804216
मोबाइल: 9815606510

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

मंडी, हिमाचल प्रदेश में विस्तार केंद्र

विस्तार केन्द्र का पता

नाइलिट मंडी, मांडव बिल्डिंग, पड्डल ग्राउंड,
मंडी, हिमाचल प्रदेश – 175001

सम्पर्क विवरण

फोन: 9876601897

राज्य क्षेत्राधिकार

हिमाचल प्रदेश

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में शैक्षिक प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- नाइलिट – "ओ" स्तर (आईटी)
- नाइलिट – "ए" स्तर (आईटी)
- डीसीए
- पीजीडीसीए

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम:

- कंप्यूटर अवधारणा (सीसीसी) पर पाठयक्रम
- कृत्रिम बुद्धिमता में आधारभूत पाठयक्रम
- पायथन का उपयोग करके डेटा क्यूरेशन की नींव
- पायथन का उपयोग करके डेटा एनोटेशन के मूल सिद्धांत
- इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी)
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग
- पाइथन और आर का उपयोग करके डेटा विज्ञान
- पीएचपी
- डॉटनेट तकनीकें
- जावा प्रोग्रामिंग
- ऑफ़िस ऑटोमेशन
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- डेटा विज्ञान और विश्लेषण का आधार
- टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- सेना अधिकारियों के एक बैच ने अगस्त 2023 से फ़रवरी 2024 तक चलने वाले नाइलिट – "ओ" स्तर प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निदेशालय पुनर्वास क्षेत्र (उत्तर), भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है। सभी अधिकारी प्रशिक्षण में पूरी लगन से भाग ले रहे हैं और उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की है।
- आउटसोर्स आधार पर राज्य सरकार की ई–गवर्नेंस परियोजनाओं के लिए सुविधा प्रबंधन।
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक के उत्थान के लिए प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- नाइलिट शिमला केन्द्र हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के विभागों को सार्वजनिक ई–गवर्नेंस समाधानों के क्रियान्वयन तथा तकनीकी एवं परिचालन जनशक्ति उपलब्ध कराकर उनकी आईटी सेवाओं के संचालन में सहायता कर रहा है।
- आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं का कौशल विकास, जिससे रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी।
- एनसीएससी– डीजीई एंड टी के अंतर्गत जॉबसीकर्स के लिए नाइलिट शिमला एक्सटेंशन सेंटर, मंडी में नाइलिट– "ओ" लेवल और नाइलिट–सीएचएम पाठ्यक्रम प्रदान संचालित किया जा रहा है।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार के तत्वावधान में कार्य आधारित शिक्षण कार्यक्रम।
- पीएमकेवीवाई के अंतर्गत आयोजित एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण 3.5.
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) स्नातक इंजीनियर अभ्यर्थियों को सुदृढ़ और सशक्त बनाने के लिए कार्य–आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम का कार्यान्वयन। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, नाइलिट शिमला केंद्र, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस)/महिला अभ्यर्थियों को एक पेशेवर कार्य वातावरण में तकनीकी ज्ञान और विस्तार प्राप्त करने का अवसर प्रदान करने हेतु इंटर्नशिप प्रदान कर रहा है।
- राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं, जिला बिलासपुर में "उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना" के अंतर्गत प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) की पहल पर, तीस वायु सेना अधिकारियों ने दिनांक 08.04.2024 से 28.06.2024 तक नाइलिट शिमला में टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन में विशेष प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया है।

महत्वपूर्ण बिंदु

- नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों के कौशल विकास और उन्नयन की संभावनाओं के अनुरूप, नाइलिट शिमला ने जेएनवी ठियोग, शिमला के विद्यार्थियों के लिए पायथन एवं वेब डिजाइनिंग पाठ्यक्रम पर अल्पावधि प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया।
- नाइलिट शिमला ने नाइलिट एच के सहयोग से पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया तथा हिमाचल प्रदेश में लगभग 700 विद्यार्थियों को पायथन का उपयोग करते हुए मशीन लर्निंग का प्रशिक्षण दिया।
- नाइलिट शिमला ने दिनक 14 से 16 दिसंबर, 2024 तक हिमाचल प्रदेश सरकार के पुलिस विभाग के संचार और प्रौद्योगिकी सेवाओं (सीटीएस) के अधिकारियों के लिए कार्यालय स्वचालन और नेटवर्किंग पर एक व्यापक 03–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। सभी अधिकारियों ने समग्र प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के अधिक अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया।

- सेना अधिकारियों के एक बैच ने अगस्त 2023 से फ़रवरी 2024 तक चलने वाले नाइलिट – " ओ" स्तर प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निदेशालय पुनर्वास क्षेत्र (उत्तर), भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित था। सभी अधिकारियों ने प्रशिक्षण में पूरी लगन से भाग लिया और प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की।
- हिमाचल प्रदेश पुलिस निदेशालय के अधिकारियों ने हार्डवेयर नेटवर्किंग और साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांतों पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम लिया। सभी अधिकारियों ने प्रशिक्षण में पूर्ण आत्मीयता से भाग लिया और कार्यक्रम की सराहना की।

- पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) की पहल पर, तीस वायु सेना अधिकारियों ने 08.04.2024 से 28.06.2024 तक, नाइलिट शिमला में टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन में विशेष प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। 18 जून, 2024 को कर्नल प्रदीप कार्की ने नाइलिट शिमला का दौरा किया और पाठ्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अधिकारियों को अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए अमूल्य सलाह दी और उन्हें इस करियर पथ को पूरी तरह से अपनाने के लिए प्रेरित किया। सभी अधिकारियों ने पाठ्यक्रम की सराहना की।
- नवोदय विद्यालय के छात्रों के कौशल विकास और उन्नयन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, नाइलिट शिमला ने जेएनवी ठियोग, शिमला के छात्रों के लिए पायथन और वेब डिज़ाइनिंग पर अल्पकालिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया। पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद, छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जेएनवी ठियोग के सभी छात्रों और स्कूल के अधिकारियों ने नाइलिट शिमला द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कौशल–उन्मुख पाठ्यक्रमों को जारी रखने में रुचि दिखाई।

केंद्र के संबंध में

वर्ष 1983 में, नाइलिट केंद्र, श्रीनगर (पूर्व में सीईटीआई एवं डीओईएसीसी) की स्थापना आईईसीटी के क्षेत्र में गतिविधियों के संचालन हेतु एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान के रूप में की गई थी। यह केंद्र 7.5 एकड़ भूमि पर सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, रंगरेथ में स्थित है। यह केंद्र अत्याधुनिक आधारभूत संरचना से सुसज्जित है जिसमें, शैक्षणिक ब्लॉक, कक्षाएँ व सुस्थापित कंप्यूटर एवं एआई प्रयोगशालाएँ सम्मिलित हैं। इस केंद्र में एक ड्रोन प्रयोगशाला भी है।

कार्यबलः

नियमित	वै. एवं तकः 14
	गैर वै. एवं तकः 13
संविदात्मक	: 19
परियोजना आधारित	: 08

कारोबार : **रु. 842.54** (लाख रुपए में)

केंद्र प्रमुख

श्री अशाक हुसैन डार
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, पुराना हवाई अड्डा रोड, रंगरेथ , श्रीनगर (जम्मू–कश्मीर) –191132

सम्पर्क विवरण

फ़ोनः 0194–230050 1, 502, 2300805

विस्तार केंद्र (केन्द्रों), यदि कोई हो

नाइलिट केंद्र, जम्मू

विस्तार केंद्र का पता

नया विश्वविद्यालय परिसर, डॉ. बी.आर. अंबेडकर रोड, यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू–180001

सम्पर्क विवरण

0191–255515

राज्य क्षेत्राधिकार

जम्मू और कश्मीर

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में शैक्षिक प्रशिक्षण,
- अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- एम.टेक (साइबर फोरेंसिक)
- एमसीए
- एमएससी (आईटी)
- बीसीए
- बीएससी (आईटी)

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रमः

- एंड्रॉइड प्रोग्रामिंग
- ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग हेतु पायथन
- संवर्धित व आभासी वास्तविकता
- साइबर सुरक्षा, सीसीएनए
- पीएचपी एवं माय एसक्यूएल
- ऑटो कैड
- मैटलैब
- जावा में प्रोग्रामिंग
- टैली (जीएसटी के साथ लेखांकन)
- वेब डिजाइनिंग
- पीसी असेंबलिंग और परीक्षण
- बिग डेटा और हडूप डेवलपर
- पायथन का उपयोग करके इमेज प्रोसेसिंग
- मल्टीमीडिया डिजाइनिंग (फोटोशॉप और कोरल ड्रा)

वर्ष 2024–25 के दौरान विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट जम्मू एवं कश्मीर, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विभिन्न विभागों के लिए कंप्यूटर आधारित टाइप टेस्ट एवं ऑफलाइन परीक्षा आयोजित करने में संलग्न है।
  - o नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने दिनांक 15 अप्रैल, 2024 से 15 जुलाई, 2024 तक जेकेएसएसबी हेतु जूनियर असिस्टेंट के पद के लिए जम्मू और श्रीनगर दोनों स्थानों पर 48,000 अभ्यर्थियों के लिए कंप्यूटर आधारित टाइप टेस्ट एवं स्टेनोग्राफर/टाइपिस्ट के पद हेतु 320 अभ्यर्थियों के लिए शॉर्टहैंड टेस्ट आयोजित किया।
  - o नाइलिट – विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा गैर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पदों हेतु भर्ती परीक्षा दिनांक 29–जून–2024 एवं 30–जून–2024 को आयोजित की गई।
- **नाइलिट जम्मू में राज्य स्तरीय कौशल ओलंपियाड 2023–2024 :** जम्मू और कश्मीर कौशल विकास मिशन (जेकेएसडीएम) ने भारत कौशल 2023–24 पहल के अंतर्गत नाइलिट जम्मू में राज्य स्तरीय कौशल ओलंपियाड 2023–24 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। साइबर सुरक्षा एवं आईटी सॉफ्टवेयर समाधानों पर केंद्रित इस कार्यक्रम ने तकनीकी रूप से इच्छुक व्यक्तियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने हेतु एक मंच प्रदान किया।
- **जम्मू क्षेत्र में पीएम श्री योजना के तहत इंटर्नशिप कार्यक्रम :** नाइलिट केंद्र, जम्मू ने पीएम श्री योजना के अंतर्गत 5 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक शुरू किया, जिसमें विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के 404 छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया। जम्मू क्षेत्र के सभी विद्यालयों (केवी) में कार्यक्रम को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में चार प्रमुख विषय शामिल थे: पायथन के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग (एआई/एमएल), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), साइबर सुरक्षा एवं एथिकल हैकिंग, तथा डिजिटल साक्षरता।
- नाइलिट जम्मू एवं कश्मीर, जम्मू में कॉर्पोरेट प्रशिक्षण 2024–2025 आयोजित किया गया
  - (i) प्रौद्योगिकी: उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ
    विभाग: जम्मू–कश्मीर कौशल विकास निदेशालय द्वारा प्रायोजित
    प्रतिभागियों की कुल संख्या: 19
  - (ii) प्रौद्योगिकी: उन्नत एक्सेल
    विभाग: पावर ग्रिड सहयोग
    प्रतिभागियों की कुल संख्या: 18
  - (iii) प्रौद्योगिकी: नेटवर्किंग एवं साइबर सुरक्षा
    विभाग: पुलिस मुख्यालय (दूरसंचार)
    प्रतिभागियों की कुल संख्या: 20
  - (iv) प्रौद्योगिकी: प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग, लेखा एवं प्रकाशन सहायक
    विभाग: डीजीआर
    प्रतिभागियों की कुल संख्या: 39
  - (v) प्रौद्योगिकी: ब्लॉक चेन
    विभाग: डीजीआर
    प्रतिभागियों की कुल संख्या: 40
  - (i) प्रौद्योगिकी: प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
    विभाग: डीजीआर
    प्रतिभागियों की कुल संख्या: 29
- **व्यय सूचना प्रणाली (ईआईएस) में प्रशिक्षण कार्यक्रम :** नाइलिट केंद्र, श्रीनगर ने 15 अक्टूबर से 18 अक्टूबर, 2024 तक जम्मू और कश्मीर पुलिस के ड्राइंग एवं डीडीओ व पीडी के लिए व्यय सूचना प्रणाली (ईआईएस) प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया। कार्यक्रम में लगभग 366 अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसका उद्देश्य वित्तीय प्रबंधन एवं व्यय ट्रैकिंग में उनकी क्षमता में वृद्धि करना था।
- नाइलिट केंद्र, श्रीनगर में एम.टेक साइबर फोरेंसिक कार्यक्रम का शुभारंभ: नाइलिट केंद्र, जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर ने एम.टेक साइबर फोरेंसिक कार्यक्रम हेतु कक्षाओं को प्रारम्भ किया जिसमें नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के अंतर्गत 11 छात्रों को नामांकित किया गया।
- **नाइलिट श्रीनगर में मेगा जॉब फेयर ''युवा रोजगार मंच'':** नाइलिट जम्मू–कश्मीर ने दिनांक 8 अगस्त, 2024 को नाइलिट श्रीनगर परिसर में एक मेगा जॉब फेयर " युवा रोजगार मंच" का आयोजन किया जिसमें, 800 जॉबसिकर्स ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के रोजगार निदेशक, श्री निसार अहमद वानी ने किया। इस कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नौकरी की पेशकश करने वाली विभिन्न व्यवसायों से जुड़ी 17 कंपनियों ने भाग लिया।
- **नाइलिट श्रीनगर में "ड्रोन टेक्नोलॉजी और बिग डेटा एनालिटिक्स" पर बूटकैंप 6.0:** "ड्रोन टेक्नोलॉजी एवं बिग डेटा एनालिटिक्स" पर 5–दिवसीय बूटकैंप 6.0 दिनांक 24 जून, 2024 से 28 जून, 2024 तक कुल 60 प्रतिभागियों के साथ आयोजित किया गया था।

कम्प्यूटर आधारित टाइपिंग टेस्ट

पीएम श्री योजना के तहत प्रशिक्षण

महत्वपूर्ण बिंदु

- एमईआईटीवाई द्वारा रु. 11.59 करोड़ की परियोजना लागत सहित ''डिजिटल जम्मू और कश्मीर का कौशल विकास'' नामक परियोजना सौंपी गई, जिसका लक्ष्य 3 वर्षों में 9450 युवाओं को प्रशिक्षित करना है।
- नाइलिट केंद्र, श्रीनगर ने एनडी2यू के अंतर्गत साइबर फोरेंसिक में एम.टेक, कंप्यूटर एप्लीकेशन और इंजीनियरिंग में पीएचडी जैसे नए डिग्री स्तर के कार्यक्रम शुरू किए हैं।
- नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने नाइलिट श्रीनगर में 28वीं निदेशक बैठक एवं 26वीं प्रबंधन बोर्ड की बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

सोसायटी के लेखा परीक्षक

वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु नाइलिट मुख्यालय एवं इसके केंद्रों के संबंध में वैधानिक एवं आंतरिक लेखा–परीक्षकों की सूची

क्र.सं.	नाइलिट केंद्र	सांविधिक लेखा–परीक्षक	ऑडिट शुल्क	आंतरिक लेखा–परीक्षक	ऑडिट शुल्क
1	औरंगाबाद	एएस बेडमुथा एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, ओ–1, एज आर्केड, उस्मानपुरा, औरंगाबाद. (एमएस) – 431 005 फ़ोन नं.: 2321392, 2358566 ईमेलः asbedmutha@yahoo.co.in	37,356/- +जीएसटी	भोलाने शिलवंत एंड कंपनी (सीए) ए–5, माणिक अपार्टमेंट, दिवेकर प्लाजा के पीछे, देवगिरी कॉलेज रोड, पदमपुर, औरंगाबाद–431 005	25,200/- + जीएसटी
2	अगरतला	कौशिक देबनाथ एंड एसोसिएट्स (सीए) लेनिन सारणी, पुरानी नगर पालिका रोड (नाथ भंडार के पास) अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम)–799001 मोबाइल–8787591218/ 9436167893 ईमेलः cakoushik2012@gmail.com	27,500/- + जीएसटी	कुमार प्रशांत एंड एसोसिएट्स तीसरी मंजिल, शंकर पाल, शिव शंकर सेनेटरी और हार्डवेयर स्टोर, कल्याण समिति के पास, एडी नगर, अगरतला – 799003 दूरभाषः 03812376215	14,300/- + जीएसटी
3	आइजोल	एकेएएस एंड एसोसिएट्स (सीए) टी–5/बी, केएस थांगा बिल्डिंग, स्वच्छता कार्यालय के पास, आइजोल कॉलेज के पीछे, तुइखुआहत्लांग, आइजोल, मिजोरम–796001 मोबाइल–8777021042, 8259947688 ईमेल–info_aizawl@akasassociates.com	18,000/- + जीएसटी	नितीश अग्रवाल एंड कंपनी (सीए) एम–सीध3, चाल्टलैंग वेंगलाई, हाउस अ फ लेट वीएल रेमा, विकलांग व्यक्ति आयुक्त कार्यालय के पास (पीडब्ल्यूडी कार्यालय), मिजोरम–796012, आइजोल। मोबाइल–9485140614,09864785485 ईमेलः agarwallanitish@gmail.com	30,000/- + जीएसटी
4	अजमेर (पाली सहित)	तंबी अशोक एंड एसोसिएट्स (सीए) बी–19 पदम निवास न्यू कॉलोनी एमआई रोड जयपुर 302001 फोनः 01414033844य एमबी. 9414071078 ईमेलः tambiashokassociates@gmail.com	15,180/- + जीएसटी	सुभाष पोरवाल एंड कंपनी (सीए) राधे प्रेम, 19ए, सोभाग क्लब, सिविल लाइन्स, अजमेर–305001, राजस्थान मोबाइल–911452620407 ईमेल– office@sunilporwal.com	18,480/- + जीएसटी
5	कालीकट	अजय एंड एसोसिएट्स (सीए) 5/1210, एम कनारन रोड, पूर्व नादक्कवे जंक्शन, एरनहिपालम पीओ कोझिकोड–673006 मोबाइल–9847931012 ईमेल–ajaye101@yahoo.co.uk	30,000/- + जीएसटी	मैसर्स केवी नारायणन कुट्टी एंड कंपनी (सीए) प्रथम तल, विजया हवेली, एनी हॉल रोड, कालीकट–673002 मोबाइल–09995775650 ईमेल–kvnkutty@hotmail.com	30,000/- + जीएसटी

क्र.सं.	नाइलिट केंद्र	सांविधिक लेखा–परीक्षक	ऑडिट शुल्क	आंतरिक लेखा–परीक्षक	ऑडिट शुल्क
6	चेन्नई	ए. अम्बालाथरासन एंड एसोसिएट्स (सीए) सं. 21, पंचवर्णम बिल्डिंग, नया नंबर 76, रामेश्वरम रोड, टी. नगर, चेन्नई–600017मोबाइल–9443151394 ईमेल–aambalatharasan@yahoo.com	19,200/- + जीएसटी	पीएल एंड एसोसिएट्स विजय विष्णु अपार्टमेंट, 169, एफ2, 15वां सेक्टर, 94वीं स्ट्रीट, के.के.नगर, चेन्नई – 600078	18,000/- + जीएसटी
7	रोपड़	जेएस एंड एसोसिएट्स (सीए) 683, सेक्टर 8–बी, चंडीगढ़–160009 मोबाइल–9878027183 ईमेल–jsassociates85@gmail.com	65,450/- + जीएसटी	राकेश खन्ना एंड कंपनी (सीए) 50–ए और 50–सी, सेक्टर 44–ए, चंडीगढ़–160047 मोबाइल–9815369590 ईमेल– ca.rkkhanna@gmail.com	30,800/- + जीएसटी
8	गंगटोक	एन. मर्दा एंड एसोसिएट्स (सीए) जल आपूर्ति नियंत्रण कार्यालय के पास 164/1, तिब्बत रोड, गंगटोक, पूर्वी सिक्किम–737101 मोबाइल–94340–23311 ईमेल–mardanehru@yahoo.com	30,000/- + जीएसटी	वाईएम एंड एसोसिएट्स (सीए) जल आपूर्ति नियंत्रण कार्यालय के पास, सोनम ग्यात्सो मार्ग, पूर्वी सिक्किम–737101, गंगटोक मोबाइल–9851589898 ईमेल– caymarda@gmail.com	14,400/- + जीएसटी
9	गुवाहाटी	ए रे चौधरी एंड कंपनी (सीए) एच ओ– प्रथम तल, हाउस नंबर 15, राजाढ़ रोड, बायलेन–2 के सामने, मीरा म्यूजिकल मार्ट के ऊपर गुवाहाटी–781003 मोबाइल–9864109702 ईमेल–akhyadhee@yahoo.com	29,898/- + जीएसटी	अरुण राठी एंड एसोसिएट्स (सीए) मकान नंबर–183, मुलगाभारू पथ, हातिगांव रोड, दिसपुर, गुवाहाटी – 781 006 मोबली–9864353611 ईमेल–arunrathi.Ca@gmail.com	15,840/- + जीएसटी
10	गोरखपुर	गौरव जी अग्रवाल एंड कंपनी (सीए) 41–बी 'गोपाल कुंज', मुखर्जी होमियो हॉल की गली में, बेनीगंज, गोरखपुर–273001, उत्तर प्रदेश मोबाइल–09415211951	52,800/- + जीएसटी	दिलीप बदलानी एंड कंपनी (सीए) 2राफ्लोर, चतुर्वेदी कॉम्प्लेक्स, डिग बंगलो के सामने, 33 कासिया रोड, गोरखपुर–273001, मोबाइल–9532601089 ईमेल–dbcogkp@gmail.com	19,800/- + जीएसटी
11	हरिद्वार	विजय गर्ग एंड एसोसिएट्स, एफ–13, प्रथम तल, सुखदेव कुटीर, ओबीसी बैंक के सामने दादुबाग कनखल, हरिद्वार– 249 408	19,800/- +जीएसटी	भटनागर नितिन एंड एसोसिएट्स (सीए) सी–4, दूसरी मंजिल, कार्यालय नं.9, सेक्टर–63, नोएडा 201301 मोबाइल–9990289241 ईमेल– canitinkrb@gmail.com	15,840/- + जीएसटी
12	नाइलिट मुख्यालय	एच के दुआ एंड कंपनी (सीए) 309, ज्योति शिखर बिल्डिंग, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 मोबाइल संरू 9958364420 ईमेल–cavikramdheerwas@gmail.com	1,01,640/- + जीएसटी	जीएसीएस एंड एसोसिएट्स(सीए) 124, एसएफ, डिफेंस एन्क्लेव, विकास मार्ग, नई दिल्ली–110092. मोबाइल–9313006697 ईमेल–Shashifca@gmail.com	1,05,600/- + जीएसटी

क्र.सं.	नाइलिट केंद्र	सांविधिक लेखा–परीक्षक	ऑडिट शुल्क	आंतरिक लेखा–परीक्षक	ऑडिट शुल्क
13	ईटानगर	सिंह जी एंड कंपनी (सीए) बागरा बिल्डिंग, एसबीआई एटीएम बैंक तिनाली के पीछे, तिनाली, ईटानगर अरुणाचल प्रदेश–791111 मोबाइल–7838918967, 9326160062 ईमेल– singhgandco@gmail.com	20,400/- + जीएसटी	अनूप शर्मा एंड एसोसिएट्स किपा कमर्शियल सेंटर, दूसरा तल–एक्सटेंशन, नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश–791110	21,120/- + जीएसटी
14	इम्फाल	प्रसाद मिश्रा एंड एसोसिएट्स, महाबली ममंग पैलेस परिसर, इम्फाल पूर्वः 795005 (मणिपुर) मोबाइलः 09830041382 ईमेलः ca.prashantm@yahoo.com	31,152/- + जीएसटी	बर्मन सिंह एंड एसोसिएट्स 30, गणेश चंद्र एवेन्यू, दूसरी मंजिल, फ्लैट नंबर 6, कोलकाता मोबाइलः 09831027445	18,847/- + जीएसटी
15	कोहिमा	एस. डेब्रे एंड एसोसिएट्स (सीए) मकान संख्या बी/111, केजीखे (उत्तरी ब्लॉक) के ऊपर, केके एंटरप्राइज/एचडीएफसी बैंक के सामने, कोहिमा बीआर, कोहिमा–797001,नागालैंड मोबाइल 09862089819/8974036517 ईमेल–cadebrav@gmail-com	16,698/- + जीएसटी	संजय आर जैन एंड एसोसिएट्स, (सीए) गुरुमुख बिल्डिंग,एनकान भारतीय बैंक (इलाहाबाद) कालीबाड़ी रोड, दीमापुर–797112, नागालैंड, कोहिमा मोबाइल–09862570319 ईमेल– sanjayseemajain@yahoo.co.in	15,000/- + जीएसटी
16	कोलकाता	एसी भौमिक एंड कंपनी (सीए) जीसी–132, साल्ट लेक सिटी कोलकाता–4061–9461 मोबाइल–9830201665 ईमेल– acbfca32@gmail.com	29,988/- + जीएसटी	ए सी भूटेरिया एंड कंपनी (सीए) 2, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, 2 तल कक्ष संख्या 10, कोलकाता–700001 मोबाइल–23306990,22317128 ईमेल–m_bhuteria@yahoo.co.in	48,000/- + जीएसटी
17	नई दिल्ली	मासर एंड कंपनी (सीए) 6/78, ओल्ड राजेंद्र नगर, नई दिल्ली–110060 संपर्क नंबर–01142630694,42500125ध्26 ईमेल– info@masarindia.com	19,354/- + जीएसटी	मेसर्स कुमरा भाटिया एंड कंपनी (सीए) फ्लैट नंबर 8, वसंत एन्क्लेव, नई दिल्ली–110057 मोबाइल–91–11–41008405, 41008406 ईमेल– kumrabhatia@hotmail.com	52,800/- + जीएसटी
18	पटना	रोहतगी आशीष एंड कंपनी (सीए) 316, अशोका प्लेस, एग्जिबिशन रोड, पटना–800001, बिहार मोबाइल–94310348892, 7004822085 ईमेल–rohatgiashish2003@gmail.com	24,000/- + जीएसटी	संजय कुमार झा एंड एसोसिएट्स, मोबाइल–9431003698 ईमेल– skjapatna@gmail.com	18,000/- + जीएसटी
19	श्रीनगर	मेसर्स नजीर एंड एसोसिएट्स एफ–13, औक्वाफ बिल्डिंग, बुद्धशाह चौक, श्रीनगर (जम्मू–कश्मीर) फोन – 01942480566 ईमेल–nshikari@gmail.com, nshikari@rediffmail.com	79,200/- + जीएसटी	गुप्ता अग्रवाल एंड कंपनी (सीए) 331–ए शास्त्री नगर, जम्मू–180004 मोबाइल–9419142214 ईमेल– consultcagarun@gmail.com	10,019/- + जीएसटी

क्र.सं.	नाइलिट केंद्र	सांविधिक लेखा–परीक्षक	ऑडिट शुल्क	आंतरिक लेखा–परीक्षक	ऑडिट शुल्क
20	शिलांग	डी. दास वी एसोसिएट्स (सीए) प्रथम तल, एमटीसी शॉपिंग आर्केड, विशाल मेगा मार्ट के सामने, जेल रोड, शिलांग–793001 संपर्क–03642500444,2504670 ईमेल– ddasgs@rediffmail.com	46,200/- + जीएसटी	गौरव सुरेका एंड एसोसिएट्स (सीए) ई गीता भवन, थाना रोड,शिलांग–1 संपर्क–2500424 ईमेल– cagaurav14@yahoo.com	18,368/- + जीएसटी
21	रांची	एएसएन एंड कंपनी (सीए) 306, बलदेव भवन, श्रद्धानंद रोड, अपर बाजार, रांची–834001, झारखंड. मोबाइल–9534067333 ईमेल– asn.ranchi@gmail.com	17,760/- + जीएसटी	ए.के. सिंघानिया एंड कंपनी (सीए) 233, तीरथ मेनसन, प्रथम तल, ओवर ब्रिज के समीप, मुख्य सड़क रांची–834001, झारखंड मोबाइल–9431174269 ईमेल– aks_ca02@rediffmail.com	18,000/- + जीएसटी
22	शिमला	राजीव सूद एंड कंपनी(सीए) 71, मिडिल बाजार, शिमला मोबाइल–9817033330 ईमेल– rajeevsood_co@yahoo.co.in	27,600/- + जीएसटी	पंकज रतन एंड कंपनी (सीए) क्रिस्टल लॉज, ग्राउंड फ्लोर, एलीसियम हिल, भराड़ी रोड, शांकली, शिमला, हिमाचल प्रदेश–17100 मोबाइल–09817060601 ईमेल–pankajrattansharma@yahoo.co.in	23,760/- + जीएसटी
23	लेह	बाबा एंड एसोसिएट्स (सीए) तृतीय तल एसएनएबी कॉम्प्लेक्स, रेड क्रॉस रोड, जेएंडके बैंक के सामने, अमीराकदल, श्रीनगर–190001, लेह मोबाइल–9622227979, 9796947098 ईमेल– caishfaqbaba@gmail.com	18,000/- + जीएसटी	यूएसए – कंपनी (सीए) स्तर तृतीय तल ए, मदद कॉम्प्लेक्स, सराय पाइन आईजी रोड श्रीनगर–190001 मोबाइल–9622712085, 9419045175 ईमेल– usacompany.ca@gmail.com	14,400/- + जीएसटी
24	भुवनेश्वर	एबीपीएस एंड एसोसिएट्स 182, शहीद नगर, आलोक भारती बिल्डिंग के पीछे, भुवनेश्वर	18,000/- + जीएसटी	पीडीआर एंड एसोसिएट्स, प्लॉट संख्या एल–3/76, आचार्य विहार, वाटर टैंक के पास, भुवनेश्वर	14,000/- + जीएसटी
25	कुरुक्षेत्र	गुलाटी संदीप एंड कंपनी, लिबर्टी चौक, करनाल (हरियाणा)	19,800 + जीएसटी	आर.के.भूषण एंड कंपनी डी–37–एल, मॉडल टाउन, करनाल (हरियाणा)	15,400/- + जीएसटी

H.K. DUA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
309, Jyoti Shikhar, 8 District Centre, Janakpuri, New Delhi - 110058
Ph.: 011-45530162, +91-9958364420
Email: harshdua@hotmail.com, harshduaca@hotmail.com

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
महानिदेशक
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

राय

हमने **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट),** नाइलिट भवन, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077, (जिसे आगे "सोसायटी" के रूप में कहा गया है) के समेकित वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी है, जिसमें 31 मार्च, 2025 तक समेकित तुलन–पत्र, उसी तिथि को समाप्त वर्ष हेतु समेकित आय एवं व्यय लेखा तथा समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश और अन्य स्पष्टीकरण संबंधी सूचना सम्मिलित है जिसमें हमारे द्वारा नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी की रिटर्न, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के समेकित लेखा–विवरणों की लेखा–परीक्षा की गई है तथा चौबीस केंद्रों– आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, गोरखपुर, गुवाहाटी, गंगटोक, इम्फाल, ईटानगर, कोलकाता, कोहिमा, श्रीनगर और जम्मू, अगरतला, शिलांग, नई दिल्ली, अजमेर, पटना, रांची, शिमला, हरिद्वार, लेह, भुवनेश्वर एवं कुरुक्षेत्र के लेखा–विवरण अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा लेखा–परीक्षित किए गए हैं, जो इसमें सम्मिलित हैं।

हमारी राय में एवं हमारी जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, सभी भौतिक मामलों में प्रयोज्य क़ानूनों के अनुसार सोसाइटी के समेकित वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं। इस रिपोर्ट में शामिल समेकित तुलन–पत्र और आय और व्यय के समेकित विवरण तथा समेकित प्राप्तियां और भुगतान लेखा बहियों और हमारे द्वारा देखे नहीं गए केंद्रों से प्राप्त लेखा–विवरणों के अनुरूप है तथा जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों और लेखांकन मानकों के अनुरूप, सही और स्पष्ट स्थिति प्रस्तुत करते हैं।

उचित राय का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी ऑडिटिंग के मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी (एसए) परीक्षा के लिए रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा–परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम संस्था से स्वतंत्र है जो वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक है और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारी राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

ध्यान देने योग्य मामले

हम आपका ध्यान अनुसूची 24 के नोट 3 की ओर आकृष्ट करते हैं, जो अशोध्य और संदिग्ध ऋण, असमायोजित ऋण, पुराने चेक, जीएसटी टर्नओवर और देयता में अंतर और असमायोजित अग्रिम/सुरक्षा जमा हेतु प्रावधान से संबंधित

मामलों के संबंध में है। आगे, आपका ध्यान राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर की वर्तमान स्थिति के संबंध में वित्तीय विवरणों की अनुसूची 24 के नोट 4 (सी, डी, ई, एफ, जी, एच, जे) एवं समेकित वित्तीय विवरणों में केवल महत्वपूर्ण नोटों के संकलन के संबंध में अनुसूची 24 के नोट संख्या 20 की ओर भी आकृष्ट करते हैं। आकस्मिक देनदारियों संबंधी अनुसूची 24 के नोट संख्या 1 और 4 (ए) की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

आगे, अनुसूची 24 के नोट संख्या 4(प) की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जो जारी किए गए चेकों के संबंध में बताया गया है किन्तु, उन्हें प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, वित्तीय विवरणों में उल्लिखित देनदारों, लेनदारों और ऋणों एवं अग्रिमों की पुष्टि की चल रही प्रक्रिया के संबंध में अनुसूची 24 की नोट संख्या 15 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। आगे, पूंजीगत अवसंरचना हेतु वित्तीय सहायता के संबंध में अनुसूची 24 की नोट संख्या 16 की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है। तथा आगे वापस लिखे गए अतिरिक्त प्रावधान के संबंध में अनुसूची 24 की नोट संख्या 11 की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

कुछ केन्द्रों के संबंध में जीएसटी फाइलिंग और समाधान में अनियमितता की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

हमारे द्वारा लेखा–परीक्षित नाइलिट दिल्ली मुख्यालय के मामले में निम्नलिखित बातों पर बल दिया गया था

छात्रों एवं संस्थानों आदि से प्राप्त अग्रिम शुल्क की असमायोजित राशि के संबंध में अनुसूची 24 के नोट संख्या 12 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्त होने वाली राशि के संबंध में नोट 19 की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

आगे, एमएसएमईडी अधिनियम के तहत सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित अनुसूची 24 के नोट 27 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। साथ ही, देनदारों, लेनदारों, वर्तमान परिसंपत्तियों, वर्तमान देनदारियों और ऋणों तथा अग्रिमों के साथ पुष्टिकरण की चल रही प्रक्रिया से संबंधित अनुसूची 24 की नोट 26 की ओर भी आकृष्ट किया जाता है, जिनका उल्लेख पुस्तकों में वसूली योग्य/देय मूल्य पर किया गया है। ऐसे मामलों के संबंध में हमारी राय मान्य नहीं है।

नई दिल्ली केंद्र और भुवनेश्वर केंद्र के मामले में, उनके लेखा–परीक्षकों द्वारा कुछ मामलों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, ऐसी रिपोर्टों का संदर्भ दिया जा सकता है।

<u>अन्य मामले</u>

1. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ने दिनांकः 8 अगस्त, 2023 को स्वायत्त निकायों सहित गैर–कॉर्पोरेट संस्थाओं के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने की दिशा में दिशानिर्देश नोट जारी किया है तथा यह दिनांक 01/04/2025 से प्रभावी होगा। हालाँकि, नाइलिट ने इसका अनुपालन नहीं किया है। हमें सूचित किया गया है कि इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक पत्र जारी किया है जिसमें कहा गया है कि लेखाओं के सामान्य प्रारूप में किसी भी परिवर्तन हेतु वित्त मंत्रालय की सहमति आवश्यक है।
2. नाइलिट अधिशेष की पूरी राशि को कॉर्पस फंड में स्थानांतरित कर रहा है। निधियों के उत्तम उपयोग/ प्रयोजन हेतु अधिशेष राशि को सामान्य आरक्षित निधि में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, निधियों के बेहतर प्रस्तुतीकरण एवं उपयोग हेतु कॉर्पस फंड से एक उचित राशि सामान्य आरक्षित निधि और पूंजी आरक्षित निधि में स्थानांतरित किए जाने की आवश्यकता है।
3. वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, अचल संपत्तियों की केंद्रीकृत खरीद के कारणवश नाइलिट रु. 14.23 लाख का इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा पेश नहीं कर सका। वर्तमान वर्ष के दौरान प्रबंधन ने केंद्रीकृत खरीद को हतोत्साहित करने संबंधी उत्तर दिया गया है।

New Delhi Chartered Accountants

हमने, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, गोरखपुर, गुवाहाटी, गंगटोक, इम्फाल, ईटानगर, कोलकाता, कोहिमा, श्रीनगर और जम्मू, अगरतला, शिलांग, नई दिल्ली, अजमेर, पटना, रांची, शिमला, हरिद्वार, लेह, भुवनेश्वर एवं कुरुक्षेत्र के समेकित वित्तीय विवरणों (रिटर्न के रूप में संदर्भित) में जैसाकि स्पष्ट है, ऑडिट नहीं किया है।

इन वित्तीय विवरणों की लेखा—परीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है, जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें उपलब्ध करायी गई है तथा समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक, इन केंद्रों के संबंध में सम्मिलित राशियों एवं प्रकटीकरणों का संबंध है, पूर्ण रूप से अन्य लेखा—परीक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित है।

हमारे द्वारा लेखा—परीक्षित नाइलिट दिल्ली मुख्यालय के संबंध में निम्नलिखित अन्य मामले थे;

1. नाइलिट मुख्यालय ने केंद्र को धनराशि रु.35.42 करोड़ के सुलभ ऋण दिए हैं। ऋण राशि की वसूली हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।
2. वर्ष के दौरान, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी को कॉर्पस फंड से रु.25 करोड़ की राशि प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी पर धनराशि रु.68.27 लाख का व्यय हुआ है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के उत्तरदायित्व

ऐसे आंतरिक नियंत्रण जिसमें प्रबंधन यह निर्धारित करता है कि, समेकित वित्तीय विवरण जो, तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, से मुक्त हैं, के लिए प्रयोज्य कानून व उपनियमों के अनुसार इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने कि ज़िम्मेदारी प्रबंधन की है।

इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में संस्था का प्रबंधन, संस्था के सामर्थ्य की निरंतरता की धारणा, प्रकटीकरण, जो भी हो, कार्यकलापों से संबन्धित मामले तथा लेखाओं के आधार पर निरंतरता की धारणा का उपयोग चाहे प्रबंधन की परिसमाप्ति का इरादा रखें अथवा संचालन बंद करें अथवा ऐसा करे किन्तु, कोई वास्तविक विकल्प न हों, के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है।

संस्था के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य इन वित्तीय विवरणों के बारे में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करना है कि यह समेकित वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप से भौतिक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि हो, से मुक्त है, और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है, जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन एक उच्चस्तरीय आश्वासन होता है, लेकिन, यह कोई गारंटी नहीं है, कि एसए के अनुसार किए गए ऑडिट में हमेशा भौतिक गलत विवरण, जो निहित हों, का पता लगेगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न हो सकते हैं और यदि पृथक या समग्र रूप से इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ता द्वारा लिए गए वित्तीय निर्णय उपयुक्ततः प्रभावित किए जाने की संभावना हो तो, वे महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

एसए के अनुसार लेखा—परीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर अनुमान का प्रयोग करते हैं तथा सम्पूर्ण ऑडिट के दौरान व्यवसायिकी संशयात्मकता बनाए रखते हैं। जिन केन्द्रों के लिए हमने ऑडिट किया है, हमने निम्नलिखित उपाय (इसके बाद अतिरिक्त उपाय के रूप में संदर्भित) भी किए हैं।

- समेकित वित्तीय विवरण के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों की पहचान करना एवं उनका आकलन करना, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं को तैयार एवं निष्पादित करना, तथा ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करना जो, हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के

K Dua & Co. New Delhi Chartered Accountants

परिणामस्वरूप होने वाली सामाग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबुझकर चूक, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रण के उल्लंघन सम्मिलित हो सकते हैं।

- ऑडिट से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों की जानकारी प्राप्त करना ताकि, परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त ऑडिट प्रक्रियाएं तैयार की जा सके, लेकिन यह सोसायटी के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर राय देने के प्रयोजन के लिए नहीं है।
- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों एवं संबंधित प्रकटीकरणों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करना।
- प्रबंधन द्वारा चालू लेखांकन के आधार का उपयोग किए जाने की औचित्ययता, एवं प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, घटनाओं या परिस्थितियों से संबन्धित महत्वपूर्ण अनिश्चितता विद्यमान है या नहीं, जिससे चालू संस्था के रूप में सोसाईटी के सामर्थ्य पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न होते हों, पर निष्कर्ष देना है। यदि हम निष्कर्ष देते है कि, भौतिक अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो, हमें वित्तीय विवरणों से संबन्धित प्रकटीकरण के लिए अपनी ऑडिट रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना आवश्यक है अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण अपर्याप्त है तो हमारी राय को संशोधित करें। हमारे निष्कर्ष, ऑडिटर रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर हैं तथापि, भविष्य में, घटनाएँ या परिस्थितियाँ सोसाईटी की निरंतरता की धारणा के सतत क्रम में अवरोध उत्पन्न कर सकती हैं।

शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को हम यह विवरण देते हैं कि हमने स्वायत्ता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और उन सभी रिश्तों पर अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जो हमारी स्वायत्ता पर और जहां लागू हो, संबन्धित सुरक्षा उपायों के बारे में यथोचित रूप से सोचा जा सकता है।

हम शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से अन्य मामलें में ऑडिट के योजनाबद्ध कार्य व समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा परिणामों जिसमें हमारे ऑडिट के दौरान पहचान की गई आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण कमियाँ भी शामिल हैं के बारे में सम्प्रेषण कर सकते हैं।

उन केन्द्रों के लिए जिनका हमने ऑडिट नहीं किया है और अन्य ऑडिटर्स द्वारा ऑडिट किया गया है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है, तदनुसार हमने उपर्युक्त अतिरिक्त उपाय करने के लिए उन ऑडिटर्स पर विश्वास किया गया है।

कृते एच के दुआ एंड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएनः 000581एन

विक्रम धीरवास
भागीदार
सदस्यता संख्या 422199

H K Dua & Co. New Delhi Chartered Accountants

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 08.09.2025
यूडीआईएनः 25422199BMGJGM8819

NIELIT Lon301.

9/12/25, 2:34 PM UDIN

The Institute of Chartered Accountants of India

(Set up by an Act of Parliament)

ICAI UDIN

Unique Document Identification Number(UDIN) for Practicing Chartered Accountants

Dashboard | Generate UDIN | Bulk UDIN for Certificates | List UDIN | Saved Draft List | FAQs | Profile

You have logged in as: CA VIKRAM DHEERWAS (422199)
Last login: 12/09/2025 | 13:33:59

UDIN GENERATED

Your document has been submitted successfully.
Unique Document Identification Number (UDIN) for this document is **25422199BMGJGM8819**

GENERATE ANOTHER UDIN   EXIT/LOGOUT

DISCLAIMER

This UDIN System has been developed by ICAI to facilitate its members for verification and certification of the documents and for securing documents and authenticity thereof by Regulators.
However, ICAI assumes no responsibility of verification and certification of document(s) carried out by the Members and the concerned member(s) shall alone be responsible therefore.

Copyright 2025 All rights reserved to the ICAI

https://udin.icai.org/udin-generated

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत संस्थान)

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
देयताएं			
समेकित पूंजीगत निधि	1	7,99,12,39,927	7,48,70,19,173
आरांक्षत और आंधेशेष	2	17	16
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	3	8,83,76,11,458	8,39,42,17,477
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	6	2,76,50,31,627	2,79,44,30,475
कुल		**19,59,38,83,029**	**18,67,56,67,141**
परिसम्पतियाँ			
स्थिर परिसम्पतियाँ	7	1,09,99,97,702	1,08,89,71,124
स्थिर परिसम्पतियाँ प्रायोजित परियोजनाएं	7-A	1,75,39,65,904	1,79,42,31,121
स्थिर परिसम्पतियाँ सोसायटी के अधिशेष पूंजी से	7-B	56,58,80,629	48,20,33,668
पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य	8	53,54,15,173	61,11,10,948
इयरमार्क्ड/एनडाऊमेंट निधि का निवेश	9	4,04,66,62,232	3,82,12,30,553
निवेश अन्य	10	32,96,77,411	17,15,85,405
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि.	11	11,26,22,83,978	10,70,65,04,322
कुल		**19,59,38,83,029**	**18,67,56,67,141**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	24		

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

एच के दुआ एंड कंपनी के लिए

शासपत्रित लेखाकर
एफ आर एन 000581 एन

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 08.09.2025

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
(भागीदार)
एम. न. 422199

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत संस्थान)

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एन पी आर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एन पी आर	गत वर्ष
देयताएं							
समेकित पूंजीगत निधि	1	6,05,51,97,707	1,93,60,42,220	7,99,12,39,927	5,55,26,25,697	1,93,43,93,476	7,48,70,19,173
आरक्षित एवं अधिशेष	2	17	-	17	16	-	16
इयर मार्क्ड/एडाउमेंट निधि	3	4,12,06,35,149	4,71,69,76,309	8,83,76,11,458	4,14,11,04,943	4,25,31,12,534	8,39,42,17,477
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-	-		-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-	-	-	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	6	1,86,78,87,529	89,71,44,098	2,76,50,31,627	1,89,70,64,789	89,73,65,686	2,79,44,30,475
योग		**12,04,37,20,402**	**7,55,01,62,627**	**19,59,38,83,029**	**11,59,07,95,445**	**7,08,48,71,696**	**18,67,56,67,141**
परिसम्पतियाँ							
स्थिर परिसम्पतियाँ जीआईए	7	1,09,99,97,702	-	1,09,99,97,702	1,08,89,71,124	-	1,08,89,71,124
स्थिर परिसम्पतियाँ प्रायोजित परियोजनाएं	7-A	1,75,39,23,579	42,325	1,75,39,65,904	1,79,41,82,922	48,199	1,79,42,31,121
स्थिर परिसम्पतियाँ सोसाइटी के अधिशेष पूंजी से	7-B	56,58,80,629	-	56,58,80,629	48,20,33,668	-	48,20,33,668
पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य	8	53,54,15,173	-	53,54,15,173	61,11,10,948	-	61,11,10,948
इयरमार्क्ड/एनडाऊमेंट निधि का निवेश	9	1,08,94,79,284	2,95,71,82,948	4,04,66,62,232	1,07,72,66,859	2,74,39,63,694	3,82,12,30,553
निवेश अन्य	10	32,96,77,411	-	32,96,77,411	17,15,85,405	-	17,15,85,405
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	11	6,66,93,46,624	4,59,29,37,354	11,26,22,83,978	6,36,56,44,519	4,34,08,59,803	10,70,65,04,322
योग		**12,04,37,20,402**	**7,55,01,62,627**	**19,59,38,83,029**	**11,59,07,95,445**	**7,08,48,71,696**	**18,67,56,67,141**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	24						

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

एच के दुआ एंड कंपनी के लिए

चार्टेड अकाउटेंट

एफ आर एन 000581 एन

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(सीए विक्रम धीरवास)

(भागीदार)

एम. न. 422199

स्थान : नई दिल्ली **(आलोक त्रिपाठी)**

दिनांक : 08.09.2025 **मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी**

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत संस्थान)

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
सेवाओं से आय	12	1,38,62,00,339	1,38,62,71,115
अनुदान इमदाद	13	3,51,09,710	4,12,48,329
शुल्क/अंशदान	14	1,27,55,10,611	1,02,27,73,988
परियोजनाओं से आय	15	1,16,69,13,875	1,23,59,69,961
प्रकाशन की बिक्री से आय	16	5,11,735	4,02,629
अर्जित ब्याज	17	87,38,90,527	79,56,49,742
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	18	46,73,188	43,66,845
विविध आय	19	47,90,56,275	36,99,53,753
योग (क)		**5,22,18,66,260**	**4,85,66,36,362**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	84,38,33,286	74,50,68,882
अन्य प्रशासनिक व्यय	21	62,23,57,134	51,30,60,804
परियोजनाओं पर व्यय	22	90,51,78,704	1,00,75,90,245
सेवाओं पर व्यय	22	1,27,24,36,482	1,28,22,61,495
स्थायी संपत्तियों पर मूल्यह्रास - जीआईए से	21	12,99,53,473	13,02,19,450
स्थायी संपत्तियों पर मूल्यह्रास - अधिशेष से	21	8,59,21,535	6,69,41,924
स्थायी संपत्तियों पर मूल्यह्रास - प्रायोजित परियोजनाएँ	22	24,62,93,868	18,41,89,447
योग (ख)		**4,10,59,74,482**	**3,92,93,32,247**
शेष राशि, व्यय से आय की अधिकता (क-ख)		1,11,58,91,778	92,73,04,115
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि में अंतरित ब्याज		53,66,89,376	6,10,40,377
अधिशेष शेष को कॉर्पस/पूंजी निधि में ले जाया गया।		**57,92,02,402**	**86,62,63,738**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	24		

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

एच के दुआ एंड कंपनी के लिए

चार्टेड अकाउटेंट

एफ आर एन 000581 एन

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 08.09.2025

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
(भागीदार)
एम. न. 422199

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत संस्थान)

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एन पी आर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एन पी आर	गत वर्ष
आय							
सेवाओं से आय	12	1,38,62,00,339	-	1,38,62,00,339	1,38,62,71,115	-	1,38,62,71,115
अनुदान/सब्सिडी	13	3,51,09,710	-	3,51,09,710	4,12,48,329	-	4,12,48,329
शुल्क/सदस्यताएँ	14	1,27,55,10,611	-	1,27,55,10,611	1,02,27,73,988	-	1,02,27,73,988
परियोजनाओं से आय	15	1,16,69,13,875	-	1,16,69,13,875	1,23,59,69,961	-	1,23,59,69,961
प्रकाशन की बिक्री से आय	16	5,11,735	-	5,11,735	4,02,629	-	4,02,629
अर्जित ब्याज	17	40,36,66,630	47,02,23,897	87,38,90,527	38,06,03,781	41,50,45,961	79,56,49,742
नगरपालिका से प्राप्तियाँ	18	46,73,188	-	46,73,188	43,66,845	-	43,66,845
विविध आय	19	47,90,51,539	4,736	47,90,56,275	36,99,53,253	500	36,99,53,753
योग (क)		**4,75,16,37,627**	**47,02,28,633**	**5,22,18,66,260**	**4,44,15,89,901**	**41,50,46,461**	**4,85,66,36,362**
व्यय							
स्थापना व्यय	20	84,15,31,651	23,01,635	84,38,33,286	74,30,84,299	19,84,583	74,50,68,882
अन्य प्रशासनिक व्यय	21	61,99,48,529	24,08,605	62,23,57,134	51,19,89,614	10,71,190	51,30,60,804
परियोजनाओं पर व्यय	22	90,51,78,704	-	90,51,78,704	1,00,75,90,245	-	1,00,75,90,245
सेवाओं पर व्यय	22	1,27,24,36,482	-	1,27,24,36,482	1,28,22,61,495	-	1,28,22,61,495
स्थायी संपत्तियों पर मूल्यहास - जीआइए से	21	12,99,53,473	-	12,99,53,473	13,02,19,450	-	13,02,19,450
स्थायी संपत्तियों पर मूल्यहास - अधिशेष से	21	8,59,21,535	-	8,59,21,535	6,69,35,738	6,186	6,69,41,924
स्थायी संपत्तियों पर मूल्यहास - प्रायोजित परियोजनाएं	22	24,62,87,994	5,874	24,62,93,868	18,41,89,447	-	18,41,89,447
योग (ख)		**4,10,12,58,368**	**47,16,114**	**4,10,59,74,482**	**3,92,62,70,288**	**30,61,959**	**3,92,93,32,247**
शेष राशि, व्यय से आय की अधिकता (क-ख)		65,03,79,259	46,55,12,519	1,11,58,91,778	51,53,19,613	41,19,84,502	92,73,04,115
घटाइए: एण्डाउमेंट निधि में अंतरित ब्याज		7,28,25,601	46,38,63,775	53,66,89,376	6,10,40,377	41,38,89,182	47,49,29,559
शेष राशि, जो अधिशेष है, को कॉर्पस/पूंजी निधि में अंतरित किया जाता है		**57,75,53,658**	**16,48,744**	**57,92,02,402**	**45,42,79,236**	**(19,04,680)**	**45,23,74,556**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	24						

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

एच के दुआ एंड कंपनी के लिए

चार्टेड अकाउटेंट

एफ आर एन 000581 एन

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 08.09.2025

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
(भागीदार)
एम. न. 422199

H K Dua & Co.
New Delhi
Chartered Accountants

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 1- समेकित/ पूंजीगत निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय तथा व्यय समायोजन खाता		
वर्ष के आरम्भ में शेष राशि	7,48,70,19,172	7,04,06,54,717
		-
जोड़िए/(घटाइए): मुख्यालय से सहायता निधि	(66,84,861)	(1,70,00,000)
जोड़िए/(घटाइए):– अन्य पूर्व अवधि समायोजन	(4,31,53,229)	66,70,858
जोड़िए/(घटाइए):– संचित बचत का उपयोग	(2,65,56,571)	4,13,225
जोड़िए/(घटाइए):– जीआईए/केंद्र/निर्धारित निधि से स्थानांतरित	-	(10,94,183)
जोड़िए: एलआईसी से ग्रेच्युटी योजना के लिए प्राप्त राशि	14,13,014	
जोड़िए:– व्यय/(आय) पर आय/(व्यय) की अधिकता	57,92,02,402	45,23,74,556
योग क	**7,99,12,39,927**	**7,48,20,19,173**
नाइलिट योजना से अधिशेष जारी		
अथ योग योग ख	**-**	**50,00,000**
वर्ष के अंत में शेष योग (क+ ख)	**7,99,12,39,927**	**7,48,70,19,173**

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 2 - आरक्षित और अधिशेष

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूंजी भंडार*	17	16
	-	-
सामान्य रिजर्व	-	-
	-	-
आय एवं व्यय खातों के अनुसार अधिशेष/(कमी)	-	-
	-	-
योग	**17**	**16**

* निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियों के कारण

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 3 - इयरमार्कड/एंडोमेंट निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क निधियों का आरंभिक शेष		
भवन निधि	65,69,52,874	61,50,73,911
जोडिए:- वर्ष के दौरान की गई वृद्धि	-	-
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,87,12,708	4,00,68,431
जोडिए: पूर्ण और अंतिम निपटान के बाद सीपीडब्ल्यूडी से हस्तांतरित राशि	-	18,10,532
घटाइए: वर्ष के दौरान उपयोग की गई धनराशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**70,56,65,582**	**65,69,52,874**
पाठ्यक्रम विकास निधि	31,98,548	29,24,238
जोडिए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान उपयोग की गई धनराशि	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,93,939	2,74,310
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**34,92,487**	**31,98,548**
प्रोत्साहन पुरस्कार निधि	3,25,31,822	3,07,08,826
जोड़िए: वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	25,85,872	23,16,996
घटाइए: उपयोग की गई धनराशि / निधि	(92,40,000)	(4,94,000)
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**2,58,77,694**	**3,25,31,822**
पुरस्कार निधि	62,10,947	57,44,038
जोडिए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	5,00,321	4,66,909
जोडिए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: उपयोग की गई धनराशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**67,11,268**	**62,10,947**
एचआर एवं डी के लिए अनुसंधान एवं विकास	7,29,50,577	6,80,93,168
जोडिए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	55,88,260	48,57,409
जोडिए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: उपयोग की गई धनराशि	(20,20,339)	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**7,65,18,498**	**7,29,50,577**
आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों का विकास	39,21,810	64,06,221
जोडिए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	5,45,373	4,83,589
जोडिए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: -उपयोग की गई धनराशि	-	(29,68,000)
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**44,67,183**	**39,21,810**
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं पुनः प्रशिक्षण	4,94,69,171	4,96,74,774
जोडिए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	41,27,689	36,69,821
घटाइए: -उपयोग की गई धनराशि	(10,31,974)	(38,75,424)
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**5,25,64,886**	**4,94,69,171**

जारी.....

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची–3 जारी है..............

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण निधि	13,52,70,384	15,87,48,974
जोडिए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	(51,90,688)	5,25,53,007
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	83,95,726	75,36,053
जोडिए: अर्जित ब्याज	21,26,602	-
घटाडिए:- उपयोग की गई धनराशि	-	(97,70,435)
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**14,06,02,024**	**20,90,67,599**
चिकित्सा प्रतिपूर्ति निधि	66,97,613	62,14,668
जोडिए: वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	5,38,988	4,82,945
घटाईए:- वर्ष के दौरान उपयोग की गई धनराशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**72,36,601**	**66,97,613**
एनपीआर/आरजीआई निधि (ब्याज)	4,25,31,12,534	3,84,31,78,240
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	46,38,63,775	54,69,43,471
घटाईए:- एनपीआर परियोजना खाते में स्थानांतरित	-	(13,70,09,177)
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**4,71,69,76,309**	**4,25,31,12,534**
स्टाफ कल्याण निधि	62,51,569	57,84,660
जोड़िए:– अधिशेष से ब्याज	-	-
जोड़िए:– बर्ष के दौरान प्राप्त व्याज	5,00,321	4,66,909
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**67,51,890**	**62,51,569**
भवन रखरखाव निधि	-	-
जोडिए:- भवन निधि से अंतरित राशि	-	-
घटाईए:- कॉर्पस निधि में अंतरित राशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**-**	**-**
एनईएफडी फंड	1,04,72,331	1,02,48,408
जोडिए:- अधिशेष से जोड़ें	-	-
जोडिए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	8,20,914	2,23,923
घटाइए:- वर्ष के दौरान उपयोग की गई धनराशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**1,12,93,245**	**1,04,72,331**
बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कोष	27,48,432	25,55,350
जोडिए: अधिशेष से प्राप्त राशि	-	-
जोडिए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,15,490	1,93,082
घटाईए: वर्ष के दौरान कॉर्पस फंड में स्थानांतरित की गई राशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**29,63,922**	**27,48,432**
वर्ष के अंत में कुल शेष	**5,76,11,21,589**	**5,31,35,85,827**

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 3 क- सहायता अनुदान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
मुख्य गतिविधियों के लिए अनुदान सहायता-एवं बजटीय स्रोत		
केंद्र सरकार से अनुदान सहायता		
अथ शेष	1,23,09,89,412	1,33,82,53,050
जोडिए:- एमईआईटीवाई/ केंद्रों से प्राप्त योजना अनुदान	10,49,902	5,43,33,982
घटाईए:- मुख्यालय/एमईआईटीवाको लौटाई गई धनराशि	-	(1,68,08,144)
घटाईए: आवर्ती विस्तार के लिए राजस्व में स्थानांतरण।	-	(2,30,78,877)
जोडिए/घटाईए:- उपयोग/संवितरण	-	(63,974)
जोडिए/घटाईए: समायोजन	(75,78,795)	(12,37,072)
घटाइए: मूल्यह्रास प्रभारित	(12,05,48,857)	(12,04,09,553)
31.03.2025 को इतिशेष	**1,10,39,11,662**	**1,23,09,89,412**
विस्तार केंद्र		
अथ शेष	1,51,61,97,842	1,46,60,34,291
वर्ष के दौरान: एमईआईटीवाई से प्राप्त योजना अनुदान	27,42,72,888	12,78,18,202
जोडिए:- वर्ष के दौरान अधिशेष निधि का उपयोग	1,97,28,952	-
घटाइए: मुख्यालय को लौटाई गई	(7,87,93,194)	5,59,000
घटाईए:- उपयोगित/गैर-योजना आवर्ती व्यय में स्थानांतरित	(6,10,29,849)	-
घटाईए :- मूल्यह्रास प्रभारित	(16,22,49,695)	(12,66,94,971)
31.03.2025 को इतिशेष	**1,50,81,26,944**	**1,46,77,16,522**
भवन निर्माण के लिए सहायता अनुदान (राज्य सरकार)-अथ शेष	13,76,26,732	15,19,91,017
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	(57,90,926)	(1,43,64,285)
घटाईए: लगाया गया मूल्यह्रास	(68,51,142)	-
31.03.2025 को इतिशेष	**12,49,84,664**	**13,76,26,732**
राज्य सरकार से सहायता अनुदान	-	-
आरंभिक शेष	74,65,589	87,00,195
जोडिए:- वर्ष के दौरान समायोजन	-	(2,48,453)
घटाईए:- प्रभारित मूल्यह्रास	(9,13,752)	(9,86,153)
31.03.2025 को इतिशेष	**65,51,837**	**74,65,589**
दूसरों से प्राप्त अनुदान सहायता		
प्रारंभिक शेष	90,001	90,001
31.03.2025 को इतिशेष	**90,001**	**90,001**
वर्ष के अंत में शेष योग	**2,74,36,65,108**	**2,84,38,88,256**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची- 3 ख- सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त धनराशि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
जीआईए - प्रायोजित परियोजनाओं-ख के लिए प्राप्त डोनर परियोजनाएं		
आरंभिक शेष	10,42,385	10,67,029
वर्ष के दौरान प्राप्त	1,65,53,571	-
घटाईए:- जारी/वितरित	(1,75,58,990)	-
घटाईए:- लगाया गया मूल्यह्रास	(14,786)	(24,644)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (क)	**22,180**	**10,42,385**
एमईआईटीवाईऔर केंद्र सरकार परियोजना	-	-
अथ शेष	18,50,31,540	74,44,50,441
जोडिए:- परियोजना के लिए प्राप्त धनराशि	1,67,05,16,910	1,41,33,69,936
जोडिए/घटाईए: पूर्व अवधि समायोजन	6,70,07,531	31,01,334
जोडिए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	84,472	4,55,20,368
जोडिए: अचल संपत्तियों के लिए रखा गया जीआईए	-	2,12,07,565
घटाईए:- उपयोग की गई धनराशि/वितरण/वापसी	(1,27,84,56,536)	(1,79,08,39,037)
घटाईए:- परियोजना आय में स्थानांतरित	(23,33,35,441)	(15,13,70,106)
घटाईए:- मूल्यह्रास प्रभारित	(7,99,28,068)	(5,19,27,641)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (ख)	**33,09,20,408**	**23,35,12,860**
अन्य परियोजनाएं		
आरंभिक शेष	2,75,149	2,76,798
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त धनराशि	-	-
घटाईए:- आवर्ती व्यय/वापसी	-	-
घटाईए:- लगाया गया मूल्यह्रास	(1,477)	(1,649)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (ग)	**2,73,672**	**2,75,149**
राज्य सरकार की परियोजनाएं		
आरंभिक शेष	19,13,000	9,13,000
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त धनराशि	-	10,00,000
घटाईए:- लगाया गया मूल्यह्रास	(3,04,499)	-
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (घ)	**16,08,501**	**19,13,000**
योग (क+ख+ग+घ)	**33,28,24,761**	**23,67,43,394**
अनुसूची का कुल योग (3+3क+3ख)	**8,83,76,11,458**	**8,39,42,17,477**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण और उधारियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
बैंक से सावधि ऋण (वाहन बंधक के विरुद्ध सुरक्षित)	-	-
अनुसूचित बैंक के साथ नकद जमा	-	-
अनुसूचित बैंक के साथ नकद ऋण पर अर्जित और देय ब्याज	-	-
अन्य संस्थाएं और एजेंसियाँ	-	-
निवेश के एवज अनुसूचित बैंक से सुरक्षित ऋण	-	-
योग	**-**	**-**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से ऋण	-	-
राज्य सरकार/केंद्र से ऋण	-	-
अन्य/मुख्यालय से ऋण	-	-
माँग नकद उधार	-	-
ऋणों पर उपचयित ब्याज एवं देय	-	-
योग	**-**	**-**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची-6 वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क) वर्तमान देयताएं		
1. विविध लेनदार		
कंप्यूटर और उपकरण	82,10,244	65,41,831
आपूर्तिकर्ता	2,06,32,424	8,41,43,822
सेवाएँ/अन्य	10,06,12,273	14,74,28,565
2. प्राप्त सुरक्षा जमा		
आपूर्तिकर्ता/छात्र और अन्य	7,28,82,938	6,46,49,561
बयाना राशि/प्रतिधारण राशि	13,41,81,810	57,33,02,118
चेतावनी राशि/पुस्तकालय सुरक्षा	47,87,49,152	5,59,29,104
प्रतिधारण राशि दंड	-	12,72,421
3. प्राप्त अग्रिम राशि		
छात्रों से	4,40,88,749	4,18,13,860
अन्य लोगों से	11,53,50,601	24,40,52,677
भारत के महापंजीयक से	-	-
जम्मू-कश्मीर के स्कूली शिक्षा विभाग से	36,15,082	-
नाइलिट योजना से	28,413	3,95,241
4. व्यय हेतु देयताएँ		
उपार्जित/देय ब्याज - अन्य	2,27,395	3,58,263
देयताएँ - एलआरयूआर (एनपीआर)	12,03,39,767	12,10,89,436
आकस्मिक देयताएँ	-	-
देयताएँ - अन्य व्यय	5,76,74,626	5,32,41,069
5. कर्मचारियों को देय वेतन, मजदूरी और अन्य दावे		
देय वेतन और मजदूरी	4,95,60,319	4,66,63,002
अप्रदत्त वेतन और मजदूरी	-	-
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	2,60,55,056	2,06,83,474
संविदा कर्मचारियों को वेतन और मजदूरी	3,66,51,846	3,57,57,465
6. निधि में योगदान		
कर्मचारी क्षतिपूर्ति अंशदान - ईपीएफ/ईएसआई/एनपीएस	66,92,800	82,87,265
कर्मचारी स्वैच्छिक अंशदान - ईपीएफ/एनपीएस	2,86,585	5,82,113
संविदा कर्मचारी अंशदान - ईपीएफ	6,08,724	7,06,650
सोसायटी अंशदान - ईपीएफ/ईएसआई/एनपीएस	63,56,258	83,77,180

जारी.....

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची- 6 जारी है.....

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
7. लंबित भुगतान से प्राप्तियाँ		
वेतन पर आयकर	87,63,176	79,46,978
जीवन/समूह बीमा प्रीमियम	39,564	1,02,360
रोज़गार/पेशेवर कर	2,18,770	1,56,350
वेतन से अन्य वसूलियाँ	27,08,585	30,76,724
समूह बीमा	3,551	4,115
8. अन्य दायित्व		
संवितरण हेतु रखी गई राशि	23,84,14,907	23,02,78,348
आयकर की कटौती ठेकेदारों/पेशेवरों/किराए से	76,52,744	88,86,530
देय परीक्षा व्यय ओ/ए/बी/सी	15,47,222	27,85,697
देय परीक्षा व्यय 'सीसीसी'/बीसीसी	16,43,941	5,66,518
जारी किए गए चेक/पुराने चेक	-	12,70,035
वापसी योग्य परीक्षा शुल्क	-	1,500
देय अन्य व्यय	8,31,67,871	11,89,34,647
लेखा परीक्षक को देय राशि	9,86,297	10,78,201
वेतन पर टीडीयस	52,50,179	42,05,005
जीएसटी देय	6,17,45,062	8,59,36,516
सेवाकर देय	56,27,035	53,43,972
केंद्रों/मुख्यालय को देय राशि	8,68,72,894	64,71,983
केंद्रीकृत समूह ग्रेच्युटी (एसबीआई लाइफ के साथ)	8,98,32,360	-
योग (क)	**1,87,72,79,220**	**1,99,23,20,596**
(ख) प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
बोनस के लिए प्रावधान	-	-
देय सेवा कर के लिए प्रावधान	-	-
अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	44,14,37,598	40,72,05,369
ग्रेच्युटी के लिए प्रावधान	44,63,14,809	39,49,04,510
योग (ख)	**88,77,52,407**	**80,21,09,879**
योग (क)+ (ख)	**2,76,50,31,627**	**2,79,44,30,475**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 7 अचल संपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए में)

		सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुद्ध मालियत	
विवरण	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ में लागत 01.04.2024 तक	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
1. भूमि											
क) फ्रीहोल्ड		4	-	-	4	-	-	-	-	4	4
ख) लीजहोल्ड		42,000	-	-	42,000	-	-	-	-	42,000	42,000
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्रीहोल्ड	10%	1,54,68,86,809	12,34,04,709	-	1,67,02,91,518	93,06,52,635	7,39,63,890	-	1,00,46,16,525	66,56,74,993	61,62,34,174
ख) लीजहोल्ड		29,84,60,586	-	-	29,84,60,586	16,93,46,580	1,28,91,088	-	18,22,37,668	11,62,22,918	12,91,14,006
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट/परिसर		9,19,48,099	13,17,801	-	9,32,65,900	3,86,87,387	53,91,961	-	4,40,79,348	4,91,86,552	5,32,60,712
घ) भूमि पर अधिसंरचना जो संस्था से संबंधित	10%	33,54,54,719	-	-	33,54,54,719	19,77,05,079	1,37,74,962	-	21,14,80,041	12,39,74,678	13,77,49,640
3. संयंत्र, मशीनरी और उपकरण	15%	8,73,30,347	-	-	8,73,30,347	8,17,64,118	8,34,935	-	8,25,99,053	47,31,294	52,61,409
4. वाहन	15%	1,23,51,986	-	-	1,23,51,986	1,01,76,857	3,26,270	-	1,05,03,127	18,48,859	21,75,129
5. फर्नीचर और फिक्स्चर	10%	15,88,88,163	46,80,958	(12,36,501)	16,23,32,620	10,90,84,728	52,19,685	(7,59,657)	11,35,44,756	4,87,87,864	4,98,03,434
6. कार्यालय उपकरण	15%	18,52,85,833	65,71,850	(14,80,519)	19,03,77,164	12,73,50,888	92,19,357	(13,82,600)	13,51,87,645	5,51,89,519	5,79,34,945
7. कंप्यूटर और बाह्य उपकरण (सॉफ्टवेयर और	40%	45,99,40,067	59,97,643	(85,91,958)	45,73,45,752	44,81,07,344	49,92,992	(42,13,616)	44,88,86,720	84,59,032	1,18,32,722
8. विद्युत स्थापना	15%	6,73,22,220	39,70,749	-	7,12,92,969	4,86,89,440	22,99,828	-	5,09,89,268	2,03,03,701	1,86,32,780
9. पुस्तकालय और पुस्तकें	40%	4,79,35,465	-	(435)	4,79,35,030	4,76,16,544	1,27,567	-	4,77,44,111	1,90,919	3,18,921
10. नलकूप जल आपूर्ति और भूमि विकास	15%	50,71,642	-	-	50,71,642	43,94,613	67,704	-	44,62,317	6,09,325	6,77,029
11. इंटरनेट कनेक्शन	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. एयर कंडीशनर	10%	54,28,211	-	(83,710)	53,44,501	47,83,865	96,650	(73,589)	48,06,926	5,37,575	9,49,166
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	5,21,44,692	-	-	5,21,44,692	4,79,71,385	6,25,996	-	4,85,97,381	35,47,311	41,73,307
14. अन्य अचल संपत्तियाँ	15%	33,32,173	-	-	33,32,173	25,20,429	1,20,588	-	26,41,017	6,91,156	8,11,744
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
16. सड़कें और पुलियाएँ		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलेंडर	40%	72,534	-	-	72,534	72,533	-	-	72,533	1	1
कुल		**3,35,78,95,551**	**14,59,43,710**	**(1,13,93,123)**	**3,49,24,46,138**	**2,26,89,24,425**	**12,99,53,473**	**(64,29,462)**	**2,39,24,48,436**	**1,09,99,97,702**	**1,08,89,71,124**

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H. K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 7 क अचल संपत्तियों का विवरण (प्रायोजित परियोजनाएं)

(राशि रुपए में)

		सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुद्ध मालियत	
विवरण	**मूल्यह्रास की दर**	**वर्ष के आरंभ में लागत 01.04.2024**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान कटौती**	**वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन**	**वर्ष के आरंभ में**	**वर्ष के दौरान वृद्धि**	**वर्ष के दौरान समायोजन/कटौ**	**वर्ष के अंत तक कल**	**चालू वर्ष के अंत तक**	**पिछले वर्ष के अंत तक**
1. भूमि											
क) फ्रीहोल्ड		6	-	-	6	-	-	-	-	6	6
ख) लीजहोल्ड		1,01,176	-	-	1,01,176	-	-	-	-	1,01,176	1,01,176
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-			-
क) फ्रीहोल्ड	10%	1,25,37,83,294	-	-	1,25,37,83,294	21,19,24,212	10,41,84,711	11,968	31,61,20,891	93,76,62,403	1,04,18,59,082
ख) लीजहोल्ड		-	95,78,992	-	95,78,992	-	4,78,950	-	4,78,950	91,00,042	-
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट/परिसर		36,13,92,352	-	-	36,13,92,352	1,80,69,618	3,43,32,273	-	5,24,01,891	30,89,90,461	34,33,22,734
घ) भूमि पर अधिसंरचना जो संस्था से संबंधित नहीं है	10%	11,25,94,737	-	-	11,25,94,737	1,72,99,352	95,29,538	-	2,68,28,890	8,57,65,847	9,52,95,385
3. संयंत्र, मशीनरी और उपकरण	15%	2,63,10,125	2,35,49,578	-	4,98,59,703	94,39,828	40,00,240	-	1,34,40,068	3,64,19,635	1,68,70,297
4. वाहन	15%	1,99,82,383	30,29,715	-	2,30,12,098	28,43,823	30,25,242	-	58,69,065	1,71,43,033	1,71,38,561
5. फर्नीचर और फिक्स्चर	10%	8,48,16,393	2,38,70,171	-	10,86,86,564	3,10,86,286	68,50,439	-	3,79,36,725	7,07,49,839	5,37,30,107
6. कार्यालय उपकरण	15%	14,95,77,134	1,72,67,246	1	16,68,44,381	6,69,49,843	1,38,00,136	-	8,07,49,979	8,60,94,402	8,26,27,291
7. कंप्यूटर और बाह्य उपकरण (सॉफ्टवेयर और	40%	38,31,01,214	11,87,77,279	(4,64,815)	50,14,13,678	29,42,58,569	6,10,32,699	(2,20,019)	35,50,71,249	14,63,42,429	8,88,42,645
8. विद्युत स्थापना	15%	1,66,97,685	62,74,114	-	2,29,71,799	61,08,140	19,65,849	-	80,73,989	1,48,97,810	1,05,89,545
9. पुस्तकालय और पुस्तकें	40%	82,08,075	6,41,279	-	88,49,354	77,98,078	2,92,255	-	80,90,333	7,59,021	4,09,997
10. नलकप जल आपूर्ति और भूमि विकास	15%	2,40,97,700	-	-	2,40,97,700	18,07,328	33,43,556	-	51,50,884	1,89,46,816	2,22,90,372
11. इंटरनेट कनेक्शन	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. एयर कडीशनर	10%	3,66,951	29,661	-	3,96,612	2,73,071	18,532	-	2,91,603	1,05,009	93,880
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	5,74,83,113	31,69,964	-	6,06,53,077	4,02,73,898	28,19,130	-	4,30,93,028	1,75,60,049	1,72,09,215
14. अन्य अचल संपत्तियाँ	15%	40,56,896	97,416	-	41,54,312	2,06,068	6,20,318	-	8,26,386	33,27,926	38,50,828
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सड़कें और पुलियाएँ		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		-									
कुल		**2,50,25,69,234**	**20,62,85,415**	**(4,64,814)**	**2,70,83,89,835**	**70,83,38,114**	**24,62,93,868**	**(2,08,051)**	**95,44,23,931**	**1,75,39,65,904**	**1,79,42,31,121**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

मदनमोहन

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 7-ख अधिशेष निधियों से निर्मित अचल संपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए में)

		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
विवरण	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के आरंभ में लागत 01.04.2024 तक	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
1. भूमि											
क) फ्रीहोल्ड		1,15,88,900	-	-	1,15,88,900	-	-	-	-	1,15,88,900	1,15,88,900
ख) लीजहोल्ड		1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्रीहोल्ड	10%	12,08,36,030	8,77,00,000	-	20,85,36,030	4,64,63,057	1,62,07,298	-	6,26,70,355	14,58,65,675	7,43,72,973
ख) लीजहोल्ड		40,06,70,151	-	-	40,06,70,151	17,15,80,264	2,29,08,989	-	19,44,89,253	20,61,80,898	22,90,89,887
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट/परिसर		36,20,947	-	-	36,20,947	32,82,044	-	-	32,82,044	3,38,903	3,38,903
घ) भूमि पर अधिसंरचना जो संस्था से संबंधित नहीं है	10%	1,04,06,048	13,00,477	-	1,17,06,525	55,42,397	6,43,130	-	61,85,527	55,20,998	48,63,651
3. संयंत्र, मशीनरी और उपकरण	15%	2,37,95,582	48,14,236	(1,65,900)	2,84,43,918	1,26,54,950	21,88,431	(1,16,705)	1,47,26,676	1,37,17,242	1,11,40,632
4. वाहन	15%	1,36,74,097	22,09,076	(81,218)	1,58,01,955	66,48,479	13,85,205	-	80,33,684	77,68,271	70,25,618
5. फर्नीचर और फिक्स्चर	10%	7,66,09,026	1,45,36,692	(46,308)	9,10,99,410	3,76,67,189	47,19,982	(33,107)	4,23,54,064	4,87,45,346	3,89,41,837
6. कार्यालय उपकरण	15%	5,87,27,853	98,48,939	(9,23,766)	6,76,53,026	2,72,04,109	59,43,606	(6,74,074)	3,24,73,641	3,51,79,385	3,15,23,744
7. कंप्यूटर और बाह्य उपकरण (सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर)	40%	29,90,56,608	4,62,68,230	(1,04,94,825)	33,48,30,013	26,03,37,088	2,76,48,092	(1,02,60,826)	27,77,24,354	5,71,05,659	3,87,19,520
8. विद्युत स्थापना	15%	71,87,621	2,78,570	-	74,66,191	42,44,960	3,67,998	-	46,12,958	28,53,233	29,42,661
9. पुस्तकालय और पुस्तकें	40%	1,17,24,291	6,31,105	-	1,23,55,396	1,06,50,328	6,02,501	-	1,12,52,829	11,02,567	10,73,963
10. नलकूप जल आपूर्ति और भूमि विकास	15%	9,63,642	-	-	9,63,642	8,04,396	21,216	-	8,25,612	1,38,030	1,59,246
11. इंटरनेट कनेक्शन	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. एयर कंडीशनर	10%	54,06,442	3,64,203	(1,63,958)	56,06,687	32,51,638	3,35,460	(1,49,635)	34,37,463	21,69,224	21,54,804
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	3,59,63,119	16,41,047	-	3,76,04,166	2,17,45,530	23,18,200	-	2,40,63,730	1,35,40,436	1,42,17,589
14. अन्य अचल संपत्तियाँ	15%	1,22,10,248	8,17,548	-	1,30,27,796	1,07,33,052	6,31,427	-	1,13,64,479	16,63,317	14,77,196
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सड़कें और पुलियाएँ		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलेंडर	40%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
					-						
कुल		**1,10,48,43,150**	**17,04,10,123**	**(1,18,75,975)**	**1,26,33,77,298**	**62,28,09,481**	**8,59,21,535**	**(1,12,34,347)**	**69,74,96,669**	**56,58,80,629**	**48,20,33,669**

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8 - प्रगति पर पूंजीगत कार्य

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रगति पर पूंजीगत कार्य		
i) कार्यालय, छात्रावास और आवासीय भवनों का निर्माण	6,89,76,526	50,49,00,271
घटाईए: अचल संपत्तियों का हस्तांतरण	-	(36,76,56,363)
ii) कार्यालय, छात्रावास और आवासीय भवनों का निर्माण (एनडीयू)	17,71,607	-
iii) सिविल परामर्श	-	-
iv) कार्यालय भवन किदवई नगर (एनबीसीसी)	46,46,67,040	47,38,67,040
	-	-
योग	**53,54,15,173**	**61,11,10,948**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 9 - इयरमार्कड/एंडोमेंट निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर और बॉन्ड	-	-
अन्य (राष्ट्रीयकृत बैंक के साथ एफडीआर)		
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का निर्माण	2,95,71,82,948	2,74,39,63,694
भवन निधि-मुख्यालय	59,17,39,294	54,84,64,689
पाठ्यक्रम विकास निधि	39,65,452	36,70,657
प्रोत्साहन पुरस्कार निधि	3,48,23,723	3,22,82,368
पुरस्कार निधि	67,49,705	62,47,926
कर्मचारी कल्याण निधि	67,49,704	62,47,925
मानव संसाधन विकास निधि हेतु अनुसंधान एवं विकास	7,48,30,242	6,96,48,922
आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम हेतु निधि का विकास	73,50,496	68,08,408
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं पुनर्प्रशिक्षण निधि	5,43,10,540	5,03,60,096
चिकित्सा प्रतिपूर्ति निधि	72,58,504	67,28,795
ग्रेच्युटी एवं अवकाश नकदीकरण निधि	28,77,44,457	33,38,68,468
बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) निधि	29,01,977	26,90,197
एनईएफडी निधि	1,10,55,190	1,02,48,408
योग	**4,04,66,62,232**	**3,82,12,30,553**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
समूह ग्रेच्युटी (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	9,93,87,157	15,99,61,996
केंद्रीकृत समूह ग्रेच्युटी निधि	19,83,24,053	-
एसबीआई लाइफ	3,19,66,201	66,23,409
अवकाश नकदीकरण (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	-	-
डिबेंचर और बॉन्ड	-	-
अन्य (एफडीआर)	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का निर्माण	-	-
ईएसडीएम क्षेत्र में कौशल विकास (चरण-2) एफडीआर	-	-
इन्क्यूबेशन परियोजनाएँ (एफडीआर)	-	50,00,000
योग	**32,96,77,411**	**17,15,85,405**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 11- चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क वर्तमान परिसंपत्तियाँ		
1. वर्तमान परिसंपत्तियाँ		
फुटकर देनदार - आपूर्तिकर्ताओं के लिए	1,13,68,749	26,50,250
फुटकर देनदार - सेवाओं के लिए	45,50,42,423	45,35,60,776
फुटकर देनदार - स्मार्ट क्लास रूम परियोजना (जम्मू और कश्मीर) / अन्य	3,80,85,356	3,09,14,114
फुटकरदेनदार - केंद्र	4,71,803	-
संदेग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	(3,44,63,493)	(3,96,17,837)
फुटकर देनदार - आरजीआई	68,92,08,908	68,92,08,907
2. स्टॉक-इन-हैंड (स्टेशनरी और प्रकाशन)	8,98,580	10,60,863
3. नकद शेष		
पास में नकदी	7,417	13,441
पास में अग्रदाय	-	55,970
पास में टिकट	-	-
चेक/डीडी पारगमन में प्रेषण	1,87,517	6,29,854
पास में चेक/ड्राफ्ट/पोस्टल ऑर्डर (आरटीआई)	-	-
4. बैंक बैलेंस		
चालू खाता	36,67,99,666	37,91,61,240
बचत खाता	69,29,67,457	38,49,29,765
अल्पकालिक जमा	2,21,21,19,048	4,02,69,03,228
दीर्घकालिक जमा	5,00,39,42,157	2,96,97,10,333
जीआईए फंड के लिए दीर्घकालिक जमा	-	-
दीर्घकालिक जमा (ईएमडी)	10,000	10,000
5. अन्य चालू संपत्तियाँ		
जमा पर अर्जित ब्याज	31,38,91,550	29,61,87,013
स्रोत पर आयकर कटौती	67,68,62,792	64,42,38,168
जीएसटी इनपुट क्रेडिट	1,67,50,506	1,97,36,216
आस्थगित जीएसटी इनपुट क्रेडिट/सेनवैट क्रेडिट	44,85,192	1,88,25,839
कैश लेज़र जीएसटी	3,35,914	3,96,252
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति शुल्क रियायत और अन्य जिआईए प्राप्य एमईआईटीवाई से	27,07,62,711	28,76,89,865
डोनर से प्राप्य राशि	-	9,54,551
शुल्क/वसूली योग्य आय	12,69,43,378	13,49,76,956
एसबीआई लाइफ के साथ समूह ग्रेच्युटी के लिए अग्रिम	4,81,34,255	-
योग (क)	**10,89,48,11,886**	**10,30,21,95,764**
ख. ऋण, अग्रिम आदि		
1. ऋण		
कर्मचारियों को गृह निर्माण ऋण	2,67,000	-
कर्मचारियों को अन्य ऋण	-	3,17,400
ऋण पर आंजेत ब्याज	4,58,926	4,30,967

जारी.....

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H. K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची-11

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. वसूली योग्य पेशागियाँ		
जमा कार्यों के लिए पेशागियाँ	3,66,85,883	14,29,23,377
अन्य अचल संपत्तियों के लिए पेशागियाँ	8,000	8,000
आपूर्तिकर्ताओं को पेशागियाँ	6,86,61,375	1,43,91,434
अन्य को अग्रिम	5,68,79,803	10,66,19,105
कर्मचारियों को त्यौहार पेशागियाँ	-	-
यात्रा पेशागियाँ	3,85,453	3,11,471
कर्मचारियों को अन्य पेशागियाँ	12,76,352	9,84,596
परीक्षा अधीक्षक ओ/ए/बी/सी स्तर पर पदोन्नति	60,63,679	1,13,07,024
परीक्षा अधीक्षक - बी आई ओ /सीसीसी स्तर पर पदोन्नति	22,100	22,100
परीक्षा अधीक्षक - बी यू डी ए स्तर पर पदोन्नति	-	1,02,357
खर्चों के लिए अस्थायी अग्रिम।	5,08,330	3,12,528
कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	2,27,188	20,886
पार्टियों/केंद्रों से वसूली योग्य राशि	14,63,87,163	3,89,00,586
जीएसटी/जीएसटी टीडीएस	2,11,64,592	4,45,05,047
पूर्व-भुगतान व्यय/सदस्यता	39,75,437	29,19,625
सुरक्षा जमा/ईएमडी	1,89,62,330	1,13,17,867
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को अग्रिम राशि	34,69,494	-
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ (पूर्वोत्तर परियोजना)	-	6,55,13,889
3. विविध व्यय और हानियाँ		
आस्थगित राजस्व व्यय	-	-
योग (ख)	**36,54,03,105**	**44,09,08,259**

जारी है....

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H. K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाईलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची-11 जारी है.....

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
ग अंतर केंद्र सेवा		
क) आइज़ोल केंद्र	(50,75,810)	(1,44,946)
ख) औरंगाबाद केंद्र	(81,90,306)	(26,00,403)
ग) कालीकट केंद्र	89,92,819	20,82,803
घ) चंडीगढ़/कुरुक्षेत्र केंद्र	1,92,68,692	(4,43,85,747)
ड़) चेन्नई/हैदराबाद केंद्र	(23,42,105)	(11,33,891)
च) गोरखपुर/लखनऊ केंद्र	(3,77,60,663)	(2,32,44,822)
छ) गंगटोक केंद्र	(61,275)	(31,900)
ज) इम्फाल केंद्र	(13,20,114)	(34,10,179)
झ) श्रीनगर/जम्मू केंद्र	(27,59,545)	7,28,151
ञ) कोलकाता केंद्र	10,65,91,351	10,57,18,631
ट) कोहिमा केंद्र	34,51,043	12,66,460
ठ) शिलांग केंद्र	(1,25,983)	56,70,575
ड) अगरतला केंद्र	(22,52,580)	(10,00,430)
ढ) गुवाहाटी/तेजपुर केंद्र	(13,89,488)	(5,39,13,559)
न) ईटानगर/तेज़ू/पासीघाट केंद्र	(7,12,503)	(16,65,858)
त) मुख्यालय	5,42,62,199	1,53,69,377
थ) नई दिल्ली केंद्र	48,95,136	3,25,70,244
द) पटना केंद्र	12,57,872	29,15,238
ध) रांची केंद्र	(15,38,628)	(4,76,372)
ण) अजमेर केंद्र	12,10,117	(1,22,46,520)
प) शिमला केंद्र	(35,69,760)	3,33,00,754
फ) हरिद्वार केंद्र	(27,55,382)	1,58,29,071
ब) भुवनेश्वर केंद्र	(22,24,542)	(9,13,423)
भ) पाली केंद्र/बीकानेर केंद्र	(33,09,040)	1,13,01,342
म) लखनऊ केंद्र	-	3,31,161
य) एनपीआर	(11,94,32,262)	(12,46,72,888)
र) लेह केंद्र	(30,43,583)	61,57,430
ल) एनडीयू	3,327	-
योग (ग)	**20,68,987**	**(3,65,99,701)**
योग (क+ख+ग)	**11,26,22,83,978**	**10,70,65,04,322**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाईलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 12 - सेवाओं से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परामर्श/व्यावसायिक शुल्क		
परामर्श शुल्क	44,42,515	15,02,970
आईआरडीए परीक्षा/पीएमजी दिशा परीक्षा आदि।	25,71,836	2,49,58,197
एवीएसईसी/बीसीएएस परीक्षा/ईएसडीएम/यूटी काउन्सलिंग	31,24,523	28,18,040
वेबसाइट/लैब रखरखाव और सॉफ्टवेयर विकास	29,64,319	42,62,342
भर्ती परीक्षाओं का संचालन	19,33,00,800	30,57,67,766
ऑनलाइन परीक्षा शुल्क	1,74,72,681	4,13,19,644
कॉर्पोरेट प्रशिक्षण	68,15,553	37,69,844
ऑनलाइन परीक्षा के लिए बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना	69,43,070	23,87,448
डेटा प्रोसेसिंग सेवाएँ		
पीएसपीसीएल	10,31,99,386	7,86,41,629
जनशक्ति सेवाएँ प्रदान करना	1,04,53,65,656	92,08,43,235
योग	**1,38,62,00,339**	**1,38,62,71,115**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 13 - अनुदान / इमदाद

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुदान- एमईआईटीवाई		
योजना - गैर सामान्य	-	-
अनुदान - इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अलावा	-	-
आवर्ती व्यय के लिए जीआईए प्राप्त	3,51,09,710	4,12,48,329
राज्य सरकार - मॉडल कैरियर काउंसिल केंद्र	-	-
योग	**3,51,09,710**	**4,12,48,329**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट
31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 14 - शुल्क/सदस्यता

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के संचालन से आय		
क.) औपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से संबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
बी.टेक	3,01,55,522	1,11,32,425
एम.टेक	1,25,54,905	1,31,29,185
बीसीए	4,72,57,917	4,41,17,366
एमसीए/एमएससी आईटी	1,72,68,665	1,70,23,175
अन्य (एमसीआरपी)/पीएचडी/डीसीएसई/डीईटीई	1,94,35,317	1,77,71,058
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/पोस्ट मैट्रिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम/डीईपीएम	1,30,55,004	1,90,42,427
पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
बी.टेक	2,70,000	-
एम.टेक	-	-
बीसीए	5,80,265	5,93,225
एमसीए/एमएससी इलेक्ट्रॉनिक्स	2,53,800	3,94,200
अन्य (पीजीडीसीए)/पीएचडी/डीइपीएम/डीसीएसटी/एनडीयू	6,28,000	1,92,000
परीक्षा शुल्क		
बी.टेक	-	-
एम.टेक	-	-
बीसीए	13,195	10,451
एमसीए/एमएससी आईटी	3,991	8,455
अन्य (डीइपीएम)/एनडीयू	46,620	-
ख.) अनौपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से संबद्ध नहीं)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
ओ स्तर	5,91,53,750	5,04,72,189
ए स्तर	35,73,400	31,61,392
बी स्तर	-	-
सी स्तर	-	-
मैट ओ स्तर	-	-
जैव सूचना विज्ञान / हार्डवेयर	1,12,92,943	2,50,80,501
अन्य (पीजीडीसीए, दिनांक डीसीएसई)	2,08,32,564	1,59,39,910
पंजीकरण और अन्य शुल्क		
ओ लेवल/ए लेवल मैट ओ स्तर	4,97,850	8,33,139
बायो इंफॉर्मेटिक्स/हार्डवेयर	3,92,307	6,46,645
अन्य	31,50,139	25,12,055
परीक्षा शुल्क		
मैट ओ स्तर/ओ स्तर/ए स्तर	10,00,806	12,76,595
बायो इंफॉर्मेटिक्स/हार्डवेयर	90,500	41,81,092
अन्य	1,02,868	7,06,962

जारी है....

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 14 - शुल्क/सदस्यता (जारी है....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. लघु अवधि पाठ्यक्रमों से आय (एक वर्ष से कम)		
क.) पाठयक्रम शुल्क		
एसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर जागरूकता)	32,33,577	31,11,937
बीसीसी (बेसिक कंप्यूटर कोर्स)	7,76,531	45,133
सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	3,00,27,482	1,85,49,770
ईसीसी (विशेषज्ञ कंप्यूटर कोर्स)	-	-
कस्टम शॉर्ट टर्म कोर्स (प्रशिक्षण, आईटीईएस, टैली आदि)	38,13,53,884	21,22,44,635
ख.) पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
एसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर जागरूकता)	-	-
बीसीसी (बेसिक कंप्यूटर कोर्स)	1,20,900	92,400
सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	-	3,92,500
ईसीसी (विशेषज्ञ कंप्यूटर कोर्स)	-	-
आंतरिक पंजीकरण शुल्क, ईएसडीएम परिवर्तन, बायो, इलेक्ट्रॉनिक और सर्किट डिज़ाइन आदि/एनएसक्यूएफ	59,52,494	22,23,752
ग.) परीक्षा शुल्क		
एसीसी (अवेयरनेस कंप्यूटर कॉन्सेप्ट्स)	3,00,250	91,000
बीसीसी - डीवीपी	-	-
ईसीसी (एक्सपर्ट कंप्यूटर कोर्स)	3,07,000	2,34,500
सीसीसी प्लस/सीसीसी-डीवीपी	71,97,896	29,48,391
बीसीएएस/ऑनलाइन परीक्षा प्रसंस्करण शुल्क, ईएसडीएम परिवर्तन, यूडीएके/जेयूडीए, ईएसडीएम/डीसीए, एनएसक्यूएफ आदि।	1,56,70,886	1,42,82,304
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई और डीसीएसई)	72,56,354	29,29,895
3. नाइलिट योजना से आय		
क.) मान्यता शुल्क		
अनंतिम मान्यता शुल्क		
ओ स्तर	2,54,65,773	1,42,65,123
ए स्तर	2,62,600	-
बी स्तर	16,050	-
सी स्तर	2,244	-
सभी स्तरों के लिए प्रोव एसीसी का विस्तार	1,26,200	-
हार्डवेयर ओ स्तर	15,000	-
पूर्ण प्रत्यायन शुल्क		
ओ स्तर	-	41,300
ए स्तर	-	-
सभी स्तरों पर पूर्ण स्वीकृति का विस्तार	-	4,70,000
ईएसडीएम/एनएसक्यूएफ	15,40,508	13,78,474

जारी है....

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 14 - शुल्क/सदस्यता (जारी है....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अन्य - एसीसीआर शुल्क		
नाम परिवर्तन/सभी स्तरों को जोड़ना	3,25,000	2,76,500
सभी स्तरों के एसीसीआर का नवीनीकरण	5,87,500	8,12,500
मान्यता के लिए विलंब शुल्क	1,23,000	1,14,000
पाठ्यक्रम विविधीकरण	-	-
स्थगित मामले	-	20,000
सभी स्तरों के एसीसीआर का जारी रहना	43,50,000	33,60,000
परिवर्तनीय एसीसीआर शुल्क/एसीएफ	2,34,06,609	76,64,375
ख.) पंजीकरण और अन्य शुल्क		
ओ स्तर	4,64,42,250	4,07,91,500
ए स्तर	7,49,500	8,78,250
बी स्तर	35,750	55,000
सी स्तर	38,250	47,500
पुनः पंजीकरण/पहचान पत्र एवं अन्य	3,91,700	4,74,192
ग) परीक्षा सुल्क		
ओ स्तर	11,80,19,542	10,59,56,140
ए स्तर	49,40,000	34,77,900
बी स्तर	4,39,500	4,32,700
सी स्तर	1,69,829	6,352
परियोजना शुल्क	44,02,244	33,13,300
छूट शुल्क	8,000	5,000
पुनर्मूल्यांकन शुल्क और अन्य	21,935	19,240
ओ/ए/बी/सी स्तर के लिए व्यावहारिक परीक्षा शुल्क	13,73,91,500	10,32,72,400
ओ/ए/बी/सी स्तर के लिए प्रसंस्करण शुल्क	1,39,58,887	1,11,96,241
4. सीसीसी और बीसीसी पाठ्यक्रम से आय		
क.) पाठ्यक्रम शुल्क		
बीसीसी	-	-
सीसीसी	-	-
ख.) सुविधा शुल्क		
एसीसीआर-सीसीसी/बीसीसी	-	-
ग.) पंजीकरण और अन्य शुल्क		
बीसीसी	-	-
सीसीसी	-	-
घ.) परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का हिस्सा		
बीसीसी	11,94,025	1,01,13,483
सीसीसी	19,72,79,633	22,89,61,854

जारी है....

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 14 - शुल्क/सदस्यता (जारी है....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
5. हार्डवेयर योजना से आय		
क.) पाठ्यक्रम शुल्क		
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	-	-
ओ लेवल-एच/डब्ल्यू	-	-
ए लेवल-एच/डब्ल्यू	-	-
ख.) पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	-	-
ओ लेवल-एच/डब्ल्यू	-	-
ए लेवल-एच/डब्ल्यू	-	-
ग.) परीक्षा शुल्क		
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	-	-
ओ लेवल-एच/डब्ल्यू	-	-
ए लेवल-एच/डब्ल्यू	-	-
योग	**1,27,55,10,611**	**1,02,27,73,988**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 - परियोजनाओं से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ (एमईआईटीवाई के अलावा)		
एनसीपीयूएल	33,04,93,889	32,47,09,675
एचपी स्कूल परियोजनाएँ	-	4,77,56,355
अन्य (एमसीसी/डोनर/क्षेत्रीय रोजगार प्रशिक्षण/एक्सचेंज-डीजीईटी आदि)	65,30,363	33,07,850
एमईआईइटीवाई परियोजनाएं		
ईएसडीएम परियोजनाएँ	1,14,84,188	1,01,84,423
नेगेड के अंतर्गत आईटी मास/सीसीसी में प्रशिक्षण	68,43,581	35,20,294
स्व-रोजगार क्षमता निर्माण	18,92,249	21,86,811
साइबर/डिजिटल फोरेंसिक लैब, साइबर सुरक्षा और शिखा आईएसईए	9,30,11,741	3,39,58,452
ईएलटीपी	2,57,20,671	86,51,536
डब्ल्यूबीएल	4,36,52,615	2,04,48,368
फ्यूचर स्किल प्राइम- 3 डी प्रिंटिंग / रोबोट / आईओटी	5,74,09,896	4,49,04,469
ओ लेवल नौकरी चाहने वालों का प्रशिक्षण (डीजीईटी-डीजीआर) सीएचएम ओ लेवल	3,10,19,483	5,47,61,901
एससी/एसटी की प्रतिपूर्ति	93,75,128	1,02,92,076
एससी और एसटी युवाओं/महिलाओं के रोजगार के लिए कौशल प्रशिक्षण	1,80,37,457	2,03,52,948
आकांक्षी जिला परियोजना	1,12,22,588	3,64,11,850
पूर्वोत्तर परियोजना -2	12,45,15,030	20,90,82,460
ड्रोन	1,70,62,850	95,10,458
अन्य (चिप टू स्टार्टअप सी2 स्मार्ट लैब / इमर्जेंसी टेक्नोलॉजी / आईसीटी / सीआईएसओ / पीएमकेवीवाई / पीएमएसएचआरआई (जीएचटी) ब्लॉक चेन / हैंडलूम / सोलर	9,84,87,426	9,11,12,417
राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित।		
वेबसाइट विकास/डीआईटी-मणिपुर/सॉफ्टवेयर विकास।	-	40,97,695
उद्योग विभाग एवं ई-गवर्नेंस (बिहार-पुलिस प्रयास)	10,61,945	10,45,761
स्मार्ट वर्चुअल क्लास रूम/रोजगार कौशल विकास। केओएच)/अन्य राज्य सरकार	4,02,54,263	8,36,63,865
स्वयं की परियोजनाएँ		
परीक्षा से आय	18,33,38,303	14,30,64,206
लोक सेवा आयोग	-	-
कृषि जनगणना/भर्ती/हिपा/सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता (शिमला)/अन्य	5,55,00,209	7,29,46,091
योग	**1,16,69,13,875**	**1,23,59,69,961**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 16 - प्रकाशन की बिक्री से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रोस्पेक्टस की बिक्री		
ओ स्तर	2,39,961	2,03,195
ए स्तर	-	-
ओ लेवल- एच/डब्ल्यू	-	-
बीसीए	-	-
एमसीए	-	-
अन्य (एम.टेक)/पीएचडी/डीसीएसई/डीईटीई	6,000	45,940
पाठ्यक्रम की बिक्री		
ओ स्तर	-	-
परीक्षा फॉर्म की बिक्री		
ओ/ए/बी/सी स्तर	140	-
बीसीसी/सीसीसी	-	-
अन्य वस्तुओं की बिक्री	-	-
प्रकाशन की बिक्री - अन्य केंद्र/हार्डवेयर पाठ्यक्रम	2,65,634	1,53,494
रॉयल्टी से आय	-	-
योग	**5,11,735**	**4,02,629**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सावधि जमा पर	76,18,57,530	71,31,67,742
बचत खातों पर	1,06,53,984	63,83,193
कर्मचारी ऋणों पर	27,959	34,195
अन्य पर - सुरक्षा जमा/टीडीएस वापसी/समूह ग्रेच्युटी आदि पर	2,85,25,453	1,55,20,895
इयरमार्कड/एडाउमेंट निधि/जीआईए	7,28,25,601	6,11,27,717
घटाएँ: प्रायोजित परियोजना में ब्याज हस्तांतरण	-	(5,84,000)
योग	**87,38,90,527**	**79,56,49,742**

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 18 - टाउनशिप से प्राप्तियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
किराये की रसीदें	30,27,321	32,38,921
वसूले गए पानी के शुल्क	1,57,827	2,10,773
वसूले गए बिजली के शुल्क	6,88,587	5,24,527
टाउनशिप से अन्य रसीदें (लाइसेंस शुल्क)	7,99,453	3,92,624
योग	**46,73,188**	**43,66,845**

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H. K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 19 - विविध प्राप्तियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विविध आय	75,23,404	65,71,346
कार्यशाला रसीद	9,14,088	6,65,847
अतिथि गृह/छात्रावास रसीदें	1,22,02,739	74,75,607
अन्य विविध रसीदें	1,90,25,259	95,40,770
योग (क)	**3,96,65,490**	**2,42,53,570**
गैर-परिचालन आय		
पिछले वर्षों से संबंधित आय	3,21,05,523	1,16,50,830
अचल संपत्तियों की बिक्री पर लाभ	9,03,762	6,09,826
असाधारण वस्तुओं से आय	-	1,46,404
निर्धारित निधि के अंतर्गत निर्मित संपत्तियों पर मूल्यह्रास	-	-
अतिरिक्त प्रावधान की वापसी	3,02,42,430	1,88,85,673
जीआईए से खरीदी गई संपत्तियों पर मूल्यह्रास	12,99,53,473	13,02,19,450
प्रायोजित परियोजनाओं पर मूल्यह्रास	24,61,87,860	18,41,89,447
योग (ख)	**43,93,93,048**	**34,57,01,630**
समापन स्टॉक		
तैयार माल और प्रगति पर काम के स्टॉक में वृद्धि/कमी	(2,263)	(1,447)
स्टोर, स्पेयर्स, उपभोग्य वस्तुएं और घटक	-	-
योग (ग)	**(2,263)**	**(1,447)**
कुल योग (क + ख +ग)	**47,90,56,275**	**36,99,53,753**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H. K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों का पारिश्रमिक		
वेतन और मजदूरी	58,22,98,223	48,80,72,110
ओवरटाइम भत्ता/छुट्टी मुआवजा	1,33,550	-
बोनस/अनुग्रह राशि	-	-
प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त कर्मचारियों के लिए अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान	22,132	-
अतिथि संकाय को मानदेय	20,000	1,37,824
प्रशिक्षुओं को वजीफा	4,72,029	-
सेवानिवृत्ति भुगतान	-	-
2. कर्मचारियों को लाभ		
चिकित्सा शुल्क - प्रतिपूर्ति	4,96,79,497	4,57,19,786
छुट्टी यात्रा रियायत	42,05,830	40,51,904
प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत भुगतान	-	-
छुट्टी नकदीकरण - व्यय	1,62,71,117	2,30,94,607
ग्रेच्युटी - व्यय	1,39,02,801	86,91,819
कर्मचारियों को अन्य लाभ	61,74,186	67,02,977
समूह/ग्रेच्युटी बीमा प्रीमियम	5,78,806	235
बाल शिक्षा भत्ता / ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति	67,76,885	56,31,547
3. निधि में सोसायटी का योगदान		
भविष्य निधि में अंशदान	7,83,96,046	9,02,17,554
ग्रेच्युटी का प्रावधान	4,20,71,629	3,74,45,153
छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान	3,62,40,829	2,57,29,293
अन्य निधियों में अंशदान - एनपीएस/ईएसआई	65,89,726	95,74,073
योग	**84,38,33,286**	**74,50,68,882**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारी कल्याण व्यय		
कैंटीन पर व्यय	56,07,624	45,14,337
अन्य कल्याण व्यय	22,66,909	20,66,709
2. मुख्यालय द्वारा नाइलिट योजना के कार्यान्वयन से व्यय		
मानदेय व्यय	15,38,454	2,03,800
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	13,33,38,191	9,56,35,307
3. किराया दरें और कर		
परिसर का किराया	4,48,54,439	1,69,42,962
भवन का सेवा शुल्क	62,03,172	61,49,561
वाहन शुल्क	-	-
बिजली और पानी का शुल्क	3,59,86,707	3,49,70,173
4. बीमा		
कार्यालय बीमा	12,68,244	15,41,654
वाहन बीमा	4,45,395	4,05,462
अन्य बीमा	2,26,142	3,16,140
5. मरम्मत एवं रखरखाव		
उपकरण	81,35,634	66,33,833
कार्यालय एवं आवासीय भवन	2,36,66,263	2,08,01,762
वाहन	33,49,884	30,91,271
अन्य/स्थायी संपत्ति	30,13,894	43,06,044
6. यात्रा व्यय		
अंतर्देशीय	1,50,24,754	1,39,92,891
विदेशी	5,18,851	7,01,456
वाहन शुल्क की प्रतिपूर्ति	5,78,443	5,96,321
यात्रा व्यय - अन्य	9,82,447	11,09,731
स्थानांतरण व्यय	3,56,140	2,84,780
7. विज्ञापन और प्रचार		
निविदाएँ आमंत्रित करना	26,993	22,868
भर्ती	5,19,057	4,55,949
बिक्री संवर्धन और प्रचार	97,19,494	50,03,667
प्रदर्शनियाँ और स्टॉल	7,16,785	1,97,228
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	7,77,598	1,94,648
कार्यशाला व्यय	11,57,023	47,24,401
8. कार्यालय व्यय		
पुस्तकें और पत्रिकाएँ	4,60,800	5,36,775
डाक और तार	11,88,597	11,80,460
कूरियर और माल ढुलाई	44,090	47,100

जारी है....

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय (जारी है....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
टेलीफोन/इंटरनेट शुल्क	87,27,255	1,48,06,930
पाठ्य सामग्री की खरीद और विकास	-	-
मुद्रण और स्टेशनरी	59,13,515	58,06,972
वाहन चलाने का खर्च	15,13,566	16,99,566
आतिथ्य व्यय	9,14,577	12,69,788
कर्मचारियों के लिए पोशाकें	-	-
कानूनी/पेशेवर/परामर्श शुल्क व्यय	69,66,649	43,38,956
मानवशक्ति व्यय	10,86,22,823	9,27,43,744
9. विविध व्यय		
लेखा परीक्षा शुल्क	15,08,730	13,92,461
अन्य क्षमता में लेखा परीक्षकों को भुगतान	3,15,397	2,23,360
अनुसंधान संस्थानों/IEEE पुस्तकालय/लाइसेंस शुल्क की सदस्यता	35,992	8,303
कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	29,23,753	2,19,10,738
सॉफ्टवेयर विकास व्यय	11,55,575	1,67,036
सेमिनार और विकास पाठ्यक्रमों पर व्यय	70,43,872	80,85,055
कंप्यूटर किराए पर लेना	5,54,117	40,43,433
वाहन किराए पर लेना	57,63,835	28,31,391
बैंक शुल्क	3,95,176	8,48,043
अतिथि गृह व्यय	36,166	26,853
अन्य विविध व्यय	2,53,46,943	2,31,54,356
बैठक व्यय	78,57,097	44,73,900
परीक्षा व्यय/पंजीकरण शुल्क (सीएफएस, सीसीसी, डीईपीएम, एम.टेक., बायो-इन्फ़ो.)	42,19,763	34,67,728
संबद्धता शुल्क	3,33,212	25,14,895
प्रशिक्षुओं को वजीफा	1,69,048	56,355
स्वच्छता कार्य योजना	5,13,911	55,262
परियोजनाओं पर व्यय का आवंटन/परियोजनाओं से वसूला गया/उपरिव्यय	(75,96,826)	(98,31,367)
लीज़ रेंट (जीआईए) का भुगतान	-	-
बट्टे खाते में डाले गए खराब ऋण/प्रावधान	-	-
बट्टे खाते में डाले गए नुकसान	-	14,29,104
आस्थगित राजस्व व्यय/बट्टे खाते में डाली गई विविध संपत्तियाँ	-	-
घटक और उपभोग्य वस्तुएँ	6,92,140	7,62,567

जारी है....

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय (जारी है....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
10. ब्याज		
वित्तीय संस्थानों से ऋण पर ब्याज	-	-
नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	12,914	-
अन्य मदों पर ब्याज (निर्दिष्ट करें)	7,95,470	4,71,126
11. आयकर / व्यावसायिक कर		
आयकर / व्यावसायिक कर	6,50,702	5,490
अन्य कर (स्वच्छ भारत, जीएसटी आदि)	1,00,49,641	91,94,776
12. प्रावधान		
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	-	-
पिछले वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	83,02,896	1,75,45,014
अचल संपत्तियों की बिक्री/त्याग पर हानि	58,208	2,04,595
13. पाठ्यक्रमों के संचालन पर व्यय		
दीर्घकालिक पाठ्यक्रम	1,63,02,596	1,27,44,744
एम.टेक/एमसीए	1,19,126	3,61,976
सीसीसी योजना	85,04,548	95,73,024
बीसीसी पाठ्यक्रम	-	-
अल्पकालिक पाठ्यक्रम	7,87,43,118	4,96,89,906
हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम	15,60,948	-
एनएसक्यूएफ व्यय	7,56,279	3,30,314
जैव सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम/ईएसडीएम/अन्य	67,70,473	27,120
14. बाहरी पक्षों को प्रशिक्षण व्यय	38,31,905	-
योग	**62,23,57,134**	**51,30,60,804**
अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास - जीआईए	**12,99,53,473**	**13,02,19,450**
अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास - अधिशेष में से	**8,59,21,535**	**6,69,41,924**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 - परियोजनाओं पर व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केंद्र सरकार (एमइआईटीवाई /डीएसटी/एआईसीटीइ/डीजी एवं इ टी परियोजनाएं)	51,92,65,582	51,23,84,901
केंद्र के विस्तार पर व्यय	-	-
राज्य सरकार	75,34,250	8,41,23,522
अन्य पारियोजनाएँ	-	-
स्वयं की पारियोजनाएँ	37,83,78,872	41,10,81,822
योग (क)	**90,51,78,704**	**1,00,75,90,245**
सेवाओं पर व्यय (ख)	**1,27,24,36,482**	**1,28,22,61,495**
परियोजनाओं की अचल संपत्तियों का मूल्यह्रास (ग)	**24,62,93,868**	**18,41,89,447**
योग (क+ख+ग)	**2,42,39,09,054**	**2,47,40,41,187**

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)

मुख्य वित्त अधिकारी / प्रभारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ मदन मोहन त्रिपाठी)

महानिदेशक

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

नाइलिट भवन, प्लॉट नंबर 3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली – 110077

अनुसूची 23 – महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आगे नाइलिट के रूप मेन संदर्भित), एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (डीओइएसीसी सोसायटी से, दिनांक 10.10.2011 से परिवर्तित नाम) की स्थापना इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत नवंबर, 1994 के दौरान सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबन्धित कार्यकलापों को कार्यान्वित करने के लिए की गई थी। यह संस्था धारा 12ए के तहत आयकर विभाग में पंजीकृत है तथा विश्व स्तरीय शिक्षा व प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएं प्रदान करते हुए, सूचनाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) और संबद्ध क्षेत्रों में केवल उत्तम जनशक्ति का सृजन और कौशल पेशेवरों का विकास करने के उद्धेश्य से, बनायी गई है। यह संस्था सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में दोनों औपचारिक एवं अनौपचारिक रूप से शिक्षण प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, आईसीटी के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश के प्रमुख संस्थान के लिए मानक स्थापित करने के लिए अत्याधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी उत्तम शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो संस्थानों/संगठनों को विशेष रूप से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए प्रत्यायन प्रदान करती है। रा.इ.सू.प्रौ.सं. अपने 24 केंद्रों– अइजोल, औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, भुवनेश्वर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, कुरुक्षेत्र, पटना, रांची, शिलांग, शिमला, श्रीनगर एवं जम्मू और लेह सहित कार्य कर रहा है।

निम्नलिखित नीतियां इसके विभिन्न केन्द्रों सहित नाइलिट की समेकित लेखांकन नीतियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें विभिन्न केन्द्रों की लेखा परीक्षित रिपोर्टों में लेखों की महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ और विभिन्न महत्वपूर्ण सूचनाएँ भी शामिल हैं जो नाइलिट के समेकित वित्तीय विवरण का अंश बन गयी हैं।

1. लेखांकन की परंपरा

क) लेखांकन पद्धति

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परम्परा और जब तक नीचे अन्यथा उल्लेख न किया गया हो लेखांकन की अर्जित पद्धति के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

ख) अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए आंकलन तथा पूर्वानुमान करने होते हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि को बताई जाने वाली परिसम्पतियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को उस समय स्वीकार किया जाता है जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/मूर्त रूप देते हैं।

2. आय की पहचान

निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केंद्र लेखांकन की अर्जन पद्धति का अनुसरण कर रहे हैं:

क) कालीकट केंद्र– छात्र परियोजनाओं से होने वाली आय को पूर्णता के आधार पर माना जाता है।

ख) नाइलिट से मान्यता प्राप्त अनुदान वास्तव में भारत सरकार से नकद आधार पर प्राप्त होता है।

ग) श्रीनगर/जम्मू केंद्र प्रत्यायित पाठ्यक्रम शुल्क रसीद के आधार पर।

डी) पंजीकरण शुल्क, प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनीय प्रत्यायन शुल्क (वीएएफ) और जागरूकता निर्माण कोष (एसीएफ) को रसीद के आधार पर माना गया है।

3. इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आवर्ती व्यय की पूर्ति हेतु केन्द्रों को जारी राजस्व अनुदान–सहायता को संबंधित केंद्रों द्वारा आय के रूप में लेखांकित किया गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	नाइलिट केंद्र का नाम	राशि (रु.)
i	औरंगाबाद	15,96,000/–
ii	कालीकट	9,80,051/–
iii	गोरखपुर	1,11,53,432/–
iv	गुवाहाटी	1,20,33,810/–
v	शिलांग	27,40,417/–
vi	अजमेर	66,06,000/–
	कुल	**3,51,09,710/–**

4. **निवेश**

संस्था की निधियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमाओं में निवेश किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार 'कोषागार प्रबंध अतिशेष' के रूप में दर्शाया गया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमार्क्ड /एन्डाउमेंट निधि सावधि जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमार्क्ड / एन्डाउमेंट निधि के खाते में रखा जा रहा है । जीआईए पर ब्याज़ भी माइटी को वापस किया गया ।

5. **इनवेंटरी**

स्टॉक को कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित किया जाता है।

6. **स्थिर परिसंपत्तियाँ**

स्थिर परिसम्पतियों को लागत कम संचित मूल्यह्रास पर दर्शाया जाता है। खरीद की लागत में आवक मालभाड़ा, शुल्क एवं कर तथा खरीद से संबन्धित एवं प्रत्यक्ष व्यय को शामिल करके दर्शाया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसंपत्तियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

क) कोलकाता केंद्र के संदर्भ में, स्थायी परिसंपतियों को लागत (सकल) संचित मूल्यह्रास घटाकर दर्शाया गया है। लागत में, अधिग्रहण की लागत, संस्थापन, भाड़ा व शुल्क कर, अनुषंगी खर्च सम्मिलित है। बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लाट नं. 267, ब्लॉक– बीएफ) स्थित 999 वर्षों के लिए 'पट्टाकृत भूमि' को स्थिर परिसंपत्तियों की अनुसूची में 'भवन' शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

ख) अगरतला केंद्र के संदर्भ में, त्रिपुरा सरकार द्वारा निशुल्क रूप से स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 15 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इसे स्थायी परिसंपत्ति अनुसूची के अंतर्गत नाममात्र मूल्य रु.1/– पर दर्शाया गया है।

ग) राजस्थान सरकार ने केकड़ी, जिला अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों की लीज पर निःशुल्क रूप में आवंटित की है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।

आलोक तिवारी

घ) गंगटोक केंद्र के संदर्भ में– ''पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल सेट एवं वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता निर्माण'' (एनईसीबी 2.0) परियोजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान नए वाहन की प्राप्त धनराशि रु. 30,29,715/– का मूल्य वित्त वर्ष 2024–25 में दर्ज किया गया है।

7. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.ए.वी पद्धति पर किया जाता है। ''अनुदान से संबंधित परिसंपत्तियों'' पर चालू वर्ष के लिए मूल्यह्रास को आय तथा व्यय खाते के नाम किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में जमा भी किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

8. लेखांकन नीति में परिवर्तन

वर्ष के दौरान ऐसा कोई परिवर्तन नहीं होता।

9. कर्मचारी के लाभ

- उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन पर किया जाता है और कर्मचारी "ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972" के अंतर्गत आते हैं।
- चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से समूह उपदान नकद संचयन के अधीन संबंधित कर्मचारी न्यास के पक्ष में ली गयी पालिसी द्वारा सुरक्षित किया गया।
- छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर किया जाता है।
- बोनस नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।
- नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 से ईपीएफ के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। नाइलिट ने 1 सितंबर, 2014 के बाद नियुक्त हुए सभी नियमित कर्मचारियों के लिए एनपीएस योजना को अपनाया है।

10. केंद्रीकृत समूह ग्रेच्युटी नीति

नाइलिट के प्रबंधन बोर्ड ने दिनांक 25.10.2024 को आयोजित अपनी 24वीं बैठक में नाइलिट के समस्त नियमित कर्मचारियों के लिए केंद्रीकृत समूह ग्रेच्युटी नीति को अपनाने को मंजूरी दे दी है। परिणामस्वरूप, वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, नाइलिट मुख्यालय ने नाइलिट के समस्त नियमित कर्मचारियों के लिए भारतीय स्टेट बैंक जीवन बीमा कंपनी से एक केंद्रीकृत समूह ग्रेच्युटी नीति अपनायी है। प्रारम्भिक रूप से, मुख्यालय ने एसबीआई लाइफ में धनराशि रु 19.93 करोड़ जमा किए हैं। सभी नाइलिट केंद्रों ने अपनी लेखा बहियों पुस्तकों में तदनुसार दर्शाया है।

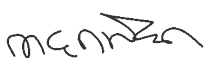

अनुसूची 24: लेखाओं पर टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देयता:

क) चंडीगढ केंद्र

(i) विभाग द्वारा उठाई गई सेवा कर मांग:

क्र.सं.	मामले का प्राधिकारी	मामले के तथ्य	सम्मिलित राशि
1	केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	सेवा कर विभाग ने नाइलिट द्वारा प्रदान की गई स्टेशनरी के मूल्य को सेवाओं के कर योग्य मूल्य में सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। धनराशि रु. 83,92,094/– की मांग, समान राशि के जुर्माने एवं उचित ब्याज सहित, प्रस्तुत की गई थी। इस मांग पर पहले सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ ने रोक लगा दी थी तथा मामला नियमित सुनवाई के लिए लंबित था। अब, सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ ने अंतिम आदेश संख्या 60359/2025 दिनांक 03.03.2025 के तहत मामले का निर्णय नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ के पक्ष में दिया है, फलतः मांग को खारिज कर दिया गया है।	धनराशि रु. 83,92,094/– तथा समान राशि का जुर्माना एवं ब्याज।
2	केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	वर्ष 2012 के दौरान सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई स्टेशनरी के मूल्य को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा की गई मांग के संबंध में आयुक्त (अपील) के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	धनराशि रु. 3,55,310/– तथा समान राशि का जुर्माना एवं ब्याज।
3	केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान, सेवा कर विभाग ने शिक्षा सहायक सेवाओं से आय, नाइलिट के ओ लेवल पाठ्यक्रमों से आय एवं सीसीसी परीक्षा से आय जैसी छूट प्राप्त सेवाओं के मूल्य को कर योग्य सेवाओं के मूल्य में सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा की गई मांग को चुनौती देते हुए, चंडीगढ़ के आयुक्त (अपील) द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ के समक्ष एक अपील दायर की गई है। मामला वर्तमान में निर्णय हेतु लंबित है।	धनराशि रु. 46,23,975/– सहित समान राशि का जुर्माना, ब्याज तथा रु. 10,000/– का अतिरिक्त जुर्माना।
4	केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान सेवा कर विभाग ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को दिए गए व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कोचिंग से प्राप्त अग्रिम राशि तथा आय को सेवाओं के कर योग्य मूल्य में सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा की गई मांग को चुनौती देते हुए, चंडीगढ़ के आयुक्त (अपील) द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ के समक्ष अपील दायर की गई है। मामला वर्तमान में निर्णय हेतु लंबित है।	धनराशि रु. 28,21,447/– सहित समान राशि का जुर्माना, ब्याज एवं रु. 10,000/– का अतिरिक्त जुर्माना।

आलोक त्रिवेदी

(ii) अन्य मुकदमे:

- नाइलिट चंडीगढ़ ने विद्यालय परियोजना के लिए प्रशिक्षक उपलब्ध कराने के लिए रु. 15,66,021 की बकाया राशि की वसूली के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विरुद्ध मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की, जिसके लिए संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान के रूप में बहियों में पहले से ही उचित प्रावधान किया गया था। केवीएस ने न केवल केन्द्र के दावे का खंडन किया है, बल्कि केन्द्र (पूर्व में आरसीसी) के लिए रु. 2,68,650 के अधिक भुगतान के रूप में प्रति दावा भी दायर किया है। अभी मध्यस्थता कार्यवाही शेष है।
- ईएसआई ने अक्टूबर, 2002 से मार्च, 2003 की अवधि हेतु ईएसआई योजना का पालन न करने के लिए रु. 11,22,702/– तथा रु.3,03,947/– का डिमांड नोटिस जारी किया था। ईएसआई के उप निदेशक ने आदेश संख्या पीबी.17000399790001013/245 दिनांकित 21.07.2011 के अंतर्गत केंद्र को मांग का भुगतान करने का निर्देश दिया है। हालांकि, केंद्र ने एक अपील को प्राथमिकता दी है और तदनुसार सिविल रिट याचिका (सीडब्ल्यूपी) संख्या 5441/2013 और सीडब्ल्यूपी संख्या 5367/2013 माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में लंबित हैं, हालांकि माननीय उच्च न्यायालय ने अंतरिम राहत के रूप में मांग की वसूली के खिलाफ रोक लगा दी है। मामला तर्क–वितर्क स्तर पर है तथा रोक लगा दी है। सुनवाई की अंतिम तिथि 29.07.2025 थी तथा मामले पर अगली सुनवाई की तिथि 09.12.2025 निर्धारित की गई है।
- दिनांक: 02 मई 2014 के आदेशों के विरुद्ध, इस केंद्र ने गलत तरीके से निकाले गए एचआरए की शेष राशि रु. 3,89,642.00/– दंडात्मक ब्याज के साथ वसूलने के लिए माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ के समक्ष सिविल रिट याचिका संख्या 15204/2014 दायर की, जो सुश्री मंजीत कौर, पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' द्वारा दायर की गई थी। मामले में कार्यवाही जारी है। रु. 3,89,642/– की उक्त राशि उनकी सेवानिवृत्ति पर देय अवकाश नकदीकरण की राशि से वसूल की गई थी। इस केंद्र की पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' सुश्री मंजीत कौर ने रोकी गई रु. 3,50,000/– की राशि को भुगतान करने हेतु माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, चंडीगढ़ बेंच के समक्ष पुनः ओए संख्या 60/129/2018 दायर की है। यह धनराशि रु. 3,89,642/– का मामला है जिसे माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, चंडीगढ़ द्वारा दिनांक 10.10.2018 को वापस ले लिया गया था, कार्यवाही जारी है। मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 17.07.2025 (नियमित संख्या 617) थी। माननीय कैट की वेबसाइट पर सुनवाई की अगली तिथि अभी उपलब्ध नहीं है।

  जब तक माननीय न्यायाधीश द्वारा मामले पर निर्णय नहीं हो जाता, तब तक धनराशि रु. 3,89,642/– की उक्त राशि को आकस्मिक देनदारियों के रूप में माना जाएगा।
- पत्र संख्या MC/ESTATE/2002/4732 दिनांक 29–01–2002 के द्वारा आवंटित भूमि के विरुद्ध नगर निगम चंडीगढ़ के विरुद्ध धनराशि रु.43,24,045/– की वसूली योग्य दर्शायी गई थी, जिसे बाद में, केंद्र द्वारा वापस कर दिया गया था। चंडीगढ़ के मुख्य प्रशासक और यूटी प्रशासन, चंडीगढ़ द्वारा कोई राहत प्रदान न किए जाने पर, माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के समक्ष रिट याचिका दायर की गई थी, जिसे भी डिफ़ॉल्ट रूप से खारिज कर दिया गया था, जिसके विरुद्ध, मामले की बहाली के लिए एक और रिट याचिका दायर की गई थी। उक्त रिट याचिका को भी उसी कारण से नए सिरे से दायर करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया गया था। नगर निगम, चंडीगढ़ को भेजे गए अभ्यावेदन के आधार पर, इस केंद्र द्वारा नगर निगम चंडीगढ़ के पक्ष में पहले से जारी किए गए रु. 43.24 लाख के प्रारंभिक भुगतान को समायोजित करके मणि माजरा में भूमि के आवंटन के लिए पुनर्विचार करने और प्रीमियम, ग्राउंड रेंट और विचार राशि की जब्ती राशि के विलंबित भुगतान पर ब्याज के लिए उठाए गए डिमांड नोट के लागू न होने के संबंध में, केंद्र सरकार के वकील के माध्यम से नई रिट याचिका दायर की गई है। चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के वकील को प्रस्ताव का नोटिस जारी किया गया। माननीय उच्च

न्यायालय द्वारा अंतिम अवसर दिए जाने के बाद दिनांक 23.09.2019 को नगर निगम चंडीगढ़ के वकील द्वारा जवाबी हलफनामा दायर किया गया है।

कार्यवाही प्रक्रियाधीन है और मामले की अगली सुनवाई की तारीख दिनांक 10.09.2025 है। इस संबंध में केंद्र की लेखा बहियों में पहले से ही उचित प्रावधान किया गया है।

- श्री वी.के. जैन, पूर्व निदेशक प्रभारी, नाइलिट चंडीगढ़ ने नाइलिट चंडीगढ़ के पंद्रह अन्य पूर्व कर्मचारियों के साथ, जो 01.01.2016 के बाद और 29.03.2018 से पहले सेवानिवृत्त हुए थे, अर्थात जो श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राजपत्र अधिसूचना जारी करने की तारीख है, जिसके द्वारा "ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972" के तहत एक कर्मचारी को देय ग्रेच्युटी की अधिकतम राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है, ने आवेदकों को संबंधित सेवानिवृत्ति की तारीखों से वास्तविक वसूली की तारीख तक 12% प्रति वर्ष ब्याज के साथ अधिकतम 20 लाख रुपये की संशोधित ग्रेच्युटी देने के लिए माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ, चंडीगढ़ के समक्ष ओ.ए. संख्या 60/1144/2018 दायर किया है। प्रतिवादियों की ओर से उत्तर माननीय कैट के समक्ष दायर किया गया आगे की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है और मामले में अंतिम बहस के लिए अगली सुनवाई की तारीख दिनांक 12.09.2025 है।
- नाइलिट चंडीगढ़ ने राजस्थान राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड, जयपुर के साथ दिनांक 25.01.2003 को आरएससीबी और राज्य के 26 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के मुख्यालय (पांच क्षेत्रीय कार्यालयों सहित) के कम्प्यूटरीकरण के लिए एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस संबंध में चंडीगढ़ केंद्र ने हार्डवेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर की खरीद के लिए राजस्थान राज्य सहकारी बैंक जयपुर को परामर्श सेवाएं प्रदान की थीं, जिसके लिए केंद्र को रु. 17.15 लाख अग्रिम राशि के रूप में प्राप्त हुए थे। किन्तु, राजस्थान राज्य सहकारी बैंक जयपुर ने अंततः आपूर्ति आदेश नहीं दिया और रु. 23.58 लाख (रु 17.15 एवं ब्याज के रूप में रु 6.43 लाख) की राशि की वसूली के लिए अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक –3, जयपुर शहर के समक्ष वर्ष 2007 में वसूली वाद दायर किया।

  इस संबंध में, यह बताया जाता है कि माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 06.09.2019 को प्रस्तुत मामले में निर्णय दिया गया है, जिसके अनुसार राजस्थान राज्य सहकारी बैंक, जयपुर की याचिका को नाइलिट के पक्ष में निर्णय देते हुए खारिज कर दिया गया है। माननीय न्यायाधीश द्वारा यह भी आदेश दिया गया है कि व्यय का वहन संबंधित पक्षों द्वारा किया जाएगा।

  इसके अतिरिक्त, वाणिज्यिक अदालतों, वाणिज्यिक अपीलीय अदालतों, वाणिज्यिक प्रभाग और उच्च न्यायालय अधिनियमों के वाणिज्यिक अपीलीय प्रभाग, 2015 की धारा 13 के तहत अपील, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 96 के साथ पठित, अपीलकर्ता (आरएससीबी) द्वारा संख्या डीबी सिविल नियमित प्रथम अपील संख्या 1109/2019 के तहत श्री राज कुमार, पीठासीन अधिकारी, वाणिज्यिक न्यायालय संख्या 2, जयपुर महानगर द्वारा सिविल वाद संख्या 37/18, जिसे ''राजस्थान राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड बनाम डीओईएसीसी एवं अन्य'' के रूप में प्रस्तुत किया गया है, में पारित निर्णय एवं डिक्री आदेश दिनांक 06.09.2019 के खिलाफ दायर की गई है। यह अपील दिनांक 01.05.2025 को खारिज कर दी गई। विभाग द्वारा आगे कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है।

ख) <u>कोलकाता केंद्र</u>

i. आयकर मान्यता प्राप्त आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट उन कर्मचारियों के पीएफ का रखरखाव कर रहा है, जो 01.01.2004 से पहले नाइलिट में नियुक्त हुए हैं। हालाँकि, दिनांक 01.01.2004 को या उसके बाद सम्मिलित हुए कर्मचारियों के पीएफ का रखरखाव ईपीआर एवं एमपी अधिनियम, 1952 के तहत नाइलिट

आलोक तिवारी

मुख्यालय में किया जाता है। केंद्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से दिनांक 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7ए दिनांक 09.07.2008 और धारा 7बी दिनांक 30.01.2009 के तहत आदेश प्राप्त हुआ है कि नाइलिट अगस्त,1982 से ईपीएफ और एमपी अधिनियम, 1952 के तहत कवर करेगा। उपर्युक्त आदेशों के खिलाफ, केंद्र ने ईपीएफ अपीलीय न्यायाधिकरण, दिल्ली (उपयुक्त प्राधिकारी) में अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय सीपीएफ अधिनियम के अधीन है। 26.07.1997. हालांकि, ईपीएफ अपीलीय न्यायाधिकरण, दिल्ली ने 3 अगस्त, 2011 के आदेश द्वारा अपील को खारिज कर दिया है। इसके बाद, केंद्र ने दिनांक 21 मार्च, 2012 को उपरोक्त आदेश के विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता में अपील दायर की। दिनांकः 17.08.2012 को माननीय उच्च न्यायालय कोलकाता ने निर्णय जारी किया कि "अगले आदेश तक, प्रतिवादियों को ईपीएफ अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा पारित दिनांक 03 अगस्त, 2011 के आदेश के आधार पर आगे बढ़ने से रोका है।"

नाइलिट कोलकाता ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र की रु 6,27,413/– की मांग के विरोध में रु. 1,56,854/– का भुगतान किया है। केंद्र स्तर पर इस मांग पर मतभेद हैं।

ii. धनराशि रु.9,82,620/–(सामान्य इनपुट सेवा पर प्राप्त सेनवैट क्रेडिट के लिए रु 4,87,425/–) के लिए सेवा कर की आकस्मिक देयता है, जिसके लिए तुलन– पत्र की तिथि तक मूल्यांकन लंबित है तथा सीसीआर नियम, 2004 के नियम 6(3) और नियम 14 के अधीन रु.4,95,195/–, जिसके लिए सेवा कर प्राधिकरण के पास अपील लंबित है, जिसमें से रु.4,95,195/– को सीजीएसटी एंड सी आयुक्त एवं पूर्व, हावड़ा आयुक्तालय द्वारा अपने आदेश संख्या 219/एस. टैक्स–11/को1/2018 दिनांक 20.03.18 के अधीन अलग रखा।

ग) <u>शिमला केंद्र</u>

i) वित्त वर्ष 2018–19 के लिए हिमाचल प्रदेश के उच्च शिक्षा निदेशक को उपलब्ध करायी गई सेवाओं को जीएसटी से मुक्त माना गया था, जहां भी ये सेवाएं जीएसटी के दायरे में आती हैं। नाइलिट ने उच्च शिक्षा निदेशक से जीएसटी एकत्र नहीं किया और न ही जीएसटी प्राधिकारियों को जमा किया। इस मामले में, राज्य कर और उत्पाद शुल्क ने सीजीएसटी/एचपीजीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 73 के तहत धनराशि रु. 5,63,91,366/– (रु. 2,73,90,478/– जीएसटी एवं रु. 2,90,00,888/– जीएसटी पर ब्याज के रूप में) के लिए एक नोटिस जारी किया था, जिसमें से चालू वित्त वर्ष 2024–25 में जमा किए गए जीएसटी के कारण रु. 2,73,90,478 की मांग की गई और इसे निदेशक उच्च शिक्षा, एचपी से वसूली योग्य दर्शाया गया है। शिक्षा विभाग से वसूली प्रक्रियाधीन है। आगे, जीएसटी पर ब्याज के सापेक्ष मांग अनुसार राशि जमा नहीं की गई और जीएसटी विभाग में ब्याज माफ किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

तथापि, जीएसटी विभाग द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना अधिरोपित किया जा सकता है, जिसे वर्तमान में निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

ii) ईएसआईसी पोर्टल पर कर्मचारी के पंजीकरण में विलंब के कारण कर्मचारी राज्य बीमा द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना लगाया जा सकता है। हालाँकि, ब्याज या जुर्माने की राशि का वर्तमान में आकलन नहीं किया जा सकता है।

iii) पोर्टल पर समस्या के कारणवश ईएसआईसी में नियोक्ता का अंशदान रु. 99,771/– (जनवरी 20 से सितंबर 20) अभी भी देय है। यह राशि विभाग में जमा की जानी है। विभाग इस पर दंडात्मक ब्याज या शुल्क लगा सकता है। हालाँकि, वर्तमान में इसकी मात्रा निर्धारित नहीं की जा सकती।

घ) <u>कुरुक्षेत्र केंद्र</u>

i) केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, चंडीगढ़ में श्री हिमांशु, एक पूर्व संविदा कर्मचारी, ने स्थायी नियुक्ति की मांग करते हुए नाइलिट केंद्र, रोपड़ के विरुद्ध मामला दायर किया है। यह मामला 2020 में नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र को

आलोक तिवारी

स्थानांतरित कर दिया गया था तथा इस समय मामले की सुनवाई चल रही है। वर्तमान में, इस मामले में राशि सम्मिलित नहीं है।

ङ) <u>इम्फाल केंद्र</u>

i) कुछ मामले जैसे; (i) सिविल जज सीनियर डिवीजन, इम्फाल ईस्ट की अदालत के मूल (मनी) सूट नंबर 34/2018, (ii) न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, इम्फाल वेस्ट एवं कैट मामले के क्रिल मिस्क (जेड) केस नंबर 8/2019 (iii) माननीय कैट गुवाहाटी में ओए/42/225/2020 लंबित हैं।

च) <u>नाइलिट मुख्यालय</u>

i) दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने उपयोग कारक 4 (व्यावसायिक भवन होने के कारण) लागू करके नाइलिट मुख्यालय द्वारका भवन के संबंध में संपत्ति कर का आकलन किया है तथा अपने मूल्यांकन आदेश दिनांक 17.02.2021 द्वारा रु. 1,84,06,741/– की मूल्यांकन मांग प्रस्तुत की है। हालाँकि, नाइलिट ने कारक 1 लागू करते हुए दिनांक 18.03. 2021 को रु. 32,72,727/– एवं दिनांक: 29.07.2021 को रु. 5,64,910/– संपत्ति कर के रूप में जमा करवा दिए हैं।

ii) नाइलिट ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में दिनांक 26.03.2021 को WP(C) 4128/2021 के माध्यम से एक रिट याचिका दायर की है, जिसमें न्यायालय से अनुरोध किया है कि दिनांक 17.02.2021 के मूल्यांकन आदेश, दिनांक 18.03.2021 एवं 24.03.2021 के कुर्की वारंट को रद्द किया जाए तथा प्रतिवादी को निर्देश दिया जाए कि वह संबंधित संपत्ति को उपयोग कारक 1 के तहत मानते हुए नया मूल्यांकन आदेश जारी करे और चल रही माफी योजना (2021) का लाभ दें । माननीय उच्च न्यायालय ने नगर निगम न्यायाधिकरण में जाने के निर्देश सहित नाइलिट की रिट याचिका का निपटारा कर दिया है। मामला दिल्ली नगर निगम न्यायाधिकरण के समक्ष लंबित है और सुनवाई की अगली तारीख 18.09.2025 है।

छ) <u>नाइलिट दिल्ली</u>

वित्तीय वर्ष के दौरान, केंद्र को सहायक आयुक्त एवं वार्ड 203–ज़ोन 11 दिल्ली, जीएसटी से वित्तीय वर्ष 2017–18 हेतु एसजीएसटी भुगतान में विसंगति के कारणवश रु 81,12,166/– के भुगतान हेतु दिनांक 5.12.2023 को मांग आदेश प्राप्त हुआ। नाइलिट केंद्र, दिल्ली ने नाइलिट मुख्यालय के सांविधिक लेखा परीक्षक, मेसर्स एच.के. दुआ, नई दिल्ली के माध्यम से दिनांक 27.2.2024 को जीएसटी विभाग में अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर की। अभी तक अपीलीय प्राधिकारी से मांग प्राप्त नहीं हुई है।

2. <u>पूंजी प्रतिबद्धता :</u>

i) नाइलिट ने एनबीसीसी टॉवर, किदवई नगर में कार्यालय स्थल के दिनांकः 31 मार्च, 2025 तक अधिग्रहण हेतु एनबीसीसी को रु. 46.47 करोड़ प्रदान किए हैं तथा इसे पूंजीगत कार्य प्रगति पर दर्शाया गया है।

ii) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने नाइलिट, सेक्टर 8, द्वारका, नई दिल्ली को अपने नाइलिट भवन के निर्माण के लिए 4277.88 वर्ग मीटर का प्लॉट आवंटित किया है। डीडीए द्वारा अभी तक भूमि की अंतिम लागत निर्धारित नहीं की गई है।

3. <u>वर्तमान परिसंपत्तियाँ, वर्तमान देनदारियाँ, प्रावधान और ऋण एवं अग्रिम</u>

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों को उस मूल्य पर दर्शाया गया है जो व्यवसाय के सामान्य क्रम में वसूली योग्य होगा, देनदारों के मामले को छोड़कर जहां अनुपयुक्त और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया गया है।

आलोक तिवारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

क) <u>दिल्ली केंद्र के मामले में</u>

i) मेसर्स पारसवनाथ डेवलपर्स लिमिटेड को भुगतान हेतु धनराशि रु 82,30,918/— का प्रावधान किया गया है। जो, इंद्रलोक परिसर का रखरखाव न किए जाने के कारणवश धनराशि रु. 53,12,609/— के रखरखाव शुल्क एवं अप्रैल, 2024 से नवंबर, 2024 तक जीएसटी का भुगतान नहीं किए जाने के कारण रु 29,18,309/— के रेंटल प्रभार के रूप में है। यह देय राशि नाइलिट एवं मेसर्स पारसवनाथ डेवलपर्स लिमिटेड के मध्य पारस्परिक रूप से तय की जाएगी।

ii) ''वसूली योग्य आय – प्रशिक्षण'' के अंतर्गत शेष राशि रु. 56,68,853/— तीन वर्षों से अधिक समय से बकाया है तथा इसकी वसूली संदिग्ध प्रतीत होती है।

iii) ''मुख्यालय चंडीगढ़'' मद के अंतर्गत धनराशि रु. 2,27,14,912/— बिना समायोजन के दस वर्षों से अधिक समय से बकाया है।

iv) विविध देनदारों पर रु. 4.21 करोड़ की राशि तीन वर्षों से अधिक समय से बकाया है; इन शेष राशि के लिए रु. 2.46 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

v) केंद्र कर योग्य एवं छूट प्राप्त दोनों सेवाओं में संलग्न है, जिसके लिए सीजीएसटी नियम, 2017 के नियम 42 और 43 के अनुरूप रु. 8,86,275.26 की इनपुट टैक्स क्रेडिट राशि के आनुपातिक प्रत्यावर्तन की आवश्यकता है। यह प्रत्यावर्तन प्रभावित नहीं हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप उक्त राशि से जीएसटी देयता कम दर्शायी गई है।

ख) <u>चंडीगढ केंद्र के मामले में</u>

i) वर्ष के दौरान, देनदारों से प्राप्त कुल धनराशि रु. 12,78,532/— प्रासंगिक जानकारी के अभाव में संबंधित देनदार के खाते में जमा नहीं की जा सकी। उक्त समेकित राशि को तुलन–पत्र एवं उसके लेखा नोट्स में दर्शाए गए कुल देनदारों से घटा दिया गया है।

ii) वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान, रोपड़ में कार्यालय भवन बाढ़ से जलमग्न हुआ, जिससे भवन, हार्डवेयर, फर्नीचर और फिक्सचर, विद्युत कनेक्शन, वाहन आदि को क्षति पहुंची। नष्ट/क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के संबंध में विभिन्न ओईएम द्वारा दिए गए पुनर्स्थापन मूल्य के आकलन के आधार पर, इसके द्वारा जारी बीमा पॉलिसियों के तहत न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के समक्ष तत्काल बीमा दावा पेश किया गया था।

सर्वेक्षक को कई बार निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक दस्तावेज और जानकारी प्रदान करने और बीमा कंपनी के साथ पत्राचार करने पर भी, वर्तमान समय में बीमा कंपनी द्वारा दावे के आकलन या निपटान के संबंध में कोई संचार नहीं किया है। परिणामस्वरूप, इस संबंध में कानूनी नोटिस दिए जाने के पश्चात, लंबित दावे के शीघ्र निपटान हेतु दिनांक 15 जून, 2021 को जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, चंडीगढ़ के समक्ष शिकायत दर्ज की गई है। माननीय जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग II, यूटी चंडीगढ़ में न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के विरुद्ध नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा शिकायत संख्या 371/2021 दायर की गई।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, नाइलिट चंडीगढ़ को उक्त दावे के विरुद्ध न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से रु. 1.02 करोड़ प्राप्त हुए । हालाँकि, चूँकि कुल दावा राशि की पूर्ण स्वीकार्यता अभी भी विवाद में है, इसलिए नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ ने माननीय जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग–I, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के समक्ष एक नई शिकायत (शिकायत संख्या 305/2025) दर्ज करायी है।

चालू वित्त वर्ष के दौरान आईटी उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास लगाया गया है, जो दिनांक 18.08. 2019 को बाढ़ के कारण पूरी तरह से नष्ट हो गए थे तथा इन परिसंपत्तियों को अनुसूची 8, 8ए और 8बी में अलग से चिह्नित किया गया है, जब तक कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उन्हें बट्टे खाते में प्रविष्ट करने की स्वीकृति प्रदान नहीं करते हैं।

आलोक तिवारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

iii) पारगमन में चेकों में पिछले वर्षों से संबंधित धनराशि रु. 1,77,517/– सम्मिलित है, जिनकी जांच गतिमान थी, जो पूर्ण हो गई है, किन्तु, संबंधित केंद्र से प्रासंगिक रिकॉर्ड प्राप्त होने पर लेखांकन प्रविष्टियां की जाएंगी।

ग) <u>मुख्यालय के मामले में</u>

i) श्री सुबोध राज एवं रामनिवास शर्मा द्वारा जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम, जयपुर में शिकायत दर्ज कराई जा रही है। नाइलिट ने जिला फोरम में रु 21,000/– की सावधि जमा राशि जमा कर दी है। अभी, मामला राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, नई दिल्ली में केस संख्या RP/1957/2019 के जरिए लंबित है। एनसीडीआरसी पोर्टल के अनुसार, सुनवाई की तिथि 03.06.2021 निर्धारित थी, लेकिन कोविड–19 प्रतिबंधों के कारण उस तिथि पर मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। मामला विचाराधीन है और सुनवाई की अगली तिथि दिनांक 27.01.2026 है।

ii) अग्रिम शुल्क के रूप में धनराशि रु 83,66,415/– प्राप्त हुए हैं, जो चालू देयताओं के अंतर्गत दर्शाए गए हैं, यह राशि वित्तीय वर्ष 2021–22 से 2024–25 तक से संबंधित है।

iii) पूर्व छात्र सदस्यता निधि के खाते में धनराशि रु. 92,006/– का क्रेडिट शेष है, जिसे पूर्व छात्र संघ के पंजीकरण पर अलग बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

iv) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से तीन परियोजनाओं, अर्थात् युवाओं का कौशल विकास, आईईसीटी आकांक्षात्मक रोज़गार, मोबाइल हैंडसेट और मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी) प्रशिक्षण, से संबंधित धनराशि रु. 34.13 लाख का जीआईए प्राप्त हुआ। यह राशि नाइलिट द्वारा परियोजना को समय पर पूरा करने एवं आवर्ती व्यय (मुख्यतः पीएमयू का वेतन आदि) को पूरा करने के लिए अपने संसाधनों से खर्च की गई है।

v) सीपीएफ खातों के लेखापरीक्षित विवरण के अनुसार, दिनांक 31.03.2025 तक धनराशि रु. 1,15,46,220/– का सीपीएफ बैंक शेष नाइलिट मुख्यालय के मुख्य बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

vi) किदवई नगर, नई दिल्ली स्थित आवासीय भवन के रखरखाव हेतु एनबीसीसी को धनराशि रु. 92 लाख दिए गए जिसे पूंजीगत कार्य प्रगति से ''आवासीय भवन के रखरखाव हेतु एनबीसीसी को अग्रिम भुगतान'' में स्थानांतरित कर दिया गया है।

घ) <u>औरंगाबाद केंद्र के मामले में</u>

i) यह देखा गया है कि, विभिन्न पक्षों के बयाना जमा खाते एवं सुरक्षा जमा खाते में शेष राशि लंबे समय से उनके नाम पर जमा है। इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की आवश्यकता है।

ii) व्यय हेतु देयताएं – सत्यापन हेतु उपलब्ध कराए गए विवरणों में यह देखा गया है कि वर्ष 2015–16 से, इस खाते में पुराने प्रावधान हैं, खाते को बंद करने हेतु आवश्यक प्रविष्टियां की जानी चाहिए।

iii) अप्राप्य आरटीजीएस– वर्ष 2022–23, 2023–24 एवं 2024–25 हेतु इन खातों में जमा की गई कुल राशि रु 8,05,554/– रुपये है, प्रविष्टियों को स्पष्ट करने संबंधी आवश्यक कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। दमन केंद्र के मामले में भी – वर्ष 2023–24 के लिए अप्राप्य आरटीजीएस राशि रु. 33,527/– है, प्रविष्टियों को स्पष्ट करने संबंधी कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है।

iv) यह ध्यानार्थ है कि, वर्ष 2023–24 हेतु जीएसटीआर 9 एवं 9सी अभी तक दाखिल नहीं किया गया है, इसे तुरंत दाखिल किए जाने संबंधी सुझाव दिया जाता है, इसके अतिरिक्त, जीएसटी अधिनियम के तहत विलंब के कारण विलंब शुल्क देय होगा।

v) यह देखा गया है कि टीडीएस रिटर्न फाइल करने के दौरान टीडीएस की समस्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाता। इसलिए यह सुझाव दिया जाता है कि सुधार विवरण दाखिल करें तथा लंबित प्रविष्टियों को भी सम्मिलित करें।

आलोक तिवारी

ङ) <u>अजमेर केंद्र के मामले में</u>

i) हमें बयाना राशि जमा की दीर्घकालीन देयता धनराशि रु 2,30,000/–, पुस्तक शुल्क आरईटी एसटी एससी के लिए धनराशि रु 26,184/–, परीक्षा व्यय देय योग्य धनराशि रु 30,300/–, एमओपीआर परियोजना पर दिनांक 31.03.2013 तक देय प्रशिक्षण व्यय धनराशि रु 3,32,000/–, ग्रामीण युवा परियोजना धनराशि रु 4,96,800/–, अन्य से अग्रिम धनराशि रु 25,550/– तथा बीसीसी परीक्षा व्यय के संबंध में नहीं बताया गया, इसलिए हमारे द्वारा सत्यापित नहीं किया गया।

ii) डीजीईटी परीक्षा बकाया में धनराशि रु. 3,99,660/– सम्मिलित हैं जो, 3 वर्षों से अधिक समय से बकाया हैं। लेखा परीक्षक के समक्ष संबन्धित विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया, फलतः यह असत्यापित है।

च) <u>गुवाहाटी केंद्र के मामले में</u>

वित्तीय वर्ष 2021–22 एवं वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु धनराशि रु. 7,99,247/– कॉशन डिपॉजिट राशि को बट्टे खाते में डाल दिया गया है, क्योंकि पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात उक्त अवधि के लिए छात्रों द्वारा कोई दावा नहीं किया गया था।

छ) <u>आइजोल केंद्र के मामले में</u>

वित्तीय वर्ष के दौरान, ग्रेच्युटी के लिए दर्ज कुल देयता धनराशि रु. 1,67,17,571/– है, इसमें से धनराशि रु. 1,45,76,269/– पिछले वर्षों से संबंधित है।

ज) <u>शिमला केंद्र के मामले में</u>

विविध लेनदारों की मद में दर्ज रु 2,18,814/– की राशि वर्ष 2010 से 31.03.2025 तक बकाया है। यह राशि श्रेणीगत (एससी/एसटी) छात्रों के दावे से संबंधित है। कुछ छात्रों द्वारा आज तक इससे संबंधित चेक प्राप्त नहीं किए गए हैं। मेसर्स सनराइज फैसिलिटेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर मई, 2020 से धनराशि रु 58,031/– बकाया है तथा पत्राचार के अनुसार पार्टी ने इस आशय से ईमेल भेजा है कि उसके पास उस वर्ष से संबंधित कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

झ) <u>शिलांग केंद्र के मामले में</u>

नाइलिट शिलांग के स्थायी परिसर के निर्माण कार्य हेतु प्रारंभिक जमा राशि के रूप में 31.03.2025 तक सीपीडब्ल्यूडी, शिलांग को धनराशि रु. 7,18,77,600/– जारी कर दिए गए हैं। सीपीडब्ल्यूडी, शिलांग ने दिनांक 31.03.2025 तक धनराशि रु. 4,17,36,157/– का व्यय प्रस्तुत किया है। इस प्रकार, सीपीडब्ल्यूडी, शिलांग के पास धनराशि रु. 3,01,41,443/– शेष हैं।

ञ) <u>पटना केंद्र के मामले में</u>

i) लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों एवं लेखा बहियों के मध्य धनराशि रु. 56,676/– का आरंभिक अंतर था, जिसे चालू वर्ष के वित्तीय विवरणों में आरंभिक अंतर के रूप में दर्शाया गया है।

ii) जीआईए विस्तार केंद्र बक्सर एवं मुजफ्फरपुर का इति शेष, मुजफ्फरपुर एवं बक्सर की अचल संपत्तियों से मेल नहीं खा रहा है।

ट) <u>रांची केंद्र के मामले में</u>

जीएसटी पोर्टल के अनुसार 31.03.2025 तक जीएसटी कैश लेजर में राशि लेखा बहियों से भिन्न है।

आलोक तिवारी

H. K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

ठ) **हरिद्वार केंद्र के मामले में**

3बी, जजी एसटीआर1 एवं लेखा बहियों के अनुसार आय एवं जीएसटी का मिलान अभी शेष है। इसका मिलान जीएसटीआर9 एवं 9सी दाखिल करने की अंतिम तिथि अर्थात दिनांक 31.12.2025 से पूर्व कर लिया जाएगा।

4. **राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर)**

(क) **आकस्मिक देयताएं :**

i) **मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड** द्वारा नई दिल्ली में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष नाइलिट के खिलाफ एक मध्यस्थता याचिका दायर की गई थी, जिसमें एलआरयूआर सुधारों की लागत को एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटलीकृत दर के 4.3% की दर से कटौती किए बिना डेटा डिजिटलीकरण कार्य के लिए भुगतान जारी करने की मांग की गई थी, जैसा कि नाइलिट की अधिशासी परिषद द्वारा दिनांक 26 सितंबर, 2017 को आयोजित अपनी 35वीं बैठक में निर्णय लिया था। मध्यस्थ ने दिनांक 23 अप्रैल, 2020 को दावेदार के पक्ष में धनराशि रु11,23,31,726/– पर दिनांक 04.06.2015 से आज तक 11% प्रति वर्ष की दर से ब्याज सहित निर्णय सुनाया।

क्षेत्रवार विवरण निम्नानुसार है:

(a) जोन नं 8 और 11 (बिहार) 2,83,48,309/– रु.

(b) जोन क्रमांक 62 (यूपी) 1,94,88,226/– रुपये

(c) जोन क्रमांक 61 (यूपी) 2,51,65,706/– रुपये

(d) जोन क्रमांक 2,3 और 4 रु 3,93,29,485/–

कुल रु 11,23,31,726/–

मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 के अंतर्गत, नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा स्टे लेने तथा दिनांक 23.04.2020 को हुई मध्यस्थता को चुनौती देने के लिए मध्यस्थता याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। उपरोक्त मामले में सुनवाई की अगली तिथि 1.11.2025 निर्धारित है।

इसके अतिरिक्त, मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड ने भी नाइलिट के विरुद्ध माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है, जिसमें एकमात्र मध्यस्थ द्वारा दिनांक 23.04.2020 को की गई मध्यस्थता के निष्पादन की मांग की गई है। मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 04.02.2021 थी और माननीय न्यायालय ने मामले को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है।

चंडीगढ केंद्र के मामले में

ii) **मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड** द्वारा नई दिल्ली में दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष नाइलिट, मुख्यालय और नाइलिट चंडीगढ़ सहित अन्य केंद्रों के विरुद्ध मध्यस्थता याचिका दायर की गई थी, जिसमें एलआरयूआर सुधारों की लागत में कटौती किए बिना जोन 61 और 62 के डेटा डिजिटलीकरण कार्य के लिए भुगतान जारी करने की मांग की गई थी। एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटाइज्ड दर का 4.3%, जैसाकि 26 सितंबर, 2017 को आयोजित अपनी 35 वीं बैठक में नाइलिट की अधिशासी परिषद द्वारा तय किया गया था। मध्यस्थ ने दावेदार के पक्ष में जोन 61 के लिए धरशी रु 2,51,65,706/– पर 11% प्रति वर्ष की दर से ब्याज एवं जोन 62 को धनराशि रु 1,94,88,226/– पर 04.06.2015 से 23.04.2020 अर्थात अवार्ड तक 11% प्रति वर्ष की दर से ब्याज देने का फैसला सुनाया। नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा दोनों क्षेत्रों के लिए मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड के खिलाफ माननीय जिला और सत्र न्यायालय, चंडीगढ़ में दिनांक 24.07.2020 को मध्यस्थता और सुलह अधिनियम

आलोक तिवारी

1996 की धारा 34 के तहत दो अलग–अलग मध्यस्थता याचिकाएं दायर की गई थीं ताकि मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 के तहत एकमात्र मध्यस्थ द्वारा दिनांक 23.04.2020 को सुनाए गए मध्यस्थता अवार्ड पर रोक लगाई जा सके और उसे चुनौती दी जा सके। इस मामले में पिछली सुनवाई की तारीख 06.09.2025 थी तथा अगली सुनवाई की तारीख 01.11.2025 निर्धारित की गई है।

iii) **मेसर्स अव्वास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में आवंटित तीन मंडलों अर्थात 52, 56 एवं 57 के डेटा डिजिटाइजेशन कार्य के संबंध में धनराशि रु 6,01,26,368/– के बकाया भुगतान को जारी करने के संबंध में सिविल रिट याचिका दायर की गई थी, जिसका भुगतान नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा संसाधित किया गया था, लेकिन माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण, विशाखापत्तनम के आदेश के अनुसार रोक दिया गया था। धनराशि रु 6,01,26,368/– का अंतिम देय भुगतान मेसर्स अव्वास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड को दिनांक 03.11.2020 को माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण, विशाखापत्तनम के दिनांक 23.10.2020 के आदेशों के अनुसार जारी किया गया, जिसके द्वारा IA 327/2018 में कुर्की के आदेश रद्द कर दिए गए थे। भुगतान जारी करने से पूर्व इस मामले में वकीलों से कानूनी राय भी मांगी गई थी।

मेसर्स अव्वास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने उक्त मामले को वापस नहीं लिया है और कार्य अनुबंध–पत्र में उल्लिखित कुल अनुमानित लागत अर्थात धनराशि रु 11,02,16,360/– के अनुसार शेष राशि का दावा करने हेतु न्यायालय में आवेदन पेश किया है। मेसर्स अव्वास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड को धनराशि रु 7,11,48,004/– (अग्रिम भुगतान के रूप में रु 1,10,21,636/– तथा दिनांक 03.11.2020 को रु 6,01,26,368/–) का भुगतान किया गया है, जो कि नाइलिट की अधिशासी परिषद द्वारा दंड की सीमा तय करने और एलआरयूआर सुधार लागत निर्धारित करने के संबंध में दिनांक 26.09.2017 की बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार है। सुनवाई की अंतिम तिथि अर्थात 04.09.2023 को मामले का निपटारा इस अवलोकन के साथ किया गया कि मामला सुनवाई योग्य नहीं है और समझौते के अनुसार आगे बढ़ें।

iv) **मेसर्स विर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड, नई दिल्ली** ने नाइलिट चंडीगढ़ के विरुद्ध पंजाब और हरियाणा के माननीय उच्च न्यायालय चंडीगढ़ में 2019 की मध्यस्थता याचिका संख्या 248,252,255 और 289 दायर की है, जिसमें दिनांक 5 जनवरी, 2012 को नाइलिट चंडीगढ़ और मेसर्स विर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड के बीच जोन 6 पंचकूला, जोन 23 मुरादाबाद, जोन 24 आगरा और जोन 27 जालंधर के शहरी क्षेत्रों के सामान्य निवासियों के लिए जनसांख्यिकीय डेटा डिजिटलीकरण के लिए हस्ताक्षरित समझौते से उत्पन्न सभी विवादों, विवादों या दावों का निपटारा करने के लिए एकमात्र मध्यस्थ की नियुक्ति की मांग की गई है। उपर्युक्त मध्यस्थता याचिकाओं में उन्होंने उल्लेख किया है कि नाइलिट ने मनमानित ढंग से 25% की दर से जुर्माना लगाया है तथा धनराशि रु 3,36,76,262/– पर रोक लगा रखी है।

नाइलिट ने पहले ही इस केन्द्र के पत्र संख्या नाइलिट/सीएच/एनपीआर–402/2018/8853 दिनांक 01.06.2018 के माध्यम से मेसर्स विर्गो सॉफ्टेक को जारी किए गए क्षेत्रवार भुगतान का विवरण उपलब्ध करा दिया था।

मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 2.09.2022 थी। प्रतिवादी के वकील ने प्रार्थना की और उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया गया। अधिवक्ता ने सूचित किया है कि धारा 11 याचिकाएँ माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के समक्ष दिनांक 16.09.2022 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थीं। याचिकाकर्ता ने माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाओं को वापस लेने के लिए अपील दायर की थी। माननीय न्यायालय ने अपने दिनांक 16.09.2022 के आदेशों के माध्यम से मुख्य याचिकाओं को वापस ले लिया है और उन्हें सक्षम न्यायालय के समक्ष दायर करने की स्वतंत्रता दी है।

आलोक तिवारी

H. K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

इसके अलावा, मेसर्स विर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष मध्यस्थता याचिका संख्या 1285,1286,1288 और 1289 दायर की है, जिसमें पार्टियों के बीच दिनांक 05.01.2012 को निष्पादित समझौते से उत्पन्न सभी विवादों, विवादों या दावों का निपटारा करने के लिए मध्यस्थ नियुक्त करने की मांग की गई है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका वापस लेने के बाद नए सिरे से याचिका दायर करने की स्वतंत्रता दी गई है। मामला पहली बार 25.07.2023 को सूचीबद्ध किया गया था (याचिकाकर्ता को अग्रिम प्रति के साथ दिनांक 24.07.2023 को जवाब प्रस्तुत किया गया, याचिकाकर्ता को 2 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करना होगा यदि कोई हो)।

दिनांक 14.09.2023 को न्यायमूर्ति पूनम ए. बांबा (सेवानिवृत्त) को एकमात्र मध्यस्थ नियुक्त किया गया तथा प्रस्तावित मुद्दों के लिए मामला दिनांक 03.07.2024 को सूचीबद्ध किया गया, सुनवाई की पिछली तिथि 12.08.2025 थी तथा सुनवाई की अगली तिथि 16.09.2025 निर्धरित हुई है।

v) **मेसर्स स्ट्रैटेजिक इंफ्रा** द्वारा माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में मध्यस्थता और सुलह अधिनियम की धारा 11 के तहत मध्यस्थता याचिक ा संख्या 8/2023 दायर की गई, जिसमें दिनांक 19.06.2012 को पक्षों के बीच निष्पादित समझौते से उत्पन्न सभी विवादों, विवादों या दावों का निपटारा करने के लिए मध्यस्थ नियुक्त करने की मांग की गई। न्यायमूर्ति प्रदीप नंदराजोग (सेवानिवृत्त) को दिनांक 06.07.2023 को पक्षों के बीच विवाद का निपटारा करने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया गया। याचिका सभी लंबित आवेदनों के साथ निपटाई जाती है। इस मामले की सुनवाई की अंतिम तिथि 06.02.2025 थी।

एकमात्र मध्यस्थ ने प्रतिवादी, मेसर्स नाइलिट के पक्ष में निर्णय सुनाया। दावेदार के सभी दावे खारिज कर दिए गए। मध्यस्थ ने पाया कि प्रतिवादी पर मुकदमेबाजी का अनावश्यक बोझ डाला गया था तथा उसने न्यायाधिकरण का आधा शुल्क एवं खर्च वहन किया था, जिसकी प्रतिपूर्ति मेसर्स स्ट्रैटेजिक इंफ्रा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (दावेदार) द्वारा की जानी थी। इसके अतिरिक्त, प्रतिवादी को कानूनी खर्चों हेतु धनराशि रु. 20,00,000 (रुपए बीस लाख मात्र) का भुगतान करने का आदेश दिया, जो निर्णय की तिथि से 30 दिनों के भीतर देय होगा। भुगतान न करने की स्थिति में, निर्धारित राशि पर 30 दिनों की समाप्ति से भुगतान तक 8% प्रति वर्ष की दर से ब्याज होगा।

इसके बाद, मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के अंतर्गत मेसर्स स्ट्रैटेजिक इंफ्रा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में मध्यस्थता निर्णय को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की गई। उक्त मामले की सुनवाई की तिथि 11.07.2025 थी, एवं अगली सुनवाई की तिथि 27.10.2025 निर्धारित की गई है।

<u>गोरखपुर केंद्र के मामले में</u>

vi) **मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड** के बीच मध्यस्थता के मामले में नाइलिट गोरखपुर प्रतिवादी है और एकमात्र मध्यस्थ न्यायमूर्ति जी रोहिणी द्वारा दिए गए फैसले के अनुपालन के अनुसार, धनराशि रु 6,53,31,523.00 (डिक्री राशि दिनांक 18.08.2023 तक ब्याज सहित) डिमांड ड्राफ्ट संख्या 833829 के माध्यम से दिनांक 17.08.2023 को दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार के समक्ष जमा कर दिए गए हैं।

vii) एनपीआर परियोजना के प्रति देनदारियों में एमएसपी को उनके बिलों/चालानों के आधार पर देय राशि सम्मिलित है। हालांकि, एमएसपी के चालानों के विरुद्ध गणना/लगाए गए जुर्माने की राशि रु. 6,48,18,991/– को अनुसूची–8 के तहत देनदारियों के रूप में रखा गया है, जो आरएफपी की शर्तों के दंड खंड के अनुसार एमएसपी को लगाए गए जुर्माने के प्रति देनदारियों के रूप में है।

आलोक तिवारी

H.K. DUA & CO New Delhi Chartered Accountants

औरंगाबाद केंद्र के मामले में

(viii) जनवरी, 2012 को जोन–11 भोपाल, मध्य प्रदेश और जोन–12 जबलपुर, मध्य प्रदेश के डेटा डिजिट के कार्य के लिए **विर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड,** नई दिल्ली के साथ किए गए समझौते के अनुसार। हालाँकि, विर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड, नई दिल्ली ने विवाद के निपटारे के लिए नोटिस दिया है और नाइलिट (एनपीआर), औरंगाबाद से प्राप्त होने वाली राशि के रूप में धनराशि रु 1,64,77,738/– का दावा पेश किया है। ऐसे में धनराशि रु 1,64,77,738/– की संभावित देनदारी हो सकती है। हमें यह भी बताया गया है कि मामला मध्यस्थता के अधीन है एवं अगली सुनवाई दिनांक 19.09.2025 को निर्धारित है।

लेखा बहियों से ज्ञात हुआ है कि, वर्ष 2014–15, 2019–20, 2020–21, 2021–22 के लिए टीडीएस प्राप्त हुआ है एवं वित्त वर्ष 2023–24 के सापेक्ष बकाया है तथा इसके लिए आवश्यक प्रविष्टियाँ की जानी है। कुल धनराशि रु.5337105.19/– है, चूंकि, टीडीएस का क्रेडिट दिल्ली स्थित मुख्यालय से एक साथ लिया जाता है।

गुवाहाटी केंद्र के मामले में

(ix) एनपीआर परियोजना के लिए असम के जोन 2,3 और 4 के संबंध में दिनांक 15.06.2012 के अनुबंध संबंधी विवाद के संबंध में, जिसके अंतर्गत एकमात्र मध्यस्थ ने दावेदार मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पक्ष में धनराशि रु 3,93,29,485/– सहित उक्त राशि पर दिनांक 04.06.2015 से निर्णय तिथि अर्थात दिनांक 23.04.2020 तक 11% प्रति वर्ष की दर से ब्याज देने का निर्णय पारित किया है।

हालाँकि, नाइलिट गुवाहाटी ने उपरोक्त निर्णय के विरुद्ध जिला न्यायाधीश, कामरूप (एम) की अदालत में ब्याज में छूट और धनराशि रु 3,93,29,485.00/– की मांग की, जिसे पहले से ही नाइलिट गुवाहाटी द्वारा देयता के रूप में रखा गया है। यह मामला अब माननीय सिविल जज (वरिष्ठ डिवीजन) नंबर 1, कामरूप (एम) की अदालत को स्थानांतरित कर दिया गया है, जो एक वाणिज्यिक अदालत है। इस पर निर्णय अभी भी प्रतिक्षित है।

(ख) चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम :

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों को उस मूल्य पर दर्शाया गया है जो व्यवसाय के सामान्य क्रम में वसूल किया जाएगा।

(ग) इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग (अब इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) ने अपने पत्र संख्या: FNo7(2)2011-EG-1 दिनांक 05/04/2011 के माध्यम से 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) बनाने हेतु जनसांख्यिकीय डेटा डिजिटलीकरण और बायोमेट्रिक डेटा संग्रह का कार्य सौंपा है। आर जी आई ने अपने DO No.9/83/2010-CRD(NPR) दिनांक 27.06.2012 के माध्यम से नाइलिट से बायोमेट्रिक डेटा डिजिटलीकरण का कार्य वापस ले लिया है।

(घ) भारत के महापंजीयक कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के क्रियान्वयन के लिए नाइलिट को धनराशि रु 522.24 करोड़ की अग्रिम राशि जारी की है। डेटा डिजिटलीकरण (एनपीआर परियोजना) की कुल लागत लगभग धनराशि रु 580.71 करोड़ रुपये है।

(ङ) सक्षम प्राधिकारी द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसार, एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत को "वर्तमान देयताएं और प्रावधान" के अंतर्गत देयताएं–एलआरयूआर (एनपीआर) उपमदों के अंतर्गत गणना की गई है।

(च) एनपीआर निधि पर अर्जित/उपार्जित धनराशि रु.471.70 करोड़ की ब्याज देयताओं के अंतर्गत निर्धारित किया गया है।

(छ) जून, 2014 के दौरान, चंडीगढ़ के सेक्टर 17बी, एससीओ 114–116 में स्थित नाइलिट सेंटर चंडीगढ़ के कार्यालय भवन में भीषण आग लग गई थी। वित्तीय वर्ष 2015–2016 में इसके संबंध में हानि/बट्टे खाते में डालने के संबंध

आलोक तिवारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

में उचित लेखा प्रविष्टियाँ दर्ज की गई हैं। आग के कारण, केंद्र को एनपीआर रिकॉर्ड/परिसंपत्तियों सहित सभी बुनियादी ढाँचे की क्षति हुई।

(ज) परियोजना के निष्पादन में निहित कार्य 2013 में पूर्ण हो गए, किन्तु, एमएसपी (प्रबंधित सेवा प्रदाता) को भुगतान नहीं किया जा सका क्योंकि एमएसपी द्वारा प्रस्तुत बिलों के विरुद्ध आरएफक्यू (कोटेशन के लिए अनुरोध) की शर्तों के अनुसार नाइलिट द्वारा लगाए गए जुर्माने पर एमएसपी द्वारा विवाद किया गया था। इसके अतिरिक्त, स्थानीय सामान्य निवासियों के रजिस्टर (एलआरयूआर) कनेक्शन का कार्य बाद में आरजीआई (भारत के महापंजीयक) द्वारा वापस ले लिया गया था। जुर्माने के निपटान और एलआरयूआर सुधार लागत से संबंधित मामले को प्रबंधन बोर्ड के समक्ष उठाया गया।

प्रबंधन बोर्ड की सिफारिशों पर, नाइलिट की अधिशासी परिषद ने दिनांक 26 सितंबर, 2017 को आयोजित अपनी 35वीं बैठक में एनपीआर परियोजनाओं के संबंध में निम्नलिखित निर्णय दिए थेः —

a) अधिशासी परिषद ने सैद्धांतिक रूप से इस बात पर सहमति व्यक्त की कि विलंब के कारण लगाए जाने वाले जुर्माने की सीमा एलआरयूआर सुधारों की राशि को घटाने के बाद अनुबंध मूल्य के 25% तक होगी तथा कार्य की खराब गुणवत्ता के लिए अन्य जुर्माने अनुबंध के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार लगाए जाएंगे।

b) अधिशासी परिषद ने आगे यह भी स्वीकृति दी कि एमएसपी को पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से भुगतान जारी किया जाएगा, जिसमें एलआरयूआर सुधार लागत की कटौती की जाएगी, जो एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटलीकृत दर का 4.3ः है। एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत आरजीआई को वापस लौटाई जाएगी।

अधिशासी परिषद के निर्णयों के अनुसार, एमएसपी द्वारा कार्य पूरा करने में देरी के कारण जुर्माने की सीमा और एलआरयूआर सुधार लागत के निर्देश को ध्यान में रखते हुए देय राशि की पुनर्गणना करने के बाद वित्त वर्ष 2017—18 और वित्त वर्ष 2018—19 में एमएसपी को भुगतान किया गया है।आरजीआई को वापस लौटाए जाने वाले एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत का लेखा—जोखा रखा गया है और इसे "वर्तमान देनदारियों और प्रावधान" के तहत उप—मदों "अन्य देनदारियां—आरजीआई को देय एलआरयूआर" के तहत दर्शाया गया है और एमएसपी को भुगतान करते समय कटौती की गई जुर्माने की राशि को मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार उप—मदों "प्रतिधारण धन — जुर्माना" और "वर्तमान देनदारियों और प्रावधान" के तहत दर्ज किया गया है।

(i) नाइलिट चंडीगढ़ के मामले में, जारी किए गए लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेकों की धनराशि रु 8,63,182 है, जो ऐसे चेक हैं जिनकी वैधता वर्ष के अंत में समाप्त हो गई है। इस संबंध में निर्धारित प्रक्रिया के पूरा होने तक उक्त राशि को उचित व्यक्तिगत/पार्टी खातों में जमा किया जाना शेष है।

(ii) एनपीआर परियोजना के संबंध में एनपीआर में सम्मिलित होने वाले सभी नाइलिट केंद्रों द्वारा दिनांक 01.04.2012 से पृथक रूप से लेखा बहियाँ रखी गई हैं तथा वित्तीय वर्ष 2012—2013 से पृथक वार्षिक लेखा तैयार किया गया है।

5. हम एतद्द्वारा पुष्टि करते हैं कि समिति के पास सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में परिभाषित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अंतर्गत आने वाले किसी भी पक्ष को देय कोई राशि नहीं है, प्रबंधन द्वारा एकत्रित जानकारी के आधार पर ऐसे पक्षों की पहचान की गई है।

6. वित्त वर्ष 2024—25 के दौरान, नाइलिट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी (एनडीयू) रोपड़ में मुख्य परिसर की एक घटक इकाई के रूप में नाइलिट के 11 केंद्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालय मानित संस्थान) विनियम, 2023 के अनुरूप दिनांकः 15 जुलाई, 2024 की अधिसूचना 9—3/2023—यू.3(ए) के तहत विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा प्रदान किया गया है।

आलोक त्रिपाठी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

7. एनडीयू का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, एनडीयू की गतिविधियों पर होने वाली वास्तविक प्राप्तियों एवं व्यय को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। नाइलिट की मुख्य गतिविधियों के प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को तदनुसार संशोधित किया गया है।

8. एसबीआई लाइफ ने केंद्रीकृत समूह ग्रेच्युटी फंड में धनराशि रु.1,31,17,634/– का ब्याज जमा किया है, जिसे केंद्र एवं मुख्यालय के खातों में दर्ज किया गया है। कालीकट केंद्र के संबंध में, रु.17,57,477/– की राशि मुख्यालय में दर्ज की गई है, जिसे केंद्र वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान दर्ज करेगा।

9. भुवनेश्वर केंद्र के संबंध में, केंद्रीयकृत समूह ग्रेच्युटी निधि हेतु रु.50,000/– की राशि मुख्यालय में बुक की गई है तथा इसे केंद्र द्वारा वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान बुक किया जाएगा।

10. नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र को दिनांक 1.04.2024 से नाइलिट केंन्द्र, रोपड़ से पृथक किया गया तथा यह एक स्वतंत्र केंद्र बन गया है। इसलिए, वित्तीय वर्ष 2024–2025 हेतु नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र के लिए अलग वार्षिक लेखा तैयार किए जा रहे हैं।

11. परीक्षा गतिविधियों, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण आदि के कारण धनराशि रु 3,02,42,430/– का अतिरिक्त प्रावधान वापस कर दिया गया।

12. चालू वर्ष के दौरान धनराशि रु 83,02,896/– के पूर्व अवधि व्यय दर्ज किए गए थे, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40 के तहत अस्वीकृत किया जाएगा।

13. नाइलिट, विक्रेताओं को समय पर भुगतान हेतु एमएसएमईडी अधिनियम के अंतर्गत एमएसई विक्रेताओं से संबंधित पृथक रिकॉर्ड रखेगा।

14. नाइलिट चेन्नई एवं पटना के अंतर–केन्द्रीय लेखा का मुख्यालय के साथ संराधन किया जा रहा है।

15. देनदार एवं लेनदार, ऋण और अग्रिम, चालू परिसंपत्तियाँ और चालू देनदारियाँ, पुस्तकों में उस मूल्य पर दर्शायी गयी हैं जो, वसूली योग्य/ देय है। हालाँकि, पक्षों से पुष्टि प्रक्रियाधीन है।

16. धनराशि रु.1.23 करोड़ की राशि पूंजीगत अवसंरचना के लिए कॉर्पस फंड से वित्तीय सहायता के रूप में नाइलिट केंद्र, लेह एवं पटना को हस्तांतरित कर दी गयी है।

17. आंकड़े निकटतम रुपए में पूर्णांकित किए गए हैं।

18. पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/ पुनः वर्गीकृत किया गया है, जहां भी आवश्यक हो, उन्हें विभिन्न पक्षों से तुलना योग्य बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

19. विभिन्न केन्द्रों के एकीकरण के दौरान, बेहतर एवं निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए शीर्षकों/ समूहों को पुनः व्यवस्थित किया गया है।

20. इन समेकित वित्तीय विवरणों में विभिन्न केन्द्रों के लेखा–परीक्षित वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन के विवेक के अनुसार केवल भौतिक नोट ही प्रस्तुत किए गए हैं, गैर–भौतिक नोट्स के लिए व्यक्तिगत केन्द्र के लेखा–परीक्षित वित्तीय विवरणों को संदर्भित किया जा सकता है।

कृते एच.के. दुआ एंड कंपनी
चार्टेड अकाउटेंट
एफआरएन 000581एन

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
भागीदार
एम. संख्या 422199

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 08.09.2025

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

(राशि रुपए में)

क्रम संख्या	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्रम संख्या	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
I	**आरंभिक शेष**			I	**व्यय:**		
	क) नकद/अग्रिम/स्टाम्प	2,30,333	2,08,528		क) स्थापना व्यय	94,17,25,141	65,72,15,778
	ख) बैंक शेष		-		ख) प्रशासनिक व्यय	56,61,46,652	48,98,47,970
	i) चालू खातों में	37,92,43,328	88,25,47,033				
	ii) बचत खातों में	38,48,47,677	30,58,00,480				
	iii) अल्पावधि जमा में	3,94,49,37,300	4,09,81,54,068				
	iv) दीर्घावधि जमा में	2,70,01,89,261	3,31,39,90,653				
	v) दीर्घावधि जमा में - निर्धारित निधियाँ	2,96,53,85,097	2,21,28,57,614				
	vi) दीर्घावधि जमा में - जीआईए निधि	-	11,88,020				
	vii) दीर्घावधि चेक/ड्राफ्ट हस्तान्तरित	-	-				
	viii) एनपीआर शेष	-	-				
II	**प्राप्त अनुदान**			II	**विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त धनराशि के विरुद्ध किए गए भुगतान (परियोजनाओं पर व्यय)**		
	क) भारत सरकार से						
	i) योजना	-	-		i) डोनर (आईटीईएस)	-	-
	ii) पूर्वोत्तर परियोजना के लिए योजना निधि	-	-				
	iii) गैर-योजना	-	42,00,000		ii) परियोजना अनुभव के लिए अग्रिम।	-	-
	iv) नवीनीकरण निधि	-	-		iii) सूचना सुरक्षा पेशेवरों का प्रमाणन	-	-
	v) फोरेंसिक लैब स्थापना	-	-		iv) एमइआईटीवाई/डीएसटी एवं अन्य परियोजनाएँ (स्वयं की	-	16,69,35,071
	vi) केंद्रों से हस्तांतरित निधि	-	43,48,375		v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएँ)	-	1,10,249
	एनपीआर परियोजना	-	-		vi) राज्य सरकार की परियोजनाएँ	-	-
	योजना निधि पर ब्याज	-	6,260				
	b) राज्य सरकार से	65,57,100	10,00,000		पटना आरसी की स्थापना	-	-
	c) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	-	-		केंद्रों को जारी की गई धनराशि	-	28,16,80,671
	i) डोनर (आईटीईएस)	-	-		विभिन्न परियोजनाओं के लिए केंद्रों को जारी की गई धनराशि	5,65,38,91,591	5,81,51,39,131
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान और	-	-		परियोजना पर व्यय	2,44,29,21,767	2,17,14,07,150
	कॉलेज के प्रमाणन के लिए)	45,05,38,366	1,14,61,74,531		एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	-	96,130
	iii) एमईआईटीवाई (सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता के लिए)	-	-		मुख्यालय को वापसी	20,97,49,348	8,07,28,279
	iv) एमईआईटीवाई (महिला सशक्तिकरण)	-	-				
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	-	-				
	vi) अन्य (राज्य सरकार और अन्य	5,73,13,46,809	5,39,10,60,100				
	एजेंसियों) से प्राप्त निधि	-	-				
	vii) केंद्रों को संवितरण के लिए (योजना और गैर-योजना)	16,06,14,182	10,50,80,857				
	viii) एनआईईएलआईटी अधिशेष से जारी निधि	3,07,39,382	3,23,72,757				
	ix)एमईआईटीवाई (पटना अनुसंधान केंद्र की स्थापना)	42,50,17,097	40,60,674				
	x)एमईआईटीवाई (एससी/एसटी अनुदान)/एससीएसपी एवं टीएसपी	41,14,400	-				
	xi) अन्य इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय परियोजनाएँ	47,76,592	-				
III	**xii) दानदाता से प्राप्त**			III	**किए गए निवेश और जमा राशियाँ**		
	xiii) स्वयं की परियोजनाएँ	83,25,96,285	83,21,85,786		क) निर्धारित/अंशदान निधियों से	69,67,16,936	94,51,36,713
	निवेश पर आय:	6,77,55,303	-		ख) स्वयं की निधियों से (निवेश - अन्य)	31,79,93,014	21,92,69,679
	a) निर्धारित/एंडोमेंट निधि	6,01,94,561	2,24,67,35,271		ग) जीआईए निधियों से	-	2,39,41,10,934
	b) स्वयं की निधि (अन्य निवेश)	10,62,16,267	10,44,33,126		घ) अल्पकालिक जमा	-	-
	c) जीआईए निधि से	66,84,429					

जारी है.....

आलोक त्रिपाठी

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

जारी है.....

(राशि रुपए में)

क्रम संख्या	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्रम संख्या	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
IV	**प्राप्त ब्याज**						
	क) बैंक जमा पर - सावधि जमा	67,48,52,850	57,35,67,599	IV	**अचल संपत्तियों और पूंजीगत कार्य-प्रगति पर व्यय**		
	ख) बचत बैंक खाते पर	98,15,826	5,06,28,291		क) अचल संपत्तियों की खरीद	13,01,59,344	13,22,02,045
	ग) ऋण और अग्रिम आदि	2,02,93,524	81,68,705		ख) पूंजीगत कार्य-प्रगति पर व्यय	12,62,18,357	9,12,80,859
	घ) बचत बैंक - एनपीआर परियोजना	-	23,152				
	ङ) एफडीआर में अर्जित ब्याज	6,16,42,205	6,57,48,868				
V	**आय (निर्दिष्ट करें)**			V	**अधिशेष धन/ऋण की वापसी**		
	शुल्क/सदस्यता	1,14,49,89,589	1,04,17,67,283		क) भारत सरकार को	4,22,62,251	1,35,67,077
	सेवाओं से आय	1,21,15,14,002	1,25,52,24,163		ख) राज्य सरकार को	-	-
	परियोजनाओं से आय	67,45,64,918	65,65,88,260		ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	44,09,708	18,226
	प्रकाशन की बिक्री से आय	5,02,549	3,64,699				
	नगरपालिका से प्राप्त राशि	75,14,700	15,86,057				
	विविध आय	5,69,48,375	5,44,99,366				
	जैव-सूचना विज्ञान पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन	-	1,12,372				
	संचित बचत निधि	-	-				
VI	**उधार राशि**			VI	**वित्त शुल्क (ब्याज)**	12,914	-
	नाइलिट योजना से अग्रिम राशि	1,22,88,806	5,006				
	मुख्यालय से प्राप्त सॉफ्ट लोन	6,54,30,142	8,05,30,964				
VII	**कोई अन्य रसीद**			VII	**अन्य भुगतान**		
	क) चेक/ड्राफ्ट	-	-		क) सुरक्षा जमा, कॉशन मनी, ईएमडी आदि।	59,42,631	15,15,45,678
	ख) जमा रसीद (एसडी, ईएमडी, सीएमडी आदि)	7,15,45,827	4,42,19,116		ख) ऋण और अग्रिम (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	32,61,19,287	17,96,62,007
	ग) वसूली/अग्रिमों की वापसी	16,90,567	12,32,45,781		ग) विविध व्यय	12,63,986	68,52,971
	घ) सावधि जमा नकदीकरण और निवेश से निकासी	10,43,13,839	1,87,79,596		घ) जारी किए गए लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए।	-	8,800
	ङ) विविध प्राप्तियाँ/प्रावधान	2,35,96,022	14,46,82,495		ङ) कटौती भुगतान सहित देय वेतन	5,43,44,728	87,80,472
	च) विविध लेनदारों/वर्तमान देनदारियों में वृद्धि	9,50,12,672	15,20,96,949		च) विविध देनदारों/चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि	7,03,55,797	22,13,10,708
	छ) विविध देनदारों/वर्तमान परिसंपत्तियों में कमी	63,56,56,372	32,86,54,488		छ) विविध लेनदारों में कमी	40,44,38,179	40,00,61,006
	ज) अंतर-केंद्रीय खाता	64,15,70,690	86,37,21,804		ज) अन्य देनदारियों का भुगतान	19,41,30,885	12,39,09,956
	झ) जारी किए गए लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	-	8,800		झ) पंजीकरण शुल्क	22,60,299	36,95,102
	ञ) वर्ष के दौरान शामिल नकद और बैंक शेष	-	-		ञ) गैर-परिचालन व्यय	-	-
	ट) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	16,23,45,735	4,43,79,075		ट) मान्यता व्यय	-	-
	ठ) ईपीएफ/सीपीएफ	96,90,494	1,35,66,446		ठ) अंतर-केंद्रीय खाता	51,57,42,371	1,08,81,67,666
	ड) नाइलिट केंद्रों से ग्रेच्युटी निधि के लिए प्राप्तियाँ	13,48,44,602					
	ढ) नाइलिट (मुख्यालय) से नाइलिट विश्वविद्यालय के कोष हेतु प्राप्त धनराशि	25,00,00,000			ड) केंद्रों को जारी अधिशेष	-	-
					ढ) भुगतान किया गया सेवा कर/आयकर/टीडीएस/वैट/व्यावसायिक कर/जीएसटी	15,70,57,629	15,34,94,972
					ण) सीपीएफ ट्रस्ट/ईपीएफ को देय	2,80,80,657	2,25,68,341
					त) संचित अधिशेष से भुगतान	-	1,49,36,831
					थ) डीम्ड विश्वविद्यालय के लिए किए गए भुगतान	25,00,00,000	-
					द) ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण के लिए भुगतान	7,11,24,094	-
				VIII	**इतिशेष**		
					क) नकद/अग्रिम/स्टाम्प	1,94,934	2,30,333
					ख) बैंक शेष		-
					i) चालू खातों में	36,67,99,666	37,92,43,328
					ii) बचत खातों में	69,29,67,457	38,48,47,677
					iii) अल्पावधि जमा में	4,99,13,78,935	3,94,49,37,300
					iv) दीर्घावधि जमा में	1,93,75,73,450	2,70,01,89,261
					v) दीर्घावधि जमा में - निर्धारित निधियाँ	3,13,06,26,067	2,96,53,85,097
					vi) जीआईए निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
					ग) एनपीआर खाता - नकद	-	-
					घ) एनपीआर खाता - बैंक शेष	-	-
	कुल	**24,33,26,08,075**	**26,20,85,73,468**		**कुल**	**24,33,26,08,075**	**26,20,85,73,468**

हमारी इस-तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार,
एच. के. दुआ एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन 000581एन

(आलोक त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
भागीदार
एम. संख्या 422199

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 08.09.2025

नाइलिट द्वारा स्किलिंग पारिस्थितिकी-तंत्र

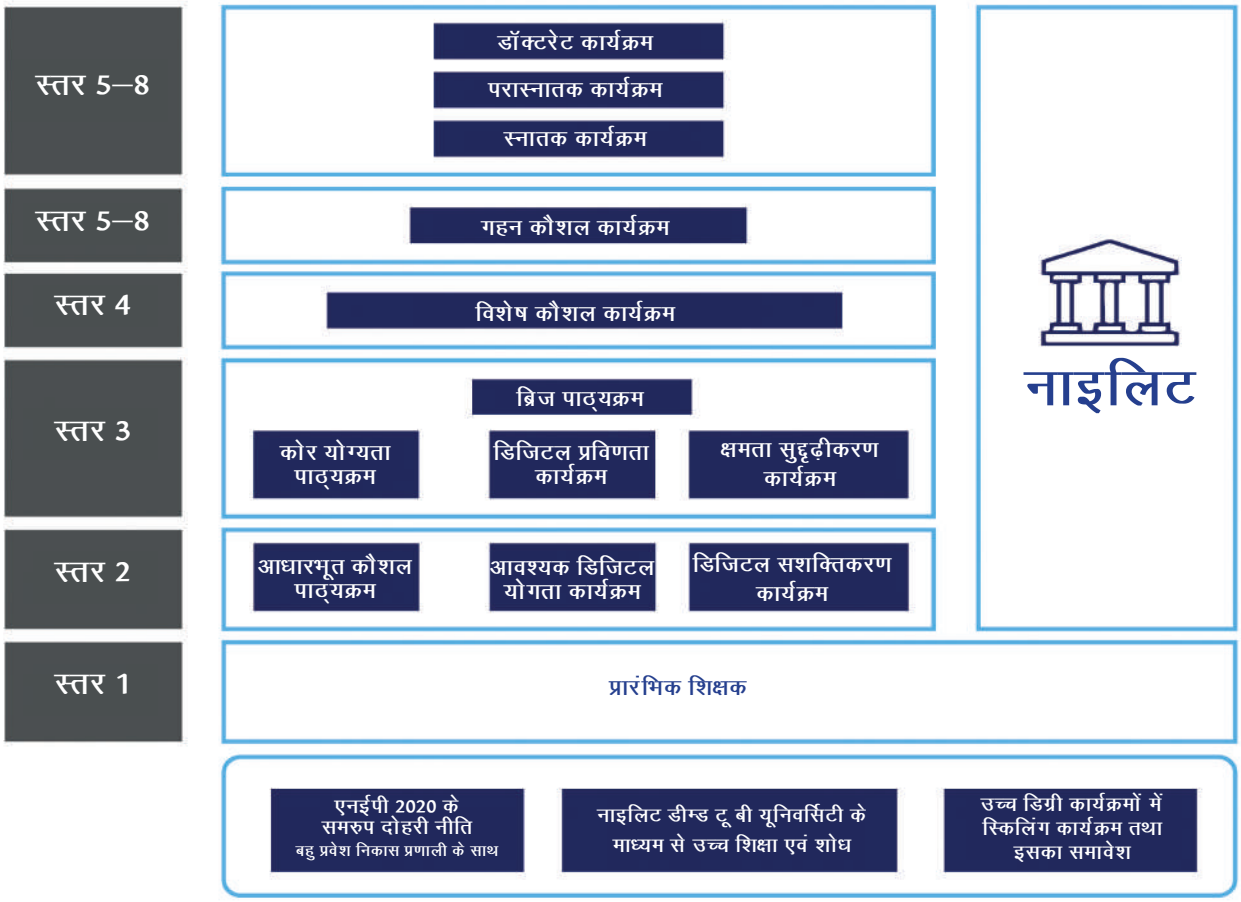

नाइलिट का डिजिटल स्किलिंग फ्रेमवर्क

संकेताक्षर

एएसी शैक्षणिक सलाहकार परिषद I एआईसीटीई अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद **I एवीटीयू** शहरी सहकारी बैंकों के लिए जागरूकता वृद्धि और प्रशिक्षण **I बीसीसी** बेसिक कंप्यूटर कोर्स **I बीआई** जैव–सूचना–ओ स्तर **I बीपीओ** व्यापार प्रक्रिया आउटसोर्स **I सीसीसी** कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम **I सीईडीटी** भारतीय इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केंद्र **I सीएचएमटी–ओ स्तर** कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव–तकनीशियन (ओ लेवल) **I सीवीओ** मुख्य सतर्कता अधिकारी **I डीईपीएम** इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन एवं रखरखाव में डिप्लोमा **I डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग **I डीजीई रोजगार महानिदेशालय डीजीआर पुनर्वास महानिदेशालय डोनर** पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग **I डीपीआर** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट **I ईसीसी** विशेषज्ञ कंप्यूटर कोर्स **I ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन एवं विनिर्माण **I एफ एंड ए** वित्त एवं लेखा समिति **I एफडीपी** संकाय विकास कार्यक्रम **I जीसी** अधिशासी परिषद **I आईसीटी** सूचना एवं संचार तकनीक **I आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी **I आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी **I आइटीइएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ **I एमबी** प्रबंधन बोर्ड **I एमईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय **I एमएसडीई** कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय **I एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद **I एनसीएससी** राष्ट्रीय कैरियर सेवा केंद्र **I एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन **I रा.इ.सू.प्रौ.सं.** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान **I एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर **I एनएसक्यूएफ** राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा **I पीजीडीसीए** कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा **I पीएमसी** परियोजना प्रबंधन सलाहकार **I पीएमश्री** अग्रणी भारत हेतु प्रधानमंत्री स्कूल **I पीआरएसजी** परियोजना समीक्षा एवं संचालन समूह **I आरएंडडी** अनुसंधान एवं विकास **I एससी** अनुसूचित जाति **I एसटी** अनुसूचित जनजाति।

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर–8, द्वारका,
नई दिल्ली–110077 फोन: 91-11-4444 6777

www.nielit.gov.in

नाइलिट भवन, पीएसपी पॉकेट 3, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली